



संस्कृति मंत्रालय  
MINISTRY OF  
CULTURE



वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

# Annual Report & Audit Report

2022-23

75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav



दि एशियाटिक सोसाइटी  
कोलकाता

संसद की अधिनियम (1984) के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान  
भारत सरकार

**The Asiatic Society**  
**Kolkata**

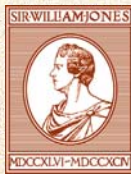
An Autonomous Institution of National Importance under an Act of Parliament (1984)  
Government of India

दि एशियाटिक सोसाइटी  
का

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन 2022-2023



दि एशियाटिक सोसाइटी  
का  
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन  
2022-2023



दि एशियाटिक सोसाइटी

1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700 016



प्रकाशक  
डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती  
महासचिव  
दि एशियाटिक सोसाइटी  
1 पार्क स्ट्रीट  
कलकाता 700 016

अक्टोबर, 2023

संकलित : डॉ प्रीतम गुरे

कवर डिजाइन : धीमान चक्रवर्ती

मुद्रक  
शैली प्रेस प्रा: लि:  
4ए मानिकतला मेन रोड  
कलकाता 700 054  
Email : saileepress@yahoo.com

## शोक संदेश

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, अपने सोसाइटी के निम्नलिखित सदस्यों, प्रतिष्ठित हस्तियों, शुभचिंतकों, कार्मिकों एवं भूतपूर्व कार्मिकों के निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त करती है।

डॉ. उस्मान घनी

श्रीमती कल्याणी चक्रवर्ती

श्री संदीप दत्ता

प्रोफेसर जीतेन्द्र मोहांती

डॉ. भास्करज्योति घोषाल

श्री सुजान दासगुप्ता

पंडित विजय कुमार किचलू

श्रीमती वाणी जयराम

श्रीमती सुमित्रा सेन

श्री नीलमणि पूकन

प्रोफेसर शिशिर कुमार मजूमदार

श्रीमती गीता साहा

श्री जियांग जेमिन

प्रोफेसर चितरंजन बनर्जी

प्रोफेसर रामकृष्ण भट्टाचार्य

डॉ. दिलीप महालनबीस

श्री मानब मुखर्जी

प्रोफेसर अमूल्य रतन बनर्जी

प्रोफेसर दीपक कुमार बरुया

श्री पीटर वुक्

प्रोफेसर सूर्य शंकर रॉय

श्री पार्थ घोष

श्री शिव कुमार शर्मा

डॉ. रमाकांत शुक्ला

प्रोफेसर जयंत बंद्योपाध्याय

श्री प्रदीप मुखोपाध्याय

डॉ. रीता चट्टोपाध्याय

श्री ब्रजदुलाल चट्टोपाध्याय

डॉ. बरुण मुखोपाध्याय

डॉ. श्यामल कांति चक्रवर्ती

डॉ. एम.के.ए. सिद्दीकी

प्रोफेसर सामंतक दास

श्री समर (वट्टु) बनर्जी

श्री तरूण मजूमदार

श्रीमती निर्मला मिश्रा

डॉ. भूपिंदर सिंह

प्रोफेसर इंद्राणी घोष

डॉ प्रभात कुमार दास



## विषय-सूची

1.	एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा	...	9
2.	अध्यक्षीय संबोधन	...	12
3.	महासचिव का अभिभाषण	...	19
4.	एशियाटिक सोसाइटी की कार्यकारी परिषद (2022-24)	...	21
5.	योजना समिति और स्थायी वित्त समिति	...	23
6.	समितियां और उप-समितियां	...	25
7.	वर्ष 2022 के लिए पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानानों के लिए चयनित पुरस्कार विजेता	...	28
8.	अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान कार्यकारी परिषद द्वारा अपनाए गए प्रमुख संकल्प और प्रतिवेदित बस्तुएँ	...	31
9.	एशियाटिक सोसाइटी का प्रकाशन	...	37
10.	पुस्तकालय संभाग की गतिविधियाँ		
	पुस्तकालय	...	39
	संग्रहालय	...	42
	संरक्षण	...	44
	रेप्रोग्राफी	...	45
11.	शैक्षणिक विभाग की गतिविधियां		
	A. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं	...	47
	B. पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान परियोजना	...	48



C.	अनवरत जारी बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं	...	49
D.	आरंभ होने वाली अनुमोदित बाह्य परियोजनाएं	...	51
E.	बाह्य अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी द्वारा आयोजित	...	51
F.	व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन / कार्यशालाएं /संगोष्ठी / वार्ता	...	52
12.	विशिष्ट गतिविधियां	...	57
13.	एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी (2022-2023)	...	59
14.	वित्त, लेखा, बजट और लेखा परीक्षा	...	67

विजुअल्स (दृश्य-श्रव्य)

# 1

## एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना यात्रा

### स्थापना

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता भारत में शिक्षा का प्राचीनतम संस्थान है एवं भारतीय इतिहास के पुनरुद्धार एवं भारतीय नवजागरण के शंखनाद में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। सर विलियम जोन्स, एक प्रख्यात भाषाविद और एंग्लो-वेल्श कुल के विद्वान थे, ने 15 जनवरी, 1784 को सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता के ग्रैंड जूरी हॉल में हुई बैठक में इसकी स्थापना की थी।

सर विलियम जोन्स (1746-1794) सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता में सहायक न्यायाधीश (प्युनी जज) के रूप में 1783 में नियुक्त हुए। सर जोन का ही यह विचार था कि प्राच्य अध्ययन के लिए एक स्थायी संगठन स्थापित किया जाए। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स को स्वयं ही भारत के शास्त्रीय भाषाओं और साहित्य में गहन रुचि थी। प्राच्य अध्ययन में कंपनी के अधिकारियों का एक वर्ग भी अत्यंत सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था। इसलिए जोन्स की उस विचारधारा को अत्यंत ही आसानी से लागू कर दिया गया।

15 जनवरी 1784 को, ऐसे तीस उत्सुक यूरोपीय कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट के ग्रैंड जूरी कक्ष में मिले एवं संस्थान के रूप में एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना के लिए जोन्स के प्रस्ताव को अंगीकार कर लिया।

**एशिया की भौगोलिक सीमा में ही अन्वेषण कार्य होंगे और इन सीमाओं के भीतर इसकी जिज्ञासाओं का विस्तार किया जाए जिसमें मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ शामिल होंगी** - इस ऐतिहासिक बैठक में एशियाटिक सोसाइटी के स्मृति ज्ञापन में निहित इस बयान को सर विलियम जोन्स द्वारा तैयार किया गया था। इस प्रकार एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।



## शुरुआत के दिन

इस सोसाइटी के पहले अध्यक्ष विलियम जोन्स बने और वर्ष 1794 में अपनी मृत्यु पर्यंत इस पद पर बने रहे। सोसाइटी के पहले संरक्षक वॉरेन हेस्टिंग्स थे। तब से संरक्षक का पद गवर्नर जनरल के पास था और स्वतंत्रता के बाद यह पद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पास है। प्रारंभ में, केवल यूरोपीय नागरिक ही सोसाइटी के सदस्य के रूप में थे। वर्ष 1829 में भारतीयों को भी सोसाइटी सदस्य के रूप में की अनुमति दी गई थी। वर्ष 1885 में, इस संगठन के पहले भारतीय अध्यक्ष राजेंद्रलाल मित्र हुए। यह संगठन अपनी स्थापना के आरंभिक वर्षों के दौरान, बिना भवन के ही कार्यरत था। वर्ष 1805 में सरकार द्वारा जमीन दिए जाने के बाद, इसका आधिकारिक भवन 1808 में निर्माण किया गया। सोसाइटी के वर्तमान भवन का निर्माण वर्ष 1961 में इसी स्थान पर किया गया था एवं 22 फरवरी 1965 को पूर्व भारतीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इसका उद्घाटन किया था।

पिछली दो शताब्दियों के दौरान सोसाइटी के नाम में कई परिवर्तन हुए जैसे एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1832-1935), द रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1936-1951) एवं एशियाटिक सोसाइटी के रूप में इसकी पहचान जुलाई 1952 में हुई।

## विज्ञान एवं मिशन

सोसाइटी के मुख्य कार्य हैं:

- एशिया महाद्वीप में मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना, पहल करना एवं प्रोत्साहन देना,
- अनुसंधान संस्थानों, रीडिंग कक्ष, संग्रहालयों, सभागारों एवं व्याख्यान कक्षों की स्थापना, निर्माण, विनिर्माण, विरचना, अनुरक्षण एवं संचालन करना,
- लक्ष्य पूरा करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, चर्चा, बैठकें एवं पुरस्कार स्वरूप मेडल और छात्रवृत्ति प्रदान करना।
- किसी पत्रिका, पुस्तक या अन्य साहित्य का अधिग्रहण करना, वित्तपोषित करना या प्रकाशित करना जिसे सोसाइटी अपने कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त समझता हो;

जैसे-जैसे समय व्यतित होता गया, एशियाटिक सोसाइटी को अपने कार्यों का विस्तार करता रहा एवं फलस्वरूप अनुसंधान के क्षेत्र का भी विस्तार करना पड़ा। भले ही यह अपने संस्थापक सर विलियम जोन्स द्वारा जारी किए गए मूल अधिदेश की सीमा से आगे नहीं बढ़ा है कि यह मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ के सिद्धांत पर कार्य कर रहा है। केंद्र की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक समय में मानव ज्ञान में निरंतर वृद्धि होने के पश्चात भी इस प्रासंगिक अधिदेश का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है।

एशियाटिक सोसाइटी ने भारत के अतीत की खोज में अग्रणी एवं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एशियाटिक सोसाइटी के विलियम जोन्स, चालस विल्किंस, एचटी कोलबर्क, बीएच हॉडसन, फ्रांसिस विल्फोर्ड, सैमुअल डेविस, एचएच विल्सन, जेम्स प्रिसेप जैसे महान भारतीयविदों एवं प्राच्यविदों ने अपने बौद्धिक आश्चर्य के कार्य किए थे।

सोसाइटी देश की सांस्कृतिक विरासत के भंडार रूप में भी कार्य कर रहा है और अपने संसाधनों के माध्यम से पिछले 200 से अधिक वर्षों देश के सांस्कृतिक विरासत के प्रचार एवं प्रसार कार्य कर रही है, परिणामस्वरूप मूल्यवान पांडुलिपियों एवं अन्य दस्तावेजों का एक महान केंद्र बनकर उभरा है।

## राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

एशियाटिक सोसाइटी कई मायनों में इस देश में कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण, भारतीय संग्रहालय, उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय, कलकता मेडिकल कॉलेज, इंडियन नेशनल साइंस एकादमी इत्यादि के प्रगति एवं विकास जननी रही है।

इस सोसाइटी के महत्व एवं इसके कला और विज्ञान के सभी क्षेत्रों में इसके अपार योगदान की देखते हुए, भारत सरकार ने 1984 में सोसाइटी के द्विशताब्दी वर्ष के दौरान संसद के अधिनियम द्वारा एशियाई सोसाइटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता दी। 1984 के एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम के लागू होने से भारत सरकार ने भविष्य में इसके अनुरक्षण और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी संभाली।



वर्तमान में, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत यह सोसायटी एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य कर रही है।

### शासन

सोसायटी पश्चिम बंगाल सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1961 के तहत पंजीकृत है। यह एक सदस्यों की सोसायटी है। सोसायटी के सदस्यों द्वारा निर्वाचित एक बीस सदस्यीय परिषद, सोसायटी की प्रशासनिक, निर्देशन एवं प्रबंधन संबंधी मामले देखरेख करती है। निर्वाचन हर दो वर्ष में होता है। इस प्रबुद्ध परिषद के सदस्य मुख्य रूप से विभिन्न एकादमिक विषयों के विशेषज्ञ होते हैं। इसके अलावा, परिषद में भारत सरकार द्वारा चार नामांकित व्यक्ति, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा एक नामांकित व्यक्ति और एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि शामिल हैं। महीने में एक बार अनिवार्य रूप से परिषद की बैठक होती है। कई स्थायी समितियाँ हैं जो परिषद को उसके मिशन को कार्यान्वित करने में

सहायता करती हैं। इसके अलावा एशियाटिक सोसाइटी का एक प्लानिंग बोर्ड भी है जो इस सोसाइटी के विकास कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के संबंध में परामर्श देती है।

इसी तरह, एक स्थायी वित्त समिति भी जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और परिषद के नामित सदस्य शामिल होते हैं, जो वित्तीय प्रभाव से संबंधी सभी मामलों पर परिषद को सलाह देते हैं।

### सोसाइटी की विकास यात्रा अब भी जारी

11 जनवरी, 1984 को कोलकाता में सोसाइटी के द्विशताब्दी समारोह में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था, कुछ संस्थान इतिहास को दर्शाते हैं और कुछ इसमें योगदान करते हैं। इस सोसाइटी ने यह दोनों कार्य किया। अब तक, सोसायटी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी क्षेत्रों में अपने कार्यक्रमों आगे बढ़ाते हुए इसका प्रचार-प्रसार कर रही है।

# 2

## अध्यक्षीय भाषण बहुलवाद और बहुसंस्कृतिवाद में भारतीय समाज

**मा**ननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल एवं एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक, डॉ. सी. वी. आनंद बोस, डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती, हमारे महासचिव, प्रोफेसर सुजीत कुमार दास, हमारे कोषाध्यक्ष, पदक, पट्टिका एवं लेक्चरशिप के माननीय प्राप्तकर्ता, देवियो और सज्जनो!

डेविड क्रिस्टल (लैंग्वेज डेथ, 2000) ने अपने हालिया लेख में उस संकटप्रद स्थिति के बारे में बात की है, कि भाषाएँ तेजी से विलुप्त हो रही हैं। भाषाएँ लंबे समय से विलुप्त हो रही हैं, लेकिन जो इसमें नई बात है वह है इसके लुप्त होने की गति की तीव्रता। जैसा कि उन्होंने अनुमान लगाया था, दुनिया की 6000 भाषाओं में से 3000 भाषाएँ अगले 50 वर्षों में समाप्त हो जाएँगी क्योंकि उन भाषाओं को बोलने वाले आखिरी लोग भी गायब हो जाएँगे। यह प्रक्रिया अत्यंत ही सामान्य है। जैसे ही ये लोग किसी प्रभावशाली भाषा के संपर्क में आते हैं - क्षेत्रीय हो या राष्ट्रीय - वे धीरे-धीरे इस प्रभावशाली भाषा को अपनाते हैं, द्विभाषावाद को बढ़ावा देने लगते हैं, जो परिवर्ती पीढ़ियों में समाप्त हो जाता है क्योंकि लोग मूल भाषा को कमजोरी या शर्मिंदगी का स्रोत मानने लगते हैं। परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर भाषाई विविधता कम हो रही है।

संस्कृति के बारे में भी यही तर्क अक्सर व्यापक स्तर पर दिया जाता है, जिसे आम तौर पर जातीय समूहों के जीवनयापन पद्धति के रूप में देखा जाता है। उपभोग पद्धति, मनोरंजन पद्धति, पहनावे की पद्धति, जीवन-यापन पद्धति आदि सभी का वैश्वीकरण हो रहा है। इन वैश्विक प्रवृत्तियों का परिणामस्वरूप स्थानीय सृजनात्मकता और स्थानीय सांस्कृतिक उत्पाद समाप्त हो रहे हैं, एवं पश्चिमी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले उत्पादों ने उनका स्थान ले लिया है। इससे लोगों के दृष्टिकोण एवं ग्रहण करने प्रवृत्ति, उनके कला एवं सांस्कृति में और भी बड़े परिवर्तन होते हैं। यह कहा जा सकता है कि आधुनिकीकरण के कारण दुनिया भर में ऐसे संस्कृतियों की उन विशेष विशेषताओं में कमी पायी गयी है जिनसे उन जातीय समूहों की तुरंत पहचान की जाती है।



सी. डब्ल्यू. वॉटसन ने तर्क दिया है एवं दर्शाया है (बहुसंस्कृतिवाद, 2002) कि इस प्रकार की सांस्कृतिक हानि निश्चित रूप से केवल विकासशील देशों तक ही सीमित नहीं है, जहां स्वदेशी रीति-रिवाजों की मृत्यु का कारण सांस्कृतिक संपर्क और उत्तर-उपनिवेशवाद को माना जाने लगा है। आज पारंपरिक स्थाननीयता का विघटन हो रहा है जिसका कारण जीवन-यापन के पारंपरिक तरीके नष्ट होने, आधुनिकीकरण और विशेष शिल्प एवं कौशल में कमी, अवागमन में वृद्धि जैसे कारक जिम्मेदार हैं - इन सभी के परिणामस्वरूप पारंपरिक समुदाय नष्ट हो रहे हैं एवं इसकी पारंपरिक विशेष संस्कृतियों का भी हास हो रहा है।

### बहुवचन समाज के सिद्धांत

बहुसांस्कृतिक समाजों के शासन की अवधारणा में भौगोलिक एवं ऐतिहासिक स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसे अक्सर बहुलवाद शब्द के साथ परस्पर उपयोग किया जाता है। हालाँकि औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक समाजों के अध्ययन में बहुलवाद या बहुल समाज की अवधारणा का एक विशिष्ट उपयोग है, फिर भी, इस विवरण में, हम दो शब्दों 'बहुवचन समाज' और 'बहुसांस्कृतिक समाज' का उपयोग एक ही अर्थ के रूप में कर सकते हैं।

बहुवचन समाज के सिद्धांत की नींव जे.एस. फर्निवाल ने मुख्य रूप से इंडोनेशिया के बारे में लिखते हुए और एम. जी. स्मिथ ने ब्रिटिश वेस्ट इंडीज के बारे में लिखते हुए रखी थी। फर्निवाल हमारा ध्यान इंडोनेशिया में अलग-अलग नस्लीय समुदायों के अस्तित्व की ओर आकर्षित करते हैं जो अपने जीवन में अपने रीतिरिवाजों एवं नियमों का पालन करते हैं लेकिन बाजारी ताकतों के तर्क से आपस में एकजुट होते हैं। बाजार की ब्रूर दुनिया, अलग-अलग समुदायों के अस्तित्व से जुड़ी हुई है। जैसा कि फर्निवाल बताते हैं, बर्मा एवं जावा में, संभवतः पहली चीज जो आगंतुक को प्रभावित करती है, वह यूरोपीय, चीनी, भारतीय और मूल लोगों का सामासिक संस्कृति है। यह सच्चे अर्थों में उनके लिए सामासिक संस्कृति है लेकिन इसे जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रत्येक समूह अपने धर्म, अपनी संस्कृति, अपने विचारों और तरीकों को मानता है। व्यक्तियों के रूप में वे केवल बाजार में खरीदने और बेचने के लिए मिलते हैं। यह एक बहुल समाज है जिसमें समुदाय के विभिन्न वर्ग एक साथ रहते हैं लेकिन एक ही राजनीतिक इकाई के भीतर रहते हैं।

स्मिथ ब्रिटिश वेस्ट इंडीज में कुछ अलग स्थिति को संबोधित करते हैं जहां वे कार्यात्मक रूप से एकीकृत समाज के सामान्य सिद्धांत के संबंध में बहुलवाद के सिद्धांत को पुनःस्थापित करने का तर्क देते हैं, जिसे मानवविज्ञान में मालिनोवस्की और समाजशास्त्र में टैल्कोट पार्सन्स द्वारा विकसित किया गया था। स्मिथ का सिद्धांत, समाज को एक साथ बांधने में आर्थिक तत्वों के बजाय राजनीतिक संस्थानों की भूमिका पर जोर देता है। वे औपनिवेशिक समाजों की दो संरचनात्मक पहलुओं पर विचार करते हैं। एक ओर, संस्थाओं का एक समूह है जो सभी व्यक्तियों को एक ही समाज में एक साथ जोड़ता है; दूसरी ओर, वे हैं जो अलग-अलग समुदाय के सदस्यों को एक साथ जोड़ते हैं। प्रत्येक समूह के पास संस्थागत व्यवस्था का एक अलग सेट है लेकिन राजनीतिक इकाई द्वारा समग्र एकजुटता बनाए रखी जाती है। इस सूत्रीकरण की विशिष्टता यह है कि यह समूहों और उनके व्यक्तिगत सदस्यों को एक ही समाज में एक साथ जोड़ने के लिए बाजार स्थान और श्रम विभाजन की भूमिका को नजरअंदाज करता है। यह आर्थिक तत्वों को छोड़कर राजनीतिक तत्वों पर जोर दिया जाता है।

फर्निवाल या स्मिथ द्वारा सामने रखे गए सिद्धांतों से असंतोष के कारण अलग-अलग सिद्धांतों का निर्माण हुआ जो व्यवस्था विशिष्ट थे, उदाहरण के लिए, औपनिवेशिक समाज या उत्तर-औपनिवेशिक समाजों में परिवर्तन की प्रक्रिया। जहां तक औपनिवेशिक सामाजिक व्यवस्थाओं का सवाल है, जॉन रेक्स द्वारा औपनिवेशिक बहुलवाद का एक विस्तृत विवरण तैयार किया गया है, जिन्होंने इसे तीन शीर्षकों के तहत रखा है, अर्थात्, पूर्व-औपनिवेशिक सामाजिक संरचनाएं, औपनिवेशिक समाजों में आर्थिक शोषण के मूल रूप महानगरीय शक्ति और स्तरीकरण की औपनिवेशिक व्यवस्था। लेकिन जब ऐसे समाज औपनिवेशिक नियंत्रण से मुक्त हो जाते हैं, तो आर्थिक उदारीकरण, राजनीतिक स्वतंत्रता, उपनिवेश-शासित उत्तर-औपनिवेशिक समाज, विश्व व्यवस्था में शामिल होने और वर्ग संघर्ष एवं क्रांति की नई प्रक्रियाओं जैसे कारकों के संयोजन से उत्तर-औपनिवेशिक सामाज अद्वितीय रूप ले सकते हैं। जहां तक बहुसंस्कृतिवाद का संबंध है, इनमें से सभी या कुछ कारकों के संयोजन से देश-विशिष्ट स्थिति उत्पन्न हो सकती है जो प्रत्येक समाज को दूसरों से अलग करती है।

सैद्धांतिक रुझान जो भी हो, उत्तर-औपनिवेशिक और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की स्थिति में जातीय पहचान में एक बड़ा अंतर आ



गया है, जिसके परिणामस्वरूप कई स्थापित राज्य की व्यवस्थाएँ विघटित हो गई हैं एवं दर्जनों नए राज्यों का निर्माण हो गया है। पूर्ववर्ती सोवियत रूस, जिसमें बहुत सारे जातीय समूह शामिल थे एवं विस्तृत क्षेत्र में फैले हुए थे और पृथक प्रांतीय राज्यों के रूप में विद्यमान थे, ने अपनी सोवियत प्रणाली में प्रत्येक राज्य को पृथकता का चरम अधिकार देने के बाद भी अपनी समग्र राष्ट्रीय एकता बनाए रखी। लेकिन सोवियत संघ के पतन के बाद यह व्यवस्था ताश के पत्तों की तरह ढह गयी। पूर्वी-यूरोपीय देशों में इसी तरह की जातीय पहचान देखी गयी जिसके परिणामस्वरूप कई नए राज्यों का निर्माण हुआ। बहुसांस्कृतिक पहचानों के आधार पर राज्य व्यवस्थाओं के विघटन की स्थिति को दर्शाने के लिए 'बाल्कनीकरण' शब्द, जिसकी उत्पत्ति यूरोप में ही हुई थी, अब यह एक स्वीकृत शब्दावली बन गयी है।

### समकालीन भारत में बहुसांस्कृतिकवाद

भारत में, बहुसांस्कृतिक सरोकार हमारे इतिहास और परंपराओं, हमारी अपनी सहसंवैधानिक व्यवस्था एवं राजनीतिक शासन का एक प्रमुख हिस्सा रही हैं। वर्तमान और अतीत में भी हमारे समाज और राजनीति की मूल वास्तविकता धर्म, क्षेत्र, भाषा, जाति, वंश या इसी तरह के विभाजित जनता वाली विभिन्न जातीय समूहों से संबंधित लोगों का एक साथ रहना है। यदि सह-अस्तित्व के इस मानदंड से कोई विचलन होता है तो इसे विपथन माना जाएगा, न कि जीवन का नियमित हिस्सा। लेकिन भारत में समाज और राजनीति के विद्वतापूर्ण विमर्श में एक शब्द - बहुसांस्कृतिकवाद की उत्पत्ति हाल ही में हुई है। इसकी शुरुआत 1990 के दशक में हुई, जब कुछ विद्वानों को यह आवश्यकता महसूस हुई कि इस विषय पर वैश्विक बहस में भारतीय अनुभव को लेकर प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

सवाल यह है कि भारत, जो धर्म, भाषा, समुदाय, जाति और जनजाति के मामले में एक विशाल बहु-जातीय देश है, गरीबी, अशिक्षा, असमानता और क्षेत्रीय असमानता जैसी स्पष्ट विकास स्थितियों के बावजूद एक राज्य के रूप में कैसे अस्तित्व में रह सकता है। ऐसे उत्तर-औपनिवेशिक समाज, जहां विविधता एवं बहुलता उतनी नहीं थी, की विफलता की तुलना में, विविधता के बीच एकता बनाए रखने में, अपनी राजनीतिक ढांचे को बनाए रखने में भारत की सफलता का कारण क्या है?

### बहुसांस्कृतिकवाद: जनसांख्यिकीय एवं विचारधारा

बहुसांस्कृतिकवाद का जनसांख्यिकीय आधार यह रहा है कि सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के नाते, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से यह दुनिया में सबसे विविधतापूर्ण है। धार्मिक दृष्टि से, यहां हिंदुओं (82% से अधिक) का वर्चस्व है जो सहिष्णु हैं, विश्वासों और प्रथाओं में बहुवचन है, अन्य धार्मिक समूहों के प्रति उदार एवं समायोजन करने वाले हैं, भारत की आबादी में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा (14% से अधिक) शामिल है जो कुछ स्थानों पर क्षेत्रीय रूप से सशक्त हैं एवं इसमें सिख, बौद्ध, ईसाई और जैन भी शामिल हैं।

यहां लोगों का भाषाई विभाजन भी अत्यंत तीव्र है एवं कभी-कभी तनाव और विवादों का कारण भी बनता है। भारत में हिंदी के सशक्त होने और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा होने के अतिरिक्त, क्षेत्रीय भाषाएँ भी अत्यंत सशक्त हैं और इनमें सदियों से विकसित और फलने-फूलने की एक ठोस परंपरा है। हालाँकि भारत लगभग सौ भाषाओं और बोलियों का देश है, अब तक १८ भाषाओं को सरकारी तौर पर मान्यता दी गई है और इसे संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत रखा गया है।

1950 और 1960 के दशक में राज्यों और प्रदेशों के बड़े पुनर्गठन के माध्यम से भी जातीय-भाषाई और जातीय-धार्मिक समूहों पर आधारित लोगों की विविधता को संबोधित किया गया है, हालाँकि उनमें से प्रत्येक में सशक्त धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि राज्यों के पुनर्गठन की यह प्रक्रिया अभी भी सक्रिय है और - कुछ मामलों में राजनीतिक उद्देश्यों के बावजूद - कोई कह सकता है कि राज्यों का पुनर्गठन भारत में बहुसांस्कृतिक राज्य निर्माण प्रक्रिया का एक व्यवहार्य हिस्सा बन गया है। इस स्थिति का रूपकात्मक वर्णन करने के लिए यह कहा जा सकता है कि भारत एक अविनाशी राज्यों का संघ है जिसमें विनाशकारी राज्य शामिल हैं। राज्यों का पुनर्गठन संघ सरकार के हाथों में रहा है, जिसका उपयोग केंद्र सरकार क्षेत्रीय मांगों को समायोजित करने के लिए अक्सर करती रही है।

दोबारा से, आदिवासी विविधताओं को समायोजित करने के लिए, जो भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, कुछ संवैधानिक उपचार लागू किए गए हैं ताकि जनजातियां उन्हें अपने तरीके से लागू कर सकें। उदाहरण के लिए, संविधान की छठी



अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। इन निकायों की स्थापना के पीछे प्राथमिक उद्देश्य एवं विचार आदिवासी संस्कृति की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करना था। इन एडीसी (स्वायत्त जिला परिषदों) को उनके अधिकार के तहत आने वाले क्षेत्रों में कानून बनाने का अधिकार है, जिसमें जमीन पर खेती, विरासत, वन, रीति-रिवाज और परंपराओं सहित आदिवासी और स्थानीय समूहों से संबंधित हर पहलू को शामिल किया गया है। उन्हें भूमि और अन्य कर्षों के अनुरूप राजस्व एकत्र करने का भी अधिकार दिया गया है।

जनजातीय समूहों के लिए स्वशासन सुनिश्चित करने और उन्हें अपनी संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए स्वायत्तता की अनुमति दी गयी है जिसने इन जनजातीय समूहों को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखा है। भारतीय स्वतंत्रता की शुरुआत में ऐसे कई आदिवासी समूहों ने लड़ने-मरने के लिए तैयार थे, लेकिन बाद में संघ सरकार के अधीन स्वायत्त अस्तित्व के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। युद्धरत स्थिति से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भागीदारी एवं परिवर्तन हेतु सफलता की कहानी का एक उदाहरण नागालैंड है। नागा जातीय समूहों ने शायद भारत में उभरते राज्य के लिए सबसे शक्तिशाली चुनौती थी, जो लंबे संघर्ष और बातचीत के बाद वर्ष 1960 में भारत की एक संघीय घटक इकाई के रूप में पृथक राज्य नागालैंड की स्थापना के साथ समाप्त हुई। राज्यों की सीमाओं के भीतर विभिन्न नैतिक समूहों के असमान वितरण की समस्याएँ अभी भी बनी हुई हैं। कभी-कभी चरम मामलों में किसी राज्य के भीतर जातीय समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए 'जातीय सफाए' के प्रयास किए गए हैं या अतिरिक्त नए राज्यों के निर्माण के लिए कुछ मुखर मांगों की गई हैं। लेकिन यह ध्यान में रखना होगा कि ये मांगें/प्रयास राष्ट्र के विरुद्ध नहीं हैं और राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा नहीं हैं।

इन सभी साधनों को राष्ट्र की रक्षा करने एवं विशाल विविधता के बीच इसकी संरचना को बनाए रखने के लिए शुरुआत तथा क्रियान्वयन किया जाता है। लेकिन राष्ट्रवाद और बहुसंस्कृतिवाद के बीच संबंधों का मुद्दा सीधा नहीं है। वैश्विक स्तर पर एवं भारत में भी, वे अस्वाभाविक एवं खतरनाक तरीके से उलझ गए हैं। एक पर जोर देने का अर्थ अक्सर दूसरों से जुड़े महत्व में कमी होता है। राष्ट्रीय एकता के आधार के रूप में धर्म की वकालत करने से अन्य

धर्मों से जुड़े लोग अलग-थलग पड़ जाएंगे और उनमें शत्रुता आ जाएगी, यह बहुसंख्यकवाद के खतरनाक रास्ते पर चला जाएगा और संविधान में दिए गए धर्मनिरपेक्षता के स्वीकृत लोकाचार के विरुद्ध हो जाएगा। एससी और एसटी के लिए सुरक्षात्मक भेदभाव नीति उच्च जातियों को अलग-थलग कर देगी एवं कई अन्य 'सामान्य जाति' समूहों को आरक्षण का लाभ देने की मांग लगातार बढ़ सकती है। प्रमुख जातीय-भाषाई समूह को समायोजित करने के लिए छोटे राज्यों का निर्माण करना, ऐसे छोटे राज्यों की सीमाओं के भीतर रहने वाले अल्पसंख्यकों के मुद्दे को हल नहीं कर सका। यह अनसुलझा मुद्दा भी है कि क्या ऐसे छोटे राज्य अपने दम पर बने रहने के लिए पर्याप्त व्यवहार्य हैं। एक भाषा को एकमात्र राजभाषा और राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका मानने की हालिया सनक अन्य भाषाई समूहों, जो अपने को अलग-थलग महसूस करते हैं, के बीच असंतोष बढ़ा रही है।

ये सब दर्शाते हैं कि बहुसंस्कृतिवाद के सामने राष्ट्र निर्माण अत्यंत नाजुक कार्य है। बहुसंस्कृतिवाद सांस्कृतिक संबद्धता के महत्व पर जोर देता है लेकिन यह अंतर बनाए रखने की इच्छा को भी वैध बनाता है। पूरे मुद्दे की प्रक्रियात्मक प्रकृति पर जोर देते हुए, भार्गव टिप्पणी करते हैं (भार्गव, Retal, बहुसंस्कृतिवाद, उदारवाद और लोकतंत्र, 1999), बहुसंस्कृतिवाद के सहायता करने का तरीका अत्यंत जटिल है क्योंकि इसमें समुदाय की आवश्यकता से संबंधित मुद्दों इससे संबंधित होने की भावना, सुरक्षित पहचान का महत्व, स्थिति और मान्यता, विशिष्टता और दूसरों के साथ अंतर को पहचानने और बनाए रखने की आवश्यकता शामिल है, (पृ. 18)।

भारतीय संदर्भ में, जहां तक पहचान के मुद्दे का सवाल है, भार्गव ने बहुसंस्कृतिवाद के साथ तीन समस्याओं को उजागर किया है। सबसे पहले, पहचान पर अत्यधिक जोर देने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप ऐसे लोगों या अन्य लोगों को आवश्यक पहचान से बाहर कर दिया जाएगा। दूसरा, सांस्कृतिक प्रोत्साहन से विभाजन की खाई बढ़ती है एवं किसी व्यवहारिक समाज की सामान्य नींव को कमजोर करता है। इसके परिणामस्वरूप, व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आक्रामक सामुदायिक शक्ति की वकालत करके व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया जा सकता है और इस प्रकार उदार लोकतंत्र के मूल्यों का क्षरण हो सकता है। उनके अनुसार भारत में पहचान की समस्या का समाधान लोकतांत्रिक बहुसंस्कृतिवाद है। अन्य समुदायों की प्रभुत्वशाली और दमनकारी





मान्यताओं एवं प्रथाओं के सामने व्यक्तियों या समुदायों के अधिकारों को आगे बढ़ाने में राज्य के हस्तक्षेप पर तर्क के मुद्दे पर बहस चल रही है, 'उदाहरण के लिए? सवाल यह है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ का सिद्धांत कहां तक उचित है जो अन्य धार्मिक समुदायों की मान्यताओं और प्रथाओं के बिल्कुल विपरीत है। उदाहरण के तौर पर, बिलग्रामी, जो मानते हैं कि राज्यों द्वारा ऐसे अधिकारों सुरक्षा देना अनुदारवाद के समान होगा (बिलग्रामी, ए, (1999) 'सेक्युलर लिबरलिज्म एंड द मोरल साइकोलॉजी ऑफ आइडेंटिटी' इन भार्गव, आर एट अल., मल्टीकल्चरलिज्म, लिबरलिज्म एंड डेमोक्रेसी, दिल्ली, ओयूपी) लेकिन पार्थ चटर्जी का मानना है कि पर्सनल लॉ में सुधार लाने के लिए धर्मनिरपेक्ष स्वतन्त्रता से हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। इसका तात्पर्य सामाजिक मान्यताओं और प्रथाओं का विरोध करने के लिए बलपूर्वक एकरूपता लानी होगी। (चटर्जी, पी., 1994-ईपीडब्ल्यू में 'धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता', 9 जुलाई)। यह समस्या राजनीतिक है एवं इसका निर्णय भी राजनीतिक स्तर पर ही होना है।

### बहुसंस्कृतिवाद का वैचारिक और राजनीतिक आधार

उपरोक्त विवरण से पता चलता है कि भारत, विभिन्न सांस्कृतिक समूहों के बीच रुझानों में भारी अंतर के बावजूद एकता की भावना को बनाए रखने में अपेक्षाकृत सफल रहा है। इस सापेक्ष सफलता को दो आयामों से समझाया जा सकता है, अर्थात वैचारिक और राजनीतिक। ऐसे राष्ट्रीय ढांचे के गठन के लिए दिशानिर्देश राजनीतिक स्तर पर तैयार किए गए थे और ऐसे ढांचे के बुनियादी पहलुओं के बारे में आम सहमति विकसित हुई थी। जातीय संघर्षों के प्रबंधन की समस्या और राष्ट्र निर्माण के मुद्दे को बहुसंस्कृतिवाद को सार मानकर लोकतांत्रिक तरीके से हल किया जाना था।

वेरियर एल्विन के सुप्रसिद्ध कार्य, अर्थात, ए फिलॉसफी फॉर नेफा (1959) को उदाहरण के रूप में यहाँ उद्धृत किया जा सकता है। उस कार्य में एल्विन ने आदिवासी समूहो विशिष्ट विचारपद्धति, संस्कृति एवं जीवन-यापन संबंधी रीतिरिवाज एवं सांस्कृतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रखने के लिए जोरदार तर्क दिया। पर 'राष्ट्रवादियों' द्वारा आदिवासी समूहों की विशिष्ट संस्कृति को सुरक्षित रखने के इस विचारधारा और मिशन की आलोचना की गई थी, जिन्होंने तर्क दिया था कि यह उनके स्वाभाविक विकास के रास्ते में खड़े होने के समान होगा एवं इसका अर्थ यह है कि इन आदिवासियों को 'संग्रहालय की वस्तु' के रूप में माना जाए।' लेकिन नेहरू ने

एल्विन के कार्य हेतु अपने 'प्रस्तावना' में, भारत के उत्तर-पूर्व में विभिन्न समुदायों और समूहों के प्रति एवं संभवतः भारत के अन्य हिस्सों में इस तरह के अन्य लोगों के लिए राज्य की नीति निर्देशक के संबंध में 5 मौलिक सिद्धांतों को प्रतिपादित किया। ये सिद्धांत हैं:

1. लोगों को अपनी प्रतिभा के अनुरूप विकास करना चाहिए और हमें उन पर कुछ भी थोपने से बचना चाहिए। हमें हर तरह से उनकी पारंपरिक कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने का प्रयास करना चाहिए।
2. जमीन और जंगलों में आदिवासियों के अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।
3. प्रशासन और विकास कार्य स्थानीय लोगों को शामिल करते हुए सहभागी होने चाहिए।
4. उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के अनुकूल ही विकासकार्य होना चाहिए।
5. मानव सामग्री की गुणवत्ता से परिणामों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

उत्तर-पूर्व में जनजातीय समूहों का जिक्र करते हुए, नेहरू ने आगे कहा कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को यह महसूस करना चाहिए कि उन्हें अपना जीवन जीने की पूर्ण स्वतंत्रता है एवं भारत को ऐसे लोगों के लिए रक्षक और स्वतंत्र बल का प्रतीक बनाना चाहिए।

इसके अलावा, संघीय ढांचे का निर्माण और वर्तमान की संघीय प्रक्रिया जो राजनीतिक रूप से जातीय पहचान को समायोजित करती है, संघर्षों के प्रबंधन एवं समाधान का सबसे प्रभावी तरीका बनी हुई है। यह लोकतंत्र के संस्थागत ढांचे से जुड़ा है जिसका उपयोग लोग अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। कुछ विद्वान भारतीय संघवाद और भारतीय बहुसंस्कृतिवाद को परिणाम के रूप में देखने की प्रवृत्ति रखते हैं। जातीय-भाषाई आधार पर विभिन्न राज्यों के निर्माण द्वारा इसका उपयुक्त समर्थन करता है।

चूंकि ये सभी समुदाय ज्यादातर प्रादेशिक स्तर पर निवास कर रही हैं, इसे राज्य के रूप में दर्जा दिए जाने एवं इस तरह की अन्य मांगें जातीय समुदायों द्वारा सामूहिक रूप से या ऐसे समूह के अधिकारों पर आधारित होते हैं। क्षेत्रीय आधार पर जातीय पहचान के लिए



राज्य का दर्जा, भारत में जातीय पहचान की राजनीतिक मान्यता का सबसे व्यापक और प्रभावीशाली तरीका है एवं भारत के बहु-सांस्कृतिक संघीकरण की कुंजी है। जातीय-भाषाई समूहों के अधिकारों द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों के रूप में मान्यता मिलने से और अधिक संरक्षित किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 29(1) में कहा गया है कि भारत के नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी विशिष्ट भाषा लिपि या संस्कृति को संरक्षित और सुक्षित करने का अधिकार होगा। और राज्य कानून द्वारा, स्थानीय बहुमत द्वारा किसी अन्य संस्कृति को उस पर थोप नहीं सकता है। इसलिए धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक इस प्रावधान द्वारा संरक्षित हैं। और अनुच्छेद 350 (ए) द्वारा प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा के अधिकार द्वारा सुरक्षा प्रदान किया गया है। संविधान द्वारा ऐसे और इसी तरह के अन्य प्रावधानों को विस्तृत प्रवर्तन तंत्र की स्थापना से उचित सुरक्षा दी गयी है।

अल्पसंख्यकों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों से संबंधित कार्यों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम (1992) लाया गया था। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग उनसे संबंधित नियमों और प्रावधानों से संबंधित कार्यों की निगरानी के लिए एक सतर्क निकाय की स्थापना की गयी है।

इसलिए, इन नीतियों के स्रोत के रूप में भारतीय संविधान को देश की विविधता की पहचान और समायोजन के लिए राजनीतिक और संस्थागत उपाय प्रदान करने के अर्थ में एक आधारभूत बहुसांस्कृतिक दस्तावेज कहा जा सकता है। पहचान के अंतर और समुदाय के राजनीतिक समायोजन के लिए विभिन्न संस्थागत उपाय भारतीय संविधान में प्रदान किए गए बुनियादी ढांचे पर आधारित हैं, जिन्हें बाद में समस्याओं को समायोजित करने के लिए समय-समय पर संशोधित किया जाता रहा है। हम बी. पारेख (रिथिंगिंग मल्टीकल्चरलिज्म, कल्चरल डायवर्सिटी एंड पॉलिटिकल थ्योरी, 2000) के अवलोकन से निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि प्रत्येक बहुसांस्कृतिक समाज को अपने इतिहास, सांस्कृतिक परंपराओं और विविधता की गहराई एवं गहराई के अनुरूप अपनी उचित राजनीतिक संरचना तैयार करने की आवश्यकता है। हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि जहां तक जातीयता और राष्ट्रवाद के बीच संबंधों के जटिल मुद्दे का सवाल है, भारतीय अनुभव दुनिया के कई अन्य देशों की स्थिति से कहीं बेहतर है। निस्संदेह, इसका मतलब यह नहीं है कि अल्प विकास, गरीबी, क्षेत्रीय असमानता, और राजनीति के बढ़ते साम्यीकरण से संबंधित अन्य समस्याएं सच नहीं हैं। लेकिन यहां उन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करना वर्तमान विवरणी के दायरे से बाहर है।

कोलकाता

दिनांक: 1 मे, 2023

**प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक**

अध्यक्ष, एशियाटिक सोसायटी

# 3

## महासचिव की रिपोर्ट

**मा**ननीय राज्यपाल पश्चिम बंगाल एवं एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक, एशियाटिक सोसाइटी के आदरणीय अध्यक्ष, प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक, डॉ. सी. वी. आनंद बोस, एशियाटिक सोसाइटी के कोषाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार दास, पदक, पट्टिका के प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता एवं लेक्चररशिप धारक, माननीय परिषद के सदस्यगण और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के प्रिय स्टाफ सदस्य, अतिथियों एवं मित्रों, आप सभी को शुभ संध्या।

एशियाटिक सोसाइटी की 239वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह में एशियाटिक सोसाइटी के परिषद सदस्यों, सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है। आज इस विरासत संस्थान के ऐतिहासिक हॉल में अपने बीच विभिन्न पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यान के कुछ प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं, जिन्हें सोसाइटी की परिषद द्वारा वर्ष 2022 के लिए प्रदान किया गया है, का साथ पाकर भी हमें अत्यंत प्रसन्नता महसूस हो रही है। सबसे उल्लेखनीय पुरस्कार विजेताओं में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हैं, जिन्हें वर्ष 2022 के टैगोर शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था।

आइए अब मैं पिछले एक वर्ष की सोसाइटी की विभिन्न गतिविधियों पर संक्षेप में बता रहा हूँ। वर्ष 2022-2023 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष रखते हुए मुझे अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है। हमारी सभी गतिविधियों का विस्तृत विवरण हमारे मासिक बुलेटिन में पहले से ही उपलब्ध है जिसे नियमित रूप से ऑनलाइन और फिजिकल दोनों मोड में प्रकाशित किया जाता है। इसके अलावा, अनुभागीय रिपोर्ट जो वार्षिक रिपोर्ट में संकलित की गई है, उसमें वर्ष की हमारी गतिविधियों का सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है।

दिनांक 15 जनवरी, 2023 को आयोजित 240वां स्थापना दिवस, पिछले वर्ष मिक्स्ड मोड के विपरीत पूर्ण रूप से फिजिकल मोड में मनाया गया। प्रोफेसर चंद्रिमा साहा, पूर्व अध्यक्ष,



भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा स्थापना दिवस का वक्तव्य दिया गया था, जो शायद पहली प्रतिष्ठित महिला विद्वान थीं जिन्हें इस प्रतिष्ठित वक्तव्य के लिए चुना गया था। उन्होंने 'महामारी: युगों से रचनात्मकता पर प्रभाव' विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत की।

दिनांक 2 मई, 2022 को एशियाटिक सोसाइटी की 238वीं वार्षिक आम बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था। पश्चिम बंगाल के तत्कालीन माननीय राज्यपाल और सोसाइटी के संरक्षक श्री जगदीप धनखड़ ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उनके साथ श्रीमती सुदेश धनखड़, तत्कालीन माननीय प्रथम महिला भी थीं। इस अवसर पर सोसाइटी के पुस्तकालय में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जहां मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दौरा किया। विभिन्न अकादमिक विषयों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रख्यात हस्तियों को एशियाटिक सोसाइटी की मानद फैलोशिप सहित तेरह पदक/पट्टिकाएँ प्रदान की गईं। इस कार्यक्रम में वर्ष 2021 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न लेक्चररशिप के लिए दस प्राप्तकर्ताओं के नामों की भी घोषणा की गई। उपस्थित पुरस्कार विजेताओं में बॉम्बे उच्च न्यायालय के माननीय पूर्व मुख्य न्यायाधीश चित्ततोष मुखर्जी उल्लेखनीय थे, जिन्हें वर्ष 2021 के लिए एशियाटिक सोसाइटी की मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

हमने इस अवधि के दौरान वर्चुअल और हाइब्रिड मोड में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, अक्षय एवं विशेष व्याख्यान आयोजित किए थे। इस क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त अग्रणी व्यक्तियों, सामाजिक रूप से दूरदर्शी और प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के योगदान पर चर्चा की गई। महत्वपूर्ण दिवसों के उपलक्ष्य में पर्याप्त संख्या में प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। अक्षय व्याख्यान और विशेष व्याख्यान के अलावा, प्रत्येक मासिक आम बैठक के दौरान नियमित रूप से महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किए जाते थे, जहां विभिन्न अकादमिक विषयों से संबंधित प्रतिष्ठित विद्वान अपने-अपने विषयों के क्षेत्रों पर व्याख्यान देते थे। कई अकादमिक विषयों, आंतरिक और बाह्य, दोनों में विभिन्न विषयों पर कुछ मूल्यवान शोध परियोजनाएं पर कार्य पूर्ण किए गए, जबकि अन्य परियोजनाएं पर भी कार्य आगे चल रहा था। हालांकि, सोसाइटी की शोध गतिविधियाँ, बजट की कमी से पूरी

गति से नहीं चल रही थीं। इस अवधि के दौरान रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान (आरकेएमवीईआरआई), जो एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, के साथ अकादमिक क्षेत्र में सहयोग शुरू किया गया है। हाल ही में / एस डी चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट ने 91 बालीगंज प्लेस, कोलकाता - 700019 के परिसर में स्थित ट्रस्ट संपत्ति को पूरी तरह से एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पक्ष में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इस परिसर को विज्ञान के इतिहास का उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव सोसाइटी के विचाराधीन है।

आजादी का अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम और भारत की आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में, एशियाटिक सोसाइटी ने दो महत्वपूर्ण पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया था। दोनों प्रदर्शनियाँ सोसाइटी के पुस्तकालय के समृद्ध एवं ऐतिहासिक संग्रह की पुस्तकों के साथ आयोजित की गईं। प्रदर्शनियों में मोटे तौर पर i) भारत का विभाजन और ii) भारत की स्वतंत्रता जैसे विषयों को शामिल किया गया। इस अवसर पर संग्रहालय के बहुमूल्य संग्रहों में से 75 चुनिंदा पांडुलिपियों संबंधित तस्वीरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के थीम, आकार और सौंदर्यशास्त्र, हस्तलिपि, प्रकाशीय सजावट एवं चित्रण को शामिल किया गया है जो एक साथ मिलकर भारत की विरासत इतिहास एवं विचारधारा का निर्माण करते हैं एवं इससे आगे के शोधकार्य के लिए मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए एशियाटिक सोसाइटी के प्रकाशनों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

एशियाटिक सोसाइटी ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'प्राचीन भारतीय परंपरा और संस्कृति' श्रृंखला के तहत विशेष व्याख्यान का आयोजन किया था। व्याख्यान श्रृंखला अगस्त 2022 में शुरू हुई और अब तक पाँच व्याख्यान दिए जा चुके हैं। भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर अनेक विद्वानों ने अपने व्याख्यान दिये।

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता ने 31 जनवरी से 12 फरवरी, 2023 तक पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड के सहयोग से 46वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले 2023 में दुर्लभ पांडुलिपियों पर पहली बार एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में दो सचित्र पांडुलिपियों के आधार पर सहित ऑडियो-वीडियो की प्रस्तुति एवं पांडुलिपियों संबंधी फोटोग्राफि के पुनरुत्पाद पर 48



पैनलों का प्रदर्शनी लगाई गई थी। यह प्रदर्शनी दुर्लभ पांडुलिपियों पर केंद्रित थी, इसमें 7वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व की विभिन्न विषयों, लिपियों, भाषाओं और सामग्रियों से थी। इस प्रदर्शनी में एशियाटिक सोसाइटी की भूमिका को न केवल मानव ज्ञान के भंडार के रूप में देखा गया बल्कि इसका विद्वानों और शोधकर्ताओं एवं जनता के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, इस प्रयास को 'आम जनों की पांडुलिपियों' के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। इस आयोजित प्रदर्शनी में प्रत्येक दिन बड़ी संख्या में आगंतुक आए, जिनमें अधिकतर संख्या में छात्र एवं युवा विद्वानों की थी। आगंतुक प्रदर्शनी के विषय और सामग्री से मंत्रमुग्ध हो गए। पांडुलिपियों, जो पुस्तकों की ही रूप है, पर जागरूकता फैलाने के यह प्रयास, किसी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में इस तरह का पहला आयोजन था।

वर्ष 2022-2023 में प्रकाशन अनुभाग ने पुस्तकों के प्रकाशन के अपने सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। इस वर्ष अनुभाग ने 16 नई पुस्तकें, 11 पुनर्मुद्रण और कुछ पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं। इसके अलावा अनुभाग ने अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2023 में भाग लिया, जिसका उद्घाटन 30 जनवरी, 2023 को हुआ और 12 फरवरी, 2023 को समाप्त हुआ। अनुभाग ने पुस्तक मेले में पांच पुस्तकों के विमोचन एवं **South Asian History in Translation, Vol. I-IX**. पुस्तक के लिए एक गिफ्ट बॉक्स की व्यवस्था की। पर्याप्त संख्या में पुस्तकें बिक चुकी हैं। इसके अलावा, इस अनुभाग ने आजादी का महोत्सव के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उपलब्ध प्रकाशनों की एक सूची भी प्रकाशित की है जिसमें सुंदर एवं आकर्षक कवर के साथ प्रत्येक पुस्तक की तस्वीरों दी गयी है। पुस्तक मेले के प्रदर्शनी हॉल में राजा राममोहन राय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय, संग्रहालय, परिरक्षण, रिप्रोग्राफी अनुभाग अपने संबंधित कार्य कर रहे हैं। पुस्तकालय और संग्रहालय अनुभाग, दुनिया भर के विद्वानों के लिए सेवाओं के विस्तार के अलावा, मूल्यवान पुस्तकों, दस्तावेजों, पांडुलिपियों, चित्रों आदि के संरक्षण के अपने कार्य में लगे हुए हैं। दुर्लभ दस्तावेजों, पुस्तकों और पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण भी तेजी से हो रहा है।

कोलकाता

दिनांक: 1 मे, 2023

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की तकनीकी मदद से सोसाइटी की वेबसाइट को नया रूप देने और इसे आम लोगों तक पहुंच बनाने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क के उपयोग को बढ़ाने की भी पहल की गई है।

सोसाइटी ने कुछ महत्वपूर्ण दिवस जैसे विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व विरासत दिवस, अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, एकता दिवस, सद्भावना दिवस, आतंकवाद विरोधी दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा इत्यादि का आयोजन किया है एवं इन आयोजनों पर व्याख्यान और प्रदर्शनियाँ भी आयोजित की गईं। भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 12 अगस्त, 2022 को सोसाइटी के परिसर में एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

इस अवधि के दौरान कुछ नियमित संगठनात्मक मामलों के समाधान के लिए स्थायी वित्त समिति की बैठक भी आयोजित की गई थी। सुरक्षा अनुभाग अधिक सतर्क हो गया है एवं प्रशासन और लेखा अनुभाग ने अपनी नियमित निगरानी संबंधी गतिविधियों में सुधार किया है। मौजूदा रिक्तियों को भरने के साथ-साथ कर्मचारियों के सेवा मामलों को समय-समय पर कार्यान्वयन को प्राथमिकता पर रखा गया है।

हिंदी सेल ने नियमित गतिविधियां शुरू की हैं एवं सोसाइटी में हिंदी पखवाड़ा, हिंदी कार्यशाला और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

अंत में, मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूँ कि इस वार्षिक संबोधन में शामिल अवधि के दौरान, एशियाटिक सोसाइटी अपने अपेक्षित प्रदर्शन के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम रही है और आने वाले महीनों में कई अकादमिक गतिविधियों को शुरू करने के लिए सशक्त रूप से तैयार करने में भी सक्षम रही है। इस सोसाइटी के सदस्यों एवं कर्मचारियों ने इन सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सदैव अपना सम्पूर्ण सहयोग दिया है। अंतिम पर महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने एशियाटिक सोसाइटी की सभी अकादमिक गतिविधियों के लिए अपना सहयोग बढ़ाया है। एक बार फिर मैं आज सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करता हूँ।

धन्यवाद! नमस्कार.

डॉ. एस.बी. चक्रवर्ती

महासचिव

# 4

## एशियाटिक सोसाइटी की परिषद (2022-2024)

### अध्यक्ष:

प्रोफेसर स्वप्न कुमार प्रमाणिक

### उपाध्यक्ष:

प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती

प्रोफेसर बासुदेब बर्मन

प्रोफेसर तपती मुखर्जी

प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य

### महासचिव:

डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती

### कोषाध्यक्ष:

डॉ. सुजीत कुमार दास

### मानव विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर रंजना राय

### जैविक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल

### ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव:

प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय



**पुस्तकालय सचिव:**

प्रोफेसर बिप्लव चक्रवर्ती

**चिकित्सा विज्ञान सचिव:**

डॉ. शंकर कुमार नाथ

**भाषाविज्ञान सचिव:**

श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

**संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव:**

डॉ. एम. फिरोज

**भौतिक विज्ञान सचिव:**

प्रोफेसर राजकुमार रायचौधरी

**प्रकाशन सचिव:**

प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती

**सदस्य:**

प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता

प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य

डॉ अरुणाभ मिश्रा

**भारत सरकार के प्रतिनिधि:**

प्रोफेसर बिमल शंकर नंदा

डॉ. मल्लिनाथ मुखर्जी

प्रोफेसर अलोक कुमार घोष

डॉ स्मृतिकुमार सरकार

**पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि:**

डायरेक्टर ओफ पब्लिक इंस्ट्रूकसन (डीपीआई), उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

**एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि:**

प्रोफेसर रंजीत सेन

# 5

## योजना बोर्ड और स्थायी वित्तीय समिति

### योजना बोर्ड

[एशियाटिक सोसायटी अधिनियम, 1984 की धारा 8(1) के तहत गठित]

1. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार  
*अध्यक्ष*
2. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार  
*सदस्य*
3. महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता  
*सदस्य*
4. महानिदेशक, राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता  
*सदस्य*
5. सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता  
*सदस्य*
6. प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार  
*सदस्य*
7. अध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता  
*सदस्य*
8. महासचिव, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता  
*संयोजक*





## स्थायी वित्तीय समिति

[विनियम 4ए (1) के अनुसार गठित]

1. अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार *अध्यक्ष*
2. महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता *सदस्य*
3. निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता *सदस्य*
4. डायरेक्टर ओफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन (डीपीआई), उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार *सदस्य*
5. महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता *सदस्य*
6. कोषाध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता *सदस्य*
7. प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी (परिषद द्वारा नामंकित ) *सदस्य*

# 6

## समितियां और उप समितियां

### पुस्तकालय समिति

[उपनियम V के अनुसार गठित]

1. प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक  
*अध्यक्ष*
2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती  
*महासचिव*
3. डॉ. सुजीत कुमार दास  
*कोषाध्यक्ष*
4. प्रोफेसर तपती मुखर्जी  
*उपाध्यक्ष*
5. प्रोफेसर बिप्लव चक्रवर्ती  
*पुस्तकालय सचिव*
6. प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय  
*ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव*
7. प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती  
*प्रकाशन सचिव*
8. श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य  
*भाषाशास्त्र सचिव*
9. प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल  
*जैविक विज्ञान सचिव*
10. प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी  
*भौतिक विज्ञान सचिव*



11. प्रोफेसर रंजना रे  
*मानव विज्ञान सचिव*
12. डॉ. शंकर कुमार नाथ  
*चिकित्सा विज्ञान सचिव*
13. डॉ. एम. फिरोज  
*संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव*
14. डॉ. रामकृष्ण चटर्जी
15. प्रोफेसर शचिन्द्रनाथ भट्टाचार्य

### प्रकाशन समिति

[उपनियम XXXVII के अनुसार गठित]

1. प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक  
*अध्यक्ष*
2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती  
*महासचिव*
3. डॉ. सुजीत कुमार दास  
*कोषाध्यक्ष*
4. प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती  
*उपाध्यक्ष*
5. प्रोफेसर तपती मुखर्जी  
*उपाध्यक्ष*
6. प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती  
*प्रकाशन सचिव*
7. प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय  
*ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव*
8. श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य  
*भाषाशास्त्र सचिव*
9. प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल  
*जैविक विज्ञान सचिव*
10. डॉ. शंकर कुमार नाथ  
*चिकित्सा विज्ञान सचिव*

11. डॉ. एम. फिरोज  
*संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव*
12. डॉ. रामकृष्ण चटर्जी
13. प्रोफेसर राम अहलाद चौधरी
14. डॉ. राम कुमार मुखोपाध्याय
15. श्री निर्बेद राय
16. डॉ. निर्मल बंद्योपाध्याय
17. डॉ. रजत सान्याल
18. डॉ. सब्यसाची चटर्जी

### बिब्लियोथेका इंडिका समिति

[उपनियम XXXVIII के अनुसार गठित]

1. प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक  
*अध्यक्ष*
2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती  
*महासचिव*
3. डॉ. सुजीत कुमार दास  
*कोषाध्यक्ष*
4. प्रोफेसर तपती मुखर्जी  
*उपाध्यक्ष*
5. प्रोफेसर बिप्लव चक्रवर्ती  
*पुस्तकालय सचिव*
6. श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य  
*भाषाशास्त्र सचिव*
7. डॉ. एम. फिरोज  
*संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव*
8. प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय
9. प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य
10. प्रोफेसर बदीउर रहमान
11. प्रोफेसर मृणाल गंगोपाध्याय



12. प्रोफेसर विजोया गोस्वामी
13. प्रोफेसर अमित भट्टाचार्य
14. प्रोफेसर मऊ दासगुप्ता

### अकादमिक समिति

1. प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक  
*अध्यक्ष*
2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती  
*महासचिव*
3. डॉ. सुजीत कुमार दास  
*कोषाध्यक्ष*
4. प्रोफेसर बासुदेब बर्मन  
*उपाध्यक्ष*
5. प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती  
*उपाध्यक्ष*
6. प्रोफेसर तपती मुखर्जी  
*उपाध्यक्ष*
7. प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य  
*उपाध्यक्ष*
8. प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय  
*ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव*
9. प्रोफेसर रंजना रे  
*मानव विज्ञान सचिव*
10. श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य  
*भाषाशास्त्र सचिव*
11. डॉ. एम. फिरोज  
*संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव*
12. डॉ शंकर कुमार नाथ  
*चिकित्सा विज्ञान सचिव*
13. प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती  
*प्रकाशन सचिव*

14. प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल  
*जैविक विज्ञान सचिव*
15. प्रोफेसर राज कुमार रॉयचौधरी  
*भौतिक विज्ञान सचिव*
16. प्रोफेसर बिप्लव चक्रवर्ती  
*पुस्तकालय सचिव*
17. प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता
18. प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय
19. प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य
20. डॉ अरुणाभा मिश्रा
21. डॉ. रामकृष्ण चटर्जी
22. प्रोफेसर सत्यवती गिरि
23. प्रोफेसर सुस्नात दास
24. प्रोफेसर मुसरफ हुसैन
25. डॉ. राम कुमार मुखोपाध्याय
26. प्रोफेसर उमा चट्टोपाध्याय
27. डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता
28. डॉ. सतरूपा दत्ता मजूमदार

इस अवधि के दौरान, सोसाइटी की कार्यप्रणाली निम्नलिखित बैठकों के माध्यम से संचालित की गयी:

● परिषद की बैठक	: 11
● स्थायी वित्त समिति की बैठक	: 01
● मासिक आम बैठक	: 10
● वार्षिक आम बैठक	: 01
● विशेष सामान्य बैठक	: 01
● पुस्तकालय समिति की बैठक	: 10
● बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक	: 10
● प्रकाशन समिति की बैठक	: 10
● अकादमिक समिति की बैठक	: 10

# 7

## वर्ष 2022 में एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पदक, पट्टिकाएं और लेक्चररशिप के प्राप्तकर्ता

### मानद फेलो:

#### स्वामी आत्मप्रियानंद

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान (आरकेएमवीईआरआई) के प्रो-चांसलर को वर्ष 2022 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के मानद फेलो के रूप में चयन किया गया है।

### पदक/पट्टिका

#### 1. टैगोर शांति पुरस्कार

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की माननीय राष्ट्रपति, शांति के प्रति मानवीय समझ के विकास में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

#### 2. रवीन्द्रनाथ टैगोर जन्म शताब्दी पट्टिका

प्रोफेसर अभिजीत विनायक बनर्जी, मानव संस्कृति में उनके रचनात्मक योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री।

#### 3. पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्वर्ण पट्टिका

श्री शहरयार कबीर, समसामयिक सामाजिक मुद्दों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए बांग्लादेश के प्रख्यात पत्रकार, फिल्म निर्माता और मानवाधिकार कार्यकर्ता।

#### 4. इंदिरा गांधी स्वर्ण पट्टिका

श्री गोपाल कृष्ण गांधी, पूर्व भारतीय प्रशासक और राजनयिक, मानव प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।



5. **एनांडेल स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर कैलाश चंद्र मल्होत्रा**, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के मानव विज्ञान और मानव आनुवंशिकी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को एशिया में मानव विज्ञान के अध्ययन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
6. **बार्कले स्मृति पदक**  
**डॉ. विश्वनाथन मोहन**, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित डायलेक्टोलॉजिस्ट और वैज्ञानिक को चिकित्सा विज्ञान के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
7. **प्रोफेसर सुकुमार सेन स्मृति हेतु स्वर्ण पदक**  
**प्रोफेसर बी.आर.के. रेड्डी**, प्रसिद्ध भाषाविद और उस्मानिया विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को शैक्षणिक क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
8. **पॉल जोहान्स बरुहल स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर रमेश वी सोंती**, वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रख्यात भारतीय पादप आनुवंशिकीविद्।
9. **मेघनाद साहा स्मृति हेतु स्वर्ण पदक**  
**प्रोफेसर सोमक रायचौधरी**, भारतीय खगोल वैज्ञानिक और कुलपति, अशोक विश्वविद्यालय, को भौतिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए।
10. **प्रोफेसर हेम चंद्र रे चौधरी जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक**  
**प्रोफेसर शिरीन मूसवी**, प्रख्यात इतिहासकार और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को भारतीय इतिहास के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
11. **प्रोफेसर सुहृत् चंद्र मित्रा स्मारक पट्टिका**  
**प्रोफेसर राम चरण त्रिपाठी**, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक और प्रोफेसर को मनोविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए।
12. **आर पी चंदा जन्म शताब्दी पदक**  
**प्रोफेसर आर एन मिश्रा**, प्रख्यात कला इतिहासकार को पुरातत्व और कला इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
13. **जॉय गोविंद लॉ स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर सुभाष चंद्र लखोटिया**, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एसईआरबी के प्रतिष्ठित फेलो, प्रख्यात साइटोजेनेटिकिस्ट और जूलॉजी के प्रतिष्ठित प्रोफेसर और एशिया में जूलॉजी के ज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
14. **एस सी चक्रवर्ती पदक**  
**प्रोफेसर के पडय्या**, डेक्कन कॉलेज पोस्ट-ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के एमेरिटस प्रोफेसर को भारतीय पुरातत्व के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
15. **शरत चंद्र रॉय स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर गौरंग पी चट्टोपाध्याय**, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता के व्यवहार विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को सांस्कृतिक मानवविज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
16. **प्रमथ नाथ बोस स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर दिलीप साहा**, प्रोफेसर, भूवैज्ञानिक अध्ययन इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता को एशिया के विशेष संदर्भ में भूविज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
17. **शैलेन्द्र नाथ एवं मंजुला डे स्मृति पदक**  
**डॉ अनिल कुमार मंडल**, एल.वी.प्रसाद आई इंस्टीट्यूट के प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ और सलाहकार को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
18. **जी.एस.आई. सेसक्विसेंटिनियल स्मृति पदक**  
**प्रोफेसर राजेश के श्रीवास्तव**, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान के भूविज्ञान के प्रोफेसर को पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए।



19. **प्रियाव्रत राय मेमोरियल स्वर्ण पदक**  
श्री समिक बंद्योपाध्याय, भारतीय कला, रंगमंच और फिल्म के आलोचक को नाटक में रचनात्मक योगदान के लिए।
20. **प्रोफेसर निर्मल नाथ चटर्जी पदक**  
डॉ. रूपम घोष, जेएसपीएस फेलो, टोक्यो विश्वविद्यालय, आर्थिक भूविज्ञान के ज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
21. **सरतलाल विस्वास स्मृति पदक**  
डॉ. सौमी चट्टोपाध्याय, भूविज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में यूजीसी-डॉ. डी. एस. कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फेलो को खनिज विज्ञान और पेट्रोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित कार्य के लिए।

### लेक्चररशिप:

1. **पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर पबित्र सरकार, प्रख्यात शिक्षाविद और पूर्व कुलपति, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, को मानविकी के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
2. **राजा राजेंद्रलाल मित्र मेमोरियल लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर वशिष्ठ नारायण झा, प्रख्यात इंडोलॉजिस्ट और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, इंडोलॉजिकल स्टडीज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए।
3. **इंदिरा गांधी मेमोरियल लेक्चररशिप**  
स्वामी सुपर्णानंद, सचिव महाराज, रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोलपार्क को सांस्कृतिक बहुलवाद के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
4. **प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी मेमोरियल लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर चौ. यशवन्त सिंह, मणिपुर विश्वविद्यालय

के भाषा विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए

5. **डॉ सत्येन्द्र नाथ सेन स्मृति लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर श्रुति तांबे, प्रमुख, समाजशास्त्र विभाग, उन्नत अध्ययन केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
6. **डॉ पंचानन मित्र मेमोरियल लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर विजय एस सहाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को मानव विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
7. **आभा मैती मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान**  
प्रोफेसर रमा कुंडू, बर्दवान विश्वविद्यालय में अंग्रेजी भाषा के प्रोफेसर को भारतीय महिलाओं के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
8. **डॉ बिमानबिहारी मेमोरियल लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर मृणाल कांति गंगोपाध्याय, कलकत्ता विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को मध्यकालीन भारत में संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए।
9. **स्वामी प्रणवानंद स्मृति लेक्चररशिप**  
प्रोफेसर दिलीप कुमार मोहंता, कलकत्ता विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर और कल्याणी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति को धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
10. **सुधा बसु मेमोरियल द्विवार्षिक व्याख्यान**  
श्री दिपोक डे, ललित कला और संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए कोलकाता के प्रसिद्ध कलाकार, डाक टिकट संग्रहकर्ता और पत्रकार को।

# 8

## अप्रैल 2022 – मार्च 2023 के दौरान परिषद में अंगीकृत महत्वपूर्ण संकल्प एवं रिपोर्ट किए गए मद

### 28 अप्रैल 2022 परिषद की आयोजित बैठक

- महासचिव ने यह प्रतिवेदन किया कि सोसाइटी ने 11 मई, 2022 को सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर ईशा महम्मद की पहली पुण्य तिथि पर एक स्मारक बैठक आयोजित करने की योजना बनाई है। परिषद ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

### 17 मई, 2022 को परिषद की आयोजित बैठक

- परिषद ने वर्ष 2022-24 की अवधि के लिए एशियाटिक सोसाइटी की स्थायी वित्त समिति के लिए प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान, को सचिव के रूप में नामित किया।
- परिषद ने वर्ष 2022-23 के लिए बजट अनुमान (BE) के तहत बजटीय आवंटन और वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए मसौदा समझौता ज्ञापन डशदळ में अनुमानित विभिन्न गतिविधियों के तहत इसके वितरण अर्थात भौतिक प्रगति को नोट किया। हालाँकि, परिषद के सदस्यों ने जीआईए-जनरल के तहत कम राशि आवंटन पर अपनी चिंता व्यक्त की और अकादमिक कार्यक्रम एवं अनुसंधान परियोजनाएं सहित सोसाइटी की मुख्य गतिविधियों पर विशेष जोर देते हुए 'जनरल' मद के तहत अनुदान बढ़ाने के लिए संस्कृति मंत्रालय से अनुरोध करने का निर्णय लिया जिससे कि इसे संवर्धित किया जा सके और इष्टतम स्तर पर किया जा सके।





## 24 जून, 2022 को परिषद की आयोजित बैठक

- परिषद ने वर्ष 2021-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक लेखा को मंजूरी दे दी एवं महानिदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय द्वारा लेखा की लेखापरीक्षा तथा प्रमाणीकरण के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत किया।

## 26 जुलाई, 2022 को परिषद की आयोजित बैठक

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि उन्हें स्वामी आत्मप्रियानंद महाराज, प्रो-चांसलर, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, बेलूर मठ से एक मेल प्राप्त हुआ कि वे अनुसंधान, प्रकाशन, शैक्षिक कार्यक्रमों आदि के संबंध में सामान्य हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एशियाटिक सोसाइटी एवं उनके संगठन के साथ आकदमिक कार्यक्रम में सहयोग हेतु इस संगठन से प्राप्त एमओयू के मसौदे पर चर्चा के लिए दिनांक 4 अगस्त, 2022 को दोपहर 2.30 बजे इस सोसाइटी में आएंगे। यह निर्णय लिया गया कि स्वामीजी द्वारा भेजा गया मसौदा समझौता ज्ञापन सभी सदस्यों को उनकी अवलोकन एवं टिप्पणियों, यदि कोई हो, के लिए वितरित किया जाएगा।
- महासचिव ने बताया कि सोसाइटी भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वार्षिक उत्सव - आजादी का अमृत महोत्सव के समापन भाग के रूप में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2022) पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव करती है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराना, पांच प्रदर्शनियां और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होगा जिसके लिए बजट अनुमान 17.13 लाख प्रस्तावित किया गया है। परिषद ने बजट सहित इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।
- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि वे परिषद की ओर से भारत के नए राष्ट्रपति को बधाई देना चाहते हैं और

उनसे 15 जनवरी, 2023 को आयोजित होने वाले एशियाटिक सोसाइटी के 240वें स्थापना दिवस में उनकी उपस्थिति के लिए भी अनुरोध करना चाहते हैं। वे सोसाइटी के कुछ प्रकाशन उन्हें भेजना भी चाहते हैं। परिषद ने इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया।

- महासचिव ने 8 जुलाई, 2022 को आईएनएसए के कार्यकारी निदेशक से प्राप्त एक मेल की सूचना दी जिसमें उन्होंने इस परिषद के किसी सदस्य का एक नाम भेजने का अनुरोध किया है, जो वर्ष 2023 के लिए आईएनएसए का फेलो हो। परिषद ने डॉ. कुणाल घोष, एफएनए को वर्ष 2023 के लिए आईएनएसए की परिषद के लिए फिर से नामित किया।।

## 30 अगस्त को काउंसिल की बैठक हुई

- परिषद ने भारत की सरकार के सभी मौजूदा नियमों का अनुपालन करते हुए एशियाटिक सोसाइटी में एक समन्वयक (प्रेस एवं सोशल मीडिया) और एक सलाहकार (कानूनी) की आउटसोर्सिंग के प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया।

## 27 सितंबर, 2022 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने वर्ष 2022 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के मानद फेलो के रूप में स्वामी आत्मप्रियानंद, प्रो-चांसलर, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान के नामांकन को एशियाटिक सोसाइटी के उपनियम IV के खंड 2,3 और 4 के प्रावधान के संदर्भ में सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। मानद फेलो के चुनाव के संबंध में एशियाटिक सोसाइटी की बैठक में स्वामी आत्मप्रियानंद के सर्वसम्मति से नामांकन को उक्त उपनियमों के खंड 6 और 7 के अनुसार अनुमोदन के लिए अगली मासिक आम बैठक में रखने का निर्णय लिया गया।



- परिषद ने वर्ष 2021-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के लेखापरीक्षित खातों और पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) को सर्वसम्मति से अंगीकार कर लिया और इ एशियाटिक सोसायटी के विनियम 51 के तहत 31 अक्टूबर, 2022 को बुलाई जाने वाली सोसाइटी के सदस्यों की विशेष आम बैठक में एशियाटिक सोसायटी के विनियम ५९ए के अनुपालन में विचारार्थ एवं अंगीकार के लिए इसे सोसाइटी के सामान्य निकाय के समक्ष रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।
- महासचिव ने यह भी रिपोर्ट किया कि दिनांक 20 सितंबर, 2022 को राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन [एनएमएम] एवं एशियाटिक सोसाइटी के बीच तीन मुद्दों पर एक बैठक आयोजित की गई थी जो इस प्रकार है, i] नए संसद भवन में संविधान गैलरी के लिए पांडुलिपियों की डिजिटल प्रतियों एवं एनएमएम के लिए विज्ञाननिधि से पुरस्कृत पांडुलिपियों की आवश्यकता। ii] एशियाटिक सोसाइटी में एमआरसी के पुनरुद्धार एवं iii] सोसाइटी में एमसीसी की स्थापना। उन्होंने परिषद के सदस्यों के समक्ष बैठक का कार्यवृत्त भी विचारार्थ रखा। परिषद ने कार्यवृत्त को नोट किया और इसे स्वीकार कर लिया और पुस्तकालय अध्यक्ष को आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया।
- सोसाइटी के निदेशक ने रिपोर्ट किया कि 2 अक्टूबर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 की अवधि के दौरान स्वच्छता अभियान और कार्यालय स्क्रैप को व्यवस्थित करने सहित लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान 2.0 के अनुपालन किया जाना है, इस पर परिषद ने महासचिव और कोषाध्यक्ष के मार्गदर्शन में इसे परिषद को वापस रिपोर्ट करने के लिए निदेशक को इस विशेष अभियान की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुपालन करने का अधिकार दिया।।

### 29 नवंबर, 2022 को आयोजित परिषद की बैठक

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि सोसायटी का 240वां स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2023 को मनाया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से वर्ष 2023 के लिए स्थापना दिवस वक्ता के रूप में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद का नाम प्रस्तावित करने एवं को महासचिव को दो/तीन दिनों के भीतर फोन पर या ई-मेल के माध्यम से प्रस्तावित नाम सूचित करने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी रिपोर्ट किया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है ताकि उन्हें स्थापना दिवस पर उपस्थित होने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया जा सके।

### 31 जनवरी, 2023 को परिषद की बैठक आयोजित की गई

- एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता से संबंधित कर्मचारी भविष्य निधि में अतिरिक्त योगदान के संबंध में पीउ की 2018 की रिपोर्ट संख्या 4 के ऑडिट पैरा संख्या 6.3 के संदर्भ में, महासचिव ने रिपोर्ट किया कि उन्हें इस संबंध में मौखिक साक्ष्य के लिए 27 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में ईण (सार्वजनिक लेखा समिति) उप-समिति ६ के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया था। (जिसके लिए महासचिव ने अध्यक्ष के परामर्श से 27 जनवरी, 2023 को निर्धारित परिषद की बैठक को स्थगित कर दिया और इसे 31, 2023 जनवरी को पुनर्निर्धारित किया)। महासचिव ने सरकार के निर्देश से अवगत कराया कि नियोक्ता (अर्थात एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता) द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि में अधिकतम सीमा से अधिक से योगदान को तुरंत रोका दिया जाए। तत्पश्चात, उन्होंने दिनांक 25.01.2023 और 30.1.2023 के संदर्भ संख्या 20-5/2018-एए तहत मंत्रालय के पत्रों में निहित निर्देशों को परिषद की बैठक के समक्ष रखा। परिषद ने इस कार्यसूची पर विशेष जोर देने के साथ उपर्युक्त पत्रों का संज्ञान लिया



(जैसा कि मंत्रालय के उपरोक्त पत्राचार में वांछित था)। परिषद ने विस्तृत चर्चा के बाद, निम्नलिखित निर्णय लिया:

- i. सोसायटी के मौजूदा ईपीएफ ग्राहकों के लिए, ईपीएफ में नियोक्ता का योगदान ईपीएफ वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता शामिल करते हुए) पर 12% (बारह प्रतिशत) की दर से किया जाएगा, जो ईपीएफ और एमपी अधिनियम 1952 के अधीन कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान (ईपीएफ और एमपी), योजना, 1952 (योजना) के क्रमशः पैरा 29(1) और 26ए(2) में निर्धारित मौजूदा प्रावधानों के निबंधनों के अनुसार ईपीएफ वेतन सीमा 15,000/- (पंद्रह हजार रुपये) रुपये लागू होगा।
- ii. हालाँकि, जिन कर्मचारियों पर यह योजना लागू होती है, उन्हें पैरा 29 के संदर्भ में वैधानिक सीमा सीमा (वास्तविक मूल वेतन + महंगाई भत्ता के 12% पर गणना) से अधिक राशि (अर्थात् कर्मचारियों के योगदान का हिस्सा) का योगदान जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। नियोक्ता (यानी एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता) इस योजना के पैरा 26(6) के प्रावधानों के अनुसार सहायक भविष्य निधि आयुक्त को सूचित करते हुए ऐसे कर्मचारियों के लिए देय निर्धारित प्रशासनिक शुल्क वहन करेंगे।
- iii. उपरोक्त (i) और (ii) में दिए गए निर्णयों पर आवश्यक आदेश जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।
- iv. संस्कृति मंत्रालय के दिनांक 25.01.2023, के अपने पत्र संख्या 20-5/2018- A&A के पैरा नं. 5. के माध्यम से सम्प्रेषित अन्य मदों पर कार्रवाई के संबंध में, इन मुद्दों की जांच करने एवं आगे की कार्रवाई करने के लिए उस

पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए परिषद द्वारा एक समिति का गठन किया जाएगा।

- v. उपरोक्त निर्णयों के अनुरूप इस मामले पर संस्कृति मंत्रालय को एटीएन भेजा जा सकता है।
- इस परिषद ने सचिव, एस डी चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट से 91 बालीगंज प्लेस, कोलकाता -700019 स्थित ट्रस्ट संपत्तियों को पूरी तरह से एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पक्ष में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। परिषद ने अपने उपरोक्त निर्णय के लिए एस डी चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट को धन्यवाद व्यक्त किया। परिषद ने इस संबंध में किसी कानूनी सलाहकार की सलाह से आवश्यक कानूनी परिचालन कार्य के लिए सोसायटी के कोषाध्यक्ष को प्राधिकृत किया एवं उनसे इस संबंध हुए किसी भी प्रगति पर समय-समय पर परिषद को रिपोर्ट करने का अनुरोध किया।

### 23 फरवरी, 2023 को परिषद की आयोजित बैठक

- 1 एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता से संबंधित कर्मचारी भविष्य निधि में अतिरिक्त योगदान के संबंध में C&AG की 2018 की रिपोर्ट संख्या 4 के ऑडिट पैरा संख्या 6.3 के संदर्भ में, महासचिव ने रिपोर्ट किया कि उन्हें इस संबंध में मौखिक साक्ष्य के लिए 17 फरवरी, 2023 को नई दिल्ली में PAC (सार्वजनिक लेखा समिति) उप-समिति I के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया था। महासचिव ने सदस्यों को उक्त बैठक के कार्यों की जानकारी दी और उन्होंने परिषद के समक्ष मंत्रालय से प्राप्त दिनांक 20.02.2023 के संदर्भ संख्या 20-5/2018-A&A के तहत एक पत्र भी रखा जिसमें इस संबंध में सरकार के कई निर्देश शामिल थे। परिषद ने महासचिव के उपरोक्त पत्र एवं उनकी रिपोर्ट का संज्ञान लिया। काउंसिल ने यह भी नोट किया कि ईपीएफ और एमपी अधिनियम 1952 के अधीन कर्मचारी भविष्य



निधि और विविध प्रावधान (ईपीएफ और एमपी), योजना, 1952 (योजना) में निर्धारित मौजूदा प्रावधानों के निबंधनों के अनुसार ईपीएफ वेतन सीमा 15,000/- (पंद्रह हजार रुपये) को लागू करते हुए ईपीएफ वेतन (मूल वेतन और डीए शामिल) पर 12% (बारह प्रतिशत) की दर से ईपीएफ में नियोक्ता के योगदान को प्रतिबंधित करने के लिए सोसाइटी के दिनांक 06.02.2023 के कार्यालय आदेश संख्या-38 को पहले ही जारी किया जा चुका है। परिषद ने विस्तृत चर्चा के बाद, निम्नलिखित निर्णय लिया:

- i. नियोक्ता द्वारा किए गए अतिरिक्त योगदान की वापसी के तौर-तरीकों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से पत्राचार किया जाएगा।
- ii. कि इस कार्रवाई पर रिपोर्ट जल्द से जल्द मंत्रालय को भेजी जाएगी, जिसमें बताया जाएगा कि ईपीएफ में नियोक्ता के अतिरिक्त योगदान को रोक दिया गया है और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को एक पत्र भेजा जा रहा है ताकि नियोक्ता द्वारा किए गए अतिरिक्त योगदान की वापसी के तौर-तरीकों के बारे में पूछा जा सके।
- iii. अन्य संबंधित मामलों की जांच करने और परिषद की अगली बैठक में इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों वाली एक समिति गठित की जाएगी:
 

● प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल	संयोजक
● प्रोफेसर अलोक कुमार घोष	सदस्य
एक बाहरी विशेषज्ञ	सदस्य

(सदस्य मनोनीत करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत किया गया है)
- iv. कि कर्मचारियों को वास्तविक मूल वेतन और डीए पर 12% (बारह प्रतिशत) की दर से ईपीएफ में योगदान करने की अनुमति होगी। इस तरह

के अतिरिक्त योगदान के संबंध में आवश्यक प्रशासनिक शुल्क एशियाटिक सोसाइटी द्वारा अपने स्वयं के फंड से शुरू में मार्च, 2023 तक लगाया जाएगा।

- v. इस बीच, उपरोक्त समिति एशियाटिक सोसाइटी के स्वयं के कोष से प्रशासनिक शुल्क के भुगतान से संबंधित मुद्दों की जांच करेगी और आगे की कार्रवाई के लिए परिषद को रिपोर्ट करेगी।

### 28 मार्च, 2023 को परिषद की की आयोजित बैठक

- परिषद ने 17 मार्च, 2023 को हुई अपनी बैठक में प्रत्येक श्रेणी में संबंधित उपनियमों में आवश्यक संशोधन करके एशियाटिक सोसाइटी के सभी एंडोमेंट लेक्चरशिप के साथ-साथ विभिन्न पुरस्कारों पर कार्रवाई शुरू करने के लिए गठित इस समिति की बैठक की सिफारिशों को मंजूरी दे दी। हालाँकि, समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर बासुदेब बर्मन ने एक अद्यतन सोसाइटी रेगुलेशन बुक प्रकाशित करने का सुझाव दिया। परिषद ने 23.03.2023 को आयोजित मेडल डिजाइनिंग एंडोमेंट लेक्चरशिप और विभिन्न पुरस्कारों के संशोधन के लिए अनुवर्ती बैठक की सिफारिशों को भी मंजूरी दे दी और समिति को आवश्यक कार्य करने के लिए प्रोफेसर सौरव जाना, कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, बर्दवान विश्वविद्यालय के साथ बातचीत करने के लिए प्राधिकृत किया।
- परिषद ने सोसायटी की विभिन्न किराये की संपत्तियों से संबंधित सभी मामलों की देखभाल के लिए गठित समिति की बैठक की सिफारिशों को अनुमोदित कर दिया। परिषद ने निदेशक को उनकी सिफारिशों पर कार्रवाई करने एवं समिति सदस्यों द्वारा पृष्ठआकित किराए की संपत्तियों से संबंधित सभी कागजात की देखभाल और निपटान के लिए सोसायटी के एक स्टाफ सदस्य को नामित करने के लिए भी प्राधिकृत किया।



- महासचिव ने बताया कि उन्हें संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मुग्धा सिन्हा का 16 मार्च, 2023 का एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें बताया गया है कि संस्कृति मंत्रालय का संग्रहालय प्रभाग तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023 का आयोजन कर रहा है जो कि प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 18 से 20 मई, 2023 तक आयोजित किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय

संग्रहालय दिवस मनाने और सोसायटी की भागीदारी के लिए इसे अपने वार्षिक कैलेंडर में संस्थागत बनाने के लिए परिषद ने मामले को नोट किया और क्यूरेटर के परामर्श से पुस्तकालय अध्यक्ष द्वारा अस्थायी व्यय सहित एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने की सलाह दी। हालाँकि, इस प्रस्ताव को फंड की उपलब्धता के अधीन सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित किया गया है।

# 9

## एशियाटिक सोसाइटी के प्रकाशन

सर विलियम जोन्स, एशियाटिक सोसाइटी के संस्थापक, की ही यह सोच थी कि हर साल 'एशियाटिक मिसेलनी' के एक खंड के प्रकाशन किया जाए। पहले तीन वर्षों के दौरान ऐसी कोई पत्रिका निकालने का कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रथम वर्ष में प्राप्त अधिकांश पेपर छोटे थे और उतने महत्वपूर्ण नहीं थे। इसके अलावा, सोसाइटी के पास कोई फंड भी नहीं था और कलकत्ता में कोई ऐसा प्रकाशक भी नहीं था जो इस तरह का काम कर सके। अंततः ईस्ट इंडिया कंपनी के मुद्रण कार्यालय के श्री मैनुएल कैटोफर ने एक निजी हित के रूप में इस काम को करने के लिए राजी हुआ कि सोसाइटी का प्रत्येक सदस्य प्रकाशन की एक प्रति 20.00 रुपये में खरीदेगा। इस पत्रिका के लिए स्वीकृत नाम एशियाटिक रिसर्चेज (Asiatick Researches) था और इसका पहला खंड वर्ष 1788 में प्रकाशित हुआ था।

एशियाटिक सोसाइटी ने वर्ष 1784 में अपनी स्थापना के चार वर्षों के पश्चात ही, वर्ष 1788 में एशियाटिक रिसर्चेज (Asiatick Researches.) के प्रकाशन के साथ अपना प्रकाशन संबंधी कार्य की शुरुआत की। सर विलियम जोन्स ने इस प्रकाशन के संबंध में कहा था, यदि एशिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृतिवादी, रसायनज्ञ, पुरातनपंथी, दार्शनिक और विज्ञान के लोग अपने विचारों को लेखनी में उतारने को प्रतिबद्ध होते हैं और उन्हें कलकत्ता के एशियाटिक सोसाइटी भेजते हैं, यदि इस तरह के संपर्क लंबे समय तक होते रहते हैं तो इसका विकास होगा, यदि दीर्घावधि तक ऐसे संपर्क को रोक कर रखा जाता है तो वह क्षीण हो जाएगा एवं अगर उन्हें पूरी तरह से ही रोक दिया जाता है तो यह नष्ट हो जाएगा।

यह सोसाइटी अपनी प्रतिष्ठा और उच्च एकादमिक स्तर को बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मौलिक और प्रसिद्ध पुस्तकों का प्रकाशन करती आ रही है और देश का सबसे पुराना प्रकाशन गृह होने के नाते यह सोसाइटी, अपने अकादमिक प्रकाशन के लिए विश्व अध्ययन के रूप में जाना जाता है।



प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति जैसे दो सांविधिक समितियां, विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे कि बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, सेमिनार एवं सार्वजनिक व्याख्यान, कैटलॉग तथा ग्रंथ-सूची कार्य आदि के पुस्तक रूप में प्रकाशित करने के लिए पांडुलिपियों की सिफारिश करती है एवं एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशन के लिए कुछ विविध प्रकाशनों और आलेखों, सूचना, पुस्तक-समीक्षा भी पर कार्य करती है।

एशियाटिक सोसाइटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाओं के अलावा उपर्युक्त श्रृंखला पर पुस्तकों का प्रकाशन करती है।

इस अवधि (01.04.2022 - 31.03.2023) के दौरान 26 पुस्तक-शीर्ष, एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल के चार अंक, मासिक बुलेटिन के दस अंक और पुस्तिकाओं सहित दो अन्य प्रकाशन प्रकाशित हुए। सूची नीचे दी गई है।

एशियाटिक सोसाइटी ने 45वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2022 में बिक्री में वृद्धि हेतु सहभागिता की। इस बार पुस्तक मेले के दौरान प्रकाशन अनुभाग से 5 पुस्तकों का विमोचन किया गया। पहली बार प्रत्येक पुस्तक की तस्वीरों के साथ उपलब्ध प्रकाशनों की पुस्तक-सूची प्रकाशित की गई। पुस्तक- विक्रेताओं, शैक्षणिक संस्थानों, पुस्तकालयों आदि से समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया एवं इस संबंध में अच्छी प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई। इसके अलावा, हमारी वेबसाइट में हमारे प्रकाशनों का पुस्तक सूची, विस्तृत प्रचार हेतु अपलोड की गयी है।

## 2022-2023 के दौरान प्रकाशन

### ● पुस्तकें

1. बंगला भाषाएँ विज्ञानचर्चा (बंगाली में), सरदिंदु शेखर रे द्वारा रचित जिसमें सब्यसाची चटर्जी द्वारा परिचय प्रस्तुत किया गया है।
2. इन द जंगल ओफ असम- ए सेंचुरी एगो सं, सुभ्रांगसु कांता आचार्य और उज्ज्वल चौधरी द्वारा रचित
3. साकी मुस्ताद खान की मआसिर-ए-आलमगिरी का जदुनाथ सरकार द्वारा अंग्रेजी में अनुवाद और टिप्पणी

4. अपराइजगि ओफ 1857: पर्सपेक्टिवस एंड पेरिफेरिज संस्करण। सुभाष रंजन चक्रवर्ती द्वारा
5. चाइनीज सोर्स ओफ साउथ एसियन हिस्ट्री इन ट्रांसलेसन, खंड IX, हरप्रसाद रे द्वारा
6. ट्रेजरी ओफ एशियाटिक सोसायटी, मिनती चटर्जी द्वारा
7. राजेंद्रलाल मित्रा (बंगाली में), संस्करण।, श्यामल चक्रवर्ती द्वारा
8. ट्रेडिशनल एथनो-वेटेरिनारी मेडिसिन इन रुरल बदद्धमान, अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा
9. आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे - लाइफ एंड वक्स, बासुदेब बर्मन, दिलीप कुमार बसु और अपराजिता बसु द्वारा सम्पादित
10. ऋग्वेद संहिता, बसंती भाष्य, खंड छठ, ऋक्स सहित अंग्रेजी में अनुवाद, बसंत कुमार गांगुली द्वारा लिप्यांतरण एवं टीका।
11. *When was India a Nation? A Study of the Evolution of India's Nationhood through Ages* by Ranjit Sen.
12. ग्लोबल कोंसेप्ट ओफ कल्चरल हेरिटेज मैनेजमेंट एंड इट्स सिग्निफिकेंस एक्रोस द एथनिक गरुप, रंजना रे द्वारा सम्पादित
13. नोवल रिसर्च वर्क अंडरटेकन इन लासत सेंचुरी एट स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, कृष्णांगशु रे द्वारा
14. ए फोकस ऑन बुधिस्ट स्टडिजी अलॉग विद द लैंड ओफ स्नो गैंग ग्युल इन तिब्बत, अर्चना रे द्वारा सम्पादित
15. ए कृटिकल स्टडी ओफ फेनोमेनोलोजी विथ स्पेशल रेपर्स टू मोडरन डेवलपमेंट इन साइकोलोजी, टुनु भट्टाचार्य द्वारा
16. प्यारीचंद मित्रा: कर्मा ओ सृजन (बंगाली में), श्यामल चक्रवर्ती द्वारा सम्पादित



17. फारैस्ट, कम्यूनिटी एंड चेंज: ए स्टडी ऑन स्पेसिफिक नोर्थ -ईस्ट इंडियन कम्यूनिटीज, सृजनी भट्टाचार्जी द्वारा
18. कलेक्टेड वक्स ओफ ब्रजेन्द्रनाथ सील, खंड- 1, दिलीप कुमार मोहंता द्वारा
19. 75थ एनीवर्सरी ओफ इंडियन नेशनल आर्मी एंड प्रोविजनल गवर्नमेंट, पूरबी रॉय द्वारा सम्पादित
20. ललितविस्तारा, बिजोया गोस्वामी द्वारा अंग्रेजी में अनुवाद
21. अमतय सेन की भारतेर अतीत ब्याख्या प्रसंगे (बंगाली में), बंगाली में अनुवाद: आशीष लाहिड़ी
22. स्टडी इन गांधिजम: ए सेलेक्सन, निर्मल कुमार बोस द्वारा रचित , प्रशांत रे द्वारा एक परिचय के साथ
23. कामंदकी की नीतिसार ऑर द एलिमेंट ओफ पालिटी, राजेंद्रलाल मित्रा, अंग्रेजी अनुवाद, शिशिर कुमार मित्रा द्वारा
24. अशोक मित्रा द्वारा रचित कास्ट एंड क्लास इन इंडियन सोसाइटी
25. सूर्यसिद्धांत: द एस्ट्रोनोमिकल प्रिंसिपल, ए के चक्रवर्ती द्वारा
26. रामकृष्ण मुखर्जी द्वारा रचित द डायनमिक्स ओफ ए रुरल सोसाइटी
27. मध्यजुगीय भारते संस्कृत साहित्य (बंगाली में), कालीकुमार दत्त द्वारा रचित

### ● पत्रिकाएँ

#### एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल

खंड LXIV	सं. 1	2022
	सं. 2	2022
	सं. 3	2022
	सं. 4	2022

#### एशियाटिक सोसाइटी का मासिक बुलेटिन

खंड. LI	सं. 4 – 10	2022 = 7 अंक
खंड. LII	सं. 1 – 3	2023 = 3 अंक

### ● निम्नलिखित पुस्तकों के लिए गिफ्ट बॉक्स बनाया गया

चाइनीज सोर्स ओफ साउथ एसियन हिस्ट्री इन ट्रांसलेसन, खंड I - IX

### ● पुस्तिकाएं

1. अध्यक्षीय अभिभाषण, 2021-22
2. महासचिव का संबोधन, 2021-22
3. वार्षिक रिपोर्ट, 2021-22
4. उपलब्ध प्रकाशनों की सूची, अगस्त 2022

### ● विक्रय परिणाम

इसे



# 10

## गतिविधियां : पुस्तकालय अनुभाग

### पुस्तकालय

एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय का दो सौ उनतालीस वर्षों का प्राचीन एवं गौरवशाली इतिहास रहा है एवं इस सोसायटी का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। प्राच्य अध्ययन के लिए निर्धारित पांडुलिपियों और कलाकृतियों के अलावा पुस्तकों और पत्रिकाओं के विशाल संग्रह से पुस्तकालय समृद्ध है। इसका महत्व संख्या में अधिक होने के कारण नहीं बल्कि इसकी समृद्ध और अनूठी सामग्रियों में है।

इस संग्रह में में यूरोपीय, चीन-तिब्बती, रूसी, दक्षिण एशियाई, फारसी, उर्दू, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं के विविध 1,34,379 से अधिक पुस्तकें और 1,09,133 जर्नलों के बाउंड वॉल्यूम हैं। सोसाइटी पुस्तकालय द्वारा अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में शोध करने वाले एवं भारत और विदेशों के अलग-अलग भागों से संबंधित विद्वानों को ग्रंथ-सूची और दस्तावेज संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। पुस्तकों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश से लैस अध्ययन कक्ष सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.45 बजे से शाम 7.00 बजे तक एवं शनिवार को सुबह 10:00 बजे से शाम 5.00 बजे तक पाठकों के लिए खुला रहता है। पाठक को इंटरनेट और ई-मेल के माध्यम से समय-समय पर सेवाएं सफलतापूर्वक प्रदान की गई हैं। जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित लेखों के कम्प्यूटरीकृत सूचकांक से भी पाठकों का मार्गदर्शन होता है। परिषद द्वारा गठित पुस्तकालय समिति द्वारा पुस्तकालय की गतिविधियों की योजना तय की जाती है एवं इसका मोनीटरन किया जाता है।



### इस अवधि के दौरान की गतिविधियाँ:

- 234 दिनों के लिए यह पुस्तकालय भारत और विदेशी पाठकों और विद्वानों के लिए पूर्ण रूप से खुला था और कुल 4595 पाठकों सहायता प्रदान की।
- 559 नई पुस्तकों को शामिल किया गया है एवं 1048 पुस्तकों को विभिन्न भाषाओं और विभिन्न विषयों में संसाधित किया गया है।
- पुस्तकालय को सदस्यता से प्राप्त 212 अंक पत्रिकाएं प्राप्त हुए। पुस्तकालय को पत्रिकाओं के 143 अंक विनिमय पर और 49 अंक उपहार स्वरूप इस अवधि के दौरान प्राप्त हुए।
- 4595 पाठकों ने पुस्तकालय का उपयोग किया। पाठकों को 1696 पुस्तकें जारी की गईं और 1147 पुस्तकें उनके द्वारा लौटायी गईं।
- ई-मेल के माध्यम से पुस्तकों एवं पांडुलिपियों से संबंधित संदर्भ सेवाएँ मांग के अनुसार प्रदान की गईं।

### विभिन्न संस्थानों द्वारा पुस्तकालय का दौरा:

- 07.04.2022: लोरेटो कॉलेज, कोलकाता के 2 संकाय सदस्यों के साथ 15 छात्रों का एक दल।
- 26.04.2022: संस्कृत विभाग, नरसिंह दत्त कॉलेज, हावड़ा के 3 संकाय सदस्यों के साथ 30 छात्रों का एक दल।
- 23.08.2022: इंस्टिट्यूट ओफ आर्ट कंजरवेशन, कोलकाता के 3 शिक्षकों के साथ 5 प्रतिभागियों का एक दल।
- 29.11.2022: श्रीरामपुर हाई स्कूल, श्रीरामपुर के 4 शिक्षकों के साथ 39 छात्रों का एक दल।
- 02.12.2022: नेताजी शतबर्षिकी महाविद्यालय, अशोकनगर, हावरा के शिक्षकों के साथ 21 छात्रों का एक दल।
- 06.12.2022: ईस्ट कलकत्ता गार्लस कॉलेज, लेकटाउन के 4 शिक्षकों के साथ 30 छात्रों का एक दल।

- 07.12.2022: कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के 1 संकाय के साथ 20 छात्रों का एक दल।
- 22.12.2022: गोबरडांगा हिंदू कॉलेज, 24 परगना (उत्तर) से 4 शिक्षकों के साथ 34 छात्रों का एक दल।
- 23.02.2023: कुल्टी कॉलेज, कुल्टी के हिंदी विभाग से 3 शिक्षकों के साथ 18 छात्रों का एक दल।
- 03.03.2023: संसद के पुस्तकालय कार्यरत लोकसभा सचिवालय के 6 अधिकारियों का एक दल।
- 17.03.2023: अलेक्जेंडर डी सेसोमा रूम के दौर के लिए हंगरी से 12 सदस्यों का एक दल।
- 22.03.2023: कमांड लाइब्रेरी, मुख्यालय पूर्वी कमान, फोर्ट विलियम से 19 सदस्यों का एक दल।
- 28.03.2023: नॉर्थ लखीमपुर कॉलेज, असम के 75 शिक्षकों, छात्रों और शोध विद्वानों का एक दल।
- 30.03.2023: आचार्य गिरीश चंद्र बोस कॉलेज, कोलकाता के 9 प्रोफेसरों के साथ 14 छात्रों का एक दल।

### पुस्तकों और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी:

सोसायटी द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों के एक भाग के रूप में विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियाँ प्रायः आयोजित की जाती हैं। गणमान्य व्यक्तियों को सोसायटी में उनकी यात्रा पर सम्मानित करने हेतु, एशियाटिक सोसाइटी के इस भव्य संग्रह की प्रदर्शनियाँ भी आयोजित की जाती हैं। पुस्तकालय द्वारा इन प्रदर्शनियों में पुस्तकालय की समृद्धि एवं विविध संसाधनों पर बल देते हुए दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं, तस्वीरों, दस्तावेजों आदि को प्रदर्शित किया जाता है। इस अवधि के दौरान, विभिन्न प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं, जिन्हें विद्वानों और मीडिया ने अत्यधिक सराहा।

### ● 02 मई, 2022:

सोसायटी की वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण



समारोह में भारत के माननीय राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़ एवं श्रीमती सुदेश धनखड़, फार्स्ट लेडिकी उपस्थिति में पर पुस्तक प्रदर्शनी।

- **13 मई, 2022:**

पोलिश संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक, श्री काजस ऑगस्टिनियाक की यात्रा के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

- **29 जून, 2022:**

सर आशुतोष मुखर्जी की 159वीं जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

- **12 अगस्त, 2022:**

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 'भारत का विभाजन' पर पुस्तक प्रदर्शनी - ड12 अगस्त 2022 से 31 अगस्त 2022 तक आयोजित।

- **15 अगस्त, 2022:**

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 'भारत की आजादी' पर पुस्तक प्रदर्शनी - ड15 अगस्त 2022 से 31 अगस्त 2022 तक आयोजित।

- **15 अगस्त, 2022:**

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 'स्वतंत्र भारत में एशियाई समाज की यात्रा' पर पुस्तक प्रदर्शनी ड15 अगस्त 2022 से 31 अगस्त 2022 तक आयोजित।

- **5 सितंबर, 2022:**

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 134वीं जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

- **15 नवंबर, 2022:**

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

## डिजिटलीकरण:

सोसायटी अपने समृद्ध संग्रह के डिजिटल कार्यक्रम को बढ़ावा देने की योजना पर कार्य कर रही है। आंतरिक डिजिटल कार्यक्रम के तहत कुल 243 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है।

डिजिटलीकरण के काम में तेजी लाने के लिए, डिजिटलीकरण के पहले चरण ड11,397 पांडुलिपियों के लिए सर्वोत्तम मूल्य की बोली लगाने वाले को जारी किया गया है एवं यह कार्य आउटसोर्स एजेंसी द्वारा 16 सितंबर 2021 को शुरू किया गया है। दिनांक 20.03.2023 तक, कुल 6555 पांडुलिपियों (2,96,389 पृष्ठों) को स्कैन किया गया है एवं मेटाडेटा के बनाने हेतु इसे संसाधित किया गया है, जिसे एजेंसी द्वारा सोसायटी को प्रस्तुत किया गया।

## डिजिटल संग्रहालय:

सोसायटी के डिजिटल संग्रहालय को नया रूप दिया गया है और इस अवधि के दौरान 740 पांडुलिपियाँ अपलोड की गई हैं। सोसायटी के आंतरिक सर्वर में वर्तमान में, 1258 पांडुलिपियाँ, 590 माइक्रोफिच संग्रह सामग्री और 504 पुस्तकें उपलब्ध हैं। इस संग्रह पर अनुकूलन एवं उन्नयन कार्य प्रगति पर है।

## वेब OPAC:

वेब ओपेक सक्रिय है। डेटाबेस को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। सोसाइटी के सदस्यों एवं बाहरी शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा कैटलॉग प्रविष्टियों की खोज के लिए इसका उपयोग बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है।

## MOPAC (मोबाइल पर OPAC):

पुस्तकालय के संग्रह को स्मार्टफोन और टैबलेट से भी देखा जा सकता है।

## पुस्तकालय स्वचालन (ऑटोमेशन) :

पुस्तकालय ऑटोमेशन के एक भाग के रूप में, इस अवधि के दौरान 1636 वॉल्यूम पुस्तकों की डेटा प्रविष्टि की गई है और पुस्तकालय के कर्मचारियों द्वारा LibSys10 सॉफ्टवेयर में 1551 वॉल्यूम अपडेट किया गया है।

## पुस्तकालय की पुस्तकों का फिजिकल स्टॉक संबंधी सत्यापन

सितंबर 2019 में किताबों की बारकोडिंग की मदद से फिजिकल स्टॉक सत्यापन का काम शुरू किया गया था। 31 मार्च, 2023 तक सत्यापित मुद्रित पुस्तकों की कुल संख्या 53,024 थी।



### परिसंचरण (सरकुलेसन):

मानवीय परिसंचरण प्रणाली के साथ-साथ स्वचालित परिसंचरण प्रणाली का अनुरक्षण किया गया है।

### संग्रह का विकास:

बजट प्रावधान के अनुसार पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद कर ली गई है। पुस्तकों के चयन के लिए सदस्यों, शोधार्थियों और कर्मचारियों द्वारा प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों के कैटलॉग का उपयोग किया गया।

### प्रख्यात आगंतुक:

- डॉ. टोटो ग्रोनो, मिशन के उप प्रमुख, राजनीतिक और

आर्थिक मामले, फिनलैंड दूतावास

- भारत के माननीय राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़ एवं श्रीमती सुदेश धनखड़, फास्ट लेडि।
- श्री काजस ऑगस्टिनियाक, निदेशक, पोलिश संस्थान, नई दिल्ली।
- श्री दुष्यन्त नरियाला, आईएएस, प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन, पश्चिम बंगाल सरकार
- श्री बिप्लब रॉय, पश्चिम बंगाल के प्रशासक जनरल और आधिकारिक ट्रस्टी
- श्री शशिकांत मिश्रा, माननीय न्यायाधीश, ओड़शा उच्च न्यायालय।

## संग्रहालय

एशियाटिक सोसाइटी का संग्रहालय विभिन्न भाषाओं और लिपियों से संबंधित पांडुलिपियों का अमूल्य और अद्वितीय संग्रह का भंडार है। एशियाटिक सोसाइटी द्वारा वर्णनात्मक और सारणीबद्ध दोनों कैटलॉग अच्छी संख्या में प्रकाशित किए गए, जो पांडुलिपियों के अध्ययन और शोध में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। इस सोसाइटी की पांडुलिपियों का संग्रह विविधतापूर्ण और समृद्ध है और इसमें अधिकांश भारतीय भाषाओं तथा लिपियों को शामिल किया गया है। सोसाइटी के संग्रहालय में कुल पांडुलिपियों की संख्या अब 50,000 से भी अधिक है। इन पांडुलिपियों को विभिन्न संग्रहों जैसे इंडियन संग्रहालय संग्रह, सरकारी संग्रह, सोसाइटी संग्रह, नया सोसाइटी संग्रह, आर.के. देव संग्रह, हॉजसन संग्रह, इस्लामी संग्रह, आदि के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। सोसाइटी के पास सबसे पुरानी और दुर्लभ पांडुलिपियों में 7 वीं शताब्दी ईस्वी की गुप्त ब्राह्मी लिपि में लिखी कुब्जिकामतम, 10 वीं शताब्दी ईस्वी के मैत्रेयव्याकरण, 1125 ईस्वी में अभ्यंकर गुप्ता का कालचक्रवतार, 1025 ई. की संपुततिका आदि शामिल है।

पांडुलिपियों के अलावा, एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय और

पांडुलिपि अनुभाग में विभिन्न धातुओं से बने पुराने सिक्के, तांबे की प्लेटों पर खुदे हुए शिलालेख और 78 अत्यंत समृद्ध और मूल्यवान तैल चित्र, जिसमें अधिकतर चित्र हैं, शामिल हैं। इनमें से अधिकतर रॉबर्ट होम, जोशुआ रेनॉल्ड्स, गुडडो, डैनियल आदि द्वारा चित्रित किए गए थे। इस संग्रहालय में रखे गए कुछ प्रसिद्ध चित्र क्लियोपेट्रा, बनारस के एक घाट, किउपिड उयस्तीप अन क्लाउड, वॉरेन हेस्टिंग्स, जॉन डेविट, वेलेस्ले, शिशु मसीह, महावलीपुरम के खंडहर, वमेण टेकेन इनड एडाल्टरी आदि।

एशियाटिक सोसाइटी के पास मूर्तियां और धातु की जो वस्तुएं हैं वे संख्या एवं ऐतिहासिक महत्व की दृष्टि से समृद्ध हैं। इनमें 12वीं शताब्दी ई. की अवधि की ब्लैक बेसाल्ट से बनी ब्रह्मा की पाषाण मूर्ति, 11वीं शताब्दी ई., की ब्लैक बेसाल्ट स्टोन से बनी विष्णु की मूर्ति, 1864 की धूम राजा की पीतल की प्रतिमा, (वर्तमान में यह प्रतिमा भूटान में है), 250 ई.पू. की प्रारंभिक ब्राह्मी लिपि एवं प्राकृत भाषा में अशोक के शिलालेख इस संग्रहालय की कुछ दुर्लभ वस्तुएं हैं।

ब्रिटिश सर्वेक्षकों द्वारा 18वीं और 19वीं सदी में बड़ी संख्या में तैयार किए गए सर्वेक्षण मानचित्र भी इस संग्रहालय में मौजूद हैं।



इनमें से कुछ प्रसिद्ध मानचित्र भारत के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में हुए परिवर्तन को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के बड़ी संख्या में प्राचीन पत्राचार एवं दुर्लभ पुस्तकें, जिनमें से कुछ वर्ष 1784 के हैं, इस सोसाइटी की स्थापना के ठीक बाद, भी यहां संरक्षित हैं।

### अवधि के दौरान संक्षिप्त गतिविधियाँ:

- पाण्डुलिपियों को सूचीबद्ध करने का कार्य प्रगति पर है। कुल 120 संस्कृत भाषा की पाण्डुलिपियों की सूचीकरण का वर्णनात्मक स्वरूप विधिवत तैयार कर लिया गया है। पाण्डुलिपियों के 7419 फोलियो और 2057 टॉप शीट/हैंडलिस्ट के फोलिएशन संबंधी कार्य भी किया जा चुका है।
- डिजिटलीकरण संबंधी कार्य प्रगति पर है। (वर्तमान में लगभग 5740 पाण्डुलिपियां को डिजिटल रूप देने के लिए स्कैन कर लिया गया है)। स्कैन करने से पहले पाण्डुलिपियों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जा रहा है जिसमें धूल हटाना, मेटाडेटा का सत्यापन, पुनः जांच और टॉप शीट तैयार किया जा रहा है।
- विभिन्न संग्रहों वाले वैष्णव ग्रंथों की पुनः जांच और संकलन कार्य किया जा चुका है जो प्रकाशित किए जाने की प्रक्रिया में है।
- 85 अक्षरों वाली 5 अंग्रेजी फाइलों की सामग्री एवं सोसाइटी की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित 129 पृष्ठों का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- विषय के अनुसार उर्दू पाण्डुलिपियों की जाँच एवं परिग्रहण (accession) संख्या देने का कार्य प्रगति पर है।
- अरबी पाण्डुलिपियों की सारणीबद्ध सूची की प्ररूप संबंधी जाँच कार्य प्रगति पर है।
- इस अवधि के दौरान, भारतीय मूल के 502 पाठकों और विद्वानों को सेवा प्रदान की गई, जिन्होंने एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय के अध्ययन कक्ष में 1956 पाण्डुलिपियों और अन्य दस्तावेजों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके अलावा, कई विद्वानों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की गईं।

- इस अवधि के दौरान 112 भारतीय आगंतुकों एवं अलग-अलग देशों के 14 विदेशी आगंतुकों ने संग्रहालय का दौरा किया।

### अन्य कार्य :

- टॉप-शीट वाली पाण्डुलिपियाँ पाठकों, विद्वानों और प्रसिद्ध संस्थानों को उनकी मांग के अनुसार स्कैनिंग के लिए भेजी जाती हैं।
- इस संग्रहालय के कार्य के संबंध में इस संग्रहालय की वस्तुओं का कम्प्यूटर में डेटा एंट्री (सूचना प्रविष्टि) संबंधी कार्य।

### प्रकाशन संबंधी कार्य:

- संग्रहालय स्मृति चिन्ह अर्थात पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियाँ, ब्रोशर कोस्टर, नोट-पैड आदि की तैयारी और मुद्रण संबंधी कार्य।
- कैटलॉग की तैयारी एवं मुद्रण संबंधी कार्य।

### दौरा:

- बड़ी संख्या में पर्यटक नियमित रूप से संग्रहालय देखने आये। सामान्य और विशिष्ट आगंतुकों के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन सेवा (गाइड सर्विस) प्रदान की जाती है।

### इस अवधि के दौरान संग्रहालय और पाण्डुलिपि अनुभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी। प्रदर्शनी का विवरण निम्नानुसार है:-

- दिनांक 11 मई 2022 को प्रोफेसर ईशा मोहम्मद (सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष) की स्मृति बैठक के अवसर पर उनकी पेंटिंग की प्रदर्शनी।
- दिनांक 18 मई 2022 को गणित से संबंधित पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी और अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, 2022 के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन।
- आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर दिनांक 15 अगस्त 2022 से दिनांक 31 अगस्त 2022 तक



- सोसायटी के संग्रहालय संग्रह में 75 दुर्लभ पांडुलिपियों पर प्रदर्शनी का आयोजन।
- सोसायटी ने 19 से 24 नवंबर 2022 तक कोलकाता सेंटर फॉर क्रिएटिविटी में दुर्गा महोत्सव-मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर प्रदर्शनी में भाग लिया।
- 46वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, 2023 में दिनांक 31 जनवरी से दिनांक 12 फरवरी तक-पांडुलिपियों पर प्रदर्शनी का आयोजन।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के अवसर दिनांक 28 फरवरी 2023 को सर सी.वी.रमन पर प्रदर्शनी का आयोजन।
- वेस्ट बेंगॉल यूनिवर्सिटी ऑफ एनिमल एंड फिशरी साइंस में दिनांक 16 मार्च से दिनांक 18 मार्च 2023 तक अभिलेखीय दस्तावेजों और भारत के वैज्ञानिकों के पत्राचार की डिजिटल प्रतियों की प्रदर्शनी।
- पांडुलिपियों, लिथोग्राफ और पेंटिंग के निशान के साथ बहुत सारे स्मारिका संबंधित सामाग्री बिक्री के लिए तैयार करना और दिनांक 31 जनवरी 2023 से दिनांक 12 फरवरी 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में सहभागिता की गयी।
- एशियाटिक सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में सभी कार्यक्रमों की रिपोर्ट और विभिन्न विषयों पर पांडुलिपियों की सूची प्रकाशित की जाती है।

## परिरक्षण

एशियाटिक सोसाइटी की परिरक्षण प्रयोगशाला दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों, प्लेटों, मानचित्रों आदि को संरक्षित और पुनर्स्थापित संबंधी कार्य करती रही है। इस प्रभाग के कार्य अत्यधिक तकनीकी हैं और नुकसान से बचने के लिए ये कार्य परिष्कृत ढंग से किए जा रहे हैं। इस प्रभाग में कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी हैं जो मध्यकालीन पांडुलिपियों एवं प्राचीन तथा दुर्लभ पुस्तकों सहित जिल्दसाज सामग्री पर कार्य करने में सक्षम हैं।

### इस अवधि के दौरान आयोजित गतिविधियां :

- संरक्षण हेतु भौतिक रूप से सत्यापित पुस्तकों एवं एम.एस.एस. की संख्या 2667
- बुक-वार्म से संक्रमित पुस्तकें और एम.एस.एस. की संख्या जिसे रासायनिक रूप से सही किया गया हो। 2472
- लेमिनेशन से पहले डी-लैमिनेट किए गए शीटों की संख्या (पैच से पूर्ण) 909
- सुधार करने से पहले शीटों की पृष्ठवार संख्या 4452
- लेमिनेशन से पहले अम्ल हटाने से पूर्व भुरभुरे एवं नाजुक शीटों की संख्या 3640
- किटाणु से नष्ट हुए एवं चिपके हुए एम.एस.एस. और दुर्लभ पुस्तकें की शीटें, जिसे मरम्मत के लिए सावधानीपूर्वक अलग किया गया है। 1946
- लेमिनेशन से पहले सुधार की गई फटी हुई शीटों की संख्या 999
- कागज एम.एस.एस. की जांच की हुई भुरभुरे शीटों की संख्या 2421
- आयातित टिशू पेपर (यू.के. मूल) एवं और सेल्यूलोज एसीटेट फोयल का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 2531
- यू.के. मूल के टिशू पेपर और सी.एम.सी. और एम.सी. पेस्ट का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 753
- सुधार एवं लेमिनेशन के पश्चात सुव्यवस्थित की गयी शीटों की संख्या 2108
- विभागीय रूप से जिल्दसाज किए गए वॉल्यूम की संख्या 171
- फोटो लेमिनेशन की संख्या 36
- तैयार किए गए फिलर्स की संख्या 1219
- अन्य बाइंडिंग संबंधी कार्य (सेवा पुस्तिका) 91
- पूर्ण किए गए स्पाइरल बाइंडिंग की संख्या 16



## रेप्रोग्राफी (प्रतिचित्रण)

रेप्रोग्राफी एक ऐसा माध्यम है जिसमें फोटोग्राफी या जेरोग्राफी जैसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों की सहायता से ग्राफिक्स का पुनरुत्पादन किया जाता है। एशियाटिक सोसाइटी के रेप्रोग्राफी अनुभाग फोटोकॉपी, डिजिटलीकरण एवं सामान्य फोटोग्राफी से संबंधित कार्य करता है।

इस अवधि के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:

- 1) **फोटोकॉपी:** इस अनुभाग ने पाठक सेवा के तहत उपर्युक्त अवधि के दौरान पुस्तकालय सामग्री की 10484 फोटोकॉपी और कार्यालयीन प्रयोजनों के लिए कार्यालयीन दस्तावेजों की 10,774 फोटोकॉपी तैयार की।
- 2) **डिजिटलीकरण :** सोसाइटी के इन अमूल्य संग्रहों को उपयोगकर्ताओं द्वारा बारंबार प्रयोग से बचाने के

लिए प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों तथा पुस्तकों को इस अनुभाग द्वारा ही डिजिटल रूप दिया जाता है। डिजिटलीकरण का कार्य एक 'बुकआई 2' स्कैनर, एक 'बुकआई 4' स्कैनर और एक डिजिटल कैमरे की मदद से किया जाता है। इस अवधि के दौरान अनुभाग ने 371 पांडुलिपियों के 21623 एक्सपोजर तैयार किए।

- 3) **सामान्य फोटोग्राफी:** सोसाइटी द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, व्याख्यानो और कार्यशालाओं एवं सोसाइटी का दौरा करने वाले महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के फोटो कवरेज के लिए भी यह अनुभाग ज़िम्मेवार है। सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में ये फोटोग्राफ नियमित रूप से प्रकाशित होती हैं। विद्वानों के अनुरोध पर पुस्तकों से फोटो भी लिए गए थे। इस अनुभाग द्वारा उपर्युक्त अवधि के दौरान कुल 1946 फोटोग्राफ लिया गया।

# 11

## अकादमिक अनुभाग की गतिविधियाँ

**अ**नुसंधान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलन, कार्यशालाएं, अक्षय स्मारक व्याख्यान, विशेष व्याख्यान और प्रदर्शनियों सहित शैक्षणिक गतिविधियां एशियाटिक सोसाइटी की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक हैं। 2022-2023 (अप्रैल 2022-मार्च 2023) में आयोजित ऐसी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

1. रिसर्च फेलो:	08
2. पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च फेलो:	01
3. चल रही 'आंतरिक' अनुसंधान परियोजनाएं:	07
4. चल रही 'बाहरी' अनुसंधान परियोजनाएँ:	14
5. अनुसंधान सहायक:	07
6. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएँ :	शून्य
7. राष्ट्रीय सेमिनार/वेबिनार आयोजित:	04
8. अक्षय/स्मारक व्याख्यान :	13
9. विशेष व्याख्यान :	06
10. स्थापना दिवस व्याख्यान:	01
11. पुस्तक विमोचन कार्यक्रम:	शून्य
12. प्रदर्शनियाँ:	09
13. अन्य अकादमिक कार्यक्रम:	14





**इन शोध और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:**

**ए. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं :**

निम्नलिखित रिसर्च फेलो विभिन्न परियोजनाओं में लगे हुए हैं:

**1. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर रिसर्च फेलोशिप**

- रिसर्च फेलो का नाम : श्री प्रद्युत शील [भाषा एवं साहित्य]
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य
- कार्यग्रहण की तिथि: 27.01.2020
- विषय: विद्यासागर शिक्षा ओ समाजभावना आलोके बिरसिम्हा ओ तत्सम्लग्न ग्रामगुलिर वर्तमान शिक्षागत इबौग समाजगत अबस्थान
- समापन की तिथि: 26.07.2023

**2. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर रिसर्च फेलोशिप**

- रिसर्च फेलो का नाम : श्रीमती बसुधिता बसु [सामाजिक विज्ञान]
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक
- कार्यग्रहण की तिथि: 27.01.2020
- विषय: सुधारक पर पुनर्विचार: विद्यासागर का योगदान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शब्द
- समापन की तिथि: 10.10.2022 (त्यागपत्र द्वारा)
- अंतिम रिपोर्ट 28.02.2023 को प्रस्तुत की गई।

**3. परियोजना: इंडोलॉजी**

- रिसर्च फेलो का नाम : सुश्री स्नेहा अग्रवाल
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर तपती मुखर्जी

- कार्यग्रहण की तिथि: 22.09.2021
- विषय - इंडोलॉजिकल स्टडीज और पांडुलिपि विज्ञान में राजेंद्रलाल मित्रा के योगदान पर दोबारा विचार करना।
- समापन की तिथि: 21.09.2023

**4. परियोजना: मौलाना अबुल कलाम आजाद फारसी और अरबी अध्ययन में रिसर्च फेलोशिप**

- रिसर्च फेलो का नाम : डॉ. शाहिद आलम
- पर्यवेक्षक का नाम: एम.फिरोज
- कार्यग्रहण की तिथि: 29.09.2021
- विषय: एशियाटिक सोसाइटी के विशेष संदर्भ में बंगाल में फारसी अध्ययन में यूरोपीय विद्वानों का योगदान।
- समापन की तिथि : 28.09.2023

**5. परियोजना: मानव विज्ञान में शरत चंद्र रॉय रिसर्च फेलोशिप**

- रिसर्च फेलो का नाम : सुश्री देबाश्री चौधरी
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर रंजना रे
- कार्यग्रहण की तिथि: 01.10.2021
- विषय: लोढ़ा : अतीत से वर्तमान तक ग्रामीण-शहरी संदर्भ में मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- समापन की तिथि : 30.09.2023

**6. परियोजना: उत्तर पूर्व भारत का अध्ययन**

- रिसर्च फेलो का नाम : सुश्री होमंगाई मोसांग
- पर्यवेक्षक का नाम : प्रोफेसर सरित कुमार चौधरी
- संयुक्त पर्यवेक्षक: डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती
- कार्यग्रहणकी तिथि: 08.10.2021



- विषय: अरुणाचल प्रदेश की सीमावर्ती जनजातियों पर नृवंशविज्ञान (मानव जाति विज्ञान संबंधी) अनुसंधान।
- समापन की तिथि : 07.10.2023

- परियोजना प्रारंभ होने की तिथि: 28.02.2018
- पूर्ण होने की तिथि: 29.04.2022.
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

## बी. पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च परियोजना:

### 1. परियोजना: पाली और प्राकृत अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम : डॉ. सहेली दास ( सरकार )
- कार्यग्रहण की तिथि: 25.10.2021
- विषय-भिक्षुनीपाचितियापालिटोनिसया पर एक अध्ययन
- समापन की तिथि : 24.10.2023

## 03. परियोजना: दो अप्रकाशित नव्य न्याय पांडुलिपियों का संपादन और अनुवाद

- अनुसंधान सहायक का नाम: श्रीमती मौमिता शील
- प्रधान अन्वेषक: स्वर्गीय प्रोफेसर सुबुद्धि चरण गोस्वामी ( 2019 तक )।
- प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर संजीत साधुखान, दिनांक 11.10.2019 से।
- परियोजना प्रारंभ होने की तिथि : 30.09.2018
- पूर्ण होने की तिथि: 10.10.2022.
- अंतिम रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

## सी. वर्तमान में जारी बाहरी रिसर्च परियोजनाएं:

### 1. परियोजना: व्यक्तिवाचक नामों का वैदिक शब्दकोश

रिसर्च फेलो का नाम:

#### 1. समीमा यास्मीन

- कार्यग्रहणकी तिथि : 19.07.2019
- समापन की तिथि: 01.06.2023

#### 2. डॉ प्रियंकु चक्रवर्ती

- कार्यग्रहणकी तिथि: 12.09.2022
- समापन की तिथि: 01.06.2023
- मानद परियोजना निदेशक का नाम: प्रोफेसर समीरन चंद्र चक्रवर्ती
- कार्य जारी है।

## 04. परियोजना: वंचित सामाजिक समूह के इतिहास का पुनः प्रतिस्थापन: उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के केरल में पुलायास का विविध अनुभव

- प्रमुख जांचकर्ता: प्रोफेसर राजशेखर बसु और प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय।
- परियोजना प्रारंभ होने की तिथि: 20.05.2018.
- पूर्ण होने की तिथि: 31.07.2022. अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

## 02. परियोजना: विकास प्रक्रिया को समझना: पश्चिम बंगाल में 'अन-अधिसूचित' जनजातियों का मामला।

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. बिधान कांति दास

## 05. परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी का कालानुक्रमिक इतिहास: 1784-2018 तक की समयरेखा का अध्ययन

- अनुसंधान सहायकों का नाम: श्रीमती पायल साहा और श्रीमती उत्सा बोस.
- प्रधान अन्वेषक: डॉ. निबेदिता गांगुली



- परियोजना प्रारंभ होने की तिथि : 12.02.2019
- पूर्ण होने की तिथि: 31.07.2023
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। कार्य जारी है।

#### 06. परियोजना: चाखेसांग भाषा का नृवंशविज्ञान (मानव जाति विज्ञान ) अध्ययन: मात्रात्मक दृष्टिकोण

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. सिबांसु मुखर्जी
- प्रारंभ तिथि: 01.07.2019
- पूर्ण होने की तिथि: 30.06.2022
- अंतिम रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

#### 07. परियोजना: नवद्वीप के वैष्णव मंदिर एवं वैष्णव समुदाय

- अनुसंधान सहायक का नाम: श्री अभिरूप मुखर्जी
- प्रधान अन्वेषक: डॉ. बुद्धदेब बंद्योपाध्याय (17.03.2021 से)
- प्रारंभ तिथि: 12.07.2019
- पूर्ण होने की तिथि: 17.07.2023
- कार्य जारी है।

#### 08. परियोजना: कर्णप्रकाश-11वीं शताब्दी ई. का एक महत्वपूर्ण खगोलीय कर्ण पाठ, महत्वपूर्ण संस्करण, अंग्रेजी अनुवाद

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. सोमनाथ चटर्जी
- प्रारंभ तिथि: 25.10.2019.
- पूर्ण होने की तिथि: 24.06.2022
- अंतिम रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

#### 09. परियोजना: प्रसव विकल्प और महिला प्रजनन स्वास्थ्य व्यवहार : उत्तर-पूर्व और मध्य भारत की जनजातियों के बीच का एक तुलनात्मक अध्ययन

- अनुसंधान सहायकों का नाम: श्रीमती रीमा घोष और श्री सन्नी डे
- प्रधान अन्वेषक: डॉ. पुरबा चट्टोपाध्याय
- सह- अन्वेषक: प्रोफेसर सुदेष्ना बासु मुखर्जी
- प्रारंभ तिथि: 01.10.2019
- पूर्ण होने की तिथि: 31.12.2022
- अभी तक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है।

#### 10. परियोजना: भारतीय स्वास्थ्य रक्षा प्रणाली में लुप्तप्राय औषधीय पौधों की भूमिका और औपनिवेशिक बंगाल में उनके संरक्षण का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. बैसाखी बंद्योपाध्याय
- प्रारंभ तिथि: 29.04.2019
- पूर्ण होने की तिथि: 28.09.2022.
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

#### 11. परियोजना: क्या हम यह साबित कर सकते हैं कि हम कभी गलत नहीं होते ? प्रभाकर के ऋटि सिद्धांत का पुनर्मूल्यांकन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. मैनाक पाल
- प्रारंभ तिथि: 01.01.2021
- पूर्ण होने की तिथि: 31.12.2022
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

#### 12. परियोजना: रूसी इंडोलॉजिस्ट गेरासिम स्टेपानोविच लेबेडेव की एक अनकही यात्रा

- प्रधान अन्वेषक: सुश्री आत्मोजा बोस
- प्रारंभ तिथि: 12.05.2021



- पूर्ण होने की तिथि: 11.05.2024.
- कार्य जारी है।

### 13. परियोजना: 'विविधार्थ संग्रह (7 खंड) के प्रतिकृति संस्करण की तैयारी'

- अनुसंधान सहायक का नाम: श्री सृजन दे सरकार
- प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर स्वपन बसु
- प्रारंभ तिथि: 09.03.2022
- पूर्ण होने की तिथि: 08.09.2023
- कार्य जारी है।

### 14. परियोजना: नरसिंह कविराज की रसरत्नमाला : अज्ञात रसायन पाठ (पाठ, संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद और आलोचनात्मक नोट्स)

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. रीता भट्टाचार्य और डॉ. बंदना मुखर्जी
- प्रारंभ तिथि: 07.03.2022
- पूर्ण होने की तिथि: 06.09.2023
- कार्य जारी है।

### डी. स्वीकृत बाहरी परियोजनाएं, जिसकी अभी शुरुआत की जानी है

1. 'अथर्ववेद की पैपलादा-संहिता - अंग्रेजी अनुवाद, सूचकांक एवं इसकी विषय-वस्तु और इतिहास का लेखा-जोखा'। परियोजना के प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य।
2. विश्व शांति और युद्ध विरोधी संघर्ष में 'बैरन बसु और अन्य बंगाली सैनिकों' का योगदान। परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ ज्योति प्रसाद राय।
3. ईंट के मंदिरों पर दोबारा लिखी गई कृष्णलीला या श्रीकृष्ण के जीवन की कहानियाँ: टेराकोटा अलंकरणों

का सर्वेक्षण तथा दस्तावेजीकरण। परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय।

4. 'स्वदेशी साहित्य का दस्तावेजीकरण विश्लेषण और व्याख्या' लेप्चा ( उत्तर पूर्व भारत की भाषा) के 'नमथो नामथार'' परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ सतरूपा दत्तमजुमदार

### ई. बाह्य अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी द्वारा संचालित।

01. डॉ. शर्मिला चंद्रा, पुरुलिया छाऊ में जेंडर्ड स्पेसेज - वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएँ। नामक परियोजना पर काम कर रही है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की वित्तीय सहायता से।

अनुसंधान परियोजना प्रारंभ होने की तिथि 29.12.2021

प्रारंभ तिथि: 28.12.2023

काम जारी है।

### एफ. व्याख्यान/सेमिनार/ सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/संवाद

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त संख्या में अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। अधिकांश मामलों में ये कार्यक्रम विश्वविद्यालयों या प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से थे। इन अकादमिक कार्यक्रमों में देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया और अपने ज्ञानवर्धक शोधपत्र प्रस्तुत किये। संबंधित कार्यक्रमों के समन्वयक वर्तमान में प्रकाशन के लिए उन पत्रों के संपादन में व्यस्त हैं। कुछ सम्मेलनों की कार्यवाही पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है। कुछ कार्यवाही प्रेस में है तथा सेमिनार की अन्य कार्यवाही के संपादन का कार्य जारी है।

*हम केवल यहां नीचे व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन के शीर्षक दे रहे हैं*



## अप्रैल 2022

### ● 10 अप्रैल 2022

राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस समिति के सहयोग से एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस 2022 मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वक्ता: श्री जयदेव कुमार मंडल , श्री अमूल्य राय, डॉ. मानस प्रतीम दास,

समन्वयक : डॉ शंकर कुमार नाथ

### ● 18 अप्रैल 2022

इस सोसाइटी के विद्यासागर हॉल में विश्व विरासत दिवस 2022 का अनुपालन।

थीम: विरासत और जलवायु

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के संग्रहालय संग्रह में लिथोप्लेट्स के प्रिंटों की एक प्रदर्शनी, जिसमें 18वीं और 19वीं शताब्दी के कलकत्ता (कोलकाता) शहर के विरासत स्थलों और दृश्यों को दर्शाया गया है।

## मई 2022

### ● 2 मई 2022

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का पुरस्कार वितरण समारोह।

अतिथि : श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल, पश्चिम बंगाल एवं श्रीमती सुदेश धनखड़, पश्चिम बंगाल की प्रथम महिला।

### ● 11 मई 2022

ईशा मोहम्मद, कलाकार और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पूर्व अध्यक्ष की पहली पुण्य तिथि के अवसर पर एक स्मारक सभा का आयोजन।

### ● 18 मई 2022

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2022 मनाया जाना एवं एशियाटिक सोसाइटी संग्रहालय में छात्रों के दौरे एवं आपसी बातचीत।

### ● 18 मई 2022

आभा मैती वार्षिक स्मृति व्याख्यान, 2020

वक्ता: प्रोफेसर मालिनी भट्टाचार्य

विषय : लोक संस्कृति की धर्मनिरपेक्षता

### ● 24 मई 2022

अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस 2022 मनाया जाना।

थीम: सभी जीवों के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण।

अतिथि वक्ता: प्रोफेसर ( डॉ ) निमाई चंद्र साहा , डॉ जेआरबी अल्फ्रेड, डॉ धृति बनर्जी, प्रोफेसर तपन कुमार मिश्रा।

### ● 30 मई 2022

एशियाटिक सोसाइटी रिक्रिएशन क्लब के सहयोग से 'रवीन्द्र नजरूल जन्म जयंती' का उत्सव मनाया जाना।

## जून 2022

### ● 30 जून 2022

आभा मैती वार्षिक स्मृति व्याख्यान, 2021 विषय पर " भारतीय नारीओं कि अदिकारिता के बारे में कुछ बातें "

वक्ता: श्रीमती. कृष्णा देबनाथ , सामाजिक कार्यकर्ता और अनुभवी राजनीतिज्ञ

## जुलाई 2022

### ● 20 जुलाई 2022

इंदिरा गांधी स्मृति व्याख्यान, 2021



विषय: संविधान की बात: स्वतंत्र भारत में नागरिक स्वतंत्रता की जीवनी।

वक्ता: डॉ. कल्पना कन्नाबिरन, समाजशास्त्री, मानवाधिकार स्तंभकार और लेखक।

● **22 जुलाई 2022**

प्रोफेसर सुदीप्त सेन, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में इतिहास के प्रोफेसर द्वारा 'विलियम जोन्स एंड द रूल ऑफ लॉ इन लेट एटीन्थ सेंचुरी कलकत्ता' शीर्षक पर व्याख्यान

● **29 जुलाई 2022**

राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक दिवसीय संगोष्ठी।

समन्वयक : श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य।

**अगस्त 2022**

● **4 अगस्त 2022**

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति श्रृंखला पर व्याख्यान।  
( 1)

स्वामी आत्मप्रियानंदजी, महाराज, प्रो-चांसलर, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान (आरकेएमवीईआरआई) (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के तहत भारत सरकार द्वारा घोषित एक डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा 'उपनिषद: चेतना का अद्भुत खोजपूर्ण विज्ञान' पर एक विशेष व्याख्यान

● **12th अगस्त 2022**

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति श्रृंखला व्याख्यान।  
(2)

समीरन चंद्र चक्रवर्ती, पूर्व निदेशक, वैदिक अध्ययन, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, इंडोलॉजी के अनुसंधान प्रोफेसर, रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान, कोलकाता द्वारा 'प्राचीन भारतीय बौद्धिक परंपराओं की वैदिक

शुरुआत' पर व्याख्यान

● **12 अगस्त 2022**

- रक्तदान शिविर एव सोसाइटी के पुस्तकालय संग्रह से भारत विभाजन पर पुस्तकों की प्रदर्शनी (उद्घाटन)

● **15 अगस्त 2022**

- एशियाटिक सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।
- श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती का आयोजन।
- 'विभाजन और स्वतंत्रता: साहित्य और सिनेमा में प्रतिबिंब' पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

● **15- 31 अगस्त 2022**

- सोसाइटी के पुस्तकालय संग्रह से भारत की स्वतंत्रता पर पुस्तकों की प्रदर्शनी।
- सोसाइटी के पुस्तकालय संग्रह से भारत विभाजन पर पुस्तकों की प्रदर्शनी (उद्घाटन)।
- सोसाइटी के महत्वपूर्ण प्रकाशनों की प्रदर्शनी।
- सोसाइटी के संग्रहालय के संग्रह में दुर्लभ पांडुलिपियों पर प्रदर्शनी।
- स्वतंत्र भारत में एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा पर प्रदर्शनी।

● **25 -26 अगस्त 2022**

राजेंद्रलाल मित्रा पर दो दिवसीय सेमिनार (राजा राजेंद्रलाल मित्रा को उनके द्विशताब्दी पर श्रद्धांजलि)

समन्वयक : प्रोफेसर तपती मुखर्जी।

**सितम्बर 2022**

● **13 सितम्बर 2022**

रामचन्द्रन की 100वीं जयंती पर एक दिवसीय सेमिनार।  
Professor G. N. Ramachandran.



समन्वयक : प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती.

## अक्टूबर 2022

कोई अकादमिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं हुआ।

### ● 16 सितम्बर 2022

प्रोफेसर (डॉ.) समरेश बंद्योपाध्याय को डिप्लोमा ऑफ ऑनर प्रदान करने के लिए सैन मैक्रोज यूनिवर्सिटी, लीमा, पेरू और नॉर्थ अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल एंड क्लासिकल स्टडीज के सहयोग से समारोह का आयोजन।

### ● 20 सितम्बर 2022

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति श्रृंखला पर व्याख्यान। (3)

विषय: चक्र संहिता में आयुर्वेद के मौलिक सिद्धांतों की वर्तमान युग में प्रासंगिकता।

वक्ता: प्रोफेसर अबिचल चट्टोपाध्याय, पूर्व प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट आयुर्वेदिक एजुकेशन एंड रिसर्च, श्यामदास वैद्य शास्त्र विद्यापीठ, पश्चिम बंगाल सरकार। फेलो, राष्ट्रीय आयुर्वेद अकादमी, भारत सरकार।

### ● 26 सितम्बर 2022

पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की 203वीं जयंती मनाई गई।

पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर जी पर एशियाटिक सोसाइटी के रिसर्च फेलो द्वारा वार्ता की प्रस्तुति।

### ● 28 सितम्बर 2022

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति श्रृंखला पर व्याख्यान। (4)

विषय: भारतीय लेखन पद्धति की प्राचीनता।

वक्ता: प्रोफेसर डॉ रत्ना बसु, पूर्व प्रोफेसर संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) के समन्वयक

## नवंबर 2022

### ● 16 नवंबर 2022

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति श्रृंखला पर व्याख्यान। (5)

विषय: प्राचीन भारत में गणित की झलकियाँ

वक्ता: प्रोफेसर पार्थसारथी मुखोपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, रामकृष्ण मिशन आवासीय कॉलेज ( ऑटनी ), नरेंद्रपुर।

### ● 21 नवंबर 2022

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और पश्चिमबंगा इतिहास संवाद के सहयोग से 24वें प्रोफेसर असिन दासगुप्ता स्मृति व्याख्यान

वक्ता: प्रोफेसर संजुक्ता दासगुप्ता, प्रसिद्ध इतिहासकार।

विषय: भारत का पूर्वांचलका आदिवासी समाज एवं अतीत चेतना : एक मूल्यायन।

## दिसंबर 2022

### ● 9 दिसंबर 2022

पंचानन मित्रा स्मृति व्याख्यान

वक्ता: प्रोफेसर सौमैद्र पटनायक, पूर्व कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय।

विषय: भारत में मानव विज्ञान एवं इसकी क्षेत्रीय परंपराएँ: ऐतिहासिक और समकालीन प्रक्षेपपथ।

### ● 15 दिसंबर 2022

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और पश्चिमबंगा इतिहास संवाद के सहयोग से प्रोफेसर अनिरुद्ध रे स्मृति व्याख्यान (चौथा)।



वक्ता: प्रोफेसर एजाज हुसैन, प्रसिद्ध इतिहासकार, विश्व भारती, शांतिनिकेतन

थीम: अंतिम एंव अज्ञात मुघल राजपुत्र आखिरी आत्मचरित : मिर्जा जुवाउद्दिन गोरगान के विरचित मओयाज-ई-सुलतानी

## ● 23 से 28 जनवरी 2023 (26 जनवरी 2023 को छोड़कर)

लोकगीत, फिल्में और रंगमंच: संबंध और प्रासंगिकता विषय के तहत पांच दिवसीय कार्यशाला ।

समन्वयक: प्रोफेसर रंजना रे एवं डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता

## ● 19 दिसंबर 2022

प्रोफेसर केके हांडिक स्मृति व्याख्यान।

वक्ता: प्रोफेसर केई देबनाथन, पूर्व कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, वर्तमान में विशिष्टाद्वैत वेदांत, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रोफेसर ।

विषय: नव्यन्याय में नवद्वीप का योगदान ।

## फरवरी 2023

### ● 2 फरवरी 2023

डॉ पंचानन मित्रा मेमोरियल लेक्चर 2021 ।

वक्ता: प्रोफेसर रजत कांति दास, पूर्व प्रोफेसर एवं यूजीसी एमेरिटस फेलो विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल

विषय: जनजातीय विकास में अंगीकृत रणनीतियों और दृष्टिकोणों पर महत्वपूर्ण विश्लेषण: यहां मानव विज्ञान कैसे महत्वपूर्ण है?

## जनवरी 2022

### ● 2nd जनवरी 2023

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के अनुसंधान अध्येताओं द्वारा प्रस्तुति कार्यक्रम।

### ● 3rd जनवरी 2023

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और पश्चिमबंगा इतिहास संवाद के सहयोग से प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य स्मृति व्याख्यान ।

वक्ता: प्रोफेसर रुद्रांगशु मुखर्जी, प्रसिद्ध इतिहासकार और आचार्य, अशोक विश्वविद्यालय।

विषय : দেওয়ানী প্রদান ও আধিপত্যের প্রভাব।

### ● 16 फरवरी 2023

राजेंद्रलाल मित्रा की 201वीं जयंती समारोह

वक्ता: प्रोफेसर तपती मुखर्जी, डॉ सुनंदन कुमार सेन

### ● 20 फरवरी 2023

बिमान बिहारी स्मृति व्याख्यान

वक्ता: प्रोफेसर सत्यबती गिरि , पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, बंगाली विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय।

विषय: एकविंश शतक का एक अवाचीण का अवलीकण में चैतण्यदेव का कोई और

### ● 15 जनवरी 2023

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का २४०वां स्थापना दिवस मनाया गया.

चंद्रिमा साहा, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 'महामारी: युगों से रचनात्मकता पर प्रभाव' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान ।

### ● 22 से 28 फरवरी 2023

एशियाटिक सोसाइटी एवं रेखा चित्रम के सहयोग से कला प्रदर्शनी.

समन्वयक: श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती , प्राचार्य, रेखा चित्रम.





### ● 28 फरवरी 2023

- 'प्लास्टिक मुक्त दिवस' के अनुपालन एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस २०२३ के उपलक्ष्य में व्याख्यान सत्र और पैनल चर्चा। समन्वयक : डॉ अशोक कांति सान्याल .
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस २०२३ के उपलक्ष्य में सीवी रमन पर प्रदर्शनी।

### मार्च 2023

#### ● 10 मार्च 2023

राजा राजेंद्रलाल मित्रा स्मृति व्याख्यान (वर्चुअल)।

वक्ता: प्रोफेसर गया चरण त्रिपाठी , पूर्व निदेशक, बी.एल. इंस्टीट्यूट ऑफ इंडोलॉजी, नई दिल्ली।

विषय: भगवद्गीता पर बौद्ध धर्म का प्रभाव

#### ● 22 मार्च 2023

प्रोफेसर टोन ब्लेई , पब्लिक प्लानिंग एंड कल्चरल अनादरस्टैंडिंग, डिपार्टमेंट ऑफ सोसालोजी, ट्रोम्सो विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष व्याख्यान ।

विषय: मुख्य कलेक्टर के रूप में पीओ बोडिंग और ओस्तो में बोडिंग संग्रह का स्थानांतरण प्रबंधन (1901-2022)।

#### ● 29 मार्च 2023

पश्चिमबंगा इतिहास संसद और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के सहयोग से आशिन दासगुप्ता स्मृति व्याख्यान ।

वक्ता: प्रोफेसर रीला मुखर्जी, पूर्व प्रोफेसर, इतिहास विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय।

विषय : पीछे देखना - अशीन दाशगुप्त की चर्चित विषय समुद्र पत्तन नगर।

# 12

## अन्य गतिविधियाँ

### सोशल मीडिया में मजूदगी

सोशल मीडिया अर्थात फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से सोसाइटी की सक्रिय मजूदगी रही है।

- सोसाइटी के फेस बुक पेज पर (<https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308>) पर 1180 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए। सोसाइटी इस प्लेटफॉर्म पर अपने नियमित अपडेट पोस्ट करती है और कई लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। उक्त वर्ष में 80 से अधिक पोस्ट किए गए हैं और कुल रीच की संख्या 1.32 लाख से अधिक थी।
- सोसाइटी के ट्विटर अकाउंट ([https://twitter.com/asiatic\\_society](https://twitter.com/asiatic_society)) में 350 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए और नियमित अपडेट भी यहां पोस्ट किए जाते हैं। 60 से ज्यादा ट्वीट और 750 री-ट्वीट किए जा चुके हैं। पिछले वर्ष के कार्यक्रम की कुल रीच की संख्या 11,000 से अधिक थी।
- वैश्विक दर्शकों तक बेहतर पहुंच बनाने के लिए सोसायटी का यूट्यूब चैनल (<https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety>) भी शुरू किया गया है। वर्तमान में, इस चैनल के 1000 से अधिक सब्सक्राइबर हैं और इस अवधि में सोसायटी द्वारा 11 वीडियो अपलोड किए गए हैं, जो विश्व स्तर पर प्रशंसित है।
- सोसाईटी के पास बेहतर संपर्क और कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए सोसायटी के कर्मचारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाए



गए व्हाट्सएप ग्रुप पर भी सोसाइटी अपने कार्यक्रमों को नियमित रूप से कार्यक्रमों के प्रसार के लिए पोस्ट करता है।

इन पहलों के साथ, सोसायटी की अपनी वेबसाइट भी है, और अपने दर्शकों और सोसायटी के सदस्यों तक पहुंचने के लिए एक बल्क ईमेल सेवा का भी उपयोग किया जाता है।

### वेबसाइट

- सोसाइटी की वेबसाइट (www.asiaticsocietykolkata.org) का नियमित आधार पर अनुरक्षण एवं अद्यतन किया जाता है। सोसाइटी द्वारा प्रकाशित सभी बुलेटिन और जर्नल पिछले 5 वर्षों से दुनिया भर के पाठकों के लिए वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं। वेबसाइट में सुधार की प्रक्रिया भी प्रक्रियाधीन है।

### सर्वर और कंप्यूटर

- नेटवर्क स्विचों, सर्वर और कंप्यूटर (डेस्कटॉप और लैपटॉप दोनों) और अन्य सहायक उपकरणों (प्रिंटर, स्कैनर, केबल आदि) का अनुरक्षण उचित ढंग से किया जा रहा है। सर्वरों का बैकअप [लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर- LibSys, डिजिटल आर्काइव- DSpace] नियमित रूप से लिया जा रहा है।

### हिंदी कार्यक्रम

- 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया एवं हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर 20 सितंबर को सोसाइटी के स्टाफ सदस्यों के बीच हिंदी में टिप्पण और आलेखन पर लिखित प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसके बाद पुरस्कार वितरण किया एवं हिंदी दिवस के महत्व के बारे में व्याख्यान दिए गए।
- हिंदी सेल के क्यूरेटर और संयोजक डॉ. केका बनर्जी अधिकारी ने 14-15 सितंबर 2022 तक पंडित

दिनदयाल उपाध्याय स्टेडियम, सूरत, गुजरात में हिंदी दिवस समारोह-2022 और दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

- केका बनर्जी अधिकारी और तिथि पॉल ने 17 अक्टूबर 2022 को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, साल्ट लेक में हिंदी कार्यशाला में भाग लिया।
- सोसायटी के महासचिव डॉ. एस.बी. चक्रवर्ती 29 अगस्त 2022 को नई दिल्ली में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में शामिल हुए।
- भारत सरकार की केंद्रीय हिंदी शिक्षण योजना (राजभाषा विभाग) के तहत 11 स्टाफ सदस्यों ने प्राज्ञ पाठ्यक्रम पूरा किया।
- सभी कार्यालयीन रबड़ मुहरें एवं नेमप्लेट, फ्लेक्स और बैनर द्विभाषी रूप में लिखे गए हैं। 2022-23 के दौरान प्रदर्शनियों में दी गई जानकारी द्विभाषी रूप में भी थी।
- एशियाटिक सोसाइटी के हिंदी सेल द्वारा नियमित कार्यालयीन पत्राचार जैसे रिपोर्ट और अन्य उत्तर समय-समय पर गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) को भेजे गए हैं।
- 26 सितंबर 2022 को सोसाइटी के विद्यासागर हॉल में 'अनुवाद' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

### प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनी

- नवनियुक्त लोअर डिवीजन क्लर्कों के लिए 2 फरवरी, 2023 को एक इंडकसन ट्रेनिंग आयोजित किया गया था।
- वर्ष के दौरान पोर्टेबल अग्निशमन प्रणाली पर कुल पांच अग्निशमन पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी आयोजित किए गए।

# 13

## एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारी [2022-2023]

- 1 **लेफ्टिनेंट कर्नल अनंत सिन्हा**  
निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर)[17.07.2022 को कार्यभार ग्रहण ]
- 2 **डॉ. प्रीतम गुरे**  
पुस्तकालय अध्यक्ष
- 3 **श्री धीमान चक्रवर्ती**  
वित्त नियंत्रक
- 4 **श्री अरुप्रतन बागची**  
प्रशासनिक अधिकारी
- 5 **श्री प्रदीप कुमार साहा**  
लेखा अधिकारी
- 6 **श्री संजय रॉय चौधरी**  
अनुभाग अधिकारी (कार्यवाहक)
- 7 **श्री अर्पण घोष**  
सुरक्षा अधिकारी
- 8 **श्रीमती सुजाता मिश्रा**  
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
- 9 **श्रीमती अमिता भट्टाचार्य (घोषाल)**  
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
- 10 **श्री रमाप्रसन्न सिन्हा**  
संरक्षण अधिकारी



- |    |   |    |  |
|----|---|----|--|
| 11 | <b>सुश्री आरती कुंडू</b><br>रिप्रोग्राफी-सह-फोटोग्राफी अधिकारी              | 26 | <b>बंदना भट्टाचार्य</b><br>वरिष्ठ सहायक                              |
| 12 | <b>श्री भास्कर घोष</b><br>लेखाकार [३१.०८.२०२२ को सेवानिवृत्त]               | 27 | <b>श्रीमती दीपा घटक</b><br>वरिष्ठ सहायक                              |
| 13 | <b>श्री स्वरूप मन्ना</b><br>लेखाकार   | 28 | <b>श्री असीम कुमार दत्ता</b><br>वरिष्ठ सहायक                         |
| 14 | <b>श्री नंद रॉय</b><br>सहायक सुरक्षा अधिकारी                                | 29 | <b>श्री सरोज कुमार मैती</b><br>वरिष्ठ सहायक                          |
| 15 | <b>श्री सुशील कुमार राय</b><br>सहायक सुरक्षा अधिकारी                        | 30 | <b>श्री मुरारी भट्टाचार्य</b><br>वरिष्ठ सहायक                        |
| 16 | <b>श्री सुखेन्दु विकास पाल</b><br>प्रभारी प्रकाशन अधिकारी                   | 31 | <b>रियाज अहमद</b><br>वरिष्ठ सहायक                                    |
| 17 | <b>डॉ. शक्ति मुखर्जी</b><br>वरिष्ठ प्रकाशन सहायक                            | 32 | <b>श्री देवाशीष दत्त</b><br>वरिष्ठ सहायक                             |
| 18 | <b>श्री समिक विश्वास</b><br>वरिष्ठ प्रकाशन सहायक                            | 33 | <b>श्री मुरारी मजूमदार</b><br>वरिष्ठ सहायक                           |
| 19 | <b>श्रीमती रूपा मुखोपाध्याय</b><br>वरिष्ठ तकनीकी सहायक                      | 34 | <b>श्री स्वपन कुमार दास</b><br>वरिष्ठ सहायक                          |
| 20 | <b>श्री शब्बीर अहमद</b><br>वरिष्ठ तकनीकी सहायक                              | 35 | <b>श्री रथीन्द्रनाथ भट्टाचार्य</b><br>आशुलिपिक                       |
| 21 | <b>श्री जयन्त सिकदर</b><br>वरिष्ठ तकनीकी सहायक                              | 36 | <b>श्री पलाश कांति दत्त</b><br>आशुलिपिक                              |
| 22 | <b>श्री अमित घोष</b><br>अनुरक्षण अभियन्ता                                   | 37 | <b>डॉ जगतपति सरकार</b><br>वरिष्ठ कैटलॉगर [30.09.2022 को सेवानिवृत्त] |
| 23 | <b>डॉ. केका अधिकारी (बनर्जी)</b><br>क्यूरेटर                                | 38 | <b>एसएसएफआई अलक्वाडेरी</b><br>कैटलॉगर                                |
| 24 | <b>श्री गदाधर हाजरा</b><br>वरिष्ठ सहायक [31.01.2023 को सेवानिवृत्त]         | 39 | <b>डॉ. अर्चना रे</b><br>कैटलॉगर                                      |
| 25 | <b>श्रीमती सुतापा सेनगुप्ता</b><br>वरिष्ठ सहायक [30.11.2022 को सेवानिवृत्त] | 40 | <b>सुश्री फरहीन सबा</b><br>कैटलॉगर                                   |



- |    |  |    |  |
|----|--|----|--|
| 41 | <b>श्री तन्मय दास</b><br>सहायक अनुरक्षण अभियंता                                      | 56 | <b>श्रीमती माला चटर्जी</b><br>कनिष्ठ सहायक                                     |
| 42 | <b>सुश्री सलमा खान</b><br>पुस्तकालय सूचना सहायक                                      | 57 | <b>श्री भास्कर घोष</b><br>कनिष्ठ सहायक   |
| 43 | <b>श्री स्वप्ननील चटर्जी</b><br>पुस्तकालय सूचना सहायक                                | 58 | <b>श्री शक्रुघ्न माणिक</b><br>कनिष्ठ सहायक                                     |
| 44 | <b>सुश्री उमा रक्षित</b><br>पुस्तकालय सूचना सहायक                                    | 59 | <b>श्रीमती प्रणति मित्र</b><br>कनिष्ठ सहायक                                    |
| 45 | <b>श्रीमती गौरी मित्र</b><br>संरक्षण सहायक (LIA)                                     | 60 | <b>श्रीमती छंदा दे</b><br>कनिष्ठ सहायक   |
| 46 | <b>श्री दिबाकर मैती</b><br>संरक्षण सहायक (LIA)                                       | 61 | <b>श्रीमती शतरूपा बनर्जी</b><br>कनिष्ठ सहायक                                   |
| 47 | <b>श्रीमती अनिता रॉय</b><br>संरक्षण सहायक (LIA)                                      | 62 | <b>सुदीप्ता नस्कर</b><br>कनिष्ठ सहायक  |
| 48 | <b>श्री कल्याण कुमार सेन</b><br>संरक्षण सहायक (एलआईए)<br>[30.11.2022 को सेवानिवृत्त] | 63 | <b>श्री कृष्णन्दु दत्त चौधरी</b><br>कनिष्ठ सहायक                               |
| 49 | <b>श्री तमाल घोष</b><br>कनिष्ठ सहायक   | 64 | <b>श्री प्रणव कुमार माजी</b><br>कनिष्ठ सहायक                                   |
| 50 | <b>श्री परेश चक्रवर्ती</b><br>कनिष्ठ सहायक   | 65 | <b>श्री प्रशांत गांगुली</b><br>रिप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी सहायक                |
| 51 | <b>श्री अनुपम चौधरी</b><br>कनिष्ठ सहायक  | 66 | <b>सुश्री सागरिका सुर</b><br>प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर                       |
| 52 | <b>श्री सुप्रभात मजूमदार</b><br>कनिष्ठ सहायक   | 67 | <b>श्री आलोक दोलुई</b><br>डेटा इंटी ऑपरेटर                                     |
| 53 | <b>श्री तापस कर्मकार</b><br>कनिष्ठ सहायक   | 68 | <b>श्री गोपाल चन्द्र आइच</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [31.12.2022 को सेवानिवृत्त] |
| 54 | <b>श्री रामप्रवेश कुम्हार</b><br>कनिष्ठ सहायक  | 69 | <b>श्री तपन घटक</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                                      |
| 55 | <b>श्री अशीम कृष्ण रॉय</b><br>कनिष्ठ सहायक   | 70 | <b>श्री सुचंद मुखर्जी</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                                |



- |    |   |     |  |
|----|---|-----|--|
| 71 | <b>श्री काशीनाथ गुइन</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                              | 87  | <b>श्री प्रत्यय धर</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [18.01.2023 को शामिल हुए]         |
| 72 | <b>श्री संदीप राजोरिया</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                            | 88  | <b>श्री सुरजीत मान्ना</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [19.01.2023 को शामिल हुए]      |
| 73 | <b>श्री राहुल दोलुई</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                               | 89  | <b>श्री शांतनु रॉय</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [20.01.2023 को शामिल हुए]         |
| 74 | <b>श्री आकाश दास</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                                  | 90  | <b>सुश्री सौमिली प्रामाणिक</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [24.01.2023 को शामिल हुए] |
| 75 | <b>श्री अतिम कुमार मंडल</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                           | 91  | <b>श्री सौरभ दास</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [01.02.2023 को शामिल हुए]           |
| 76 | <b>श्री ज्योतिर्मय टुडू</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                           | 92  | <b>श्री चक्रधर बेरा</b><br>डाइवर   |
| 77 | <b>श्री सुजॉय भौमिक</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                               | 93  | <b>श्री दुलाल चन्द्र दे</b><br>डाइवर   |
| 78 | <b>सुश्री तिथि पॉल</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                                | 94  | <b>श्री तपन कुमार दोलुई</b><br>डाइवर   |
| 79 | <b>श्री रीतेश प्रधान</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                              | 95  | <b>श्री श्यामल चक्रवर्ती</b><br>प्रमुख सुरक्षा गार्ड                           |
| 80 | <b>श्री राजेश पोलाई</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                               | 96  | <b>श्री बादल चटर्जी</b><br>प्रमुख सुरक्षा गार्ड                                |
| 81 | <b>श्री चंदन हेला</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                                 | 97  | <b>श्री शिवाजी पांडे</b><br>प्रमुख सुरक्षा गार्ड                               |
| 82 | <b>श्री भाग्यजय शतपथी</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक                             | 98  | <b>मोहम्मद मुश्ताक हुसैन</b><br>प्रमुख सुरक्षा गार्ड                           |
| 83 | <b>श्री शुभजीत साहा</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [16.01.2023 को शामिल हुए]     | 99  | <b>श्री गौरांग सामल</b><br>प्रमुख सुरक्षा गार्ड [28.02.2023 को सेवानिवृत्त]    |
| 84 | <b>श्री अर्पण चक्रवर्ती</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [16.01.2023 को शामिल हुए] | 100 | <b>श्री लक्ष्मण चन्द्र माणिक</b><br>कार्पेंटर                                  |
| 85 | <b>श्री देवीघ साहा</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [16.01.2023 को शामिल हुए]      | 101 | <b>श्री रवीन्द्रनाथ दे</b><br>बाइंडर/मेंडर                                     |
| 86 | <b>श्री अमित विश्वास</b><br>प्रवर श्रेणी लिपिक [16.01.2023 को शामिल हुए]    | 102 | <b>श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (2)</b><br>बाइंडर/मेंडर                              |



103	<b>श्री अलीप घोष</b> बाइंडर/मैंडर [31.08.2022 को सेवानिवृत्त]	119	<b>श्री बंसी बेवरा</b> सुरक्षा गार्ड
104	<b>श्री शंकर दास</b> बाइंडर/मैंडर	120	<b>श्री राज कुमार प्रसाद</b> सुरक्षा गार्ड
105	<b>श्री गोपाल चन्द्र सिन्हा</b> बाइंडर/मैंडर	121	<b>श्री अमल पाल</b> सुरक्षा गार्ड
106	<b>श्री राकेश शर्मा</b> बाइंडर/मैंडर	122	<b>श्री शिबोप्रसाद बनर्जी</b> सुरक्षा गार्ड
107	<b>श्री राजेश कुमार पांडे</b> बाइंडर/मैंडर [19.09.2022 को कार्यग्रहण]	123	<b>श्री माणिक मुखर्जी</b> सुरक्षा गार्ड
108	<b>श्री श्यामल मंडल</b> लिफ्टमैन	124	<b>श्री प्रदीप चक्रवर्ती</b> सुरक्षा गार्ड
109	<b>अर्घ्य दास</b> लिफ्टवालामैन	125	<b>श्री विभास दत्ता</b> सुरक्षा गार्ड
110	<b>श्री सुशील चंद्र</b> परिचारक	126	<b>श्री स्वपन सरकार</b> सुरक्षा गार्ड
111	<b>श्री राधेश्याम मिश्र</b> परिचारक	127	<b>श्री रवीन्द्रनाथ दास</b> सुरक्षा गार्ड
112	<b>श्री कालीचरण शॉ</b> परिचारक	128	<b>श्री राजकिशोर प्रसाद</b> सुरक्षा गार्ड
113	<b>श्री गौतम दास</b> परिचारक	129	<b>श्री सुदर्शन बेहरा</b> सुरक्षा गार्ड
114	<b>श्रीमती साबित्री दासगुप्ता</b> परिचारक	130	<b>श्री अतनु बतव्याल</b> सुरक्षा गार्ड
115	<b>श्री प्रकाश घोष</b> परिचारक	131	<b>श्री वासुदेव दास</b> सुरक्षा गार्ड
116	<b>श्री संजय परिधा</b> परिचारक	132	<b>श्री बिद्याधर साहू</b> कनिष्ठ परिचारक
117	<b>श्री उत्तम दास</b> सुरक्षा गार्ड	133	<b>श्री तपन घोराई</b> कनिष्ठ परिचारक
118	<b>श्री तारकेश्वर चौबे</b> सुरक्षा गार्ड	134	<b>श्री देबनारायण साहा</b> कनिष्ठ परिचारक





- |     |  |     |   |
|-----|--|-----|---|
| 135 | <b>श्री विश्वजीत घोष</b><br>कनिष्ठ परिचारक         | 151 | <b>प्रसेनजित भद्र</b><br>कनिष्ठ परिचारक [08.08.2022 को कार्यग्रहण]        |
| 136 | <b>श्रीमती टुल्टुल दे</b><br>कनिष्ठ परिचारक        | 152 | <b>श्री उत्तम संतरा</b><br>सफाईवाला                                       |
| 137 | <b>श्री अमित कुमार घोष</b><br>कनिष्ठ परिचारक       | 153 | <b>श्री निहार रंजन मजूमदार</b><br>सफाईवाला                                |
| 138 | <b>श्री संजीत कुमार सिंह</b><br>कनिष्ठ परिचारक     | 154 | <b>श्री भरत हेला</b><br>सफाईवाला  |
| 139 | <b>श्री रणजीत सिंह</b><br>कनिष्ठ परिचारक           | 155 | <b>श्रीमती लक्ष्मी हेला</b><br>सफाईवाला                                   |
| 140 | <b>श्रीमती लीना बनर्जी</b><br>कनिष्ठ परिचारक       | 156 | <b>सफीक अली खान</b><br>सफाईवाला   |
| 141 | <b>श्री प्रेम शंकर सिंह</b><br>कनिष्ठ परिचारक      | 157 | <b>श्रीमती पारुल देबी</b><br>सफाईवाला                                     |
| 142 | <b>श्रीमती दीपाली दे</b><br>कनिष्ठ परिचारक         | 158 | <b>श्री गुड्डु प्रसाद</b><br>जनरेटर सह पंप ऑपरेटर                         |
| 143 | <b>श्री काशीनाथ नंदी</b><br>कनिष्ठ परिचारक         | 159 | <b>श्री बाणीब्रत भट्टाचार्य</b><br>सिस्टम इंजीनियर [संविदा आधार]          |
| 144 | <b>श्री भरत कुम्हार</b><br>कनिष्ठ परिचारक          | 160 | <b>श्रीमती सुरंजना चौधरी</b><br>प्रकाशन सहायक सह प्रूफ-रीडर [संविदा आधार] |
| 145 | <b>श्रीमती शर्मिष्ठा लाहा</b><br>कनिष्ठ परिचारक    | 161 | <b>श्री रतन दत्ता</b><br>अस्थायी मजदूर                                    |
| 146 | <b>श्री सुरोजीत दास</b><br>कनिष्ठ परिचारक          | 162 | <b>श्री चंदन अधिकारी</b><br>अस्थायी मजदूर                                 |
| 147 | <b>श्री राकेश कुम्हार</b><br>कनिष्ठ परिचारक        | 163 | <b>श्री छट्टू सरकार</b><br>अस्थायी मजदूर                                  |
| 148 | <b>श्री सौरभ माजी</b><br>कनिष्ठ परिचारक            | 164 | <b>श्री बिकेश कुमार सिंह</b><br>अस्थायी मजदूर                             |
| 149 | <b>सुश्री श्रावी दत्ता चौधरी</b><br>कनिष्ठ परिचारक | 165 | <b>एकरामुल हक</b><br>अस्थायी मजदूर  |
| 150 | <b>उत्पल घोष</b><br>कनिष्ठ परिचारक                 | 166 | <b>सुश्री शिल्पा कर</b><br>अस्थायी मजदूर                                  |



# दि एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता

वार्षिक लेखा परीक्षा  
2022-2023

\* जैसा कि 4 सितम्बर, 2023 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक में अपनाया गया।



### 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2), जिसे एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, 1984 की धारा-5(2) के साथ पढ़ा जाए, के तहत उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा के तहत हमने 31 मार्च 2023 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की संलग्न वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण सोसाइटी के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर विचार व्यक्त करें।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों को केवल लेखांकन सुधार हेतु है जिसमें वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि शामिल है। विधि, नियमों और विनियमों (अर्थात औचित्य और नियमितता) के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन और दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन पहलुओं, आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट्स/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से पृथक रूप से रिपोर्ट किया जाता है।
3. भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार हमने अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण में तथ्यात्मक रूप से ऋतिरहित हैं।



लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण के आधार पर जांच, राशियों के समर्थन में प्रमाण एवं खुलाशे करना शामिल है। लेखापरीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों का आकलन और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन एवं वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे विचार को एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:
  - i) हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, आवश्यक थे;
  - ii) इस रिपोर्ट में दिए गए वित्तीय विवरण, आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियां और भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्राप में तैयार किया गया है।
  - iii) हमारी राय में, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड का अनुरक्षण किया गया है, जैसा कि ऐसी पुस्तकों पर हमारी जांच से प्रतीत होता है।
  - iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि

## लेखा पर टिप्पणियाँ :

### क) आय एवं व्यय लेखा

#### 1.1 व्यय

##### 1.1.1 मूल्यहास (अनुसूची 8): ₹ 1.50 करोड़

'पुस्तकालय की पुस्तकों एवं पत्रिकाओं' पर मूल्यहास का शुल्क न लेने के कारण उपरोक्त मद में 4.84 करोड़ की राशि कम बताई गई थी [₹12,09,18,536/- पर 40% (छह महीने से अधिक के लिए खरीदी गई) और 9,204/- पर @20% (छह महीने से कम के लिए खरीदा गई)]। इसके परिणामस्वरूप घाटा

(आय से अधिक व्यय होना) को 4.84 करोड़ कम उल्लेख किया गया।

##### 1.1.2 स्थापना व्यय (अनुसूची 20): ₹17.82 करोड़

मार्च 2023 के महीने के लिए एनपीएस में नियोक्ता के योगदान की बुकिंग न होने के कारण उपरोक्त मद में 4.46 लाख की राशि कम बताई गई थी। इसके परिणामस्वरूप घाटा (आय से व्यय की अधिकता) को 4.46 लाख से कम उल्लेख गया।

#### 1.2 आय

##### 1.2.1 अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): ₹ 21.25 लाख

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, एशियाटिक सोसाइटी ने प्राप्त अनुदान पर ब्याज के रूप में 19.88 लाख अर्जित किए, और इसने इस राशि को भारत सरकार को देय के रूप में दिखाने के बजाय, 'आय' के रूप में दर्शाया। पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणी देने के बावजूद, सोसाइटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज (अनुसूची-17) को अधिक उल्लेख गया और 'वर्तमान देनदारियां और प्रावधान' (अनुसूची-7) को प्रत्येक में 19.88 लाख कम उल्लेख गया। परिणामस्वरूप, घाटा (आय पर व्यय की अधिकता) को कम उल्लेख गया / कॉर्पस फंड को उसी राशि से अधिक उल्लेख गया।

### ख) सामान्य टिप्पणियाँ:

- 2.1 सोसाइटी ने 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' (अनुसूची 3) शीर्षक के तहत पांच उद्दिष्ट निधियों के निधि शेष के रूप में 1.94 लाख की राशि दर्शाई थी, जो छह साल से अधिक समय से निष्क्रिय थीं। इसकी समीक्षा किये जाने की जरूरत है।
- 2.2 पिछले वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट में समान टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसाइटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:
  - ए) सोसाइटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक १५ का उल्लंघन है।



- बी) सोसाइटी ने 'जर्नल सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत ₹ 19.31 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले छह वर्षों से अधिक समय से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।
- सी) 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को ₹2.59 करोड़ के रूप में दर्शाया गया था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को ₹2.51 करोड़ (₹2.41 करोड़ + ₹0.10 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण ₹0.08 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका।
- डी) 'विविध देयताएँ' के लिए ₹ 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि की तीन वर्ष से अधिक पुरानी है अतः इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।

### ग) अनुदान सहायता

भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा सोसाइटी को वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, इसे ₹ 21.51 करोड़ (राजस्व अनुदान) की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके पास पूंजी शीर्ष के तहत पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि ₹ 2.34 करोड़ (पूँजो 1.14 करोड़ + आय 1.20 करोड़) थी। इस प्रकार उपलब्ध कुल अनुदानों में से ₹ 23.85 करोड़ की राशि (वित्तीय वर्ष 2021-22 की अव्ययित शेष राशि सहित), इसने ₹ 21.02 करोड़ के अनुदान का उपयोग किया (पूँजीगत व्यय: ₹ 0.64 करोड़, राजस्व व्यय: ₹ 20.38 करोड़), जिसमें 31 मार्च 2023 को ₹ 2.83 करोड़ (पूँजीगत: ₹ 0.50 करोड़ और

राजस्व: ₹ 2.33 करोड़) की अव्ययित शेष राशि उपलब्ध रहती है। इसके अलावा, सोसाइटी ने राजस्व मद से ₹ 1.12 करोड़ का व्यय किया था, जिसे उसने अपने फंड से पूरा किया था।

### घ) निवल प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष (व्यय से अधिक आय होने के कारण) को ₹ 5.08 करोड़ अधिक उल्लेख किया गया था।

- v. पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय विवरण एवं आय और व्यय लेखा एवं इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियां और भुगतान लेखा, लेखा खातों के अनुरूप हैं।
- vi. हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने वाले एवं उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करती है:
  - a. जहाँ तक यह 31 मार्च 2023 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मामलों की स्थिति पर वित्तीय विवरण से संबंधित है, और
  - b. जहाँ तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष हेतु आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

Sd/-

(देबोलीना ठाकुर)

लेखापरीक्षा महानिदेशक

(मध्य) कोलकाता

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 07.08.2023



## अनुलग्नक

क. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

सोसाइटी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली निम्नलिखित कारणों से उपयुक्त नहीं है:

- i) कोई आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली लागू नहीं है।
- ii) कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली प्रयोग में नहीं है।
- iii) वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नहीं की गई।

ख. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

निम्नलिखित क्षेत्रों में सोसाइटी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं है:

- i) संस्था का संगठनात्मक चार्ट उनके अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आवंटन को स्पष्ट रूप से बयान नहीं करता है।
- ii) इसके खातों के शीर्ष को कोडित नहीं किया गया है।
- iii) खातों का कोई चार्ट उपयोग में नहीं है।

iv) रसीद और भुगतान नियम, 1983 के नियम 6(1) का उल्लंघन करते हुए सोसाइटी की नकद प्राप्तियों से नकद वितरण की अनुमति दी जा रही है।

v) उपभोज्य स्टॉक के लिए रखे जाने वाले स्टॉक स्तर के संबंध में कोई मानदंड तय नहीं किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टॉक स्तर को तदनुसार अनुरक्षित किया जा सके।

ग) अचल परिसंपत्तियों और वस्तु-सूची संबंधी भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अपनी अचल संपत्तियों और सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया। इसके अलावा, संस्थान ने अपने अचल संपत्ति रजिस्टर को अपडेट नहीं किया।

घ) सांविधिक देयताएं

सोसाइटी अपने वैधानिक बकाया का नियमित भुगतान कर रही थी।



## एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 के धारा 19 (2) के तहत लेखा परीक्षा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय द्वारा लेखा परीक्षित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में किए गए टिप्पणियों के संबंध में सोसाइटी का प्रत्युत्तर

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
ए	आय एवं व्यय का लेखा	
1.1	व्यय	
1.1.1	<b>मूल्यहास (अनुसूची 8): ₹ 1.50 करोड़</b> ‘पुस्तकालय की पुस्तकों एवं पत्रिकाओं’ पर मूल्यहास का शुल्क न लेने के कारण उपरोक्त मद में 4.84 करोड़ की राशि कम उल्लेख किया गया। ड12,09,18,536/- पर 40% (छह महीने से अधिक के लिए खरीदी गई) और 9,204/- पर @20% (छह महीने से कम के लिए खरीदा गई)। इसके परिणामस्वरूप घाटा (आय से अधिक व्यय होना) को 4.84 करोड़ कम उल्लेख किया गया।	सोसाइटी के खातों की पुस्तकों में ‘पुस्तकालय की पुस्तकों एवं पत्रिकाओं’ पर मूल्यहास शुल्क लगाने के लिए आवश्यक लेखांकन प्रविष्टि की गई है। इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दिनांक 09.08.2023 के जर्नल वाउचर संख्या 75 के माध्यम से की गयी है।
1.1.2	<b>स्थापना व्यय (अनुसूची 20): ₹ 17.82 करोड़</b> मार्च 2023 के महीने के लिए एनपीएस में नियोक्ता के योगदान की बुकिंग न होने के कारण उपरोक्त मद में ₹ 4.46 लाख की राशि कम उल्लेख किया गया। इसके परिणामस्वरूप घाटा (आय से व्यय की अधिकता) को ₹ 4.46 लाख से कम उल्लेख किया गया।	एनपीएस में नियोक्ता के योगदान के व्यय की बुकिंग का प्रावधान मार्च 2023 महीने के लिए भूल-चूक की वजह से नहीं किया जा सका। हालाँकि, भविष्य में इसका ध्यान रखा जाएगा ताकि ऐसी भूल-चूक दोबारा न हो।
1.2	आय	
1.2.1	<b>अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): ₹ 21.25 लाख</b> वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, एशियाटिक सोसाइटी ने प्राप्त अनुदान पर ब्याज के रूप में 19.88 लाख अर्जित किए, और इसने इस राशि को भारत सरकार को देय के रूप में दिखाने के बजाय, ‘आय’ के	भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से सहायता अनुदान के संबंध में सभी ब्याज और अन्य आय का लेखांकन वर्ष-दर-वर्ष आधार पर एक समान पैटर्न में किया गया है और इसे वर्षों से पूंजीकृत किया गया है।





मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	रूप में दर्शाया। पिछले वर्ष की लेखापरिक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणी देने के बावजूद, सोसायटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज (अनुसूची-17) को अधिक उल्लेख गया और 'वर्तमान देनदारियां और प्रावधान' (अनुसूची-7) को प्रत्येक में ₹19.88 लाख कम उल्लेख गया। परिणामस्वरूप, घाटा (आय पर व्यय की अधिकता) को कम उल्लेख गया / कॉर्पस फंड को उसी राशि से अधिक उल्लेख किया गया।	
<b>बी</b>	<b>सामान्य टिप्पणियाँ:</b>	
<b>2.1</b>	सोसाइटी ने 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' (अनुसूची 3) शीर्षक के तहत पांच उद्दिष्ट निधियों के निधि शेष के रूप में ₹1.94 लाख की राशि दर्शाई थी, जो छह साल से अधिक समय से निष्क्रिय थीं। इसकी समीक्षा किये जाने की जरूरत है।	इस लेखापरिक्षा के इस तथ्य से सहमत है कि ₹15.97 लाख के 'उद्दिष्ट फंड' के तहत अग्र शेष में ₹1.94 लाख से जुड़े पांच फंड शामिल हैं [क्रम संख्या अनुसूची-3(बी) में 4 से 8] जो छह साल से अधिक समय तक निष्क्रिय रहा, जिसमें से ₹0.45 लाख अनुसूची-3(बी) में क्रम संख्या 6 वर्ष 2023-24 के दौरान आईजीआरएमएस, भोपाल को वापस कर दिया गया है। ₹1.49 लाख से जुड़े शेष चार फंडों की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
<b>2.2</b>	पिछले वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट में समान टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसाइटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:  ए) सोसाइटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 15 का उल्लंघन है।	ए) चूंकि सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान में ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण शामिल है एवं इसे नकद आधार पर किया जाता है और साल-दर-साल आधार पर बजट में उल्लेख किया जाता है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है।  इसके अलावा, सोसायटी पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है, और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान को पूरा करने के लिए इसके पास कोई संबंधित निवेश/स्वयं का धन नहीं है, इसलिए वर्ष 2022-23 में वित्तीय सहायता के लिए सोसायटी के खातों की पुस्तकों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस पैटर्न का वर्षों से समान रूप से पालन किया जा रहा है।



मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	<p>बी) सोसाइटी ने 'पत्रिकाओं की सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत ₹ 19.31 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले छह वर्षों से अधिक समय से से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।</p> <p>सी) 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को ₹2.59 करोड़ के रूप में दर्शाया गया था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को 2.51 करोड़ (₹2.41 करोड़ ₹ 0.10 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण ₹ 0.08 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका।</p> <p>डी) 'विविध देयताएँ' के लिए ₹ 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि की तीन वर्ष से अधिक पुरानी है अतः इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।</p>	<p>बी) पत्रिकाओं की सदस्यता (अनुसूची-11) के अग्रिम भुगतान में ₹19.31 लाख (2016-17 से पहले: 0.03 लाख, 2016-17: 10.37 लाख और 2017-18: ₹8.91 लाख) के अग्रिम भुगतान शामिल हैं जो छह वर्ष से अधिक समय के लिए असमायोजित पड़े हैं।</p> <p>असमायोजित अग्रिमों के संबंध में पत्रिकाओं की प्राप्तियों के रिकॉर्ड की जांच करने के लिए सोसाइटी के पुस्तकालय अनुभाग को पहले ही सूचना दे दी गई है एवं सोसाइटी के पुस्तकालय अनुभाग से रिपोर्ट की प्राप्तियों पर असमायोजित अग्रिमों के निपटान के लिए तदनुसार आवश्यक समायोजन किया जाएगा।</p> <p>सी) यह अंतर निवेश से अर्जित ब्याज पर प्राप्त होने वाले टीडीएस और सोसाइटी द्वारा अपने बचत बैंक खाते में रखी गई शेष राशि के कारण है, जब भी संबंधित फंड से व्यय करने की आवश्यकता होती है, उसे तुरंत परिसमापन कर दिया जाता है।</p> <p>हालाँकि, 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' के संबंध में वास्तविक देयताओं पर निवेश की कमी की भरपाई के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान ₹0.08 करोड़ का आवश्यक निवेश किया जाएगा।</p> <p>डी) तीन साल से अधिक समय से बकाया वर्तमान संपत्ति - अनुसूची -11 (विवरण) शीर्षक के तहत विविध देनदार के रूप में दिखाए गए ₹ 0.36 लाख के अग्र शेष की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।</p>
सी	<p><b>अनुदान सहायता</b></p> <p>इस सोसाइटी को वित्तपोषण भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, इसे ₹ 21.51 करोड़ (राजस्व अनुदान) की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके पास पूंजी शीर्ष के तहत पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि ₹2.34 करोड़ (पूंजी 1.14 करोड़ + राजस्व 1.20</p>	<p>सोसाइटी के उपयोगिता प्रमाणपत्र (जीएफआर 12-ए) के अनुसार 31.03.2022 तक सहायता अनुदान (राजस्व और पूंजी) का अव्ययित शेष: ₹ 2.17 करोड़ (पूंजी: ₹ 1.16 करोड़ और राजस्व: ₹1.01 करोड़) ( वर्ष 2021-22 के लिए एसएआर का जवाब का संदर्भ लें )</p> <p><b>संयोजित :</b> वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान (राजस्व) 2022-23: ₹ 21.51 करोड़</p>



मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	<p>करोड़) थी। इस प्रकार उपलब्ध कुल अनुदानों में से ₹ 23.85 करोड़ की राशि (वित्तीय वर्ष 2021-22 की अव्ययित शेष राशि सहित), इसने ₹ 21.02 करोड़ के अनुदान का उपयोग किया (पूँजीगत व्यय: ₹ 0.64 करोड़, राजस्व व्यय: ₹ 20.38 करोड़), जिसमें 31 मार्च 2023 को ₹ 2.83 करोड़ (पूँजीगत: ₹ 0.50 करोड़ और राजस्व: ₹ 2.33 करोड़) की अव्ययित शेष राशि उपलब्ध रहती है। इसके अलावा, सोसाइटी ने राजस्व मद से ₹1.12 करोड़ का व्यय किया था, जिसे उसने अपने फंड से पूरा किया था।</p>	<p><b>पिछले वर्ष (2021-22) की अव्ययित शेष राशि सहित वर्ष 2022-23 के लिए कुल उपलब्ध सहायता अनुदान: ₹ 23.68 करोड़।</b></p> <p><b>असंयोजित:</b> वर्ष 2022-23 के दौरान सहायता अनुदान का उपयोग: ₹ 21.02 करोड़ (राजस्व: ₹ 20.38 करोड़ और पूँजी: ₹ 0.64 करोड़)</p> <p>सोसाइटी के उपयोगिता प्रमाणपत्र (जीएफआर 12-ए) के अनुसार दिनांक 31.03.2023 को सहायता अनुदान (राजस्व और पूँजी) का अव्ययित शेष: ₹ 2.66 करोड़ (राजस्व: ₹ 2.13 करोड़ और पूँजी: ₹ 0.53 करोड़)</p> <p>दिनांक 31.03.2023 तक लेखापरिक्षा से गणना की गई सहायता अनुदान (राजस्व और पूँजी) का अव्ययित शेष: ₹ 2.83 करोड़ (राजस्व: ₹ 2.33 करोड़ और पूँजी: ₹ 0.50 करोड़)</p> <p>वित्तीय वर्ष ₹2021-22 से सहायता अनुदान की अव्ययित शेष राशि ₹0.17 करोड़ (अर्थात्, ₹2.83 करोड़- ₹2.66 करोड़) को आगे बढ़ाया जा रहा है और जिसे सोसाइटी ने एसएआर 2021-22 के अपने जवाब में स्पष्ट किया है।</p> <p>लेखापरिक्षा टिप्पणियों से सहमत हैं कि सोसाइटी ने वर्ष 2022-23 के दौरान अपने स्वयं के फंड से ₹1.12 करोड़ (राजस्व: ₹1.09 करोड़ और पूँजी: ₹0.03 करोड़) का व्यय किया था।</p>
डी	<p><b>निवल प्रभाव</b></p> <p>पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष (व्यय से अधिक आय होने के कारण) को ₹ 5.08 करोड़ अधिक उल्लेख किया गया था।</p> <p>v. पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय विवरण एवं आय और व्यय लेखा एवं इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा, लेखा खातों के</p>	<p>लेखापरिक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है। संबंधित पैराग्राफ में उल्लिखित कुछ मामलों के लिए सुधार/समायोजन प्रविष्टियों के माध्यम से सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी और शेष टिप्पणियों के लिए उचित कार्रवाई की जा रही है।</p>



मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	<p>अनुरूप हैं।</p> <p>vi. हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने वाले एवं उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करती है:</p> <p>ए. जहाँ तक यह 31 मार्च 2023 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मामलों की स्थिति पर वित्तीय विवरण से संबंधित है, और</p> <p>बी. जहाँ तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष हेतु आय और व्यय खाते से संबंधित है।</p>	
	<p><b>एसएआर के लिए अनुलग्नक</b></p> <p>ए. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता</p> <p>बी. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता</p> <p>सी. अचल संपत्तियों और वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली</p> <p>डी. वैधानिक देयताएँ</p>	<p>आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और अचल संपत्तियों और वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली से संबंधित मामलों में लेखापरीक्षा द्वारा बताई गई कमियों को नोट कर लिया गया है और इन प्रणालियों को सशक्त / सुधारने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।</p> <p>वैधानिक देयों का भुगतान नियत समय के भीतर नियमित आधार पर किया गया है।</p>

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 10 अगस्त, 2023

हस्ता./- (अशोक कांति सान्याल )  
कोषाध्यक्ष  
दि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

हस्ता./- (एस.बी.चक्रवर्ती)  
महासचिव  
दि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता





# दि एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता

वार्षिक खाता  
2022-2023

\* जैसा कि 4 सितम्बर, 2023 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक में अपनाया गया।



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च 2023 तक का वित्तीय विवरण**

	एम्प्लू	वर्तमान वर्ष रू.	विगत वर्ष रू.
<b>निधि एवं देयताएँ</b>			
पूँजीगत फंड	1	415584340.23	424078947.94
आरक्षित एवं अधिशेष निधि	2	0.00	0.00
चिन्हित / अक्षय निधि	3	25933944.99	24886219.99
सुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	5	0.00	0.00
आस्थगित ऋण एवं देयताएँ	6	0.00	0.00
करेंट देयताएँ एवं रसद	7	9946372.39	7618077.55
<b>कुल</b>		<b>451464657.61</b>	<b>456583245.48</b>
<b>संपदा</b>			
अचल संपत्ति	8	253053822.84	258595322.87
निवेश - उद्दिष्ट / बंदोबस्ती निधि	9	22088423.00	22088423.00
निवेश - अन्य	10	3789500.00	3789500.00
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि.	11	172532911.77	172109999.61
विविध व्यय [बट्टे खाते में डाले या समायोजित न किए जाने की सीमा तक]		0.00	0.00
<b>कुल</b>		<b>451464657.61</b>	<b>456583245.48</b>

महत्वपूर्ण लेखा नीति

24

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा नोट

25

स्थान: कोलकाता  
दिनांक : 15मे, 2023

हस्ता./-  
[सुजीत कुमार दास]  
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-  
[एस. बी. चक्रवर्ती]  
महा सचिव



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां**

अनुसूची 1. पूंजीगत निधि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि		424078947.94		423389415.20
योग: वर्ष के दौरान समायोजन		1213411.08		20641.00
योग: कॉर्पस/पूंजीगत निधि में योगदान [अनुदान सहायता : पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन]		0.00		0.00
योग/(कटौती) : शुद्ध आय पर शेष राशि (व्यय) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित		(9708018.79)		668891.74
<b>वर्ष के अंत में शेष राशि</b>		<b>415584340.23</b>		<b>424078947.94</b>

अनुसूची 2. आरक्षित और अधिशेष	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
<b>1 पूंजी आरक्षित</b>				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>2 पुनर्मूल्यांकन आरक्षित</b>				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>3 विशेष रूप से आरक्षित</b>				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>4 सामान्य रूप से आरक्षित</b>				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>कुल</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>





एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां**

(राशि रू में )

अनुसूची 3. बंदोबस्ती निधि एवं उद्दिष्ट निधि													
क्र. सं.	निधि की श्रेणी	शुरुआती शेष राशि A	निधि में योग		कुल [A+B]	स्तुनिष्ठ निधियों का उपयोग/व्यय						कुल C	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि [A+B-C]
			दान/अनुदान/अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय		अन्य योग	C [I]		C [ii]				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
a	बंदोबस्ती निधि [अनुसूची 3 (ए) में निधिवार ब्यौरा]	23709068.74	0.00	1055350.00	0.00	24764418.74	0.00	0.00	0.00	0.00	427625.00	427625.00	24336793.74
b	उद्दिष्ट निधि [अनुसूची 3 (बी) में निधिवार ब्यौरा]	1177151.25	1270000.00	0.00	0.00	2447151.25	0.00	0.00	850000.00	0.00	0.00	850000.00	1597151.25
कुल [ a + b ]		24886219.99	1270000.00	1055350.00	0.00	27211569.99	0.00	0.00	850000.00	0.00	427625.00	1277625.00	25933944.99
विगत वर्ष		23867640.99	300500.00	1091272.00	0.00	25259412.99	0.00	0.00	167342.00	0.00	205851.00	373193.00	24886219.99



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां**

अनुसूची 3(ए)- बंदोबस्ती निधि - निधिवार													
क्र. सं.	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग			कुल	स्तुनिष्ठ निधियों का उपयोग/ व्यय					कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि	
		A	B			[A+B]	C [I]						C
		दान/ अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय	[ii]						
						अचल परिस-पत्ति	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	आभा मैती व्याख्यान निधि	476285.54	0.00	21200.66	0.00	497486.20	0.00	0.00	0.00	0.00	24866.00	24866.00	472620.20
2	अन्नाडेल मेडल निधि	555754.87	0.00	24738.04	0.00	580492.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	580492.91
3	बी बी मजूमदार व्याख्यान निधि	467015.61	0.00	20788.03	0.00	487803.64	0.00	0.00	0.00	0.00	74355.00	74355.00	413448.64
4	बार्कले मेडल निधि	566702.18	0.00	25225.33	0.00	591927.51	0.00	0.00	0.00	0.00	3068.00	3068.00	588859.51
5	बिमला चरण लॉ कॉल. निधि	20187.80	0.00	898.61	0.00	21086.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	21086.41
6	बिमला चरण लॉ मेडल निधि	531219.97	0.00	23645.93	0.00	554865.90	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	552269.90
7	बिरेन रॉय मेडल निधि	68494.02	0.00	3048.84	0.00	71542.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	71542.86
8	डी पी खेतान मेडल निधि	556267.91	0.00	24760.88	0.00	581028.79	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	578432.79
9	डॉ प्रभाती मुखर्जी मेडल निधि	456165.46	0.00	20305.07	0.00	476470.53	0.00	0.00	0.00	0.00	6084.00	6084.00	470386.53
10	हेम च. रॉय चौधरी मेडल निधि	113121.40	0.00	5035.32	0.00	118156.72	0.00	0.00	0.00	0.00	10640.00	10640.00	107516.72



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 3(ए)- (Continued)		(राशि रू में )													
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14		
11	भारतीय विज्ञान कांग्रेस निधि	578563.42	0.00	25753.31	0.00	604316.73	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	604316.73		
12	इंदिरा गांधी मेडल निधि	546983.01	0.00	24347.58	0.00	571330.59	0.00	0.00	0.00	0.00	16034.00	16034.00	555296.59		
13	इंदिरा गांधी ब्याख्यान निधि	724659.05	0.00	32256.39	0.00	756915.44	0.00	0.00	0.00	0.00	31379.00	31379.00	725536.44		
14	जॉय गोविंदा लॉ मेडल निधि	579328.06	0.00	25787.34	0.00	605115.40	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	605115.40		
15	माया देब मेडल निधि	404475.84	0.00	18004.23	0.00	422480.07	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	422480.07		
16	मेघनाद साहा मेमोरियल निधि	542198.68	0.00	24134.62	0.00	566333.30	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	563383.30		
17	एन एन चटर्जी मेडल निधि	541573.02	0.00	24106.77	0.00	565679.79	0.00	0.00	0.00	0.00	5192.00	5192.00	560487.79		
18	नरेश च. सेनगुप्ता मेडल निधि	531578.28	0.00	23661.88	0.00	555240.16	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	552644.16		
19	पंचानन मित्र ब्याख्यान निधि	163589.53	0.00	7281.78	0.00	170871.31	0.00	0.00	0.00	0.00	10700.00	10700.00	160171.31		
20	पॉल जोन्स बरुहल मेडल निधि	521434.72	0.00	23210.36	0.00	544645.08	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	544645.08		
21	प्रमथनाथ बोस मेडल निधि	534742.78	0.00	23802.74	0.00	558545.52	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	558545.52		
22	प्रशांत रॉय और गीता रॉय मेडल निधि	217549.68	0.00	9683.68	0.00	227233.36	0.00	0.00	0.00	0.00	6084.00	6084.00	221149.36		
23	प्रियव्रत रॉय मेडल निधि	242716.42	0.00	10803.92	0.00	253520.34	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	253520.34		
24	पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर ब्याख्यान निधि	1451139.85	0.00	64593.87	0.00	1515733.72	0.00	0.00	0.00	0.00	171710.00	171710.00	1344023.72		
25	राजस्थानी निधि	601017.98	0.00	26752.81	0.00	627770.79	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	627770.79		
26	रमाप्रसाद चंद्र पदक निधि	457463.51	0.00	20362.85	0.00	477826.36	0.00	0.00	0.00	0.00	5192.00	5192.00	472634.36		



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 3(ए)- (Continued)		(राशि रू में)													
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14		
27	रणधीर राँघ मेडल निधि	264814.14	0.00	11787.54	0.00	276601.68	0.00	0.00	0.00	0.00	5883.00	5883.00	270718.68		
28	शरत चंद्र राँघ मेडल निधि	538659.32	0.00	23977.07	0.00	562636.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	562636.39		
29	सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान निधि	402984.62	0.00	17937.85	0.00	420922.47	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	420922.47		
30	एस सी चक्रवर्ती मेडल निधि	539085.75	0.00	23996.06	0.00	563081.81	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	560131.81		
31	एस एन डे और पंजुला डे मेडल निधि	556787.30	0.00	24784.00	0.00	581571.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	581571.30		
32	एस एन सेन व्याख्यान निधि	260919.65	0.00	11614.19	0.00	272533.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	272533.84		
33	शरतलाल विश्वास मेडल निधि	536185.83	0.00	23866.97	0.00	560052.80	0.00	0.00	0.00	0.00	2714.00	2714.00	557338.80		
34	सर यदुनाथ सरकार मेडल निधि	524121.16	0.00	23329.94	0.00	547451.10	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	544855.10		
35	सर विलम जोन्स मेडल निधि	393739.13	0.00	17526.31	0.00	411265.44	0.00	0.00	0.00	0.00	5875.00	5875.00	405390.44		
36	सुधा बसु स्मृति व्याख्यान निधि	407415.10	0.00	18135.07	0.00	425550.17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	425550.17		
37	सुकुमार सेन मेडल निधि	547466.43	0.00	24369.10	0.00	571835.53	0.00	0.00	0.00	0.00	5900.00	5900.00	565935.53		
38	सुरित सी मित्र मेडल निधि	521080.56	0.00	23194.60	0.00	544275.16	0.00	0.00	0.00	0.00	1593.00	1593.00	542682.16		
39	स्वामी प्रणवानंद मेडल निधि	359838.98	0.00	16017.33	0.00	375856.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	375856.31		
40	जीएसआई अनुक्रामिक कॉम एल/एम फंड	997145.25	0.00	44385.43	0.00	1041530.68	0.00	0.00	0.00	0.00	2832.00	2832.00	1038698.68		
41	टैगोर शांति पुरस्कार निधि	429875.12	0.00	19134.82	0.00	449009.94	0.00	0.00	0.00	0.00	21240.00	21240.00	427769.94		
42	विदेशी दान - जापान	3978721.81	0.00	177102.87	0.00	4155824.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4155824.68		
	कुल	23709068.74	0.00	1055350.00	0.00	24764418.74	0.00	0.00	0.00	0.00	427625.00	427625.00	24336793.74		



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता  
31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 3(बी) उद्दिष्ट निधि - निधिवार														
क्र. सं.	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग		कुल	रसुनिष्ठ निधियों का उपयोग/व्यय							कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि [A+B-C]	
		दान/ अनुदान/ अंशदान	B		C [i]			[ii]						
			फंड खाते में किए गए निवेश से आय		अन्य योग	अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय				
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14			
1	533494.50	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50		
2	229242.60	0.00	0.00	229242.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	229242.60		
3	220463.00	870000.00	0.00	1090463.00	0.00	0.00	850000.00	0.00	0.00	0.00	850000.00	240463.00		
4	25000.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00		
5	63365.10	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10		
6	45000.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00		
7	63.20	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20		
8	60522.85	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85		
9	400000.00	400000.00	0.00	400000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	400000.00		
<b>कुल</b>	<b>1177151.25</b>	<b>1270000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>2447151.25</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>850000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>850000.00</b>	<b>1597151.25</b>		

(राशि रू में )



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूचा 4. सुरक्षित ऋण और उधारियाँ		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
<b>कुल</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

अनुसूचा 5. असुरक्षित ऋण और उधार		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	सावधि जमाएँ		0.00		0.00
8	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
<b>कुल</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

अनुसूचा 6. विलंबित ऋण देयताएं		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
a	पूँजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों का बंधक द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां		0.00		0.00
b	अन्य		0.00		0.00
<b>कुल</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूचा 7. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		₹	₹	₹	₹
<b>A</b>	<b>वर्तमान देयताएँ</b>				
1	स्वीकृतियाँ		0.00		0.00
2	विविध लेनदार				
	i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
	ii] अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
3	अग्रिम प्राप्त [सदस्यता ]		16100.00		15000.00
4	अर्जित ब्याज लेकिन ऋण/उधार पर देय नहीं		0.00		0.00
5	सांविधिक देयताएँ				
	i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
	ii] अन्य	3088256.00	3088256.00	1326093.20	1326093.20
6	अन्य वर्तमान देयताएँ		5378070.39		3776464.35
<b>कुल [A]</b>		<b>8482426.39</b>		<b>5117557.55</b>	
<b>B</b>	<b>प्रावधान</b>				
1	कर के लिए		0.00		0.00
2	ग्रेच्युटी	0.00		0.00	
3	अधिवर्षिता एवं पेंशन		0.00		0.00
4	संचित छुट्टी नकदीकरण		0.00		0.00
5	ट्रेड वारंटी / दावा		0.00		0.00
6	अन्य -+	1463946.00		2500520.00	
<b>कुल [B]</b>			<b>1463946.00</b>		<b>2500520.00</b>
<b>कुल [A + B]</b>			<b>9946372.39</b>		<b>7618077.55</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता  
31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(Amount in ₹)

अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ	परिसंपत्तियाँ			सकल ब्लॉक			मूल्यहास			निवल ब्लॉक	
	मूल्यहास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/मूल्यांकन	वर्ष के दौरे में वृद्धि	वर्ष के दौरे में समायोजन	वर्ष के अंत में लागत /मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरे में वृद्धि	वर्ष के दौरे में कटौती	वर्ष के अंत में कुल	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
A. अचल संपत्ति :											
1. जमीन :											
a) फ्री होल्ड	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b) लीज होल्ड	0%	591000.00	0.00	0.00	591000.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. बिल्डिंग											
a) फ्री होल्ड जमीन पर	10%	131124521.05	3163426.00	0.00	134287947.05	41940767.67	9160307.00	0.00	51101074.67	83186872.38	89183753.38
b) लीज होल्ड जमीन पर	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	173598.70	5917.00	0.00	179515.70	53248.30	59165.30
3. प्लांट एवं मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. वाहन	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2574650.03	161515.00	0.00	2736165.03	915251.97	1076766.97
5. फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	36205069.34	1006047.00	0.00	37211116.34	23266484.83	1379001.00	0.00	24645485.83	12565630.51	12938584.51
6. कार्यालय उपकरण	15%	50450066.66	726703.00	0.00	51176769.66	34071391.27	2561488.00	0.00	36632879.27	14543890.39	16378675.39
7. कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर एवं नेटवर्किंग	40%	22786997.20	142072.00	0.00	22929069.20	21130403.47	719466.00	0.00	21849869.47	1079199.73	1656593.73
8. इलेक्ट्रिकल संस्थापनाएँ	10%	14763918.21	1459435.00	459654.00	16683007.21	8682673.50	764029.00	0.00	9446702.50	7236304.71	6081244.71
9. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं जर्नल	0%	118388579.66	197749.00	2341412.97	120927741.63	0.00	0.00	0.00	0.00	120927741.63	118388579.66





एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता  
31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

परिसंपत्तियाँ		सकल ब्लॉक										मूल्यहास		निवल ब्लॉक	
		मूल्यहास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/मूल्यांकन	वर्ष के दौरे वृद्धि	वर्ष के दौरे समायोजन	वर्ष के अंत में लागत /मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरे वृद्धि	वर्ष के दौरे कटौती	वर्ष के अंत में कुल	वर्ष के अंत में	वर्ष के अंत में	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में	
अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ (cont'dss)		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10				
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	10%	6221925.85	0.00	0.00	6221925.85	3359161.67	286276.00	0.00	3645437.67	2576488.18	2862764.18				
11. अन्य परिसंपत्तियाँ															
a) माइक्रोफिल्म एवं दस्तावेजीकरण	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00				
b) एम्एसएस एवं आर्ट ऑब्जेक्ट-संग्रहालय	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00				
<b>चालू वर्ष का कुल डे [A]</b>		<b>399724882.83</b>	<b>6695432.00</b>	<b>2801066.97</b>	<b>409221381.80</b>	<b>141129559.96</b>	<b>15037999.00</b>	<b>0.00</b>	<b>156167558.96</b>	<b>253053822.84</b>	<b>258595322.87</b>				
विगत वर्ष		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87					
B. पूंजीगत कार्य -प्राप्ति पर															
सोल्ड लेक परिसर		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00				
पार्क स्ट्रीट बिल्डिंग		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00				
<b>चालू वर्ष का कुल डे [B]</b>		<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>				
विगत वर्ष		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00				
<b>कुल [A+B]</b>		<b>399724882.83</b>	<b>6695432.00</b>	<b>2801066.97</b>	<b>409221381.80</b>	<b>141129559.96</b>	<b>15037999.00</b>	<b>0.00</b>	<b>156167558.96</b>	<b>253053822.84</b>	<b>258595322.87</b>				
विगत वर्ष		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87					



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूचा 9. उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से निवेश	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 सरकारी प्रत्यूभूतियों में		0.00		0.00
2 अन्य अनुमोदित प्रत्यूभूतियों में		0.00		0.00
3 शेयर	0.00		0.00	
4 डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6 अक्षय निधि : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		21088423.00		21088423.00
7 उद्दिष्ट निधि : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		1000000.00		1000000.00
<b>कुल</b>		<b>22088423.00</b>		<b>22088423.00</b>

अनुसूचा 10. निवेश - अन्य	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 सरकारी प्रत्यूभूतियों में		500.00		500.00
2 अन्य अनुमोदित प्रत्यूभूतियों में		0.00		0.00
3 शेयर	0.00		0.00	
4 डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5 सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6 अन्य : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		3789000.00		43789000.00
<b>कुल</b>		<b>3789500.00</b>		<b>43789500.00</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूचा 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>A</b> चालू परिसंपात्तियाँ				
<b>1</b> वस्तु सूची				
a स्टोर एवं स्पेयर	0.00		0.00	
b खुला टूल्स	0.00		0.00	
c विक्रेय माल				
(i) तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	32374478.00		30531652.00	
(ii) कार्य जारी	0.00		0.00	
(iii) कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
<b>2</b> विविध देनदार				
a छह महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	35881.22		35881.22	
b अन्य	0.00	35881.22	0.00	35881.22
<b>3</b> नकद शेष		123817.00		151913.00
<b>4</b> बैंक बैलेंस				
<b>a</b> अनुसूचित बैंको से				
(i) चालू खाते पर	8543468.48		4465908.91	
(ii) जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii) बचत खाते पर	54443181.14	62986649.62	56917858.14	61383767.05
<b>b</b> गैर-अनुसूचित बैंको से				
(i) चालू खाते पर	0.00		0.00	
(ii) जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii) बचत खाते पर	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>5</b> डाक घर बचत खाता		0.00		0.00
<b>कुल [A]</b>		<b>95625616.84</b>		<b>92135660.27</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

31 मार्च, 2023 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूचा 11. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि (contds...)	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>B ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियाँ</b>				
<b>1 ऋण</b>				
a कर्मचारीगण	170832.00		418748.00	
b Oअन्य	0.00	170832.00	0.00	418748.00
<b>2 रनकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त मूल्य के तुल्य अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि</b>				
a पूंजीगत खाता	50764579.00		51224233.00	
b जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	2135685.60		2813359.57	
c सुरक्षा जमा	1445589.84		1445589.84	
d बयाना राशि	0.00		2500.00	
e आकार विभाग से डटीडीएस.[TDS]	0.00		684.00	
f अन्य [कर्मचारीगण /स्कॉलर/आपूर्तिकर्ता]	11721542.29	66067396.73	12765438.73	68251805.14
<b>3 उपचित आय</b>				
a उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर	3003258.00		2456678.00	
b निवेश- अन्य	1284810.00		1085400.00	
c प्राय किराया	3289865.40		5137905.40	
d प्राय सदस्यता	2599539.80		2296339.80	
e प्राय टीडीएस	489025.00		324895.00	
f प्राय संस्थागत सदस्यता शुल्क	2568.00	10669066.20	2568.00	11303786.20
<b>कुल [B]</b>		<b>76907294.93</b>		<b>79974339.34</b>
<b>कुल [A+B]</b>		<b>172532911.77</b>		<b>172109999.61</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन**

आय	अनुसूची	चालू वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
विक्रय/सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान /सहायता	13	215056000.00	240205000.00
शुल्क एवं अभिदान	14	921326.00	434226.25
निवेश से प्राप्त आय	15	2168796.00	3048208.00
रॉयल्टी एवं प्रकशन आदि से आय	16	1809245.00	1771091.00
अर्जित ब्याज	17	2124660.00	2051316.00
अन्य आय	18	381236.64	103402.00
तैयार वस्तुएँ एवं प्रगामी कार्य के स्टॉक में वृद्धि एवं हास	19	1915170.00	1238367.00
<b>कुल [A]</b>		<b>224376433.64</b>	<b>248851610.25</b>
<b>व्यय</b>			
स्थापना संबंधी व्यय	20	178247232.00	197397548.00
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	21	40807610.43	34428083.51
अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	22	0.00	0.00
ब्याज	23	36471.00	947.00
मूल्यहास [अनुसूची 8 के अनुसार वर्ष के अंत में कुल योग]	8	15037999.00	16356140.00
<b>कुल [B]</b>		<b>234129312.43</b>	<b>248182718.51</b>
आय एवं व्यय का अंतिम शेष (A-B)		<b>(9752878.79)</b>	668891.74
पूर्व अवधि से समायोजन		44860.00	0.00
विशेष आरक्षित में स्थानांतरण		0.00	0.00
सामान्य आरक्षित से /को स्थानांतरण		0.00	0.00
<b>शेष राशि बचत / (घाटा) मूलभूत/पूंजीगत निधि में अग्रेषित</b>		<b>(9708018.79)</b>	<b>668891.74</b>

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

24

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखांकन नोट

25

स्थान: कोलकाता  
दिनांक : 15 मे, 2023

हस्ता ./-  
[सुजीत कुमार दास]  
कोषाध्यक्ष

हस्ता ./-  
[एस. बी. चक्रवर्ती]  
महा सचिव



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

अनुसूची 12. विक्रय एवं सेवाओं से प्राप्त आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 विक्रय से आय		0.00		0.00
2 सेवाओं से आय		0.00		0.00
<b>कुल</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

अनुसूची 13. अनुदान / सहायता	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>(अपरिवर्तनीय अनुदान और सहायता राशि प्राप्त हुई )</b>				
1 केंद्र सरकार		215056000.00		240205000.00
2 राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3 सरकारी एजेंसियां		0.00		0.00
4 संस्थानों / कलयांकारी निकायों		0.00		0.00
5 अंतरराष्ट्रीय संगठनों		0.00		0.00
6 अन्य	0.00		0.00	
<b>कुल</b>		<b>215056000.00</b>		<b>240205000.00</b>

क्र. सं.	संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान सहायता	राशि रू में	अभियुक्तियाँ
1	अनुदान सहायता : सामान्य	25000000.00	राजस्व अनुदान (आय माना जाए)
2	अनुदान सहायता : वेतन	189906000.00	
3	अनुदान सहायता : स्वच्छता कार्य योजना	150000.00	
<b>कुल</b>		<b>215056000.00</b>	

अनुसूची 14. शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 सदस्यता के लिए आवेदन शुल्क		0.00		36450.00
2 वार्षिक शुल्क / अभिदान		451900.00		349200.25
3 जीवन सदस्यता शुल्क		134626.00		48576.00
4 सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क		15900.00		0.00
5 सदस्यता के लिए प्रवेश शुल्क		294000.00		0.00
6 रिक्ति अधिसूचना के लिए आवेदन शुल्क		24900.00		0.00
<b>कुल</b>		<b>921326.00</b>		<b>434226.25</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन**

अनुसूची 15. निवेश से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
(निधि में स्थानांतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से आय )				
1 बंदोबस्ती निधि के निवेश पर प्राप्त ब्याज		1055350.00		1091272.00
2 लाभांश		0.00		0.00
3 किराया		2168796.00		2948796.00
4 बकाया किराया रसीद		0.00		99412.00
<b>कुल</b>		<b>3224146.00</b>		<b>4139480.00</b>
अक्षय निधि में स्थानांतरित		<b>1055350.00</b>		<b>1091272.00</b>
निवेश से प्राप्त निवल आय		<b>2168796.00</b>		<b>3048208.00</b>

अनुसूची 16. रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 रॉयल्टी से आय		163625.00		0.00
2 प्रकाशन से आय		1446695.00		1577151.00
3 अन्य : मिमेंटों/स्मारिकाओं/फोटो अलबम का विक्रय		198925.00		193940.00
<b>कुल</b>		<b>1809245.00</b>		<b>1771091.00</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

अनुसूची 17. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>1 सावधि जमा पर :</b>				
(a) अनुसूचित बैंको से	227227.00		732719.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	227227.00	0.00	732719.00
<b>2 बचत खातों पर</b>				
(a) अनुसूचित बैंको से	1766822.00		1197134.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	1766822.00	0.00	1197134.00
<b>3 ऋण</b>				
(a) कर्मचारी /स्टाफ				
(i) गृह निर्माण अग्रिम की राशि पर ब्याज	27722.00		0.00	
(ii) कंप्यूटर ऋण पर ब्याज	98809.00		113863.00	
(iii) स्कूटर ऋण पर ब्याज	4080.00		7600.00	
(b) अन्य	0.00	130611.00	0.00	121463.00
<b>4 देनदारों से प्राप्त ब्याज और अन्य प्राप्य</b>				
		0.00		0.00
<b>कुल</b>		<b>2124660.00</b>		<b>2051316.00</b>

अनुसूची 18. अन्य आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 संपत्तियों की बिक्री एवं निपटान		0.00		0.00
2 निर्यात प्रोत्साहन से प्राप्त		0.00		0.00
3 विविध प्राप्तियाँ		381236.64		103402.00
<b>कुल</b>		<b>381236.64</b>		<b>103402.00</b>

क्र सं	विविध रसीदें [ मद संख्या 3 का विवरण ]	₹	Current Year
a	माइक्रो फिल्म/जीरॉक्स	37583.00	
b	स्क्रीप सामग्री की बिक्री	33200.00	
c	सेवा शुल्क	0.00	
d	अन्य	310453.64	
	<b>कुल</b>	<b>381236.64</b>	





एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

अनुसूचा 19. तैयार वस्तु / प्रगामी कार्य और कच्चे सामग्री के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास )	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>1 शेष स्टॉक</b>				
(a) तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	32374478.00		30531652.00	
(b) प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c) कच्ची सामग्री [संरक्षित सामग्री]	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
<b>2 लेस: ओपेनिंग स्टॉक</b>				
(a) तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	30531652.00		29300861.00	
(b) प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c) कच्ची सामग्री [संरक्षित सामग्री]	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
<b>कुल</b>		<b>1915170.00</b>		<b>1238367.00</b>

अनुसूचा 20. स्थापना व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 वेतन एवं मजदूरी		139901266.00		139915958.00
2 भत्ते एवं बोनस		1069943.00		988335.00
3 ईपीएफ में कर्मचारियों का अंशदान		9119351.00		12753046.00
4 ईपीएफ पर प्रशासनिक प्रभार		469998.00		671571.00
5 एनपीएस में नियोक्ता का योगदान		2282678.00		688591.00
6 एनपीएस में सीआरए एवं पंजीकरण प्रभार		21254.00		2447.00
7 लाइसेंस शुल्क (सरकारी आवास)		35634.00		0.00
8 कर्मचारियों पर व्यय		64530.00		44510.00
9 सेवानिवृत्ति एवं सेवान्त लाभ		18712370.00		38749091.00
10 छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी)		1500462.00		262236.00
11 छुट्टी नकदीकरण (एलटीसी)		706191.00		502066.00
12 चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति (इनडोर + आउटडोर)		4259087.00		2708297.00
13 मानदेय	19200.00		22900.00	
14 समाचार पत्रों एवं टेलीफोन प्रभारों की प्रतिपूर्ति		85268.00		88500.00
<b>कुल</b>		<b>178247232.00</b>		<b>197397548.00</b>



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

क्र सं वेतन एवं मजदूरी डमद संख्या [का अलग-अलग विवरण1]	₹
a अनियमित कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	137189204.00
b संविदागत कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	2712062.00
कुल	139901266.00

अनुसूचा 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>A यात्रा एवं परिवहन व्यय :</b>				
1 यात्रा भत्ता [टीए/डीए]	155710.60		1635.00	
2 स्थानीय परिवहन (कर्मचारी)	70561.00		21291.00	
3 स्थानीय परिवहन (अन्य)	67700.00		2500.00	
4 यातायात व्यय	0.00		17108.00	
5 यातायात भत्ता [स्थानांतरण हेतु]	172750.00	466721.60	0.00	42534.00
<b>B संचार प्रभार :</b>				
1 टेलीफोन प्रभार	73603.00		37661.00	
2 डाक एवं संचार प्रभार	259719.00		188942.00	
3 नेटवर्क एवं संबंधित कार्य	7080.00		18290.00	
4 इंटरनेट प्रभार	192080.00	532482.00	278775.00	523668.00
<b>C मरम्मत एवं अनुरक्षण :</b>				
1 मरम्मत एवं अनुरक्षण- भवन	72013.00		143993.00	
2 मरम्मत एवं अनुरक्षण- लिफ्ट	399616.34		244416.00	
3 मरम्मत एवं अनुरक्षण- एसी मशीन	2516647.17		2879889.00	
4 मरम्मत एवं अनुरक्षण-जेनरेटर	35991.00		67345.00	
5 मरम्मत एवं अनुरक्षण- फर्नीचर	364229.00		31205.00	
6 मरम्मत एवं अनुरक्षण- कंप्यूटर	82899.36		269998.00	
7 मरम्मत एवं अनुरक्षण- इलेक्ट्रिकल	111980.00		69034.00	
8 मरम्मत एवं अनुरक्षण- उपस्कर	342712.01		65104.00	
9 मरम्मत एवं अनुरक्षण-सीसीटीवी	1060844.00		1591266.00	
10 मरम्मत एवं अनुरक्षण- अन्य	300348.04	5287279.92	362671.00	5724921.00



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

अनुसूचा 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि (contd...)	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>D अन्य प्रशासनिक व्यय :</b>				
1 विज्ञापन एवं प्रचार	148585.00		532794.00	
2 मुद्रण एवं स्टेशनरी	573043.00		647205.00	
3 किराया, दरें एवं कर	117.00		548795.00	
4 वाहन एवं अनुरक्षण	701165.00		535102.00	
5 इलेक्ट्रिसिटी एवं पावर	2888057.00		1754843.00	
6 ई-फिलिंग शुल्क	49200.00		49400.00	
7 जल प्रभार	5280.00		6610.00	
8 बीमा	126818.61		145202.00	
9 लेखापरीक्षकों का मेहनताना	703100.00		676180.00	
10 सुरक्षा एवं गृह प्रबंधन	9444709.00		8782086.00	
11 बैठक संबंधी व्यय	782968.00		304165.00	
12 साफ-सफाई एवं धुलाई	129072.00		79574.00	
13 कर्मचारी प्रशिक्षण	25533.00		7700.00	
14 आकस्मिकताएँ	104907.00		79015.00	
15 विधि संबंधी व्यय	136175.00		108590.00	
16 पुरस्कार एवं प्रोत्साहन	10000.00		41200.00	
17 किराया हेतु पंजीकरण शुल्क एवं प्रभार	0.00		109630.00	
18 कार्यालय संबंधी आपूर्तियाँ	4581.00		32541.00	
19 पेशेवर शुल्क	20038.00		56640.00	
20 चुनाव संबंधी व्यय	275379.00		110103.00	
21 बैंक प्रभार	25178.76		22892.51	
22 वेबसाइट का विकास, अनुरक्षण एवं ईमेल एकाउंट	180907.00		62660.00	
23 लाइसेन्स शुल्क	3300.00		300.00	
24 स्वच्छता व्यय	0.00		179752.00	
25 भर्ती संबंधी व्यय	1328362.54		84266.00	
26 रेपोग्राफिक व्यय	117207.00		83314.00	
27 बागवानी संबंधी व्यय	7380.00		2100.00	
28 अध्ययन यात्रा - पीएससी (राज्य सभा)	0.00		112640.00	
29 स्थानांतरण और पुनव्यवस्था कार्य	197488.00		10430.00	
30 बट्टे में डाला गया प्राप्त किराया	1980000.00		0.00	
31 मानदेय (अन्य)	1000.00	19969550.91	0.00	15165729.51
<b>E प्रकाशन और बिक्री संबंधी व्यय :</b>				
1 पुस्तकों, पत्रिकाओं और बुलेटिन का प्रकाशन	5501513.00		4961388.00	
2 प्रकाशनों का प्रचार-प्रसार	64000.00		116440.00	
3 पुस्तक मेले और पुस्तक प्रदर्शनी	494386.00	6059899.00	300957.00	5378785.00



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

### 31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

अनुसूचा 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि (contd...)	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
<b>F इकादमिक कार्यक्रम संबंधी व्यय</b>				
1 सेमिनार /कार्यशालाओं पर व्यय	349366.00		794865.00	
2 डॉ. राजा राजेंद्रलाल मित्रा एम. व्याख्यान	10000.00		17200.00	
3 कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण	16120.00		11428.00	
4 आर एन टैगोर जन्म शताब्दी पट्टिका	6136.00	381622.00	0.00	823493.00
<b>G अन्य कार्यक्रम व्यय :</b>				
1 महत्वपूर्ण दिनों के लिए समारोह	156256.00		128383.00	
2 प्रदर्शनी	562838.00		94984	
3 हिन्दी कार्यक्रम	13278.00		12686.00	
4 स्थापना दिवस समारोह	270428.00		44700.00	
5 आजादी का अमृत महोत्सव	1369531.00	2372331.00	0.00	280753.00
<b>H पुस्तकालय और संग्रहालय का विकास :</b>				
1 संरक्षण, पुस्तकों की बाइंडिंग एवं एमएसएस	91587.00		37938.00	
2 पुस्तकालय ओटोमेशन कार्यक्रम	483650.00		10500.00	
3 एमएसएस एवं दुर्लभ पुस्तकों डिजिटाइजेशन	726088.00		166932.00	
4 संरक्षण सामग्री की खरीद	179954.00		67680.00	
5 समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं की खरीद	19243.00		14211.00	
6 संस्थागत सदस्यता शुल्क	13570.00		0.00	
7 ट्रांस-कॉर्नल एवं कन्वेन्स (विवादरनवसेतु)	42023.00	1556115.00	0.00	297261.00
<b>I अकादमिक एवं अनुसंधान संबंधी व्यय :</b>				
1 पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप	360000.00		156774.00	
2 रिसर्च फेलो के लिए फेलोशिप	2021499.00		2289671.00	
3 रिसर्च फेलो के लिए आकस्मिक राशि	106510.00		85694.00	
4 पीआई/आरए को मानदेय एवं मेहनताना	819871.00		1160090.00	
5 पीआई/आरए को आकस्मिक राशि	483207.00		165548.00	
6 बाह्य परियोजना कार्य	0.00	3791087.00	1214000.00	5071777.00
<b>J व्यक्तियों की लागत (संग्रहालय) :</b>				
1 स्मारिका की लागत (संग्रहालय)	116732.00		320618.00	
2 पोस्टरों का मुद्रण (संग्रहालय)	0.00	116732.00	0.00	320618.00
<b>K व्यय - उत्तर पूर्वी क्षेत्र :</b>				
1 उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए सेमिनार, कार्यशाला	110000.00		598544.00	
2 उत्तर पूर्वी क्षेत्र :- आंतरिक परियोजना व्यय	0.00		0.00	
3 उत्तर पूर्वी क्षेत्र :-बाह्य परियोजना व्यय	0.00	110000.00	0.00	598544.00
<b>L व्यय -स्वच्छता कार्य योजना</b>	163790.00	163790.00	200000.00	200000.00
<b>कुल</b>	<b>40807610.43</b>		<b>34428083.51</b>	



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च 2023 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन**

अनुसूचा 22. अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 संस्थाओं/संगठन को दिया गया अनुदान		0.00		0.00
2 संस्थाओं/संगठन को दी गयी सहायता		0.00		0.00
<b>कुल</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

अनुसूचा 23. व्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 सावधि ऋण		0.00		0.00
2 अन्य ऋण		0.00		0.00
3 अन्य		36471.00		947.00
<b>कुल</b>		<b>36471.00</b>		<b>947.00</b>

पूर्व अवधि का समायोजन	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 प्रोविज़न रिटैन बैक (लेखापरीक्षकों का महनताना)		44860.00		0.00
<b>कुल</b>		<b>44860.00</b>		<b>0.00</b>

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

**Sd/-**  
**[Asok Kanti Sanyal]**  
Treasurer

**Sd/-**  
**[S.B.Chakrabarti]**  
General Secretary



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता  
31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष	राशि (रु)
<b>प्रारम्भिक शेष</b> हाथ में नकदी	151913.00	36242.00	<b>व्यय</b> <b>स्थापना व्यय</b> कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर व्यय अन्य प्रशासनिक व्यय बकाया व्यय एवं प्रावधानों के संबंध में भुगतान	177936869.00	196385832.00	
<b>बैंक में नकद</b> चालू खाते में जमा खाते में बचत खाते में	4465908.91 0.00 56917858.14	5595512.70 0.00 6350524.86	<b>निधियों के संबंध में किए गए भुगतान</b> बंदोबस्ती निधि उद्दिष्ट निधि	13112000.00 21234154.51 2500520.00	10372095.00 19674971.51 1678357.00	
<b>प्राप्त अनुदान</b> भारत सरकार से [एमओसी] बाह्य परियोजना के लिए	215056000.00 1270000.00	240205000.00 300500.00	<b>निवेश एवं जमा</b> उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि में से [निवला] स्वाधिकृत निधियों में से [अन्य निवेश]	343570.00 850000.00	205851.00 167342.00	
<b>निम्नलिखित के निवेश से प्राप्त आय</b> उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि स्वाधिकृत निधियों [अन्य निवेश]	431873.00 0.00	505597.00 4453570.00	<b>अचल सम्पत्तियों एवं सीडल्यू आईपी पर व्यय</b> अचल सम्पत्तियों की खरीद प्रणामी कार्य हेतु पूंजीगत व्यय	6695432.00 0.00	4018286.00 0.00	
<b>व्याज की प्राप्ति</b> बचत खातों पर कर्मचारी ऋण पार	1766822.00 130611.00	1197134.00 121463.00	<b>वित्तीय प्रभार</b> ओवरड्राफ्ट पर व्याज	0.00 0.00	0.00 0.00	
<b>अन्य आय</b> प्रकाशन की बिक्री सदस्यता शुल्क फोटो अलबम एवं मिमेंटों की बिक्री	1446695.00 603326.00 198925.00	1577151.00 204801.00 193940.00	<b>अन्य भुगतान</b> कार्मिकों से सांविधिक कटौती डेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती आरक्षित राशि	32187586.00 756561.00 695666.00	35986852.00 462188.00 370964.00	



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता  
**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त एवं भुगतान खाता**

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष	राशि (रु)
किराया	2036836.00	2576248.00	बयाना जमाराशि का रिफंड	40000.00	70000.00	
आयकर विभाग से टीडीएस रिफंड	163625.00	780770.00	पार्टियों को प्रदान अग्रिम	602725.00	394185.00	
अन्य	384241.08	103402.00	कार्मिकों को प्रदान अग्रिम	4229313.00	2082055.00	
<b>निविद एवं जमाओं का नकदीकरण</b>			पुजिगत सम्पत्तियों के निर्माण लिए अग्रिम	0.00	504782.00	
स्वाधिकृत निविदों से परे [अन्य निवेश]	0.00	40000000.00	सुरक्षा जमाराशि पर रिफंड	291162.00	2818940.00	
<b>अन्य प्राप्तियाँ</b>			जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम	1781086.00	1712354.00	
डेकेदारों से प्राप्त बयाना जमा राशि	950000.00	0.00	सबधि जमाओं पर टीडीएस का भुगतान ( टीडीआर)	59416.00	89405.00	
कार्मिकों से सांविधिक कटौती	34955782.00	34039598.00	पोशाक संबंधी भत्तों के लिए पूर्व भुगतान व्यय	72604.00	13845.00	
डेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती	781161.00	551912.00	पीएम केयर्स फंड/मुख्यमंत्री राहत कोष में दान	0.00	22000.00	
सुरक्षा जमा	424136.00	662315.00	डिजिटल प्रैक्टिस मशीन के साथ जमा	130000.00	0.00	
फेलोशिप से आरक्षित धन का प्रतिधारण	396945.00	407774.00	<b>अंतिम शेष</b>	123817.00	151913.00	
पार्टियों से वसूली गयी अग्रिम	454385.00	436175.00	<b>हाथ में नकद</b>			
कार्मिकों से वसूली गयी अग्रिम	3524941.00	1244355.00	<b>बैंक में नकद</b>	8543468.48	4465908.91	
जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	117347.00	0.00	चालू खाते में	0.00	0.00	
पीएम केयर्स फंड/मुख्य मंत्री राहत कोष में डोनेशन के लिए कर्मचारी से प्राप्त अंशदान	0.00	22000.00	जमा खाते में	54443181.14	56917858.14	
<b>कुल</b>	<b>326629331.13</b>	<b>341565984.56</b>	<b>कुल</b>	<b>326629331.13</b>	<b>341565984.56</b>	

हस्ता/-

(अशोक कालि सनयाल)

कोषाध्यक्ष

हस्ता/-

(एस. बी. चक्रवर्ती)

महा सचिव



एसियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के निर्णायक भाग के रूप में  
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट**

**अनुसूची- 24**

**महत्वपूर्ण लेखा नीतियां**

**1. लेखा प्रक्रिया**

भारत में लागू लेखांकन मानकों के अनुसार और लेखांकन की उपचय पद्धति, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किये हों, के अनुसार ऐतिहासिक लागत प्रक्रिया के तहत लेखा वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं,

**2. वस्तु सूची का मूल्यांकन**

- सोसाइटी के प्रकाशनों के अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन प्रकाशनों के प्रिंट मूल्य के आधार पर पिछले वर्ष की तुलना में एकरूपता रखते हुए किया गया है।
- संरक्षण और परिरक्षण सामग्री का मूल्य निर्धारण किया गया है।

**3. निवेश**

टीडीआर (सावधि जमा) के रूप में बैंकों के पास जमा को लागत के आधार पर उल्लेख किया गया है। ऐसी जमा राशियों पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में शेष नहीं, को ऋण, अग्रिम और अन्य चालू परिसंपत्ति के तहत वित्तीय विवरण में अलग से दिखाया गया है।

**4. अचल संपत्ति**

- अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर आवक भाड़ा, शुल्क और करों और ऐसे अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्ययों को शामिल किया गया है;
- मूल्यहास हेतु प्रभार्य के पश्चात अचल संपत्तियों को अवलिखित मूल्य पर स्वीकृत किया गया है।

**5. मूल्यहास**

अचल संपत्तियों पर मूल्यहास की गणना की गई है और आयकर अधिनियम, 1961 और वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लागू में निर्दिष्ट दरों के आधार पर अचल संपत्तियों के अवलिखित मूल्य के आधार पर लेखा में उल्लेख किया गया है।





एसियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के निर्णायक भाग के रूप में  
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट**

**6. सरकारी अनुदान**

सहायता अनुदान को लेखा में स्वीकृत किया गया है एवं इसे आवश्यकतानुसार प्राप्ति की जाती है। एक वर्ष के अप्रयुक्त अनुदान को अल्प उपयोग के कारण आगे बढ़ा दिया जाता है एवं इसे अगले वर्ष के सहायता अनुदान के साथ समायोजित कर दिया जाता है। किसी विशेष शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त सहायता अनुदान से अधिक व्यय, यथास्थिति के अनुसार, स्वयं के संसाधनों से पूरा कर लिया जाता है। पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन शीर्ष के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पूंजीगत निधि में अंशदान के रूप में माना गया है, जबकि अन्य शीर्षों (अर्थात् सामान्य, वेतन और एसएपी) के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पिछले वर्ष की संगति में राजस्व प्रकृति होने के कारण आय के रूप में माना गया है।

**7. कर्मचारी ऋण पर ब्याज का लेखाकरण**

वर्ष के दौरान कर्मचारी ऋण पर वसूली के आधार पर प्राप्त ब्याज को आय के रूप में माना गया है।

**8. निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन**

निवेश पर अर्जित ब्याज उपचय आधार पर प्रदान किया गया है।

**9. सेवानिवृत्ति लाभ**

वर्ष 2022-23 के दौरान सेवानिवृत्ति लाभों (ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण) के लिए सेवानिवृत्त कार्मिकों को वास्तविक भुगतान के आधार पर भुगतान किया गया है।

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 15 मई, 2023

हस्ता/-  
[अशोक कांति सान्याल]  
कोषाध्यक्ष

हस्ता/-  
[एस.बी. चक्रवर्ती]  
महासचिव



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के निर्णायक भाग के रूप में  
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट**

**अनुसूची – 25**

**आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट**

**(क) आकस्मिक देयताएं**

1. सोसायटी द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी: निरंक (पिछला वर्ष: निरंक)
2. सोसायटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए साख पत्र: शून्य (पिछले वर्ष: शून्य)

**(ख) लेखा नोट**

1. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत सोसाइटी की स्थापना एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई है और यह भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित है।
2. पिछले वर्षों के अनुरूप ही वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखा केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित लेखाओं के एक समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
3. सोसायटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा u/s 12 AA के तहत पंजीकृत किया गया है और इसलिए इसकी पूरी आय, आयकर से मुक्त है।
4. वर्ष 1995 में सोसायटी को स्वर्गीय प्रोफेसर एस.डी. चटर्जी द्वारा उपहार में दी गई संपत्ति, का उपयोग सोसायटी द्वारा किया जा रहा है, यह संपत्ति 91, बालीगंज प्लेस, कोलकाता - 700019 में स्थित है। इस संपत्ति (टाइटल सूट) से संबंधित एक मुकदमा एस.डी.चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा दायर किया गया था। मामला सुलझ गया है, ट्रस्ट के सचिव की ओर से संपत्ति का स्वामित्व पूरी तरह से द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पक्ष में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इस प्रस्ताव को सोसाइटी की काउंसिल ने 31.01.2023 को हुई बैठक में स्वीकार कर लिया है। सोसाइटी की ओर से स्थानांतरण के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संपत्ति के हस्तांतरण के पूरा होने तक, संपत्ति का मूल्य अचल संपत्तियों में शामिल नहीं किया गया है।
5. रुपये 79,51,408.00 की बंदोबस्ती निधि के लिए सावधि जमा के रूप में निवेश को भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के पास रखा गया है। चूंकि यह जमा संपाशीवक प्रतिभूति के रूप में है इसलिए आवश्यकता पड़ने पर ओवरड्राफ्ट सुविधा प्राप्त की जा सकती है।
6. वर्ष 2022-23 की लेखापरीक्षा लंबित होने के कारण, वर्ष 2022-23 के लिए लेखापरीक्षा शुल्क के लिए दावा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय से अभी प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 2022-23 के



एशियाटिक सोसाइटी,  
कोलकाता

**31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के निर्णायक भाग के रूप में  
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट**

लेखा में 6,50,000.00 रुपये (पिछले वर्ष की लेखा परीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) की एकमुश्त राशि प्रदान की गई है।

7. 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार बंदोबस्ती निधि और अन्य के लिए सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को एफडीआर विवरण से मिलान के बाद 2022-23 में हिसाब में लिया गया है।
8. कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में नियोक्ता के योगदान के भुगतान को रोके रखने के सोसाइटी काउंसिल के निर्णय का अनुसरण करते हुए फरवरी और मार्च 2023 के महीनों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में नियोक्ता के योगदान के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस संबंध में ईपीएफ अंशदान को लेकर सोसाइटी के दिनांक 06.02.2023 के कार्यालय आदेश संख्या-38 के कार्यान्वयन के विरुद्ध एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता के कर्मचारी संघ द्वारा दायर एक रिट याचिका (डब्ल्यूपीए संख्या 6229 दिनांक 14.03.2023) माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।
9. पिछले वर्ष के तदनुरूपी आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार, पुनर्व्यवस्थित और पुनर्समूहित किया गया है।

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 15 मई, 2023

हस्ता/-  
[अशोक कांति सान्याल]  
कोषाध्यक्ष

हस्ता/-  
[एस.बी. चक्रवर्ती]  
महासचिव



## जीएफआर फार्म 12-क

[(नियम 238 (1) देखें)]

अनुदानग्राही संगठन के स्वायत्त निकायों के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र का फार्म

वर्ष 2022-23 के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र

आवर्ती/गैर-आवर्ती अनुदान सहायता

/वेतन/ पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन के संबंध में

- योजना का नाम : एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता
- आवर्ती अथवा गैर-आवर्ती अनुदान : आवर्ती अनुदान
- वित्त वर्ष 2022-23 (i.e. 01.04.2022) के प्रारंभ में अनुदानों की स्थिति
  - हाथ /बैंक में नकद : **रु.2,17,31,197**
  - असमायोजित अग्रिम : **रु. NIL**
  - कुल** : **रु.2,17,31,197**
- प्राप्त अनुदानों, किए गए व्यय और अंतशेष का ब्यौरा : (वास्तविक आंकड़े)

[राशि रु में]

वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदानों का अव्यतीत शेष [क्र.सं.3 (iii) पर दिए गए आंकड़े के अनुसार]	उस पर अर्जित ब्याज	सरकार को वापस जमा किया गया ब्याज	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान			कुल उपलब्ध धनराशि [(1+2)-3]+4	किया गया व्यय	अंत:शेष (5-6)
			स्वीकृत संख्या (i)	दिनांक (ii)	राशि रु में (iii)			
1	2	3	4			5	6	7
<b>अनुदान सहायता : सामान्य (31) : 2205.00.105.19.01</b>								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-6/ 2022- ए एंड ए (सामान्य)	06.05.2022 01.06.2022 20.07.2022 10.08.2022 13.09.2022 13.10.2022 07.11.2022 13.12.2022 15.03.2023	42,00,000 20,50,000 21,00,000 21,00,000 20,50,000 21,00,000 21,00,000 20,50,000 62,50,000	2,50,00,000	2,50,00,000	निरंक
			<b>कुल</b>		<b>2,50,00,000</b>			



अनुदान सहायता : वेतन (36) : 2205.00.105.19.01								
1,00,93,631	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-6/ 2022- ए एंड ए- (वेतन)	06.05.2022 01.06.2022 20.07.2022 10.08.2022 13.09.2022 13.10.2022 07.11.2022 13.12.2022 15.03.2023	2,79,45,000 1,90,00,000 1,89,61,000 1,90,00,000 1,90,00,000 1,90,00,000 1,90,00,000 1,90,00,000 2,90,00,000	19,99,99,631	17,87,22,536	2,12,77,095
			कुल		18,99,06,000			
पूँजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन (35) : 2205.00.105.19.01								
1,16,37,566	निरंक	निरंक	निरंक			1,16,37,566	63,55,611	52,81,955
अनुदान सहायता :- सामान्य - स्वच्छता कार्य योजना (96-31) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-6/ 2022- - ए एंड ए- (सामान्य)	06.05.2022 01.06.2022 20.07.2022 10.08.2022 13.09.2022 13.10.2022 07.11.2022 13.12.2022 15.03.2023	25,000 13,000 12,000 12,000 13,000 13,000 13,000 12,000 37,000	1,50,000	1,50,000	निरंक
			कुल		1,50,000			
2,17,31,197	निरंक	निरंक			21,50,56,000	23,67,87,197	21,02,28,147	2,65,59,050

## 5. अनुदानों का घटकवार उपयोग

[राशि रू में ]

अनुदान सहायता - सामान्य	अनुदान सहायता वेतन	अनुदान सहायता पूँजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन	अनुदान सहायता सामान्य - स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	कुल
2,50,00,000	17,87,22,536	63,55,611	1,50,000	21,02,28,147



6. वित्त वर्ष 2022-23 (i.e., 31.03.2023) के अंत में अनुदानों की स्थिति

- |                       |                   |
|-----------------------|-------------------|
| (i) हाथ /बैंक में नकद | : रू. 2,65,59,050 |
| (ii) असमायोजित अग्रिम | : रू. निरंक       |
| (iii) कुल             | : रू. 2,65,59,050 |

7. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस तथ्य के प्रति स्वयं को संतुष्ट कर लिया है कि जिन शर्तों पर अनुदान स्वीकृत किए गए थे, उन्हें विधिवत पूरा किया गया है/किया जा रहा है और कि मैंने यह देखने के लिए निम्नलिखित जांच की है कि धनराशि का उपयोग वस्तुतः उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए यह स्वीकृत की गई थी:

- (i) मुख्य लेखे और अन्य सहायक लेखे एवं रजिस्टर (परिसंपत्ति के रजिस्ट्रों सहित) संगत अधिनियम/नियमों/स्थायी निर्देशों (अधिनियम/नियम का उल्लेख करें) में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रखे जाते हैं और पदनामित लेखापरीक्षकों द्वारा उनकी विधिवत लेखापरीक्षा की गई है। उपर्युक्त आंकड़े, वित्तीय विवरणों / लेखाओं में उल्लिखित संपरीक्षित आंकड़ों से मेल खाते हैं।
- (ii) लोक निधि / परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने, वित्तीय निवेश के मुकाबले में परिणामों और भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धियों पर निगरानी रखने, परिसंपत्ति सृजन आदि में गुणता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण विद्यमान हैं तथा उनकी प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।
- (iii) अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, ऐसा कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया गया है, जो संगत अधिनियम/ नियमों / स्थायी निर्देशों तथा योजना दिशानिर्देशों का उल्लंघन हो।
- (iv) योजना के निष्पादन के लिए मुख्य पदाधिकारियों के बीच उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से सौंप दिए गए हैं और वे सामान्य स्वरूप के नहीं हैं।
- (v) लाभ अपेक्षित लाभार्थियों को दिए गए और केवल ऐसे क्षेत्र / जिले ही शामिल किए गए जहां स्कीम संचालित की जानी थी।
- (vi) योजना के विभिन्न घटकों पर व्यय, स्कीम के दिशा-निर्देशों और अनुदान सहायता के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार प्राधिकृत अनुपात में था।
- (vii) सुनिश्चित किया गया है एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता (योजना नाम) के तहत भौतिक और वित्तीय कार्यनिष्पादन उन अपेक्षाओं के अनुरूप है जो भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों एवं उस वर्ष के लिए कार्यनिष्पादन/लक्ष्य प्राप्त विवरण, जिसमें निधि के उपयोग के फलस्वरूप परिणाम प्राप्त हुए, अनुलग्नक-६ में विधिवत संलग्न है।
- (viii) धनराशि उपयोग फलस्वरूप प्राप्त परिणाम विधिवत संलग्न अनुबंध- छद्म द्वारा अपनी अपेक्षाओं निर्देशों अनुसार तैयार किया जाना। (संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा अपनी अपेक्षाओं / विनिर्देशों के अनुसार तैयार किया जाना है)।
- (ix) एजेंसियों द्वारा एक ही मंत्रालय अथवा किसी अन्य मंत्रालय से प्राप्त अनुदान सहायता से निष्पादित विभिन्न स्कीमों का ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है (संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा अपनी अपेक्षाओं / विनिर्देशों के अनुसार तैयार किया जाना है)।

स्थान: कोलकाता  
दिनांक: 15 मई, 2023

हस्ता/-  
[अशोक कांति सान्याल]  
कोषाध्यक्ष

हस्ता/-  
[एस.बी.चक्रवर्ती]  
महासचिव

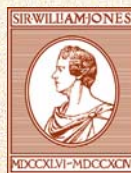


ENGLISH VERSION





# ANNUAL REPORT 2022-2023



**The Asiatic Society**  
1 Park Street, Kolkata 700 016



*Published by*  
Dr. Satyabrata Chakrabarti  
General Secretary  
The Asiatic Society  
1 Park Street  
Kolkata 700 016

October, 2023

*Compiled by* : Dr. Pritam Gurey

*Cover Design* : Dhiman Chakraborty

*Printed at*  
Sailee Press Pvt. Ltd.  
4A Manicktola Main Road  
Kolkata 700 054  
Email : saileepress@yahoo.com

## Message of Condolence

The Asiatic Society, Kolkata offers its sincere condolence on the demise of the following Members, Eminent Personalities, Well-wishers, Employees and Ex-Employees of the Society.

Dr. Osman Ghani

Smt. Kalyani Chakraborty

Shri Sandip Dutta

Professor Jitendra Mohanty

Dr. Bhaskarjyoti Ghosal

Shri Sujan Dasgupta

Pandit Vijay Kumar Kitchlu

Smt. Vani Jayaram

Smt. Sumitra Sen

Shri Nilmani Pookan

Professor Sisir Kumar Majumder

Smt. Geeta Saha

Mr. Jiang Zemin

Professor Chittaranjan Banerjee

Professor Ramkrishna Bhattacharya

Dr. Dilip Mahalanabis

Shri Manab Mukherjee

Professor Amulya Ratan Banerjee

Professor Dipak Kumar Barua

Mr. Peter Brook

Professor Surja Sankar Roy

Shri Partha Ghosh

Shri Shiv Kumar Sharma

Dr. Ramakanta Shukla

Professor Jayanta Bandyopadhyay

Shri Pradip Mukhopadhyay

Dr. Rita Chattopadhyay

Shri Brajadulal Chattopadhyay

Dr. Barun Mukhopadhyay

Dr. Shymal Kanti Chakraborty

Dr. M.K.A. Siddiqui

Professor Samantak Das

Shri Samar (Badru) Banerjee

Shri Tarun Majumder

Smt. Nirmala Misra

Dr. Bhupinder Singh

Professor Indrani Ghosh

Dr. Prabhat Kumar Das



# Contents

1.	The Journey of the Asiatic Society	...	9
2.	Presidential Address	...	12
3.	General Secretary's Report	...	19
4.	The Council of The Asiatic Society (2022-24)	...	21
5.	Planning Board and Standing Finance Committee	...	23
6.	Committees and Sub-Committees	...	25
7.	Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2022	...	28
8.	Major Resolutions Adopted & Items Reported in the meetings of the Council during April 2022-March 2023	...	31
9.	Publication of the Asiatic Society	...	37
10.	Activities : Library Section		
	Library	...	39
	Museum	...	42
	Conservation	...	44
	Reprography	...	45
11.	Activities of the Academic Section		
	A. Internal Research Projects	...	47
	B. Post-Doctoral Research Projects	...	48
	C. On-going External Research Projects	...	49

D.	Approved External Research Projects yet to be Commenced	...	51
E.	External Research Projects : Hosted by the Asiatic Society	...	51
F.	Lectures/ Seminars/ Conferences/ Workshops/ Symposium/ Colloquium	...	52
12.	Other Activities	...	57
13.	Employees of the Asiatic Society (2022-2023)	...	59
14.	Finance, Accounts, Budget & Audit	...	67

Visuals

# 1

## The Journey of the Asiatic Society

### The Journey

The Asiatic Society, Kolkata is the oldest institution of learning in India and has made a seminal contribution in the revival of Indian history and heralding its renaissance. It was founded by Sir William Jones, a revered philologist and scholar of Anglo-Welsh descent on 15 January, 1784 in a meeting held at the Grand Jury Hall of the Supreme Court, Calcutta.

Sir William Jones (1746-1794) joined the Calcutta Supreme Court as a Puisne Judge in 1783. It was Sir Jones's idea to set up a regular organisation for oriental studies. Warren Hastings, the then Governor General, himself was deeply interested in Indian classical languages and literature. A group of Company officials were also quite actively involved in oriental studies. Therefore Jones's idea was implemented very easily.

On 15 January, 1784, thirty such interested Europeans met in the Grand Jury Room of the Supreme Court at Calcutta and adopted the proposal of Jones for founding the institution, "The Asiatick Society".

*"The Bound of investigations will be the geographic limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by man or produced by nature"* – a statement contained in the Memorandum of Articles of the Asiatic Society was prepared by Sir William Jones in that historic meeting. Thus began the long journey of the Asiatic Society, Kolkata.

### Early Days

William Jones became the first President of the Society and continued in this position until his death in 1794. Warren Hastings was the first





Patron of the Society. Since then the position of the Patron was held by the Governor General and after independence by the Governor of West Bengal. Initially, the Society only had European citizens as its members. It was in 1829 that Indians were allowed to be a part of the Society. In 1885, Rajendralala Mitra became the first Indian President of this organisation. During the early years of establishment, the organisation functioned without a building. After the government granted it land in 1805, its official building was built by 1808. The present building of the Society was constructed at the same site in 1961 and inaugurated by former President of India Dr. Sarvepalli Radhakrishnan on 22nd February 1965.

The name of the Society underwent several changes during the last two centuries such as The Asiatic Society (1784-1825), The Asiatic Society (1825-1832), The Asiatic Society of Bengal (1832-1935), The Royal Asiatic Society of Bengal (1936-1951) and in July 1952 it came to be known as The Asiatic Society.

### Vision & Mission

The main objectives of the Society are :

- to organise, initiate and promote researches in Humanities and Science in Asia,
- to establish, build, erect, construct, maintain and run research institutions, reading rooms, museums, auditoriums and lecture halls,
- to organise lectures, seminars, symposia, discussions, meetings and award of medals, prizes and scholarships in furtherance of the objectives,
- to acquire, finance or publish any periodicals, books or other literature that the Society may think fit for the promotions of its objects.

With the march of time, the Asiatic Society had to expand its range of objectives and consequently the

area of research. Of course it has not gone beyond the basic mandate issued by its founder Sir William Jones that it would work with "what is performed by Man and produced by Nature." This mandate is being fully adhered to till now, consistent with the requirements of ever-expanding centre in human knowledge in modern times.

The Asiatic Society has played the pioneering and most crucial role in discovering India's past. The great Indologists and Orientalists like William Jones, Charles Wilkins, HT Colebrooke, BH Hodson, Francis Wilford, Samuel Davis, HH Wilson, James Prinsep had created their intellectual marvels at the Asiatic Society.

The Society has been also a great repository of the cultural heritage of the Country and the Society has been engaged for the last more than 200 years in disseminating the cultural heritage based on its resources by way of acting as a great centre of valuable manuscripts and other documents.

### Institute of National Importance

In many ways the Asiatic Society has been the mother institution for the growth and development of many major academic institutions in this country like Geological Survey of India, the Archaeological Survey of India, the Zoological Survey of India, the Botanical Survey of India, Indian Museum, School of Tropical Medicine, Calcutta Medical College, Indian National Science Academy and so on and so forth.

In recognition of the Society's importance and its immense contribution in all fields of arts and sciences, Government of India recognised the Asiatic Society as an Institution of National Importance by an Act of Parliament during its bicentenary year in 1984. With the enactment of the Asiatic Society Act of 1984, the Government of India took over the responsibility of providing the required financial support for its maintenance and



development in future. At present, the Society is an Autonomous Organisation under Ministry of Culture, Government of India.

### **Governance**

The Society is registered under the Societies Registration Act, 1860. It is a members' society. The Administration, direction and management of affairs of the Society are vested in a twenty members Council elected by the members of the Society. Election is held every two years. The learned Council members are primarily experts of different academic disciplines. Besides, there are four nominees of the Govt. of India, one nominee of the Government of West Bengal and one Representative of the Asiatic Society Employees' Union in the Council. The Council meets mandatorily once a month excepting the month of October. There are several Standing Committees which help the Council in implementing its mission. Also there is a Planning Board of the Asiatic Society which advises it with respect to the planning and implementation of the developmental programmes of the Society. Similarly, a Standing Finance Committee consisting of Central Govt, State Govt

and Council nominees to advise the Council on all matters having financial implications.

### **The Journey continues ....**

The basic thrust areas as identified by the Peer Review Committee are being increasingly covered, specially, emphasizing the rich heritage of Indian culture and civilization. Special emphasis has been put to modernize the conservation of valuable books, documents, manuscripts etc through digitization on the one hand and through networking with the global academic communities on the other. Another area of importance of the Society's activities has been to use more and more social media network in order to reach out to a greater number of people in this country as well as abroad.

In her inaugural speech at the Bi-Centenary Celebrations of the Society at Kolkata on 11th January, 1984, Smt Indira Gandhi, the then Prime Minister of India told, " Some Institutions reflect history and some contribute to it. This Society has done both." Till now, the Society has been carrying forward its programmes in all fronts for achieving its targets such as library, museum, publication and annual academic activities.

# 2

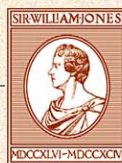
## Presidential Address

### Pluralism and Multiculturalism in Indian Society

*Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society, Dr. C.V. Ananda Bose, Dr. Satyabrata Chakrabarti, our General Secretary, Professor Sujit Kumar Das, our Treasurer, Hon'ble Recipients of Medals, Plaques and Lectureships, Ladies and Gentlemen!*

In a recent writing, David Crystal (*Language Death*, 2000), spoke about the alarming rate at which languages are disappearing. Languages have been disappearing since long, but what is new is the rapidity of its pace for disappearance. As he estimated, of the world's 6000 languages, 3000 would be gone in the next 50 years as the last speakers of those languages would disappear. The process is all too familiar. As these people are coming in contact with a dominant language – either regional or national – they slowly adapt this major language, develop bilingualism, which dies out in subsequent generations as the original language is taken as a source of weakness or embarrassment. As a result, linguistic diversity is diminishing on a global scale.

The same argument is frequently made at a broader level about culture, taken broadly as a way of life of ethnic groups. There is the globalization of consumption pattern, entertainment pattern, dressing pattern, pattern regarding the way of life etc. The upshot of these global trends is the death of the local creativity and local cultural products and their replacement by products reflecting western cultural preferences. These changes initiate even greater changes in the outlook and orientation of people, their artistic and cultural performances. It can be said that modernization seems to have led throughout the world in a decline of those characteristic features of culture by which the identity of ethnic groups is most immediately recognized.



C. W. Watson has argued and shown (*Multiculturalism*, 2002) that these types of cultural loss are not, of course confined to the countries of the developing world only where culture contact and post-colonialism seem to spell the death of indigenous traditions. Factors such as the loss of traditional way of life, modernization and the decline of specialized crafts and skills, increased mobility resulting in the loss of traditional neighbourhood – all these result in are loss of traditional community along with the decline of its traditional distinctive cultures.

### Theories of Plural Society

The notion of governance of multicultural societies covers a wide range of geographical and historical situations. It is often used interchangeably with the term of pluralism. Though the notion of pluralism or plural society has a distinctive usage in the study of colonial and post-colonial societies yet, in this writeup, we can use the two terms 'Plural Society' and 'Multicultural Society', as having the same connotation.

The foundation of the theory of Plural Society was laid by J. S. Furnivall writing primarily about Indonesia and by M. G. Smith writing about British West India. Furnivall draws our attention to the existence of separate racial communities in Indonesia following their own rules in their own lives but uniting among themselves by the logic of market forces. The brutal world of the market place is coupled with the existence of the separate communities. As Furnivall points out, "In Burma as well as in *Java*, probably the first thing that strikes the visitor is the medley of peoples, European, Chinese, Indian and native. It is in the strict sense a medley for them to mix but not to combine. Each group holds by its own religion, its own culture, its own ideas and ways. As individuals they meet but only in the marketplace in buying and selling. There is a plural society with different sections of the community living side by side but within the same political unit."

Smith addresses a somewhat different situation in British West Indies where he argues for a theory of pluralism to reset against the general theory of functionally integrated society, which had been developed by Malinowski in Anthropology and Talcott Parsons in Sociology. Smith's theory emphasizes the role of political institutions rather than economic ones in binding the society together. He takes into consideration two structural aspects of the colonial societies. On the one hand, there is a set of institutions binding all individuals together in a single society; on the other, there are those which bind together the members of each of the separate communities. Each group has a separate set of institutional arrangement but the overall solidarity is maintained by the political unit. The uniqueness of this formulation is that it seems to ignore the role of the market place and division of labour in binding the groups and their individual members together in a single society. The political is emphasized to the exclusion of the economic.

Dissatisfaction with the theories put forward by Furnivall or Smith, led to the formulation of separate theories which were system specific, e.g. colonial societies or the process of change in post-colonial societies. As far as the colonial social systems are concerned, a detailed account of colonial pluralism has been formulated by John Rex, who has done this under three headings, viz., pre-colonial social formations, the basic forms of economic exploitation in colonial societies by the metropolitan power and the colonial systems of stratification. But when such societies become free from colonial control, the post-colonial social forms may take unique character by a combination of such factors as economic liberalization, political independence, settler-governed post-colonial societies, incorporation into the world system and the new processes of the class struggle and the revolution. A combination of all or some of these factors may result into a country-specific situation which separates each society from others as far as the phenomenon of multiculturalism is concerned.



Whatever may be the theoretical orientation the post-colonial and the post-Second World War situation has witnessed the explosion in ethnic identities resulting in the dismemberment of many established state systems and creation of dozens of new states. Erstwhile Soviet Russia which consisted of so many ethnic groups spread over a wide range of territory and existing as separate provincial states, maintained its overall national unity even after granting the extreme right of secession to each of the individual states in the Soviet system. But this system fell like a pack of cards after the fall of the Soviet Union. The East-European countries similarly witnessed an explosion in ethnic identities resulting in the creation of so many new states. The term 'Balkanization' which had its origin in Europe itself, has become an accepted vocabulary in denoting the situation of dismemberment of the existing state systems based on multicultural identities.

### **Multiculturalism in Contemporary India**

In India, multicultural concerns have been a major part of our history and traditions, our own constitutional arrangements and political governance. The basic reality of our society and politics at present, as well as in the past is the living together of people belonging to various ethnic groups across religion, region, language, caste, creed or similar such divisions among people. If there is any deviation from this norm of coexistence that is to be treated as aberration, not a regular part of living. But multiculturalism, as a term of scholarly discourse of society and politics in India, is of a very recent origin. It originated in the 1990s, when some scholars felt the need to respond with the Indian experience in the global debate on the subject.

The question is how India, which is a vast multi-ethnic country, in terms of religion, language, community, caste and tribe, could survive as a state in spite of apparent conditions of under development like poverty, illiteracy, inequality and

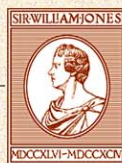
regional disparity. In the instance of the failure of less diverse and less plural post-colonial societies, what accounts for India's success in retaining its political structure, in maintaining unity amidst diversity?

### **Multiculturalism : Demographic and Ideological**

The demographic basis of multiculturalism has been that being the most populous country, socially and culturally it is the most diverse in the world. Religionwise, it is dominated by the Hindus (over 82%) who are tolerant, plural in beliefs and practices, accommodative and adjustive to other religious groups, India's population has included a large proportion of Muslims (over 14%) who are in some places regionally strong as well as the Sikhs, Buddhists, Christians and Jains.

The linguistic division of people is also very sharp and occasionally a source of tensions and disputes. In spite of Hindi being strong and a widely speaking language in India, the regional languages are also very strong and have a solid tradition of developing and flourishing for centuries. Though India is the home of some hundred languages and dialects, till now 18 languages have been officially recognized and placed under the eighth Schedule of the Constitution.

The diversity of the people based on ethno-linguistic and ethno-religious groups has also been addressed through major reorganization of states and territories in the 1950s and 1960s, although within each one of them there exists strong religious and linguistic minorities. It is important to note that this process of reorganization of states is still active and – political motives in some cases notwithstanding—one can say that the states reorganization has become a viable part of multicultural state building process in India. To describe the situation metaphorically, it may be said that India is an indestructible union consisting of destructible states. The reorganization of states has



remained in the hands of the union, which the union government has used very often to accommodate regional demands.

Again, to accommodate the tribal diversities, who constitute a large number of population in India, some constitutional devices have been introduced so that the tribes can administer them on their own. For example, the Sixth Schedule of the Constitution contains provisions relating to the Administration of Tribal Areas in the States of Assam, Meghalaya, Tripura and Mizoram. The primary purpose and idea behind establishing these bodies were to ensure the protection and preservation of tribal culture. These ADCs (Autonomous District Councils) are empowered to make laws in the areas under their jurisdiction, covering every aspect relevant to the tribal and indigenous groups, including land cultivation, inheritance, forests, customs and traditions. They are also empowered to collect revenues adhering to land and other taxes.

This device of ensuring self-government for the tribal groups and allowing maximum autonomy for them in maintaining their own culture and traditions has kept the tribal groups happy and contented. Many of the tribal groups which had assumed a belligerent posture at the beginning of Indian independence subsequently accepted the offer of autonomous existence within the union. An example of such success story of conversion from a belligerent posture to the path of participation in the process of nation building is the case of Nagaland. The Naga ethnic groups posed perhaps the most powerful challenge to the nascent state in India, which after protracted struggles and negotiations ended in 1960 with the establishment of a separate state of Nagaland as a federal constituent unit of India. There still continues the problems of uneven distribution of various ethnic groups within the borders of the states which have been created. Sometimes in extreme cases there have been attempts at 'ethnic cleansing' to get rid of the ethnic minorities within a given state or some vociferous demands for the creation of additional

new states. But it has to be borne in mind that these demands/ attempts are not directed against the nation as such and do not cause a threat to national integration.

All these devices are initiated and implemented in order to protect the nation and maintain its structure in the midst of immense diversity. But the issue of relationship between nationalism and multiculturalism is not straight forward. At a global level as also in India, they have been awkwardly and dangerously entangled. An emphasis on the one has often meant a reduction in the importance attached to the others. Championing religion as the basis of national unity would alienate and antagonize those belonging to other religions, would lead to the dangerous path of majoritarianism and would work against the accepted ethos of secularism as provided in the Constitution. Protective Discrimination Policy for the SCs and STs would alienate the forward states and could lead to ever increasing demand for extending the benefits of reservation to many other 'general caste' groups. Creation of small states to accommodate the dominant ethno-linguistic group could not solve the issue of minorities living within the boundaries of such small states. There is also the unresolved issue of whether such small states are viable enough to continue on their own. The recent craze of championing one language as the only official language and the only way to ensure national unity is causing increasing dissension among other linguistic groups who feel alienated.

All these indicate that nation building in the face of multiculturalism is a delicate exercise. Multiculturalism stresses the importance of cultural belongingness but it also legitimizes the desire to maintain difference. Stressing upon the processual nature of the whole issue, Bhargava comments (Bhargava, R et al., *Multiculturalism, Liberalism and Democracy*, 1999), "Multiculturalism helps in a complex way since it involves a set of issues relating to the need for community, a sense of belonging to it, the importance of a secure identity, of status and recognition, of particularity and the



need to recognize and maintain difference with others” (P. 18).

In the Indian context, Bhargava has identified three problems with multiculturalism in so far as the identity issue is concerned. First, overemphasis on identity may backfire as it is likely to result in the exclusion of people or others’ from an essential identity. Second, encouragement of cultural particularity deepens division and undermines the common foundation for a viable society. It may result in curbing individual freedom by advocating aggressive community power over individual freedom and thus eroding the values of liberal democracy. The solution of the problem of identity in India, according to him, is democratic multiculturalism. There is a debate on the issue of the logic of state intervention in pursuing the rights of individuals or communities in the face of the dominating and oppressive beliefs and practices of other communities ‘For example there is the question of how far the continuation of Muslim Personal Law is justified which is quite contrary to the beliefs and practices of other religious communities. There are some, e.g. Bilgrami, who hold that protecting such rights by the states would amount to illiberalism (Bilgrami, A, (1999) ‘Secular Liberalism and the Moral Psychology of Identity’ in Bhargava, R et al., *Multiculturalism, Liberalism and Democracy*, Delhi, OUP). But Partha Chatterjee holds that secular liberation should not intervene to effectuate personal law reform. It would imply forceful homogenization in the face of opposing social beliefs and practices. (Chatterjee, P., 1994– ‘Secularism and Toleration’ in EPW, 9th July). The issue is political and has to be decided at the political level.

### **The Ideological and Political Base of Multiculturalism**

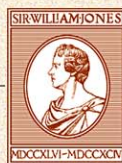
The foregoing account shows that India has been relatively successful in maintaining the facade of unity despite gross differences in orientations among different cultural groups. This relative

success can be explained from two dimensions, viz, ideological and political. The guidelines for constituting such a national framework were framed at the political level and there developed a consensus regarding the basic aspects of such a framework. The problem of management of ethnic conflicts and the issue of nation building was to be dealt with democratically taking multiculturalism as its essence.

Verrier Elwin’s well-known work, viz., *A Philosophy for NEFA* (1959) may be cited as an example. In that work Elwin passionately argued for the maintenance of the cultural autonomy of the tribal groups who have a distinctive outlook, culture and way of life. This outlook and mission of maintaining the distinctive culture of the tribal groups had been criticized by the ‘nationalists’, who argued that this would be tantamount to standing in the way of their natural course of evolution and would imply treating the tribals as ‘museum pieces’. But Nehru, in his ‘foreword’ to Elwin’s work, enunciated 5 fundamental principles regarding state policy towards different communities and groups in India’s North-East and, may be, for others in other parts of India. These principles are :

1. People should develop along the lines of their own genius and we should avoid imposing anything on them. We should try to encourage in every way their traditional art and culture.
2. Tribal rights in land and forests should be respected.
3. Administration and development work should be participatory involving the local people.
4. Development should be congenial to their social and cultural institutions.
5. Results should be assessed by the quality of human material that is produced.

Referring to the tribal groups in the North-East, Nehru further said that people living in these areas



should feel that they have perfect freedom to live their own lives and that India should signify for them a protecting as well as a liberating force.

Further, the creation of a federal structure and the ongoing federalizing process which politically accommodates ethnic identity has remained the most effective method of management and resolution of conflicts. This is coupled with the democratic institutional framework which people can make use of meeting their aspirations. Some scholars have tended to see Indian Federalism and Indian Multiculturalism as corollaries. This has been aptly supported by the creation of different states on ethno-linguistic grounds.

As these communities are mostly territorially rooted, statehood and other such demands are predicated on collective or group rights of ethnic communities. Statehood for territorially based ethnic identities remains the most comprehensive and effective method of political recognition of ethnic identity in India and the key to India's multicultural federalization. These rights of ethno-linguistic groups have further been protected by the recognition of such rights as the fundamental rights of the citizens. Article 29(1) of the Constitution says that any sections of the citizens of India having a distinct language script or culture of its own, shall have the right to preserve and protect it. And the state cannot by law, impose on it any other culture belonging to the local majority. So religious and linguistic minorities are protected by this provision. And Article 350 (A) protects the right of being taught in the mother tongue at the primary stage of education. These and similar other provisions of

the Constitution have been aptly supported by the establishment of elaborate enforcement mechanism. The National Commission for Minorities Act (1992) was promulgated to monitor the working of the constitutional safeguards for the minorities. The Commissions for Scheduled Castes and Scheduled Tribes remain an alert body to oversee the functioning of the rules and provisions relating to them. So, the Indian Constitution as the source of these policies can be said to be a basic multicultural document, in the sense of providing for political and institutional measures for the recognition and accommodation of the country's diversity. The various institutional measures for the political accommodation of identity, difference and community are based on the basic framework as provided in the Indian Constitution as amended from time to time to accommodate the subsequent crises. We can conclude by quoting from the observation of B. Parekh (*Rethinking Multiculturalism, Cultural Diversity and Political Theory*, 2000) that "every multicultural society needs to devise its own appropriate political structure to suit its history, cultural traditions and the range and depth of diversity." We are happy to note that so far as the vex issue of the relationship between ethnicity and nationalism is concerned, the Indian experience is far better than what the situation is in many other countries of the world. This, of course, does not mean that other problems relating to under development, poverty, regional disparity, inequality and increasing commercialization of politics are not true. But it is beyond the scope of the present write up to discuss those issues in detail here.

Kolkata

Date : 1st May, 2023

**Professor Swapan Kumar Pramanick**  
President



# 3

## General Secretary's Report

*Respected President of the Asiatic Society, Professor Swapan Kumar Pramanick, Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society, Dr. C. V. Ananda Bose, Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer of the Asiatic Society, Distinguished Awardees of Medals, Plaques and Lectureships, Hon'ble Council Members and Members and dear Staff Members of the Asiatic Society, Kolkata, Guests and Friends, Good Afternoon.*

I feel extremely privileged to welcome you all on behalf of the Council Members, Members and Staff Members of the Asiatic Society to the 239th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony of the Asiatic Society. We also feel delighted to have among us today in this historic hall of the heritage institution some of the eminent awardees of various Medals, Plaques and Lectureships which were conferred on them by the Council of the Society for the year, 2022. The most notable Awardee among them is Smt. Droupadi Murmu, the Hon'ble President of India, who was nominated for Tagore Peace Award for the year 2022.

Let me now very briefly reflect back on various activities of the Society for the last one year. I am extremely privileged in placing before you the Annual Report of the Asiatic Society, Kolkata, for the year 2022-2023. A detailed account of all of our activities is already available in our *Monthly Bulletins* which have been brought out regularly in both on-line and physical mode. That apart, the sectional reports which have been compiled in the Annual Report, will give all the details of our activities of the year.

The 240th Foundation Day was observed on 15th January, 2023, in complete physical mode unlike the blended mode last year. The Foundation Day Oration was delivered by Professor Chandrima Shaha, Former President, Indian National Science Academy, New Delhi, probably the first-ever woman scholar of eminence who was chosen for



this prestigious oration. She spoke on 'Pandemics: Impact on creativity through the ages'.

The 238th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony of the Asiatic Society was held on 2nd May, 2022. Shri Jagdeep Dhankhar, the then Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society graced the occasion as Guest-in-Chief of the ceremony. He was accompanied by Smt. Sudesh Dhankhar, the then Hon'ble First Lady. An exhibition on this occasion was also organized in the Library of the Society where the Guest-in-Chief and other dignitaries visited. Thirteen medals / plaques including Honorary Fellowship of the Asiatic Society were awarded to eminent personalities for their important contributions to diverse academic disciplines. The names of the ten recipients for the various Lectureships of the Asiatic Society for the year 2021 were also announced at the programme. Notable among the awardees present was Hon'ble Justice Chittatosh Mookerjee, Hon'ble Former Chief Justice of Bombay High Court, who was conferred the Honorary Fellowship of the Asiatic Society for the year 2021.

We had organized a good number of National and International Seminars, Workshops, Exhibitions, Endowment and Special Lectures in virtual and hybrid mode during the period. In this aggregation discussions were held on the contributions of pioneering individuals, social visionaries and academicians of eminence, in various fields of specialization. A good number of exhibitions were organized in observance of several occasions. Apart from Endowment Lectures and Special Lectures, important Lectures were regularly organized during each Monthly General Meeting where distinguished scholars belonging to various academic disciplines delivered lectures on interesting areas of their respective subjects.

Some valuable research projects on various subjects across many academic disciplines, both internal and external, were completed while others were progressing well. However, due to the budget constraints the research activities of the Society were not going on in full swing. Collaboration in

academic field has been initiated during this period with Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI), which is a Deemed University. Recently, S D Chatterjee Research Foundation Trust has decided to transfer the Trust Property situated at the premises of 91 Ballygunge Place, Kolkata - 700019 in favour of the Asiatic Society, Kolkata, solely and absolutely. A proposal for setting up a Centre for Excellence in History of Sciences at the said premises has been under consideration of the Society.

As part of the concluding programme of the Azadi Ka Amrit Mahotsav and the celebration of the 75 years of India's Independence the Asiatic Society had organized two significant book exhibitions. Both the exhibitions were organized with the books from the enriched and historical collection of the Society's Library. The exhibitions broadly covered and reflected on the topics i) Partition of India and ii) India's Independence. On this occasion an exhibition of images of 75 select manuscripts from the precious collections of the Museum was also arranged. The exhibition covered a variety of themes, textures and aesthetics, calligraphies, illuminations and illustrations which put together constitute Indian heritage, history, thoughts and openings for further research. An exhibition of publications of the Asiatic Society was also organised to commemorate the occasion.

In observance of 75 years of India's Independence, the Asiatic Society had organized Special Lectures under 'The Ancient Indian Tradition and Culture' Series. The lecture series began in August 2022 and five lectures were delivered so far. Very eminent scholars had delivered their lectures on various aspects of Indian Culture.

The Asiatic Society, Kolkata, for the first time curated an exhibition on rare manuscripts at the 46th International Kolkata Book Fair 2023 in collaboration with Publishers & Booksellers Guild held from 31st January to 12th February, 2023. The exhibition comprised display of 48 panels of photographic reproduction of manuscripts with



descriptions and audio-visual productions based on two illustrated manuscripts. The rare manuscripts on which the exhibition focused were taken from different subjects, scripts, languages and materials dating as early as 7th century CE. The exhibition highlighted the role of the Asiatic Society as a repository of human knowledge and its dissemination not only among the scholars and researchers but to the public at large, an attempt which could be defined as 'Manuscripts for the Masses'. The exhibition witnessed a large number of visitors on all the days, a great number of whom were students and young scholars. The visitors were fascinated by the theme and content of the exhibition in its attempt to spread awareness on manuscripts which are precursors to books, a first of its kind in an International Book Fair.

The Publication Section in the year 2022-2023 has broken all its previous records of publication of books. This year the Section has published 16 new books along with 11 reprints, and some booklets. Besides, the Section participated in the International Kolkata Book Fair 2023 which was inaugurated on 30th January, 2023 and ended on 12th February, 2023. The Section arranged to release five books in the Book Fair along with a gift box for nine volumes of the book titled *Chinese Sources of South Asian History in Translation, Vol. I-IX*. A good number of books have been sold out. Moreover, the Section has also published a catalogue of available publications with the photographs of each book with a beautiful and attractive cover on the occasion of 75 years of Azadi Ka Amrit Mahotsav. In the exhibition hall in the Book Fair a one-day seminar was organized on Raja Rammohun Roy.

The Library, Museum, Conservation, Reprography Sections have been carrying on with their respective assignments. The Library and Museum Sections, apart from extension of services to the scholars across the world, are up to their task for conservation of valuable books, documents, manuscripts, paintings and so on and so forth.

Kolkata  
1st May 2023

Digitization of rare documents, books and manuscripts is also speeding up.

Initiatives have also been taken to revamp the website of the Society with the technical help of National Informatics Centre and to increase the use of the social media network in order to reach the wider public.

The Society has observed some important occasions such as World Environment Day, World Heritage Day, International Museum Day, Ekta Diwas, Sadbhavana Diwas, Anti-Terrorism Day, Swachhata Pakhwada and so on. Lectures and Exhibitions were organized on these occasions. In observance of 75 years of India's independence, a blood donation camp was organized in the Society's premises on 12th August, 2022.

During this period a meeting of the Standing Finance Committee was held to dispose of certain routine organizational matters. The Security Section has been more vigilant and Administration and Accounts Section have improved their regular monitoring activities. The service matters of the employees along with filling up of existing vacancies have been put on priority for implementation from time to time.

The Hindi Cell has picked up regular activities and has also organized the Hindi Pakhwada, Hindi Karmashala and other programmes at the Society.

To conclude, let me once again reiterate that during the period being covered in this Annual Address, the Asiatic Society has been able to keep pace with its expected performance and has also been able to firmly gear up to undertake multiple academic activities in the coming months. The Members and Employees of the Society have always extended their full cooperation in successfully implementing all these programmes. Last but not the least, Ministry of Culture, Government of India has extended their support for all academic activities of the Asiatic Society. Once again I welcome you all at the Annual General Meeting of the Society today.

Thank you! Namaskar.

**DR. S. B. CHAKRABARTI**  
General Secretary

# 4

## The Council of the Asiatic Society (2022-2024)

### **President:**

Professor Swapan Kumar Pramanick

### **Vice-Presidents:**

Professor Subhas Ranjan Chakraborty

Professor Basudeb Barman

Professor Tapati Mukherjee

Professor Pradip Bhattacharya

### **General Secretary:**

Dr. Satyabrata Chakrabarti

### **Treasurer:**

Professor Sujit Kumar Das

### **Anthropological Secretary:**

Professor Ranjana Ray

### **Biological Science Secretary:**

Professor Asok Kanti Sanyal

### **Historical and Archaeological Secretary:**

Professor Arun Kumar Bandopadhyay

### **Library Secretary:**

Professor Biplab Chakrabarti



**Medical Science Secretary:**

Dr. Sankar Kumar Nath

**Philological Secretary:**

Shri Shyam Sundar Bhattacharya

**Jt. Philological Secretary:**

Dr. M. Firoze

**Physical Science Secretary:**

Professor Rajkumar Roychoudhury

**Publication Secretary:**

Professor Syamal Chakrabarti

**Members:**

Professor Atis Kumar Dasgupta

Professor Nabanarayan Bandyopadhyay

Professor Mahidas Bhattacharya

Dr. Arunabha Misra

**Representatives of the Government of India:**

Professor Bimal Sankar Nanda

Dr. Mallinath Mukherjee

Professor Alok Kumar Ghosh

Dr. Smritikumar Sarkar

**Representative of the Government of West Bengal :**

Director of Public Instruction (DPI), Department of Higher Education, Govt. of West Bengal

**Representative of the Asiatic Society Employees' Union:**

Professor Ranjit Sen

# 5

## Planning Board and Standing Finance Committee

### Planning Board

[Constituted under Section 8(1) of the Asiatic Society Act, 1984]

1. Secretary, Ministry of Culture, Government of India  
*Chairman*
2. Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India  
*Member*
3. Director General, National Council of Science Museum, Kolkata  
*Member*
4. Director General, Raja Rammohun Roy Library Foundation, Kolkata  
*Member*
5. Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata  
*Member*
6. Principal Secretary, Department of Higher Education, Govt. of West Bengal  
*Member*
7. President, The Asiatic Society, Kolkata  
*Member*
8. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata  
*Convenor*



## Standing Finance Committee

[Constituted as per Regulation 4A (1)]

- |  |                 |
|--|-----------------|
| 1. Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture,<br>Government of India                                 | <i>Chairman</i> |
| 2. Director General, National Council of Science Museums, Kolkata  | <i>Member</i>   |
| 3. Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata  | <i>Member</i>   |
| 4. Director of Public Instruction, Department of Higher Education,<br>Govt of West Bengal                                | <i>Member</i>   |
| 5. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata   | <i>Member</i>   |
| 6. Treasurer, The Asiatic Society, Kolkata   | <i>Member</i>   |
| 7. Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary, The Asiatic Society,<br>Kolkata (Nominated by the Council) | <i>Member</i>   |

# 6

## Committees and Sub-Committees

### LIBRARY COMMITTEE

*[Constituted as per Bye-Laws V]*

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**  
*President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**  
*General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das**  
*Treasurer*
4. **Professor Tapati Mukherjee**  
*Vice-President*
5. **Professor Biplab Chakrabarti**  
*Library Secretary*
6. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**  
*Historical & Archaeological Secretary*
7. **Professor Syamal Chakrabarti**  
*Publication Secretary*
8. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**  
*Philological Secretary*
9. **Professor Asok Kanti Sanyal**  
*Biological Science Secretary*
10. **Professor Raj Kumar Roychoudhury**  
*Physical Science Secretary*





- |  |  |
|--|--|
| 11. <b>Professor Ranjana Ray</b><br><i>Anthropological Secretary</i> | 12. <b>Dr. Ramkrishna Chatterjee</b>     |
| 12. <b>Dr. Sankar Kumar Nath</b><br><i>Medical Science Secretary</i> | 13. <b>Professor Ram Ahlad Chowdhury</b> |
| 13. <b>Dr. M. Firoze</b><br><i>Joint Philological Secretary</i>      | 14. <b>Dr. Ram Kumar Mukhopadhyay</b>    |
| 14. <b>Dr. Ramkrishna Chatterjee</b>                                 | 15. <b>Shri Nirbed Ray</b>               |
| 15. <b>Professor Sachindranath Bhattacharya</b>                      | 16. <b>Dr. Nirmal Bandyopadhyay</b>      |
|  | 17. <b>Dr. Rajat Sanyal</b>              |
|  | 18. <b>Dr. Sabyasachi Chatterjee</b>     |

### Publication Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**  
*President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**  
*General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das**  
*Treasurer*
4. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**  
*Vice-President*
5. **Professor Tapati Mukherjee**  
*Vice-President*
6. **Professor Syamal Chakrabarti**  
*Publication Secretary*
7. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**  
*Historical & Archaeological Secretary*
8. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**  
*Philological Secretary*
9. **Professor Asok Kanti Sanyal**  
*Biological Science Secretary*
10. **Dr. Sankar Kumar Nath**  
*Medical Science Secretary*
11. **Dr. M. Firoze**  
*Joint Philological Secretary*

### Bibliotheca Indica Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVIII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**  
*President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**  
*General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das**  
*Treasurer*
4. **Professor Tapati Mukherjee**  
*Vice-President*
5. **Professor Biplab Chakrabarti**  
*Library Secretary*
6. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**  
*Philological Secretary*
7. **Dr. M. Firoze**  
*Joint Philological Secretary*
8. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**  
*Council Member*
9. **Professor Mahidas Bhattacharya**  
*Council Member*
10. **Professor Badiur Rahman**
11. **Professor Mrinal Gangopadhyay**
12. **Professor Bijoya Goswami**
13. **Professor Amit Bhattacharjee**
14. **Professor Mou Dasgupta**



## Academic Committee

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**  
*President*
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**  
*General Secretary*
3. **Dr. Sujit Kumar Das**  
*Treasurer*
4. **Professor Basudeb Barman**  
*Vice-President*
5. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**  
*Vice-President*
6. **Professor Tapati Mukherjee**  
*Vice-President*
7. **Professor Pradip Bhattacharya**  
*Vice-President*
8. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**  
*Historical & Archaeological Secretary*
9. **Professor Ranjana Ray**  
*Anthropological Secretary*
10. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**  
*Philological Secretary*
11. **Dr. M. Firoze**  
*Joint Philological Secretary*
12. **Dr Sankar Kumar Nath**  
*Medical Science Secretary*
13. **Professor Syamal Chakrabarti**  
*Publication Secretary*
14. **Professor Asok Kanti Sanyal**  
*Biological Science Secretary*
15. **Professor Raj Kumar Roychoudhury**  
*Physical Science Secretary*
16. **Professor Biplab Chakrabarti**  
*Library Secretary*
17. **Professor Atis Kumar Dasgupta**  
*Council Member*
18. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**  
*Council Member*
19. **Professor Mahidas Bhattacharya**  
*Council Member*
20. **Dr. Arunabha Misra**  
*Council Member*
21. **Dr. Ramkrishna Chatterjee**
22. **Professor Satyabati Giri**
23. **Professor Susnata Das**
24. **Professor Musaraf Hossain**
25. **Dr. Ram Kumar Mukhopadhyay**
26. **Professor Uma Chattopadhyay**
27. **Dr. Chandramalli Sengupta**
28. **Dr. Satarupa Dutta Majumder**

## During the period, the business of the Society was conducted through the following meetings :

- Meeting of the Council : 11
- Meeting of the Standing Finance Committee : 01
- Monthly General Meeting : 10
- Annual General Meeting : 01
- Extra Ordinary General Meeting : 01
- Meeting of the Library Committee : 10
- Meeting of the Bibliotheca Indica Committee : 10
- Meeting of the Publication Committee : 10
- Meeting of the Academic Committee : 10

# 7

## Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2022

### Honorary Fellow:

#### Swami Atmapriyananda

Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI) has been elected as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2022.

### MEDAL/PLAQUE

#### 1. TAGORE PEACE AWARD

**Smt. Droupadi Murmu**, Hon'ble President of India, for her Creative Contribution to the Development of Human Understanding towards Peace.

#### 2. RABINDRANATH TAGORE BIRTH CENTENARY PLAQUE

**Professor Abhijit Vinayak Banerjee**, Nobel Laureate and Eminent Economist, for his Creative Contribution to Human Culture.

#### 3. PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR GOLD PLAQUE

**Mr. Shahriar Kabir**, Eminent Journalist, Filmmaker and Human Rights Activist of Bangladesh, for his Significant Contribution to Contemporary Social Issues.

#### 4. INDIRA GANDHI GOLD PLAQUE

**Shri Gopal Krishna Gandhi**, Former Indian Administrator and Diplomat, for his Important Contribution towards Human Progress.



5. **ANNANDALE MEMORIAL MEDAL**  
**Professor Kailash Chandra Malhotra**, Retired Professor of Anthropology and Human Genetics, Indian Statistical Institute, Kolkata, for his Important Contribution to the Study of Anthropology in Asia.
6. **BARCLAY MEMORIAL MEDAL**  
**Dr. Viswanathan Mohan**, Internationally Acclaimed Dialectologist and Scientist, for his Important Contribution to the Development of Medical Science.
7. **PROFESSOR SUKUMAR SEN MEMORIAL GOLD MEDAL**  
**Professor B.R.K. Reddy**, Noted Linguist and Retired Professor of Linguistics, Osmania University, for his Important Contribution in the Academic Field.
8. **PAUL JOHANNES BRUHL MEMORIAL MEDAL**  
**Professor Ramesh V Sonti**, Eminent Indian Plant Geneticist, for his Important Contribution in the Field of Botany.
9. **MEGHNAD SAHA MEMORIAL GOLD MEDAL**  
**Professor Somak Raychaudhury**, Indian Astrophysicist and Vice-Chancellor, Ashoka University, for his Outstanding Contribution in the Field of Physics.
10. **PROFESSOR HEM CHANDRA RAY CHAUDHURI BIRTH CENTENARY GOLD MEDAL**  
**Professor Shireen Moosvi**, Eminent Historian and Retired Professor of Aligarh Muslim University, for her Important Contribution in the Field of Indian History.
11. **PROFESSOR SUHRIT CHANDRA MITRA MEMORIAL PLAQUE**  
**Professor Rama Charan Tripathi**, Director and Professor, G B Pant Social Science Institute, for his Outstanding Contribution in the Field of Psychology.
12. **R P CHANDA BIRTH CENTENARY MEDAL**  
**Professor R N Misra**, Eminent Art Historian, for his Important Contribution in Archaeology and Art History.
13. **JOY GOBIND LAW MEMORIAL MEDAL**  
**Professor Subhash Chandra Lakhota**, Eminent Cytogeneticist and Distinguished Professor of Zoology and SERB Distinguished Fellow at Banaras Hindu University, for his Important Contribution to the Knowledge of Zoology in Asia.
14. **S C CHAKRAVARTI MEDAL**  
**Professor K Paddayya**, Emeritus Professor, Deccan College Post-Graduate and Research Institute, Pune, for his Important Contribution in the Field of Indian Archaeology.
15. **SARAT CHANDRA ROY MEMORIAL MEDAL**  
**Professor Gouranga P Chattopadhyay**, Retired Professor of Behavioural Science, Indian Institute of Management, Calcutta, for his Important Contribution to Cultural Anthropology.
16. **PRAMATHA NATH BOSE MEMORIAL MEDAL**  
**Professor Dilip Saha**, Professor, Geological Studies Unit, Indian Statistical Institute, Kolkata for his Important Contribution to Geology with special reference to Asia.
17. **SAILENDRA NATH AND MANJULA DEY MEMORIAL MEDAL**  
**Dr. Anil Kumar Mandal**, Eminent Ophthalmologist and Consultant at L.V. Prasad Eye Institute, for his Important Contribution in the Field of Medical Science.
18. **G.S.I. SESQUICENTENNIAL COMMEMORATIVE MEDAL**  
**Professor Rajesh K Srivastava**, Professor of Geology, Institute of Science, Banaras Hindu University, for his Outstanding Contribution in the Field of Earth Science.



**19. PRIYABRATA ROY MEMORIAL GOLD MEDAL**

**Shri Samik Bandyopadhyay**, Critic of Indian Art, Theatre and Film, for his Creative Contribution to Drama.

**20. PROFESSOR NIRMAL NATH CHATTERJEE MEDAL**

**Dr. Rupam Ghosh**, JSPS Fellow, The University of Tokyo, for his Important Contribution to the Knowledge of Economic Geology.

**21. SARATLAL BISWAS MEMORIAL MEDAL**

**Dr. Soumi Chattopadhyay**, UGC-Dr. D. S. Kothari Post-Doctoral Fellow in Department of Geology, Banaras Hindu University, for her Best Published Work in Mineralogy and Petrology.

**LECTURESHIP:**

**1. PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR LECTURESHIP**

**Professor Pabitra Sarkar**, Eminent Educationist and Former Vice-Chancellor, Rabindra Bharati University, for his Significant Contribution in the Field of Humanities.

**2. RAJA RAJENDRALAL MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Vashishtha Narayan Jha**, Eminent Indologist and Padma Shri Awardee, for his Notable Contribution in the Field of Indological Studies.

**3. INDIRA GANDHI MEMORIAL LECTURESHIP**

**Swami Suparnananda**, Secretary Maharaj, The Ramakrishna Mission Institute of Culture, Golpark, for his Significant Contribution in the Field of Cultural Pluralism.

**4. PROFESSOR SUNITI KUMAR CHATTERJI MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Ch. Yashawanta Singh**, Retired

Professor of Linguistics, Manipur University, for his Significant Contribution in the Field of Linguistics.

**5. DR. SATYENDRA NATH SEN MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Shruti Tambe**, Head, Department of Sociology, Centre for Advanced Studies, Savitribai Phule Pune University, for her Significant Contribution in the Field of Social Science.

**6. DR. PANCHANAN MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Vijoy S. Sahay**, Retired Professor, Department of Anthropology, University of Allahabad, for his Significant Contribution in the Field of Anthropology.

**7. ABHA MAITI MEMORIAL ANNUAL LECTURESHIP**

**Professor Rama Kundu**, Professor of English, Burdwan University, for her Significant Contribution towards Development of Indian Women.

**8. DR. BIMANBEHARI MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Mrinal Kanti Gangopadhyay**, Retired Professor, Department of Sanskrit, University of Calcutta, for his Notable Contribution in the Field of Sanskrit Literature in Medieval India.

**9. SWAMI PRANAVANANDA MEMORIAL LECTURESHIP**

**Professor Dilip Kumar Mohanta**, Professor of Philosophy, University of Calcutta and Former Vice-Chancellor, University of Kalyani, for his Significant Contribution in the Field of Religion and Culture.

**10. SUDHA BASU MEMORIAL BIENNIAL LECTURESHIP**

**Shri Dipok Dey**, Renowned Artist, Philatelist and Journalist from Kolkata, for his Significant Contribution in the Field of Fine Arts and Culture.

# 8

## Major Resolutions Adopted and Items Reported in the Council during April 2022-March 2023

### Council Meeting held on 28th April, 2022

- The General Secretary reported that the Society has planned to organize a commemorative meeting on 11th May, 2022, on the first death anniversary of Professor Isha Mahammad, the former President of the Society. The Council accepted the proposal.

### Council meeting held on 17th May, 2022

- The Council nominated Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary for the Standing Finance Committee of the Asiatic Society for the period 2022-24.
- The Council took note of the budgetary allocation under Budget Estimate (BE) for 2022-23 and its distribution under different activities projected in the draft Memorandum of Understanding [MoU] for the Financial Year 2022-23 viz-à-viz the physical progress. However, the members of the Council expressed their concern on the low allocation of funds under GIA-General and decided to request the Ministry of Culture for enhancing the grants under the head 'General' with particular emphasis on the core activities of the Society comprising academic programmes and research projects so that they could be augmented and done at the optimum level.

### Council meeting held on 24th June, 2022

- The Council approved the Annual Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2021-22 and authorized the General



Secretary to make necessary arrangements for undertaking the audit and certification of the accounts by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata.

### **Council meeting held on 26th July, 2022**

- The General Secretary reported that he received a mail from Swami Atmapriyananda Maharaj, Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute, Belur Math, that he will come to the Society for discussion about the draft MoU which has been received from their organization for collaboration of academic programme with the Asiatic Society and their organization for cooperation in the areas of common interest in regard to research, publication, educational programmes etc. on 4th August, 2022 at 2.30 p.m. It was decided that the draft MoU sent by Swamiji will be circulated to all the members for their observations and comments, if any.
- The General Secretary reported that the Society proposes to organize different programmes on the Independence Day (15th August, 2022) as the concluding part of the yearlong celebration of 75 years of India's Independence – Azadi Ka Amrit Mahotsav. The programme will comprise hoisting of the national flag, five exhibitions and a cultural programme for which a budget estimate of Rs. 17.13 lakhs has been proposed. The Council approved the proposal along with the budget.
- The General Secretary reported that he wants to congratulate the new President of India on behalf of the Council and also request to her for her kind presence in the 240<sup>th</sup> Foundation Day of the Asiatic Society which will be held on 15th January, 2023.

He wants to send a few publications of the Society to her. The Council approved the proposal.

- The General Secretary placed a mail dated 8th July, 2022 received from Executive Director, INSA wherein they have requested to send a name as a member of their Council who should be Fellow of INSA for the year 2023. The Council re-nominated Dr. Kunal Ghosh, FNA to the Council of the INSA for the year 2023.

### **Council meeting held on 30th August, 2022**

- The Council accepted in principle the proposal for outsourcing of one Coordinator (Press & Social Medal) and one Consultant (Legal) in the Asiatic Society following all the extant Rules of Govt. of India.

### **Council meeting held on 27th September, 2022**

- The Council unanimously accepted the nomination of Swami Atmapriyananda, Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2022 in terms of the provision of clauses 2, 3 and 4 of the By-Laws IV of the Asiatic Society regarding election of Honorary Fellow and decided to place the unanimous nomination of Swami Atmapriyananda in the next Monthly General Meeting for approval as per Clauses 6 and 7 of the said By-Laws.
- The Council unanimously adopted the Audited Accounts and the Separate Audit Report (SAR) of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2021-22 and approved the proposal to place



the same before the general body of the Society for consideration and adoption in compliance with Regulation 59A of the Asiatic Society in the Extraordinary General Meeting of the members of the Society to be convened on 31st October, 2022 under Regulation 51.

- The General Secretary also reported that a meeting was held on 20th September, 2022 between the National Mission for Manuscripts [NMM] and The Asiatic Society on three issues namely, i] requirement of digitized copies of manuscripts for the Constitution Gallery in the New Parliament Building as well as Vigyananidhi awarded manuscripts for NMM, ii] revival of MRC in the Asiatic Society and iii] establishment of MCC in the Society. He also placed the minutes of the meeting before the members of the Council for their consideration. The Council noted the minutes and accepted it and directed the Librarian to do the needful.
- On a reporting made by the Director of the Society regarding observance of special campaign 2.0 for disposal of pending matters including Cleanliness Campaign and Office Scraps Disposal during the period from 2nd October, 2022 to 31st October, 2022, the Council empowered the Director to comply with the requirements of this special campaign under the guidance of the General Secretary and Treasurer and to report it back to the Council.

### **Council meeting held on 29th November, 2022**

- The General Secretary reported that 240<sup>th</sup> Foundation Day of the Society would be observed on 15<sup>th</sup> January, 2023. He requested the members to propose the name of an eminent academician as the

Foundation Day Orator for the year 2023 and to communicate the same to the General Secretary over phone or through e mail within two/three days. He also reported that he sought an appointment with the Hon'ble Governor of West Bengal to invite him personally to be present on the Foundation Day.

### **Council meeting held on 31st January, 2023**

- With reference to the Audit Para No.6.3 of the C&AG's Report No. 4 of 2018 regarding Excess Contribution to Employees' Provident Fund pertaining to the Asiatic Society, Kolkata, the General Secretary reported that he was called to appear before the PAC (Public Accounts Committee) Sub-Committee I at New Delhi on 27th January, 2023 for oral evidence with regard to the same (for which the General Secretary in consultation with the President postponed the Council meeting scheduled on 27th January, 2023 and rescheduled it on 31st January, 2023). The General Secretary conveyed the instruction of the Government to stop forthwith the excess contribution of the employer (i.e. The Asiatic Society, Kolkata) to Employees Provident Fund over and above the ceiling limit. Subsequently, he placed before the Council Meeting the instructions contained in Ministry's letters under reference no. 20-5/2018-A& A dated 25.01.2023 and 30.1.2023. The Council took cognizance of the abovementioned letters with special emphasis on this Agenda (as was desired in the aforesaid communication of the Ministry). After a threadbare discussion, the Council decided the following:
  - i. That for the existing EPF subscribers of the Society, the Employer's contribution to the EPF will be made





at the rate of 12% (Twelve per cent) on EPF Wages (comprising Basic Pay & D.A.) applying the EPF Wage limit of Rs.15,000/- (Rupees Fifteen Thousand) per month in terms of the existing provisions prescribed in Para 29(1) and 26A(2) respectively of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions (EPF & MP), Scheme, 1952 (Scheme) under the EPF & MP Act of 1952.

- ii. The employees to whom the Scheme applies will however be allowed to continue to contribute an amount (i.e. Employees' share of contribution) over and above the statutory ceiling limit (computed at 12% of actual Basic Pay + DA) in terms of Para 29 of the Scheme and the employer (i.e. The Asiatic Society, Kolkata) will bear the prescribed administrative charges payable for such employees under intimation to the Assistant Provident Fund Commissioner as per provisions in Para 26(6) of the Scheme.
  - iii. The decisions in (i) and (ii) above will be implemented with immediate effect issuing necessary orders.
  - iv. Regarding actions on other items communicated by the Ministry of Culture vide para no. 5 of its letter no. 20-5/2018- A&A dated 25.01.2023, a committee will be constituted by the Council to examine the issues and submit a report thereon for taking further action.
  - v. That the ATN on this matter may be sent to the Ministry of Culture in line with the above decisions.
- The Council unanimously accepted the proposal received from the Secretary, S D

Chatterjee Research Foundation Trust for transfer of the Trust properties situated at 91 Ballygunge Place, Kolkata -700019 in favour of the Asiatic Society, Kolkata solely and absolutely. The Council expressed their thanks to S D Chatterjee Research Foundation Trust for their aforesaid decision. The Council further authorised the Treasurer of the Society to do the necessary legal operational work in this respect with the advice of a Legal Adviser and requested him to report back to the Council time to time on any further development.

### **Council meeting held on 23rd February, 2023**

- 1 With reference to the Audit Para No. 6.3 of the C&AG's Report No. 4 of 2018 regarding Excess Contribution to Employees' Provident Fund pertaining to the Asiatic Society, Kolkata, the General Secretary reported that he was called to appear before the PAC (Public Accounts Committee) Sub-Committee I at New Delhi on 17<sup>th</sup> February, 2023 for oral evidence with regard to the same. The General Secretary informed the members of the transactions of the said meeting and he also placed before the Council a letter under reference no. 20-5/2018-A&A dated 20.02.2023 received from the Ministry containing several instructions of the Government in this regard. The Council took cognizance of the abovementioned letter and reporting of the General Secretary. The Council also noted that Society's Office Order no. 38 dated 06.02.2023 had already been issued to restrict the Employer's contribution to the EPF at the rate of 12% (Twelve per cent) on EPF Wages (comprising Basic Pay & D.A.) applying the EPF Wage limit of Rs.15,000/- (Rupees Fifteen Thousand) per month in terms of the existing provisions



of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions (EPF & MP), Scheme, 1952 (Scheme) under the EPF & MP Act of 1952. After a threadbare discussion, the Council decided the following:

- i. That communication will be made to the Employees Provident Fund Organisation for modality of the refund of the excess contribution made by the employer.
- ii. That Action Taken Report will be sent to the Ministry as soon as possible stating that the excess contribution of Employer to the EPF has been stopped and a letter is being sent to the Employees Provident fund Organization for modality of the refund of excess contribution made by the employer.
- iii. That a Committee with following members will be constituted to examine the other related matters and to submit a report thereon to the next meeting of the Council:

- Professor Asok Kanti Sanyal      Convenor
- Professor Alok Kumar Ghosh      Member
- One external expert                      Member

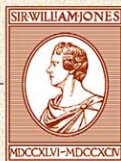
(The General Secretary has been authorised to nominate the member)

- iv. That the employees will be allowed to contribute to EPF @ 12% (Twelve per cent) on actual Basic Pay and D.A. Necessary Administrative Charges in respect of such excess contribution will be made by the Asiatic Society from its own fund initially till the month of March, 2023.

- v. Meanwhile, the aforesaid Committee will examine the issues relating to the payment of Administrative Charges from the own fund of the Asiatic Society and report it to the Council for further action.

### **Council meeting held on 28th March, 2023**

- The Council approved the recommendations of the meeting of the Committee, constituted for initiating actions on all the endowment lectureships as well as the various awards of the Asiatic Society by making necessary amendments to the respective by-laws in each category in its meeting held on 17th March, 2023. However, Professor Basudeb Barman, Chairman of the Committee suggested to take initiative to publish an updated Society's Regulation Book. The Council also approved the recommendations of the follow up meeting for revision of medal designing endowment lectureships and various awards held on 23.03.2023 and authorized the Committee to negotiate with Professor Sourav Jana, College of Art & Design, Burdwan University for doing the needful.
- The Council approved the recommendations of the meeting of the Committee, constituted to look after all the matters related to the various rented properties of the Society. The Council also authorized the Director to take actions on their recommendations along with to designate a staff member of the Society to look after and deal with all the papers related to the rented properties which were endorsed by the committee members.
- The General Secretary reported that he has received a letter dated 16th March, 2023 from Ms. Mugdha Sinha, Joint Secretary,



Ministry of Culture, informing that the Museum, Division of the Ministry of Culture is organizing a three-day International Museum Expo 2023 to be held from 18th – 20th May, 2023 at Pragati Maidan, New Delhi to celebrate the International Museum Day and institutionalize this in its annual calendar,

for participation by the Society. The Council noted the matter and advised to submit a detailed proposal including tentative expenditure to be prepared by the Librarian in consultation with the Curator and submit it. However, the proposal is approved in principle subject to the availability of fund.

# 9

## Publication of the Asiatic Society

**S**IR WILLIAM JONES, Founder of The Asiatic Society, contemplated the publication of a volume of *Asiatick Miscellany* every year. No attempt was made to bring out such a periodical during the first three years. Most of the papers received in the first year were short and not so significant. Besides, the Society had no funds and there was no publisher in Calcutta who could undertake such work. Ultimately one Mr. Manuel Cantopher of the East India Company's printing office undertook the job as a private speculation, on an understanding that every member of the Society would buy a copy of the publication at Rs. 20.00. The name approved for the periodical was *Asiatick Researches* and the first volume appeared in 1788.

Just after four years of the inception of The Asiatic Society in 1784, the Society started its publication in 1788 with the publication of *Asiatick Researches*. About the Publication, Sir William Jones stated, "It will flourish, if naturalists, chemists, antiquaries, philologers and men of science, in different parts of Asia, will commit their observations to writing and send them to the Asiatick Society at Calcutta, it will languish if such communications shall be long intermitted; and it will die away, if they shall entirely cease."

The Society has been publishing original and noteworthy books in different fields to maintain its glory and high academic standard and the Society, the oldest publishing house in the country, is known to the world of learning for its academic publication.

Two statutory committees, viz., Publication Committee and Bibliotheca Indica Committee recommend manuscripts for publication in book form in different series, viz., Bibliotheca Indica, Monograph, Seminar &



Public Lecture, Catalogues & Bibliographical Works etc. and articles, communications, book-reviews for publication in the *Journal of the Asiatic Society*. The Asiatic Society publishes also *Monthly Bulletins* and booklets on different occasions.

During this period (01.04.2022 - 31.03.2023) 27 titles of books, four issues of the Journal of the Asiatic Society, ten issues of Monthly Bulletin, and four numbers of other publications including booklets have been published. The list is given below.

The Asiatic Society participated in the International Kolkata Book Fair 2023, for the enhancement of sales proceeds. This time the Publication Section has released 5 books during the Book Fair. Catalogue of available publications has been published with photographs of each book. Efforts to contact the book-sellers, academic institutions, libraries etc. have been made by sending catalogue and list of new publications to them through online, from time to time and a good response has also been received. Moreover, the Catalogue of our publications has been uploaded in the Society's website for wide circulation.

## Publications during 2022– 2023

### ● Books

1. *Bangla Bhasay Bijnanarcha* (in Bengali) by Saradindu Sekhar Ray, with an Introduction by Sabyasachi Chatterjee
2. *In the Jungles of Assam — A Century Ago* ed. by Subhrangsu Kanta Acharyya & Ujjal Choudhury
3. *Maasir-i-Alamgiri of Saqi Mustad Khan* translated into Eng. and annotated by Jadunath Sarkar
4. *Uprising of 1857: Perspectives and Peripheries* ed. by Subhas Ranjan Chakraborty
5. *Chinese Sources of South Asian History in Translation, vol. IX* by Haraprasad Ray
6. *Treasures of The Asiatic Society* comp. by Minati Chatterjee
7. *Rajendralal Mitra* (in Bengali) ed. by Syamal Chakrabarti
8. *Traditional Ethno-Veterinary Medicines practised in Rural Bardhaman* by Apurba Kumar Chattopadhyay
9. *Acharya Prafulla Chandra Ray — Life and Works* ed. by Basudeb Barman, Dilip Kumar Basu and Aparajita Basu
10. *The Rigveda Samhita, Basanti Bhasya, Vol. III* translated into English with the Riks transliterated and annotated by Basanta Kumar Ganguly
11. *When was India a Nation ? A Study of the Evolution of India's Nationhood through Ages* by Ranjit Sen
12. *Global Concept of Cultural Heritage Management and its significance across the Ethnic Groups* ed. by Ranjana Ray
13. *Novel Research Works undertaken in the last century at School of Tropical Medicine* ed. by Krishnangshu Ray
14. *A Focus on Buddhist Studies along with the Land of Snow Gang Gyul in Tibet* comp. & ed. by Archana Ray
15. *A Critical Study of Phenomenology with special reference to Modern Developments in Psychology* by Tunu Bhattacharya
16. *Pyarichand Mitra : Karma O Srijan* (in Bengali) ed. by Syamal Chakrabarti
17. *Forest, Communities and Change : A study on specific North-East Indian Communities* by Srijani Bhattacharjee
18. *Collected Works of Brajendranath Seal, vol. I* ed. by Dilip Kumar Mohanta



19. *75th anniversary of Indian National Army and Provisional Government* ed. by Purabi Roy
20. *Lalitavistara* tr. into Eng. by Bijoya Goswami
21. *Bharater Atit Byakhya Prasange* (in Bengali) by Amartya Sen, tr. into Bengali : Asish Lahiri
22. *Studies in Gandhism : A Selection* by Nirmal Kumar Bose, with an Introduction by Prasanta Ray
23. *The Nitisara or the Elements of Polity by Kamandaki* ed. by Rajendralala Mitra, rev. with Eng. tr. by Sisir Kumar Mitra
24. *Caste and Class in Indian Society* by Asok Mitra
25. *The Suryasiddhanta : The Astronomical Principles of the Text* by A K Chakravarty
26. *The Dynamics of a Rural Society* by Ramkrishna Mukherjee
27. *Madhyajugiya Bharate Sanskrita Sahitya* (in Bengali) by Kalikumar Datta

● **Periodicals**

*Journal of The Asiatic Society,*

Vol. LXIV No. 1 2022

No. 2 2022

No. 3 2022

No. 4 2022

*Monthly Bulletin of The Asiatic Society,*

Vol. LI Nos. 4 – 10 2022 = 7 issues

Vol. LII Nos. 1 – 3 2023 = 3 issues

● **Gift Box made for the following books**

*Chinese Sources of South Asian History in Translation, vols. I - IX*

● **Booklets**

1. *Presidential Address, 2021-22*
2. *General Secretary's Address, 2021-22*
3. *Annual Report, 2021-22*
4. *Catalogue of Available Publications, August 2022*

# 10

## Activities : Library Section

### Library

**T**he Library of the Asiatic Society with its long glorious history of two hundred thirty-nine years is the most important component of the Society. The Library is enriched with a vast collection of books and journals apart from manuscripts and artifacts slated for Oriental Studies. Its importance lies not in numerical strength but in its rich and unique content.

The holding consists of more than 1,34,379 books and 1,09,133 bound volumes of Journals in different European, Sino-Tibetan, Russian, South Asian, Persian, Urdu, Arabic, Pali, Prakrit, Bengali, Sanskrit and other Indian languages. The library of the Society offers bibliographic and documentation services to scholars pursuing research in different branches of study and belonging to different parts of India and abroad. The reading room equipped with books, periodicals and microfilm is open to readers from Monday to Friday between 9:45 a.m. to 7:00 p.m. and on Saturday from 10:00 a.m. to 5:00 p.m. Reader's services through the internet and e-mail have also been successfully rendered from time to time. The computerized index of the articles published in the Journal of the Asiatic Society is also consulted by the readers. The activities of the Library are planned and monitored by the Library Committee set up by the Council.



### Activities during the period:

- The Library was physically open to readers & scholars of India & Abroad for 234 days and served 4595 readers.
- 559 books have been accessioned and 1048 books have been processed in different languages and different subjects.
- Library receives 212 issues of subscribed journals. The library received 143 issues of journals on exchange and 49 issues of journals as Gifts during the period.
- 4595 readers used the Library. 1696 books were issued to the readers and 1147 books were returned by them.
- Reference services related to books and manuscripts through e-mail were provided as per demand.

### Visit of Library by different institutions:

- 07.04.2022: A team of 15 students from Loreto College, Kolkata along with 2 faculties.
- 26.04.2022: A team of 30 students from the Department of Sanskrit, Narasingha Dutt Collage, Howrah along with 3 faculties.
- 23.08.2022: A team of 5 participants along with 3 mentors from Kolkata Institute of Art Conservation.
- 29.11.2022: A team of 39 students along with 4 teachers from Srirampur High School, Sriampur.
- 02.12.2022: A team of 21 students along with teachers from Netaji Satabarshiki Mahavidyalaya, Ashoknagar, Habra.
- 06.12.2022: A team of 30 students along with 4 teachers from East Calcutta Girls College, Laketown.
- 07.12.2022: A team of 20 students along with 1 faculty from the Department of

Library & Information Science University of Calcutta, Kolkata.

- 22.12.2022: A team of 34 students along with 4 teachers from Gobardanga Hindu College, 24 Paraganas (North).
- 23.02.2023: A team of 18 students along with 3 teachers from the Department of Hindi, Kulti College, Kulti.
- 03.03.2023: A team of 6 officials from the Lok Sabha Secretariat working in the Parliament Library.
- 17.03.2023: A team of 12 member from Hungary to visit Alexander de Csoma's Room.
- 22.03.2023: A team of 19 members from Command Library, HQ Eastern Command, Fort William.
- 28.03.2023: A team of 75 teachers, students and research scholars of North Lakhimpur College, Assam.
- 30.03.2023: A team of 14 students along with 9 teachers from Acharya Girish Chandra Bose College, Kolkata.

### Exhibitions and display of Books & Journals:

Exhibitions on various topics are frequently organised as a part of various seminars and conferences organised by the Society from time to time. To felicitate dignitaries on their visit to the Society, exhibitions showcasing the treasures of the Asiatic Society are also organised. In these exhibitions, the Library displays rare books, journals, photographs, documents etc. emphasizing the rich and varied resources of the Library. During the period, the following exhibitions were arranged which were highly appreciated by the scholars and media.

- **May 02, 2022:**

Book exhibition on the occasion visit of Shri Jagdeep Dhankhar, Hon'ble Governor of





West Bengal along Smt. Sudesh Dhankhar, 1<sup>st</sup> Lady on the Annual General Meeting & Awards Giving Ceremony of the Society.

- **May 13, 2022:**

Book exhibition on the occasion visit of Mr. Kajus Augustyniak, Director, Polish Institute, New Delhi.

- **June 29, 2022:**

Book exhibition on the occasion of the 159<sup>th</sup> Birth Anniversary of Sir Asutosh Mookherjee.

- **August 12, 2022:**

Book exhibition on 'Partition of India' under the programme - Azadi Ka Amrit Mahotsav [Held from 12<sup>th</sup> August 2022 to 31<sup>st</sup> August 2022]

- **August 15, 2022:**

Book exhibition on 'India's Independence' under the programme - Azadi Ka Amrit Mahotsav [Held from 15<sup>th</sup> August 2022 to 31<sup>st</sup> August 2022]

- **August 15, 2022:**

Book exhibition on 'Asiatic Society's Journey in Independent India' under the programme - Azadi Ka Amrit Mahotsav [Held from 15<sup>th</sup> August 2022 to 31<sup>st</sup> August 2022]

- **September 5, 2022:**

Book exhibition on the occasion of the 134<sup>th</sup> Birth Anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan.

- **November 15, 2022:**

Book exhibition on the occasion of Janjatiya Gaurav Divas.

### **Digitization:**

The Digitization Programme of its rich collection is in progress. Under the in-house digitization programme, a total of 243 manuscripts have been

digitized. The 1<sup>st</sup> Phase of Digitization [11,397 manuscripts] has been issued to the best-value bidder and the work by the outsourced agency is in progress. As on 31.03.2023, a total of 6555 manuscripts (2,96,389 pages) have been scanned and processed along with the creation of metadata, was submitted by the agency to the Society.

### **Digital Archive:**

The digital archive of the Society has been revamped and 740 manuscripts have been uploaded during the period. At present, 1258 manuscripts, 590 microfiche collection materials, and 504 books is available in the internal server of the Society. The customization & up-gradation work on the archive is in progress.

### **Web OPAC:**

Web OPAC is active. The database is being updated regularly. It is being utilized very well by the members of the Society as well as by external researchers and scholars for searching catalogue entries.

### **MOPAC (OPAC on Mobile):**

The collection of the library can also be browsed from smartphones & tablets.

### **Library Automation:**

As a part of Library automation, data for 1636 vols. of books have been entered and 1551 vols. have been updated by the staff of the Library during the period in LibSys10 software.

### **Physical Stock Verification of Library Books**

The work of physical verification was started in September 2019 with the help of the barcoding of books. As on 31st March 2023, the total number of print books verified was 53,024.



### Circulation:

The automated circulation system is maintained along with the manual circulation system.

### Collection Development:

Procurement of books and journals as per budget provision has been achieved. For the selection of books by the members, research scholars and staff, catalogues of different publishing houses were utilized.

### Eminent Visitors:

- Dr. Tito Gronow, Deputy Head of Mission,
- Political and Economical Affairs, Embassy of Finland
- Shri Jagdeep Dhankhar, Hon'ble Governor of West Bengal along Smt. Sudesh Dhankhar, 1<sup>st</sup> Lady.
- Mr. Kajus Augustyniak, Director, Polish Institute, New Delhi.
- Shri Dushyant Nariala, IAS, Principal Secretary, Disaster Management, Govt. of West Bengal.
- Shri Biplab Roy, Administrator General and Official Trustee of West Bengal
- Shri Sashikanta Mishra, Hon'ble Justice High Court of Orrisa.

## Museum

The Museum of the Asiatic Society is a repository of priceless & unique collections of manuscripts in different languages and scripts. A good number of catalogues were published by the Asiatic Society, both Descriptive and Tabular which are remarkable deeds in the study and research of manuscripts. The manuscript collection of the Society is varied and rich and covers most of the Indian languages and scripts. The total number of manuscripts now possessed by the Society in its Museum is over 50,000. The manuscripts are classified under different collections viz, Indian Museum Collection, Govt. Collection, Society Collection, New Society Collection, R.K. Dev Collection, Hodgson Collection, Islamic Collection, etc. Some of the oldest and rarest manuscripts possessed by the Society are *Kubjikamatam* of the 7<sup>th</sup> century A.D. written in Gupta Brahmi Script, *Maitreyavyakarana* of 10<sup>th</sup> century A.D., *Kalachakravatara* of Abhyankara Gupta dated to 1125 A.D, *Samputatika* of 1025 A.D. etc

Apart from manuscripts, the Museum & Manuscript Section of the Asiatic Society also possesses old coins in various metals, inscriptions inscribed on Copper Plates and 78 very rich and valuable oil paintings, mostly portraits. Many of these were painted by Robert Home, Joshua Reynolds, Guido, Daniel etc. Some famous paintings that are housed in this Museum of Cleopatra, A Ghat at Benaras, Cupid asleep on the cloud, Warren Hastings, John Dewitt, Wellesley, Infant Christ, Ruins of Mahavalipuram, Woman Taken in Adultery etc.

Sculptures and Metal Objects in the possession of the Asiatic Society are rich in respect of number and historical importance. Among these, are the stone sculpture of Brahma, made of Black Basalt, Period 12<sup>th</sup> Century A.D., Vishnu, made of Black Basalt Stone, 11<sup>th</sup> Century A.D., Brass statue of Dhurm Raja, (at present, this statue is in Bhutan) 1864, Ashokan Rock Edict in early Brahmi Script and of Prakrit language dated 250 B.C are some of the rare objects of this museum.



A large number of survey maps drawn by British surveyors in the 18<sup>th</sup> & 19<sup>th</sup> centuries are also in the possession of the museum. Some remarkable maps reflect the change in the socio-political, economic & cultural scenario of India.

In addition, a large number of old Correspondences of eminent personalities and Rare Books some of which date back to 1784, just after the Society was founded are also preserved here.

### **Brief activities during the period:**

- The work of cataloguing the manuscripts is in progress. The descriptive form of cataloguing of 120 Sanskrit Manuscripts has duly been prepared. The works of the foliation of 7419 folios and 2057 Top sheets/handlists of the manuscripts have also been done.
- Digitization work is in progress. (At present Manuscripts scanned for Digitization approx. 5740). Before scanning a careful observation of the manuscripts which includes removing dust, verification of metadata, rechecking and preparing top sheets are going on.
- Rechecking and compilation of Vaisnava texts comprising of various collections have been done and in the process of Publication.
- The contents of 5 English files containing 85 letters, and 129 pages relating to the various activities of the society have been documented.
- Checking of Urdu manuscripts as per subject and accession no. is in progress.
- Proof checking of the Tabular Catalogue of Arabic Manuscripts is in progress.
- During the period, service was extended to 502 readers and scholars of Indian origin who consulted 1956 manuscripts and other documents in the Reading Room of the

Museum of the Asiatic Society. Besides, online services were provided to a good number of scholars.

- 112 Indian Visitors and 14 Foreign Visitors from different country have visited the Museum during the period.

### **Other Work:**

- Manuscripts with top-sheets are sent for scanning for the readers, scholars & renowned Institutions as per their requisition.
- Data Entry of the Museum Objects in the Computer in connection with the work of the Museum.

### **Publication related Work:**

- Preparation & Printing of Museum Souvenirs i.e. Post Cards, Posters, Replicas, brochure Coaster, Note-Pad etc.
- Preparation & Printing of Catalogue.

### **Visit:**

- A good number of visitors visited the Museum on a regular manner. A free guide service for General and Distinguished Visitors is provided.

### **Exhibition organised by the Museum & Manuscript Section during the period. Exhibition details are as follows:**

- Exhibition of Paintings of Professor Isha Mohammad (Former President of the Society) on 11<sup>th</sup> May 2022 on the occasion of his Memorial Meeting.
- Exhibition of manuscripts related to Mathematics and lecture on Observance of International Museum Day 2022 on 18<sup>th</sup> May 2022.



- Exhibition on 75 Rare Manuscripts in the Museum Collection of the Society on the occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav from 15th August 2022 to 31st August 2022.
  - Society took part in Exhibition on Durga Festival-Intangible Cultural Heritage of Humanity from 19th Non – 24th Nov. 2022 at Kolkata Centre for Creativity
  - Exhibition on Manuscripts at the 46th Kolkata International Book Fair 2023 from 31st January to 12th February.
  - Exhibition on Sir C.V. Ramman on the Occasion of National Science Day 2023 on 28th February 2023.
  - Exhibition of digital copies of Archival Documents & Correspondences of the Scientists of India from 16th March to 18th March 2023 at the West Bengal University of Animal and Fishery Science.
- Preparation of Souvenir items with imprints of Manuscripts, Lithographs and Paintings for sale and took part in the International Kolkata Book Fair on and from 31st January 2023 to 12th February 2023.
- The Reports of all the programmes and the list of the manuscripts on different subjects are published in the Monthly Bulletin of the Asiatic Society.

## Conservation

The Conservation Laboratory of the Asiatic Society has been preserving and restoring rare books, manuscripts, plates, maps, etc. The functions of the division are highly technical and works are being done in precision to avoid damage. The skilled and professionally trained staff of this division is capable of performing a wide range of treatments on bound materials including medieval manuscripts and old and rare books.

### Activities during the period:

- |  |      |  |      |
|--|------|--|------|
| ● No. of books & mss. were physically verified from the Conservation point | 2667 | ● No. of warm eaten and jammed sheets of mss. and rare books were carefully Separated for its reconditioning | 1946 |
| ● No. of book-worm infested books and mss. were fumigated                  | 2472 | ● No. of torn sheets was mended before lamination  | 999  |
| ● No. of sheets (full of patches) was de-laminated before lamination       | 909  | ● No. of brittle sheets of paper mss. were examined  | 2421 |
| ● No. of sheets was paginated before treatment                             | 4452 | ● No. of delicate sheets laminated using imported tissue paper (U.K. Origin) and cellulose acetate foil.     | 2531 |
| ● No. of brittle & fragile sheets was de-acidified before lamination       | 3640 | ● No. of delicate sheets laminated using Tissue Papers U.K. Origin & C.M.C. & M.C. Paste                     | 753  |
|  |      | ● No. of sheets trimmed after mending and lamination   | 2108 |
|  |      | ● No. of volumes departmentally bound  | 171  |
|  |      | ● No. Photo Lamination completed   | 36   |
|  |      | ● No. of fillers prepared  | 1219 |
|  |      | ● Other Binding (Service Book)   | 91   |
|  |      | ● No. of Spiral Binding completed  | 16   |



## Reprography

Reprography is the reproduction of graphics through mechanical or electrical means such as photography or xerography. The Reprography section of the Asiatic Society is entrusted with the work of photocopy, digitization and general photography.

The work done by the section during the period is described below:

- 1) **Photocopy:** During the period the section prepared 10484 photocopies of library materials under Reader service and 10,774 photocopies of official documents for official purposes.
- 2) **Digitization:** In-house digitization of old & rare manuscripts and books of the Society is done to prevent these invaluable collections from frequent handling by users.

Digitization work is carried out with the help of one 'Bookeye 2' scanner, one 'Bookeye 4' scanner and a digital camera. During the period the section prepared 21623 exposures of 371 manuscripts.

- 3) **General Photography:** The section is also responsible for making photo coverage of Seminars, Lectures, and Workshops organised by the Society and also of important dignitaries who visited the Society. These photographs are published regularly in the Monthly Bulletin of the Society. Photographs were also taken from books as requisitioned by the Scholars. During the period the Section took 1946 nos. photographs for official purposes.

## Activities of the Academic Section

Academic activities including research, national and international seminars and conferences, workshops, endowment /memorial lectures, special lectures and exhibitions constitute one of the most important frontal activities of the Asiatic Society. A brief overview of such activities organized in 2022-2023(April 2022-March 2023) is given below:

1. Research Fellows :	08
2. Post Doctoral Research Fellow :	01
3. Ongoing 'Internal' Research Projects :	07
4. Ongoing 'External' Research Projects :	14
5. Research Assistants :	07
6. International Conferences/Seminars /Workshops held :	NIL
7. National Seminars/Webinars held :	04
8. Endowment/Memorial Lectures :	13
9. Special Lectures :	06
10. Foundation Day Lecture:	01
11. Book Release Programs:	NIL
12. Exhibitions:	09
13. Other Academic Programs:	14



**Details of these research and other academic activities are given below:**

## **A. INTERNAL RESEARCH PROJECTS :**

The following Research Fellows are engaged in different projects:

### **1. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP**

- Name of Research Fellow: Sri Pradyut Shil [Language & Literature]
- Name of Supervisor: Professor Mahidas Bhattacharya
- Date of joining: 27.01.2020
- Topic: Vidyasagarer Shiksha o Samajbhavnar Alope Birsimha o Tatsamlagna Gramgulir Bartaman Shikshagata Ebong Samajgata Abasthan
- Date of Completion: 26.07.2023

### **2. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP**

- Name of Research Fellow: Smt. Basudhita Basu [Social Science]
- Name of Supervisor: Professor Swapan Kumar Pramanick
- Date of Joining: 27.01.2020
- Topic: Reconsidering the Reformer: Contribution of Vidyasagar Towards Medicine and Health
- Date of Completion: 10.10.2022(Resigned)
- Final Report Submitted on 28.02.2023.

### **3. PROJECT : INDOLOGY**

- Name of Research Fellow: Ms. Sneha Agarwala

- Name of Supervisor: Professor Tapati Mukherjee
- Date of Joining: 22.09.2021
- Topic: Revisiting the Contribution of Rajendralal Mitra in the Indological Studies and Manuscriptology.
- Date of Completion: 21.09.2023

### **4. PROJECT : MOULANA ABUL KALAM AZAD RESEARCH FELLOWSHIP IN PERSIAN AND ARABIC STUDIES**

- Name of Research Fellow: Dr. Shahid Alam
- Name of Supervisor: Professor M. Firoze
- Date of Joining: 29.09.2021
- Topic : Contributions of European Scholar to Persian Studies in Bengal with Special reference to the Asiatic Society.
- Date of Completion :28.09.2023

### **5. PROJECT: SARAT CHANDRA ROY RESEARCH FELLOWSHIP IN ANTHROPOLOGY**

- Name of Research Fellow: Ms. Debasree Chowdhury
- Name of Supervisor: Professor Ranjana Ray
- Date of Joining: 01.10.2021
- Topic: The Lodhas : An Anthropological Perspective from Past to Present in Rural-Urban Context.
- Date of Completion :30.09.2023

### **6. PROJECT : NORTH EAST INDIA STUDIES**

- Name of Research Fellow: Ms. Homngai Mossang
- Name of Supervisor : Professor Sarit Kumar Chaudhuri



- Joint Supervisor : Dr. Satyabrata Chakrabarti
- Date of Joining: 08.10.2021
- Topic: Ethnographic Research on the Bordering Tribes of Arunachal Pradesh.
- Date of Completion : 07.10.2023

## B. POST DOCTORAL RESEARCH PROJECT:

### 1. PROJECT : PALI AND PRAKRIT STUDIES

- Name of the Research Fellow: Dr. Saheli Das (Sarkar)
- Date of Joining: 25.10.2021
- Topic: A study on *Bhikkhunipacittiyapalitonissaya*
- Date of Completion : 24.10.2023

## C. ON-GOING EXTERNAL RESEARCH PROJECTS:

### 1. PROJECT: VEDIC DICTIONARY OF PROPER NAMES

Name of the Research Fellows:

- 1. Samima Yeasmin**
  - Date of Joining: 19.07.2019
  - Date of Completion: 01.06.2023
- 2. Dr Priyanku Chakraborty**
  - Date of Joining: 12.09.2022
  - Date of Completion: 01.06.2023
  - Name of the Honorary Project Director: Professor Samiran Chandra Chakrabarti
  - The work is continuing.

### 02. PROJECT: UNDERSTANDING DEVELOPMENTAL PROCESS: A CASE

### OF 'DENOTIFIED' TRIBES IN WEST BENGAL.

- Project Investigator: Dr. Bidhan Kanti Das
- Date of commencement of the Project: 28.02.2018
- Date of completion: 29.04.2022.
- Final Report submitted.

### 03. PROJECT: EDITING AND TRANSLATION OF TWO UNPUBLISHED NAVYA NYAYA MANUSCRIPTS

- Name of Research Assistant : Smt Moumita Shil
- Principal Investigator: Late Professor Subuddhi Charan Goswami (upto 2019).
- Principal Investigator: Professor Sanjit Sadhukhan since 11.10.2019.
- Date of commencement of the project: 30.09.2018
- Date of completion: 10.10.2022.
- Final report not yet submitted.

### 04. PROJECT: RECOVERING THE HISTORY OF AN UNDERPRIVILEGED SOCIAL GROUP: THE VARIED EXPERIENCE OF PULAYAS IN NINETEENTH AND TWENTIETH CENTURY KERALA

- Principal Investigators: Professor Rajsekhar Basu and Professor Arun Kumar Bandopadhyay.
- Date of commencement of the project: 20.05.2018.
- Date of completion: 31.07.2022. Final report submitted.

### 05. PROJECT: A CHRONOLOGICAL HISTORY OF THE ASIATIC SOCIETY :





### A TIMELINE STUDY FROM 1784-2018

- Name of Research Assistants : Smt Payel Saha and Smt Utsa Bose.
- Principal Investigator: Dr. Nibedita Ganguly
- Date of commencement of the project : 12.02.2019
- Date of completion: 31.07.2023
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

### 06. PROJECT: ETHNOLINGUISTIC STUDY OF CHAKHESANG LANGUAGE: A QUANTITATIVE APPROACH

- Project Investigator : Dr. Sibansu Mukherjee
- Date of commencement: 01.07.2019
- Date of completion: 30.06.2022
- Final report not yet submitted.

### 07. PROJECT: VAISHNAVA TEMPLES OF NABADWIP AND THE VAISHNAVA COMMUNITY

- Name of Research Assistant : Sri Abhirup Mukherjee
- Principal Investigator: Dr. Buddhadeb Bandyopadhyay (since 17.03.2021)
- Date of commencement: 12.07.2019
- Date of completion: 17.07.2023
- The work is continuing.

### 08. PROJECT: KARNAPRAKASA-AN IMPORTANT ASTRONOMICAL KARNA TEXT OF THE 11TH CENTURY C.E CRITICAL EDITION, ENGLISH TRANSLATION

- Principal Investigator: Dr. Somenath Chatterjee
- Date of commencement: 25.10.2019.

- Date of completion: 24.06.2022
- Final Report not yet submitted.

### 09. PROJECT: FERTILITY CHOICE AND REPRODUCTIVE HEALTH BEHAVIOUR OF WOMEN : A COMPARATIVE STUDY AMONG THE TRIBES OF NORTH –EAST AND CENTRAL INDIA

- Name of Research Assistants : Smt Rima Ghosh and Sri Sanny Dey
- Principal Investigator: Dr. Purba Chattopadhyay
- Co-Investigator : Professor Sudeshna Basu Mukherjee
- Date of commencement: 01.10.2019
- Date of completion: 31.12.2022
- Final report not yet submitted.

### 10. PROJECT: “A HISTORICAL PERSPECTIVE OF THE ROLE OF ENDANGERED MEDICINAL PLANTS IN INDIA HEALTH CARE SYSTEM AND THEIR CONSERVATION IN COLONIAL BENGAL”

- Principal Investigator: Dr Baisakhi Bandyopadhyay
- Date of commencement: 29.04.2019
- Date of completion: 28.09.2022.
- Final report submitted.

### 11. PROJECT: “CAN WE PROVE THAT WE NEVER KNOW WRONGLY? A RE-EVALUATION OF THE PRABHAKARA THEORY OF ERROR”

- Principal Investigator: Dr Mainak Pal
- Date of commencement: 01.01.2021
- Date of completion: 31.12.2022
- Final report submitted.



## 12. PROJECT: AN UNTOLD JOURNEY OF A RUSSIAN INDOLOGIST GERASIM STEPANOVICH LEBEDEV

- Principal Investigator: Ms. Atmoja Bose
- Date of commencement: 12.05.2021
- Date of completion: 11.05.2024.
- The work is continuing.

## 13. PROJECT : 'PREPARATION FOR FACSIMILE EDITION OF THE VIVIDARTHA SANGRAHA (7 VOLS.)'

- Name of Research Assistant : Sri Srijan De Sarkar
- Principal Investigator: Professor Swapan Basu
- Date of commencement: 09.03.2022
- Date of completion: 08.09.2023
- The work is continuing.

## 14. PROJECT: RASARATNAMALA OF NARASIMHA KAVIRAJ : A LESS KNOWN ALCHEMIC TEXT(TEXT, TRANSLATION FROM SANSKRIT TO ENGLISH AND CRITICAL NOTES)

- Project Investigators : Dr. Rita Bhattacharya and Dr. Bandana Mukherjee
- Date of commencement: 07.03.2022
- Date of completion: 06.09.2023
- The work is continuing.

## D. APPROVED EXTERNAL PROJECTS YET TO BE COMMENCED

1. 'The Paippalada-Samhita of the Atharvaveda-English translation, indices and an account of its contents and history'. Principal Investigator of the project: Professor Dipak Bhattacharya.

2. 'The contribution of Baren Basu and other Bengali Soldiers in the struggle for World peace and Anti War'. Principal Investigator of the project: Dr Jyoti Prasad Roy.
3. "Krishnaleela or the Stories of Life of Sri Krishna rewritten on the Brick Temples : Survey and Documentation of Terracotta Ornamentations". Principal Investigator of the project: Dr Apurba Kumar Chattopadhyay.
4. 'Documentation analysis and interpretation of the indigenous literature 'Namtho Namthar' of the lepcha(language of North East India)' Principal Investigator of the project: Dr Satarupa Dattamajumdar.

## E. EXTERNAL RESEARCH PROJECT: HOSTED BY THE ASIATIC SOCIETY.

01. Dr. Sharmila Chandra, is working on the project entitled "Gendered Spaces in Purulia Chhou: Present Scenario and Future Prospects." with the financial assistance from INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH(ICSSR).

Date of commencement of Research Project 29.12.2021

Date of Completion : 28.12.2023

The work is continuing.

## F. LECTURES/SEMINARS/ CONFERENCES/WORKSHOPS/ SYMPOSIUM/COLLOQUIUM

During the year 2022-23, a substantial number of academic programmes were organized at the national and international level. In most of the cases the programmes were in collaboration with the Universities or renowned academic institutes. Eminent scholars from different parts of the country and abroad participated in these academic



programmes and presented their erudite papers. Co-ordinators of the respective programmes are at present pre-occupied with editing those papers for publications. Proceedings of a few of the conferences have already been published. Some of the proceedings are in the press and work of editing other proceedings of the seminars is continuing.

*Here in below we are giving only the titles of the Lectures/Seminars/Conferences*

### APRIL 2022

#### ● 10th April 2022

A program organized by the Asiatic Society, Kolkata in association with National Survey Day Committee to Celebrate National Survey Day 2022.

Speakers : Sri Jaydeb Kumar Mondal, Shri Amulya Ray, Dr. Manas Pratim Das,

Co-ordinator : Dr. Sankar Kumar Nath

#### ● 18th April 2022

Observance of World Heritage Day 2022 at the Vidyasagar Hall of the Society.

Theme : Heritage and Climate

An Exhibition of Prints from Lithoplates in the Museum collection of the Asiatic Society, Kolkata depicting Heritage sites and views of the city of Calcutta (Kolkata) in the 18th & 19th Century.

### MAY 2022

#### ● 2nd May 2022

Awards giving ceremony of the Asiatic Society, Kolkata .

Guest in Chief : Shri Jagdeep Dhankar, Governor, West Bengal & Smt. Sudesh Dhankar, 1st lady of West Bengal.

#### ● 11th May 2022

A memorial meeting on the occasion of the 1st death anniversary of Professor Isha Mohammad, Artist & former President of the Asiatic Society, Kolkata.

#### ● 18th May 2022

Observation of International Museum Day 2022 with students visit and interaction at the Asiatic Society museum.

#### ● 18th May 2022

*Abha Maiti Annual Memorial Lecture, 2020*

Speaker : Professor Malini Bhattacharya

Topic : *The Secularism of Folk Culture.*

#### ● 24th May 2022

Observation of International Day for Biological Diversity 2022.

Theme : Building a Shared Future for all Life.

Guest Speakers : Professor (Dr) Nimai Chandra Saha , Dr J.R.B Alfred, Dr. Dhriti Banerjee, Professor Tapan Kumar Mishra.

#### ● 30th May 2022

Celebration of Rabindra Nazrul Janma Jayanti in collaboration with Asiatic Society Recreation Club.

### JUNE 2022

#### ● 30th June 2022

*Abha Maiti Annual Memorial Lecture, 2021* on the topic “ভারতীয় নারীর ক্ষমতায়ণ ও দু একটি কথা”

Speaker : Smt. Krishna Debnath, Social Activist and Veteran Politician



## JULY 2022

- **20th July 2022**

*Indira Gandhi Memorial Lecture, 2021*

Topic : Speaking the Constitution: A Biography of Civil Liberties in Independent India.

Speaker : Dr. Kalpana Kannabiran, Sociologist, Human Rights Columnist and Writer.

- **22nd July 2022**

Delivery of talk titled 'William Jones and the Rule of Law in Late Eighteenth Century Calcutta' by Professor Sudipta Sen, Professor of History at University of California, Davis

- **29th July 2022**

A one day seminar on observance of 250th birth anniversary of Raja Ram Mohan Roy.

Co-ordinator : Shri Shyam Sundar Bhattacharya.

## AUGUST 2022

- **4th August 2022**

*Ancient Indian Tradition and Culture Series Lecture.(1)*

A Special Lecture on 'Upanishads: the marvellous exploratory science of Consciousness' by Swami Atmapriyanandaji Maharaj, Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI)(Deemed University declared by Government of India under University Grants Commission Act, 1956).

- **12th August 2022**

*Ancient Indian Tradition and Culture Series Lecture. (2)*

A Lecture on 'Vedic Beginnings of Ancient Indian Intellectual Traditions' by Professor Samiran Chandra Chakrabarti, Former Director, Vedic Studies, Rabindra Bharati University, Research Professor of Indology, Ramakrishna Mission Cultural Institute, Kolkata.

- **12th August 2022**

- Exhibition of Books on *Partition of India* from the Library Collection of the Society(Inauguration).

- **15th August 2022**

- Hoisting of the National Flag by Professor Swapan Kumar Pramanick, President of the Asiatic Society.
- Observance of 150th Birth Anniversary of Sri Aurobindo.
- Cultural Program on Partition & Independence : Reflections in Literature & Cinema

- **15th- 31st August 2022**

- Exhibition of Books on India's Independence from the Library Collection of the Society.
- Exhibition of Books on Partition of India from the Library Collection of the Society(Inauguration).
- Exhibition of Important Publications of the Society.
- Exhibition on Rare Manuscripts in the Collection of the Museum of the Society.
- Exhibition on Asiatic Society's Journey in Independent India.

- **25th -26th August 2022**

A two day Seminar on Rajendralala Mitra (A tribute to Raja Rajendralala Mitra on his bi-centenary)

Co-ordinator : Professor Tapati Mukherjee.



## SEPTEMBER 2022

### ● 13th September 2022

A one day seminar on 100th year birth anniversary of Professor G. N. Ramachandran.

Co-ordinator : Professor Syamal Chakrabarti.

### ● 16th September 2022

Presentation ceremony of Diploma of Honour to Professor (Dr.) Samaresh Bandyopadhyay in collaboration with The San Marcos University, Lima, Peru and North American Institute of Oriental and Classical Studies.

### ● 20th September 2022

*Ancient Indian Tradition and Culture Series Lecture. (3)*

Topic : Relevance of Fundamental Principles of Ayurveda in Caraka Samhita in the Present Era.

Speaker : Professor Abichal Chattopadhyay, Former Professor, Institute of Post Graduate Ayurvedic Education and Research at Shyamadas Vaidya Sastra Vidyapith, Govt. of West Bengal. Fellow, National Academy of Ayurveda, Govt. of India.

### ● 26th September 2022

Observance of 203rd birth anniversary of Pandit Iswar Chandra Vidyasagar.

Presentation of talk on Pandit Iswar Chandra Vidyasagar by the Research Fellows of the Asiatic Society.

### ● 28th September 2022

Ancient Indian Tradition and Culture Series Lecture. (4)

Topic: The Antiquity of Indian Writing System.

Speaker: Professor Dr Ratna Basu, Former Professor Department of Sanskrit, University of Calcutta and Coordinator of National Mission for Manuscripts (NMM) in West Bengal

## OCTOBER 2022

No academic Program.

## NOVEMBER 2022

### ● 16th November 2022

Ancient Indian Tradition and Culture Series Lecture. (5)

Topic: "Glimpses of Mathematics in Ancient India"

Speaker : Professor Parthasarathi Mukhopadhyay, Associate Professor, Department of Mathematics, Ramakrishna Mission Residential College (Autn.), Narendrapur.

### ● 21st November 2022

24th *Professor Asin Dasgupta Memorial Lecture* in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Paschimanga Itihas Samsad.

Speaker: Professor Sanjukta Dasgupta, Renowned Historian.

Topic: ভারতের পূর্বাঞ্চলের আদিবাসী সমাজ ও অতীত চেতনা : একটি মূল্যায়ন।

## DECEMBER 2022

### ● 9th December 2022

*Panchanan Mitra Memorial Lecture*

Speaker : Professor Soumendra Patnaik, Former Vice Chancellor, Utkal University.



Topic: Anthropology and its Regional Traditions in India: Historical and Contemporary Trajectories.

● **15th December 2022**

Professor Aniruddha Ray Memorial Lecture(4th) in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Paschimbanga Itihas Samsad.

Speaker: Professor Ezaz Hossain, Renowned Historian, Visva Bharati, Shantiniketan

Topic: অস্তিম ও অজানা মুঘল রাজপুত্রের শেষ মুঘল আত্মচরিত : মীর্জা জুবাইরুদ্দিন গোরগান রচিত মওয়াজ-ই-সুলতানী।

● **19th December 2022**

*Professor K.K. Handique Memorial Lecture.*

Speaker : Professor K.E. Debanathan, former Vice Chancellor, Karnataka Sanskrit University, presently Professor of Vishistadvaita Vedanta, National Sanskrit University, Tirupati.

Topic : Contribution of Navadweepa to Navyanyaaya.

**JANUARY 2022**

● **2nd January 2023**

Presentation program by the Research Fellows of the Asiatic Society, Kolkata.

● **3rd January 2023**

*Professor Sabyasachi Bhattacharya Memorial Lecture* in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Paschimbanga Itihas Samsad.

Speaker: Professor Rudrangshu Mukherjee, Renowned Historian and Acharya, Ashoka University.

Topic: দেওয়ানী প্রদান ও আধিপত্যের প্রভাব।

● **15th January 2023**

Celebration of 240th Foundation Day of the Asiatic Society, Kolkata.

Foundation Day oration by Professor Chandrima Shaha, President, Indian National Science Academy, New Delhi, on the topic 'Pandemics: Impact on creativity through the ages'.

● **23rd to 28th January 2023  
(except 26th January 2023)**

A five day Workshop on Folklore under the theme "Folklore, Films & Theatre : Relation and Relevance".

Coordinator: Professor Ranjana Ray and Dr. Chandramalli Sengupta.

**FEBRUARY 2023**

● **2nd February 2023**

*Dr Panchanan Mitra Memorial Lecture 2021.*

Speaker: Professor Rajat Kanti Das, Former Professor and UGC Emeritus Fellow Vidyasagar University, West Bengal

Topic : A Critical Analysis of Strategies Adopted and Approaches Followed in Tribal Development: How is Anthropology Significant Here?

● **16th February 2023**

201st Birth anniversary celebration of Raja Rajendralala Mitra.

Speakers : Professor Tapati Mukherjee, Dr Sunandan Kumar Sen.

● **20th February 2023**

*Biman Bihari Memorial Lecture*

Speaker : Professor Satyabati Giri, Former Professor and Head, Department of Bengali, Jadavpur University.



Topic: চৈতন্য ব্যক্তিত্বের নানা দিক : একবিংশ শতাব্দীতে এক অর্বাচীন পর্ষবেক্ষণ।

Topic: “Influence of Buddhism on the Bhagavadgita”

● **22nd to 28th February 2023**

An art exhibition in collaboration with the Asiatic Society and Rekha Chitram.

Coordinator: Mr. Arun Kumar Chakraborty, Principal, Rekha Chitram.

● **28th February 2023**

- Lecture Sessions & Panel discussion in celebration of National Science Day 2023 along with observation of ‘Plastic free day’. Coordinator : Dr Asok Kanti Sanyal.
- An exhibition on C.V Raman in celebration of National Science Day 2023.

**MARCH 2023**

● **10th March 2023**

*Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture (Virtual).*

Speaker : Professor Gaya Charan Tripathy, Former Director, B.L. Institute of Indology, New Delhi.

● **22nd March 2023**

A special lecture by Professor Tone Bleie, Professor Public Planning and Cultural Understanding, Department of Sociology, University of Tromso.

Topic : “P.O. Bodding as chief collector and the shifting management of the Bodding Collections in Oslo (1901-2022)”.

● **29th March 2023**

Ashin Dasgupta Memorial Lecture in collaboration with Paschimbanga Itihas Samsad and the Asiatic Society, Kolkata.

Speaker : Professor Rila Mukherjee, Former Professor, Department of History, Hyderabad Central University.

Topic : অশীন দাশগুপ্তের চর্চিত সমুদ্র বন্দর নগর; ফিরে দেখা।

### Presence in the Social Media

Society has a strong presence in Social Media through Facebook, Twitter, Youtube, Whatsapp etc.

- On the Facebook page (<https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308>) of the Society, there were more than 1180 followers added in the said period. Society posts its regular updates on this platform and several Live programmes have also been conducted. More than 80 posts have been made and the total reach was more than 1.32 Lakhs in the said year.
- More than 350 followers were added to the Twitter Account of Society ([https://twitter.com/asiatic\\_society](https://twitter.com/asiatic_society)) and regular updates are also been posted here. More than 60 tweets and 750 re-tweets have been done. The total reach was more than 11,000 of its programme in the last year.
- The Youtube Channel of the Society (<https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety>) has also been started for better reach to the Global audience. Presently, there are more than 1000 subscribers to this channel and 11 videos have been uploaded by the Society in this period, which is acclaimed globally.
- The society also has a Whatsapp group with the employees of the Society for better communication and to spread the events more. The society also posts its events regularly on the Whatsapp groups created by the Ministry of Culture also to promote its events more.





Along with these initiatives, the Society also has its website, and a bulk email service is also been used to reach its audience and members of the Society.

### Website

- The website of the Society ([www.asiaticsocietykolkata.org](http://www.asiaticsocietykolkata.org)) is maintained and updated on regular basis. All Bulletins and Journals published by the Society are uploaded for the last 5 years on the website for readers all around the globe. The revamping process of the website is also under process.

### Server and Computers

- Network Switches, Servers and Computers (both Desktop and Laptop) and other accessories (Printer, Scanners, cables etc) are being maintained properly. Backups of servers [Library Automation Software-LibSys, Digital Archive-DSpace] are being taken regularly.

### Hindi Programme

- Celebration of Hindi Divas on 14<sup>th</sup> September and Competition on Writing of Noting and Drafting in Hindi was held on the occasion of Hindi Pakhwada on 20<sup>th</sup> September among the staff members of the Society followed by prize distribution and lectures about the importance of the day.
- Dr. Keka Banerjee Adhikari, Curator and Convener of Hindi Cell, attended the Hindi Diwas Samaraha-2022 and 2<sup>nd</sup> All India Rajbhasa Sammelan at Pandit Dindyal

Upadhyay Stadium, Surat, Gujarat from 14-15<sup>th</sup> September 2022.

- Keka Banerjee Adhikari and Tithi Paul attended Hindi Workshop at the Anthropological Survey of India, Salt Lake on 17<sup>th</sup> October 2022
- Dr. S. B. Chakrabarti, General Secretary of the Society attended the meeting of the Hindi Advisory Committee held in New Delhi on 29<sup>th</sup> August 2022.
- 11 staff members completed Praggya Course under the Central Hindi Teaching Scheme (Departmental of Official Language), Government of India.
- All official stamps and nameplates, flex, and banners are written in bilingual form. Information provided in the exhibitions was also written in bilingual form during 2022-23.
- Regular official correspondences like reports and other replies were sent from time to time to the Ministry of Home Affairs (Department of Official Language) by the Hindi Cell of the Asiatic Society.
- A workshop on 'translation' was organized at the Vidyasagar Hall of the Society on 26<sup>th</sup> September 2022.

### Training & Demonstration

- An Induction Training Programme was held on 2<sup>nd</sup> February, 2023 for the newly recruited Lower Division Clerks.
- Five Fire Lecture cum demonstration of the Portable Fire Extinguishing system were conducted during the year.

## Employees of the Asiatic Society [2022-2023]

- 1 **Lt. Col. Anant Sinha**  
*Director (on Deputation) [Joined on 17.07.2022]*
- 2 **Dr. Pritam Gurey**  
*Librarian*
- 3 **Shri Dhiman Chakraborty**  
*Controller of Finance*
- 4 **Shri Arupratan Bagchi**  
*Administrative Officer*
- 5 **Shri Pradip Kumar Saha**  
*Accounts Officer*
- 6 **Shri Sanjoy Roy Choudhury**  
*Section Officer (Officiating)*
- 7 **Shri Arpan Ghosh**  
*Security Officer*
- 8 **Smt. Sujata Mishra**  
*Assistant Librarian*
- 9 **Smt. Amita Bhattacharya (Ghoshal)**  
*Assistant Librarian*
- 10 **Shri Ramaprasanna Sinha**  
*Conservation Officer*
- 11 **Ms. Arati Kundu**  
*Reprography-cum-Photography Officer*
- 12 **Shri Bhaskar Ghosh**  
*Accountant [Retired on 31.08.2022]*



- |    |  |    |   |
|----|--|----|---|
| 13 | <b>Shri Swarup Manna</b><br><i>Accountant</i>                                  | 31 | <b>Shri Riyaz Ahmed</b><br><i>Senior Assistant</i>                              |
| 14 | <b>Shri Nanda Roy</b><br><i>Assistant Security Officer</i>                     | 32 | <b>Shri Debasis Dutta</b><br><i>Senior Assistant</i>                            |
| 15 | <b>Shri Sushil Kumar Roy</b><br><i>Assistant Security Officer</i>              | 33 | <b>Shri Murari Majumder</b><br><i>Senior Assistant</i>                          |
| 16 | <b>Shri Sukhendu Bikash Pal</b><br><i>Publication Officer In-Charge</i>        | 34 | <b>Shri Swapan Kumar Das</b><br><i>Senior Assistant</i>                         |
| 17 | <b>Dr. Shakti Mukherjee</b><br><i>Senior Publication Assistant</i>             | 35 | <b>Shri Rathindranath Bhattacharyya</b><br><i>Stenographer</i>                  |
| 18 | <b>Shri Samik Biswas</b><br><i>Senior Publication Assistant</i>                | 36 | <b>Shri Palash Kanti Dutta</b><br><i>Stenographer</i>                           |
| 19 | <b>Smt. Rupa Mukhopadhyay</b><br><i>Senior Technical Assistant</i>             | 37 | <b>Dr. Jagatpati Sarkar</b><br><i>Senior Cataloguer [Retired on 30.09.2022]</i> |
| 20 | <b>Shri Shabbir Ahmed</b><br><i>Senior Technical Assistant</i>                 | 38 | <b>Shri S.S.F.I. Alquaderi</b><br><i>Cataloguer</i>                             |
| 21 | <b>Shri Jayanta Sikdar</b><br><i>Senior Technical Assistant</i>                | 39 | <b>Dr. Archana Ray</b><br><i>Cataloguer</i>                                     |
| 22 | <b>Shri Amit Ghosh</b><br><i>Maintenance Engineer</i>                          | 40 | <b>Ms Farhin Saba</b><br><i>Cataloguer</i>                                      |
| 23 | <b>Dr. Keka Adhikari (Banerjee)</b><br><i>Curator</i>                          | 41 | <b>Shri Tanmay Das</b><br><i>Assistant Maintenance Engineer</i>                 |
| 24 | <b>Shri Gadadhar Hazra</b><br><i>Senior Assistant [Retired on 31.01.2023]</i>  | 42 | <b>Ms. Salma Khan</b><br><i>Library Information Assistant</i>                   |
| 25 | <b>Smt. Sutapa Sengupta</b><br><i>Senior Assistant [Retired on 30.11.2022]</i> | 43 | <b>Shri Swapnanil Chatterjee</b><br><i>Library Information Assistant</i>        |
| 26 | <b>Smt. Bandana Bhattacharyya</b><br><i>Senior Assistant</i>                   | 44 | <b>Ms. Uma Rakshit</b><br><i>Library Information Assistant</i>                  |
| 27 | <b>Smt. Dipa Ghatak</b><br><i>Senior Assistant</i>                             | 45 | <b>Smt. Gouri Mitra</b><br><i>Conservation Assistant (LIA)</i>                  |
| 28 | <b>Shri Asim Kumar Dutta</b><br><i>Senior Assistant</i>                        | 46 | <b>Shri Dibakar Maity</b><br><i>Conservation Assistant (LIA)</i>                |
| 29 | <b>Shri Saroj Kumar Maity</b><br><i>Senior Assistant</i>                       | 47 | <b>Smt. Anita Roy</b><br><i>Conservation Assistant (LIA)</i>                    |
| 30 | <b>Shri Murari Bhattacharyya</b><br><i>Senior Assistant</i>                    |    |   |



- |    |  |    |  |
|----|--|----|--|
| 48 | <b>Shri Kalyan Kumar Sen</b><br><i>Conservation Assistant (LIA)</i><br>[Retired on 30.11.2022] | 65 | <b>Shri Prasanta Ganguly</b><br><i>Reprography cum Photography Assistant</i>             |
| 49 | <b>Shri Tamal Ghosh</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 66 | <b>Ms. Sagarika Sur</b><br><i>Publication Assistant cum Proof Reader</i>                 |
| 50 | <b>Shri Paresh Chakraborty</b><br><i>Junior Assistant</i>                                      | 67 | <b>Shri Alope Dolui</b><br><i>Data Entry Operator</i>                                    |
| 51 | <b>Shri Anupam Chowdhury</b><br><i>Junior Assistant</i>  | 68 | <b>Shri Gopal Chandra Aich</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Retired on 31.12.2022] |
| 52 | <b>Shri Supravat Majumder</b><br><i>Junior Assistant</i>                                       | 69 | <b>Shri Tapan Ghatak</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                  |
| 53 | <b>Shri Tapas Karmakar</b><br><i>Junior Assistant</i>  | 70 | <b>Shri Suchand Mukherjee</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                             |
| 54 | <b>Shri Rampravesh Kumhar</b><br><i>Junior Assistant</i>                                       | 71 | <b>Shri Kashinath Guin</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                |
| 55 | <b>Shri Ashim Krishna Roy</b><br><i>Junior Assistant</i>                                       | 72 | <b>Shri Sandeep Rajoriya</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                              |
| 56 | <b>Smt. Mala Chatterjee</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 73 | <b>Shri Rahul Dolui</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                   |
| 57 | <b>Shri Bhaskar Ghosh</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 74 | <b>Shri Akash Das</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                     |
| 58 | <b>Shri Satrughna Manik</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 75 | <b>Shri Atim Kumar Mandal</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                             |
| 59 | <b>Smt. Pranati Mitra</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 76 | <b>Shri Jyotirmoy Tudu</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                |
| 60 | <b>Smt. Chhanda De</b><br><i>Junior Assistant</i>  | 77 | <b>Shri Sujoy Bhowmick</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                |
| 61 | <b>Smt. Satarupa Banerjee</b><br><i>Junior Assistant</i>                                       | 78 | <b>Ms. Tithi Paul</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                     |
| 62 | <b>Ms. Sudipta Naskar</b><br><i>Junior Assistant</i>   | 79 | <b>Shri Ritesh Pradhan</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                |
| 63 | <b>Shri Krishnendu Dutta Chowdhury</b><br><i>Junior Assistant</i>                              | 80 | <b>Shri Rajesh Polai</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                  |
| 64 | <b>Shri Pranab Kumar Majee</b><br><i>Junior Assistant</i>                                      | 81 | <b>Shri Chandan Hela</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                                  |



- |    |  |     |   |
|----|--|-----|---|
| 82 | <b>Shri Bhagyajay Satapathy</b><br><i>Lower Division Clerk</i>                         | 96  | <b>Shri Badal Chatterjee</b><br><i>Head Security Guard</i>                          |
| 83 | <b>Shri Subhajit Saha</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 16.01.2023]     | 97  | <b>Shri Shivaji Pandey</b><br><i>Head Security Guard</i>                            |
| 84 | <b>Shri Arpan Chakraborty</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 16.01.2023] | 98  | <b>Md. Mushtaque Hossain</b><br><i>Head Security Guard</i>                          |
| 85 | <b>Shri Debargha Saha</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 16.01.2023]     | 99  | <b>Shri Gouranga Samal</b><br><i>Head Security Guard</i><br>[Retired on 28.02.2023] |
| 86 | <b>Shri Amit Biswas</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 16.01.2023]       | 100 | <b>Shri Laxman Chandra Manik</b><br><i>Carpenter</i>                                |
| 87 | <b>Shri Pratyay Dhar</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 18.01.2023]      | 101 | <b>Shri Rabindranath Dey</b><br><i>Binder/Mender</i>                                |
| 88 | <b>Shri Surajit Manna</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 19.01.2023]     | 102 | <b>Shri Somnath Bhattacharyya (2)</b><br><i>Binder/Mender</i>                       |
| 89 | <b>Shri Santanu Roy</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 20.01.2023]       | 103 | <b>Shri Alip Ghosh</b><br><i>Binder/Mender</i> [Retired on 31.08.2022]              |
| 90 | <b>Ms. Soumili Pramanick</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 24.01.2023]  | 104 | <b>Shri Sankar Das</b><br><i>Binder/Mender</i>                                      |
| 91 | <b>Shri Sourav Das</b><br><i>Lower Division Clerk</i><br>[Joined on 01.02.2023]        | 105 | <b>Shri Gopal Chandra Sinha</b><br><i>Binder/Mender</i>                             |
| 92 | <b>Shri Chakradhar Bera</b><br><i>Driver</i>   | 106 | <b>Shri Rakesh Sharma</b><br><i>Binder/Mender</i>                                   |
| 93 | <b>Shri Dulal Chandra Dey</b><br><i>Driver</i>   | 107 | <b>Shri Rajesh Kumar Pandey</b><br><i>Binder/Mender</i> [Joined on 19.09.2022]      |
| 94 | <b>Shri Tapan Kumar Dolui</b><br><i>Driver</i>   | 108 | <b>Shri Shyamal Mondal</b><br><i>Liftman</i>  |
| 95 | <b>Shri Shyamal Chakraborty</b><br><i>Head Security Guard</i>                          | 109 | <b>Shri Arghya Das</b><br><i>Liftman</i>  |
|    |  | 110 | <b>Shri Sushil Chanda</b><br><i>Attendant</i>                                       |
|    |  | 111 | <b>Shri Radheshyam Mishra</b><br><i>Attendant</i>                                   |
|    |  | 112 | <b>Shri Kali Charan Shaw</b><br><i>Attendant</i>                                    |



113	<b>Shri Goutam Das</b> <i>Attendant</i>	131	<b>Shri Basudeb Das</b> <i>Security Guard</i>
114	<b>Smt. Sabitri Dasgupta</b> <i>Attendant</i>	132	<b>Shri Bidyadhar Sahoo</b> <i>Junior Attendant</i>
115	<b>Shri Prakash Ghosh</b> <i>Attendant</i>	133	<b>Shri Tapan Ghorai</b> <i>Junior Attendant</i>
116	<b>Shri Sanjoy Paridha</b> <i>Attendant</i>	134	<b>Shri Debnarayan Saha</b> <i>Junior Attendant</i>
117	<b>Shri Uttam Das</b> <i>Security Guard</i>	135	<b>Shri Biswajit Ghosh</b> <i>Junior Attendant</i>
118	<b>Shri Tarakeswar Chowbey</b> <i>Security Guard</i>	136	<b>Smt. Tultul Dey</b> <i>Junior Attendant</i>
119	<b>Shri Bansi Bewra</b> <i>Security Guard</i>	137	<b>Shri Amit Kumar Ghosh</b> <i>Junior Attendant</i>
120	<b>Shri Raj Kumar Prasad</b> <i>Security Guard</i>	138	<b>Shri Sanjit Kumar Singh</b> <i>Junior Attendant</i>
121	<b>Shri Amal Pal</b> <i>Security Guard</i>	139	<b>Shri Ranjit Singh</b> <i>Junior Attendant</i>
122	<b>Shri Shiboprasad Banerjee</b> <i>Security Guard</i>	140	<b>Smt. Lina Banerjee</b> <i>Junior Attendant</i>
123	<b>Shri Manik Mukherjee</b> <i>Security Guard</i>	141	<b>Shri Prem Sankar Singh</b> <i>Junior Attendant</i>
124	<b>Shri Pradip Chakraborty</b> <i>Security Guard</i>	142	<b>Smt. Dipali Dey</b> <i>Junior Attendant</i>
125	<b>Shri Bibhas Dutta</b> <i>Security Guard</i>	143	<b>Shri Kashinath Nandi</b> <i>Junior Attendant</i>
126	<b>Shri Swapan Sarkar</b> <i>Security Guard</i>	144	<b>Shri Bharat Kumhar</b> <i>Junior Attendant</i>
127	<b>Shri Rabindranath Das</b> <i>Security Guard</i>	145	<b>Smt. Sharmistha Laha</b> <i>Junior Attendant</i>
128	<b>Shri Rajkisore Prasad</b> <i>Security Guard</i>	146	<b>Shri Surojit Das</b> <i>Junior Attendant</i>
129	<b>Shri Sudarshan Behera</b> <i>Security Guard</i>	147	<b>Shri Rakesh Kumhar</b> <i>Junior Attendant</i>
130	<b>Shri Atanu Batabyal</b> <i>Security Guard</i>	148	<b>Shri Sourav Majee</b> <i>Junior Attendant</i>



- |     |  |     |  |
|-----|--|-----|--|
| 149 | <b>Ms Shrabani Dutta Chowdhury</b><br><i>Junior Attendant</i>                  | 158 | <b>Shri Guddu Prasad</b><br><i>Generator cum Pump Operator</i>                                       |
| 150 | <b>Shri Utpal Ghosh</b><br><i>Junior Attendant</i>                             | 159 | <b>Shri Banibrata Bhattacharya</b><br><i>System Engineer [Contractual Basis]</i>                     |
| 151 | <b>Shri Prasenjit Bhadra</b><br><i>Junior Attendant [Joined on 08.08.2022]</i> | 160 | <b>Smt. Suranjana Choudhury</b><br><i>Publication Assistant cum Proof-Reader [Contractual Basis]</i> |
| 152 | <b>Shri Uttam Santra</b><br><i>Safaiwala</i>                                   | 161 | <b>Shri Ratan Dutta</b><br><i>Casual Labourer</i>  |
| 153 | <b>Shri Nihar Ranjan Majumder</b><br><i>Safaiwala</i>                          | 162 | <b>Shri Chandan Adhikary</b><br><i>Casual Labourer</i>   |
| 154 | <b>Shri Bharat Hela</b><br><i>Safaiwala</i>                                    | 163 | <b>Shri Chhattu Sarkar</b><br><i>Casual Labourer</i>   |
| 155 | <b>Smt. Laxmi Hela</b><br><i>Safaiwala</i>                                     | 164 | <b>Shri Bikesh Kumar Singh</b><br><i>Casual Labourer</i>   |
| 156 | <b>Shri Safik Ali Khan</b><br><i>Safaiwala</i>                                 | 165 | <b>Shri Ekramul Haque</b><br><i>Casual Labourer</i>  |
| 157 | <b>Ms Parul Debi</b><br><i>Safaiwala</i>                                       | 166 | <b>Ms Shilpa Kar</b><br><i>Casual Labourer</i>   |



# The Asiatic Society Kolkata

Audit Report  
2022-2023

\* As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 4th September, 2023.





## Annual Audit Report 2022-2023

### **SEPARATE AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA, FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31 MARCH 2023**

We have audited the attached Balance Sheet of The Asiatic Society, Kolkata, as at 31 March 2023, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account, for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971, read with Section-5(2) of The Asiatic Society Act, 1984. These financial statements are the responsibility of the Society's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements, based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (i.e. Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.
3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test



basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

- i) We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;
- ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by Ministry of Finance, Government of India.
- iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by The Asiatic Society, Kolkata, as required, insofar as it appears from our examination of such books.
- iv) We further report that

## Comments on Accounts

### A Income and Expenditure Account

#### 1.1 Expenditure

##### 1.1.1 Depreciation (Schedule 8): ₹ 1.50 crore

The above head was understated by an amount of ₹ 4.84 crore, due to non-charging of depreciation on the 'Library Books & Journals' [@40% on ₹ 12,09,18,536/- (purchased for more than six months) and @20% on ₹ 9,204/- (purchased for less than six months)]. This further resulted in understatement of Deficit (Being Excess of Expenditure over Income) by ₹ 4.84 crore.

##### 1.1.2 Establishment Expenses (Schedule 20): ₹ 17.82 crore

The above head was understated by an amount of ₹ 4.46 lakh due to non-booking of the Employers' Contribution to NPS for the month of March 2023. This further resulted in understatement of the Deficit (being Excess of Expenditure over Income), by ₹ 4.46 lakh.

#### 1.2 Income

##### 1.2.1 Interest Earned (Schedule 17): ₹ 21.25 lakh

During the financial year 2022-23, the Asiatic Society had earned ₹ 19.88 lakh as interest on the grants received by it, and it recognized this amount as 'Income', instead of showing it as being payable to the Government of India. Despite a similar observation having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in this regard. This resulted in overstatement of the Interest Earned (Schedule-17) and understatement of the 'Current Liabilities & Provisions' (Schedule-7) by ₹ 19.88 lakh each. Consequently, the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated/ Corpus was overstated by the same amount.

## B General Comments

- 2.1 The Society had shown an amount of ₹ 1.94 lakh as fund balance of five Earmarked Funds under the head 'Earmarked/ Endowment Funds' (Schedule 3) which were inoperative for more than six years. This needs to be reviewed.
- 2.2 Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases:
  - a) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAI.



- b) The Society had booked an amount of ₹ 19.31 lakh under the head 'Advance Payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted for more than six years. This needs to be reviewed.
- c) In regard to the 'Earmarked/Endowment Funds', balance under the 'Liabilities' side, was shown as ₹ 2.59 crore, whereas the balance, under the 'Assets' side, was shown as ₹ 2.51 crore (₹ 2.41 crore + ₹ 0.10 crore). The discrepancy of ₹ 0.08 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the 'Earmarked Funds'.
- d) An amount of ₹ 0.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.

### C. Grants-in-Aid

The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2022-23, it received grants amounting to ₹ 21.51 crore (Revenue Grant). It had previous year's unspent balance of ₹ 2.34 crore (Capital: ₹ 1.14 crore and Revenue: ₹ 1.20 crore). Out of the total grants so available amounting to ₹ 23.85 crore (including the unspent balance of the financial year 2021-22), it utilized grants of ₹ 21.02 crore (Capital Expenditure: ₹ 0.64 crore, Revenue Expenditure: ₹ 20.38 crore)], leaving an unspent balance of ₹ 2.83 crore (Capital: ₹ 0.50 crore and Revenue: ₹ 2.33 crore) as at 31 March 2023. Further the Society had incurred expenditure amounting to

₹ 1.12 crore from the revenue head which was met out from its own funds.

### D. Net Effect

The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated by ₹ 5.08 crore, for the year ended 31 March 2023.

- v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
- vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:
- Inssofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2023, and
  - Inssofar as it relates to Income and Expenditure Account of the deficit, for the year ended on that date.

**For and on behalf of the C&AG of India**

Sd/-

**(Debolina Thakur)**  
**Director General of Audit**  
**(Central) Kolkata**

Place: Kolkata  
 Date: 07.08.2023



## Annexure

### A. Adequacy of the Internal Audit system

The Internal Audit System of the Society is inadequate on account of the following

- i) There is no internal audit system in force.
- ii) No internal Audit Manual is in use.
- iii) No Internal Audit has been conducted after the financial year 2016-17

### B. Adequacy of the Internal Control System

The Internal Control System of the Society is inadequate on account of the following:

- i) The organizational chart of the Society does not clearly indicate the allocation of duties and responsibilities of its officials and employees.
- ii) Its head of accounts are not coded
- iii) No Chart of account is in use.

iv) Cash disbursement is being allowed out of the cash receipts of the Society in contravention with Rule 6(1) of the Receipts and Payment Rules, 1983.

v) No norms have been fixed in regard to stock levels to be held for consumable stocks, to ensure that the stock levels can be maintained accordingly.

### C. System of Physical verification of Fixed Assets and Inventory

The Society did not conduct the physical verification of its Fixed Assets and Inventories, during the financial year 2022-23. Further, the Institute had not updated its Fixed Asset Register.

### D. Statutory Liabilities

The Society was regular in payment its statutory dues.



## THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA

**Reply of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2022-23, audited by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata Under Section 19 (2) of Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act of 1971**

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
<b>A</b>	<b>Income &amp; Expenditure Account</b>	
<b>1.1</b>	<b>Expenditure</b>	
<b>1.1.1</b>	<p><b>Depreciation (Schedule 8): ₹ 1.50 crore</b></p> <p>The above head was understated by an amount of ₹ 4.84 crore, due to non-charging of depreciation on the 'Library Books &amp; Journals' [@40% on ₹ 12,09,18,536/- (purchased for more than six months) and @20% on ₹ 9,204/- (purchased for less than six months)]. This further resulted in understatement of Deficit (being Excess of Expenditure over Income) by ₹ 4.84 crore.</p>	<p>Necessary accounting entry for charging of depreciation on the 'Library Books &amp; Journals' has been passed in the books of accounts of the Society during the financial year 2023-24 vide Journal Voucher No. 75 dated 09.08.2023.</p>
<b>1.1.2</b>	<p><b>Establishment Expenses (Schedule 20): ₹ 17.82 crore</b></p> <p>The above head was understated by an amount of ₹ 4.46 lakh due to non-booking of the Employers' Contribution to NPS for the month of March 2023. This further resulted in understatement of the Deficit (being Excess of Expenditure over Income), by ₹ 4.46 lakh.</p>	<p>Provision for booking of the expenditure for Employers' Contribution to NPS for the month of March 2023 could not be made due to the error of omission. However, the same will be taken care of in future so that such omission do not occur again.</p>
<b>1.2</b>	<b>Income</b>	
<b>1.2.1</b>	<p><b>Interest Earned (Schedule 17): ₹ 21.25 lakh.</b></p> <p>During the financial year 2022-23, the Asiatic Society had earned ₹ 19.88 lakh as interest on the grants received by it, and it recognized this amount as 'Income', instead of showing it as being payable to</p>	<p>Accounting of all interest and other earnings against the Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India have been accounted in uniform pattern on year-to-year basis and the same have been capitalized over the years.</p>



Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	<p>the Government of India. Despite a similar observation having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in this regard. This resulted in overstatement of the Interest Earned (Schedule- 17) and understatement of the 'Current Liabilities &amp; Provisions' (Schedule- 7) by ₹ 19.88 lakh each. Consequently, the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated/ Corpus was overstated by the same amount.</p>	
<b>B</b>	<b>General Comments</b>	
2.1	<p>The Society had shown an amount of ₹ 1.94 lakh as fund balance of five Earmarked Funds under the head 'Earmarked/ Endowment Funds' (Schedule 3) which were inoperative for more than six years. This needs to be reviewed.</p>	<p>Agreed with the Audit that the carry forward balances under the head 'Earmarked Fund' of ₹15.97 lakh included five funds involving ₹ 1.94 lakh [serial no. 4 to 8 in schedule- 3(b)] remained inoperative for more than six years, out of which ₹ 0.45 lakh [serial no.6 in schedule-3(b)] has been refunded to IGRMS, Bhopal during the year 2023-24. The remaining four funds involving ₹ 1.49 lakh will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.</p>
2.2	<p>Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases:</p> <p>a) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAI.</p>	<p>a) Since the payment of retirement benefits comprises of Gratuity and Leave Encashment are made on cash basis and provided in budget on year-to-year basis, no such provision is made in the financial year 2022-23.</p> <p>Moreover, the society is fully funded by the Government of India, and it has no corresponding investments / own funds to meet the payment of retirement benefits of the employees, hence no such provision is made in the books of accounts of the Society for the financial year 2022-23. This pattern has been followed uniformly over the years.</p>



Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	<p>b) The Society had booked an amount of ₹ 19.31 lakh under the head 'Advance Payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted for more than six years. This needs to be reviewed.</p> <p>c) In regard to the 'Earmarked/ Endowment Funds', balance under the 'Liabilities' side, was shown as ₹ 2.59 crore, whereas the balance, under the 'Assets' side, was shown as ₹ 2.51 crore (₹ 2.41 crore + ₹ 0.10 crore). The discrepancy of ₹ 0.08 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the 'Earmarked Funds'.</p> <p>d) An amount of ₹ 0.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.</p>	<p>b) Advance payment to journal subscription (schedule-11) included advances for ₹ 19.31 lakh (Prior to 2016-17: ₹ 0.03 lakh, 2016-17: ₹ 10.37 lakh and 2017-18: ₹ 8.91 lakh) lying unadjusted for more than six years.</p> <p>Intimation already given to the Library Section of the Society for checking the records of receipts of the Journals against the unadjusted advances and necessary adjustment will be made accordingly for settlement of the unadjusted advances on receipts of the report from the library section of the society.</p> <p>c) The discrepancy is due to TDS receivable on interest earned from investments and the remaining amount retained by the Society in its savings bank account to liquidate the same immediately as and when the expenditure is required to be made from the respective funds.</p> <p>However, necessary investment of ₹ 0.08 crore would be made during the financial year 2023-24 to recoup the shortfall amount of investment over the actual liability against the 'Earmarked / Endowment Funds'.</p> <p>d) The carry forward balance of ₹ 0.36 lakh shown as "Sundry Debtors" under the head "Current Assets – Schedule-11 (details)" lying outstanding for more than three years will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.</p>
C	<p><b>Grants-in-Aid</b></p> <p>The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2022-23, it received grants amounting to ₹ 21.51 crore (Revenue Grant). It had previous year's unspent balance of ₹ 2.34 crore (Capital: ₹ 1.14 crore and Revenue: ₹ 1.20 crore). Out of the total grants so available, amounting to</p>	<p>Unspent balance of Grants-in-Aid (Revenue and Capital) as on 31.03.2022 as per the Utilization Certificate (GFR 12-A) of the Society: ₹ <b>2.17 crore</b> (Capital: ₹ 1.16 crore and Revenue: ₹ 1.01 crore) (Refer reply to SAR for the year 2021-22)</p> <p><b>Add:</b> Grants-in-Aid received during the year (Revenue) 2022-23 : ₹ <b>21.51 Crore</b></p>





Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	<p>₹ 23.85 crore (including the unspent balance of the financial year 2021-22), it utilized grants of ₹ 21.02 crore (Capital Expenditure: ₹ 0.64 crore, Revenue Expenditure: ₹ 20.38 crore)], leaving an unspent balance of ₹ 2.83 crore (Capital: ₹ 0.50 crore and Revenue: ₹ 2.33 crore) at 31 March 2023. Further the Society had incurred expenditure amounting to ₹ 1.12 crore from the revenue head which was met out from its own funds.</p>	<p><b>Total available Grants-in- Aid for the year 2022-23 including Unspent balance of previous year (2021-22): ₹ 23.68 crore.</b></p> <p><b>Less:</b> Utilisation of Grants-in-Aid during the year 2022-23: ₹ <b>21.02 Crore</b> (Revenue: ₹ 20.38 crore and Capital: ₹ 0.64 crore)</p> <p>Unspent balance of Grants-in-Aid (Revenue and Capital) as on 31.03.2023 as per the Utilization Certificate (GFR 12-A) of the Society: ₹ <b>2.66 crore</b> (Revenue: ₹ 2.13 crore and Capital: ₹ 0.53 crore)</p> <p>Unspent balance of Grants-in-Aid (Revenue and Capital) as on 31.03.2023 computed by the Audit: ₹ <b>2.83 crore</b> (Revenue: ₹ 2.33 crore and Capital: ₹ 0.50 crore)</p> <p>The differential amount of unspent balance of Grants-in-Aid of ₹ <b>0.17 crore</b> (i.e., ₹ 2.83 crore- ₹ 2.66 crore) has been carrying forwarded since financial year 2021-22 and which has been explained by the Society in its reply to SAR 2021-22.</p> <p>Agreed with the Audit Observations that the Society had incurred expenditure amounting to ₹ 1.12 crore (Revenue: ₹ 1.09 crore and Capital: ₹ 0.03 crore) from its own fund during the year 2022-23.</p>
<b>D</b>	<p><b>Net Impact</b></p> <p>The effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated by ₹ 5.08 crore, for the year ended 31 March 2023.</p> <p>v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this</p>	<p>The suggestions of the Audit have been noted. Corrective actions through Rectification/ Adjustments entries would be taken for some cases as mentioned in the respective paragraphs and appropriate actions for the remaining observations are being taken.</p>



Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	<p>report are in agreement with the books of accounts.</p> <p>vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:</p> <p>a. Insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2023, and</p> <p>b. Insofar as it relates to the Income and Expenditure Account of the deficit, for the year ended on that date.</p>	
	<p><b>Annexure to SAR</b></p> <p>A] Adequacy of the Internal Audit System</p> <p>B] Adequacy of the Internal Control System</p> <p>C] System of Physical Verification of Fixed Assets &amp; Inventory</p> <p>D] Statutory Liabilities</p>	<p>The deficiencies pointed out by the Audit in matters relating to Internal Audit System, Internal Control System and System of Physical Verification of Fixed Assets &amp; Inventory have been noted and necessary action will be taken to strengthen / improve the systems.</p> <p>Payments of Statutory dues have been made on regular basis within the due time.</p>

Place: Kolkata  
Date: 10<sup>th</sup> August, 2023

Sd/-  
(Ashok Kanti Sanyal)  
Treasurer  
The Asiatic Society, Kolkata

Sd/-  
(S.B.Chakrabarti)  
General Secretary  
The Asiatic Society, Kolkata





# The Asiatic Society Kolkata

## Audited Annual Accounts for the year 2022-2023

**\* As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 4th September, 2023.**



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA  
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
<b>FUNDS &amp; LIABILITIES</b>			
CAPITAL FUND	1	415584340.23	424078947.94
RESERVES & SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	25933944.99	24886219.99
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	9946372.39	7618077.55
<b>TOTAL</b>		<b>451464657.61</b>	<b>456583245.48</b>
<b>ASSETS</b>			
FIXED ASSETS	8	253053822.84	258595322.87
INVESTMENTS - FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	9	22088423.00	22088423.00
INVESTMENT- OTHERS	10	3789500.00	3789500.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	11	172532911.77	172109999.61
MISCELLANEOUS EXPENDITURE [to the extent not written off or adjusted]		0.00	0.00
<b>TOTAL</b>		<b>451464657.61</b>	<b>456583245.48</b>

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES 24

CONTINGENT LIABILITIES &  
NOTES ON ACCOUNTS 25Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

**Sd/-**  
**[Asok Kanti Sanyal]**  
Treasurer

**Sd/-**  
**[S.B.Chakrabarti]**  
General Secretary



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 1. CAPITAL FUND	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
Balance as at the beginning of the year		424078947.94		423389415.20
Add: Adjustments during the year		1213411.08		20641.00
Add: Contributions towards Corpus/ Capital Fund [Grants-in-Aid : Creation of Capital Assets]		0.00		0.00
Add/ (Deduct) : Balance of net income (expenditure) transferred from the Income & Expenditure Account		(9708018.79)		668891.74
<b>Balance at the year end</b>		<b>415584340.23</b>		<b>424078947.94</b>

SCHEDULE 2. RESERVES & SURPLUS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>1 Capital Reserve</b>				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>2 Revaluation Reserve</b>				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>3 Special Reserve</b>				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>4 General Reserve</b>				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>Total</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

(Amount in ₹)

<b>SCHEDULE 3. ENDOWMENT FUNDS &amp; EARMARKED FUNDS</b>													
Sl. No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
			A	B			C [i]	C [ii]					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
			Donations/ Grants/ Contributions	Income from Investments made on account of fund	Other additions	[A+B]	Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Administrative Expenses	C [i] + C [ii]	[A+B-C]
a	ENDOWMENT FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (a)]	23709068.74	0.00	1055350.00	0.00	24764418.74	0.00	0.00	0.00	0.00	427625.00	427625.00	24336793.74
b	EARMARKED FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (b)]	1177151.25	1270000.00	0.00	0.00	2447151.25	0.00	0.00	850000.00	0.00	0.00	850000.00	1597151.25
	<b>Total [ a + b ]</b>	<b>24886219.99</b>	<b>1270000.00</b>	<b>1055350.00</b>	<b>0.00</b>	<b>27211569.99</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>850000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>427625.00</b>	<b>1277625.00</b>	<b>25933944.99</b>
	<b>Previous Year</b>	<b>23867640.99</b>	<b>300500.00</b>	<b>1091272.00</b>	<b>0.00</b>	<b>25259412.99</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>167342.00</b>	<b>0.00</b>	<b>205851.00</b>	<b>373193.00</b>	<b>24886219.99</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- ENDOWMENT FUNDS - FUND WISE BREAK UP																	
Sl. No.	Title of the Endowment Fund	Opening Balance	Additions to the fund				Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds						Total	Net Balance as at the year end		
			A		B			C [I]								C	[A+B-C]
			3	4	5	6		7	8	9	10	11	12				
Donations/ Grants/ Contributions		Income from Investments made on account of fund	Other additions	Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]											
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Administrative Expenses						
1	Abha Maity Lecture Fund	476285.54	0.00	21200.66	0.00	497486.20	0.00	0.00	0.00	0.00	24866.00	0.00	24866.00	24866.00	472620.20		
2	Annadale Medal Fund	555754.87	0.00	24738.04	0.00	580492.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	580492.91		
3	B B Majumder Lecture Fund	467015.61	0.00	20788.03	0.00	487803.64	0.00	0.00	0.00	0.00	74355.00	0.00	74355.00	74355.00	413448.64		
4	Barclay Medal Fund	566702.18	0.00	25225.33	0.00	591927.51	0.00	0.00	0.00	0.00	3068.00	0.00	3068.00	3068.00	588859.51		
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	20187.80	0.00	898.61	0.00	21086.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	21086.41		
6	Bimala Charan Law Medal Fund	531219.97	0.00	23645.93	0.00	554865.90	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	0.00	2596.00	2596.00	552269.90		
7	Biren Roy Medal Fund	68494.02	0.00	3048.84	0.00	71542.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	71542.86		
8	D P Khaitan Medal Fund	556267.91	0.00	24760.88	0.00	581028.79	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	0.00	2596.00	2596.00	578432.79		
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	456165.46	0.00	20305.07	0.00	476470.53	0.00	0.00	0.00	0.00	6084.00	0.00	6084.00	6084.00	470386.53		
10	Hem Ch. Roy Chowdhury Medal Fund	113121.40	0.00	5035.32	0.00	118156.72	0.00	0.00	0.00	0.00	10640.00	0.00	10640.00	10640.00	107516.72		
11	Indian Science Congress Fund	578563.42	0.00	25753.31	0.00	604316.73	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	604316.73		





THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 3(A)- (Continued)		(Amount in ₹)													
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14		
12	Indira Gandhi Medal Fund	546983.01	0.00	24347.58	0.00	571330.59	0.00	0.00	0.00	0.00	16034.00	16034.00	555296.59		
13	Indira Gandhi Lecture Fund	724659.05	0.00	32256.39	0.00	756915.44	0.00	0.00	0.00	0.00	31379.00	31379.00	725536.44		
14	Joy Govinda Law Medal Fund	579328.06	0.00	25787.34	0.00	605115.40	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	605115.40		
15	Maya Deb Medal Fund	404475.84	0.00	18004.23	0.00	422480.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	422480.07		
16	Meghnad Saha Memorial Fund	542198.68	0.00	24134.62	0.00	566333.30	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	563383.30		
17	N N Chatterjee Medal Fund	541573.02	0.00	24106.77	0.00	565679.79	0.00	0.00	0.00	0.00	5192.00	5192.00	560487.79		
18	Naresh Ch. Sengupta Medal Fund	531578.28	0.00	23661.88	0.00	555240.16	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	552644.16		
19	Panchanan Mitra Lecture Fund	163589.53	0.00	7281.78	0.00	170871.31	0.00	0.00	0.00	0.00	10700.00	10700.00	160171.31		
20	Paul Jones Bruhi Medal Fund	521434.72	0.00	23210.36	0.00	544645.08	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	544645.08		
21	Pramathanath Bose Medal Fund	534742.78	0.00	23802.74	0.00	558545.52	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	558545.52		
22	Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund	217549.68	0.00	9683.68	0.00	227233.36	0.00	0.00	0.00	0.00	6084.00	6084.00	221149.36		
23	Priyabrata Roy Medal Fund	242716.42	0.00	10803.92	0.00	253520.34	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	253520.34		
24	Pt Iswarachandra Vidyasagar Lec Fund	1451139.85	0.00	64593.87	0.00	1515733.72	0.00	0.00	0.00	0.00	171710.00	171710.00	1344023.72		
25	Rajasthani Fund	601017.98	0.00	26752.81	0.00	627770.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	627770.79		
26	Ramprasad Chandra Medal Fund	457463.51	0.00	20362.85	0.00	477826.36	0.00	0.00	0.00	0.00	5192.00	5192.00	472634.36		
27	Ranadhir Roy Medal Fund	264814.14	0.00	11787.54	0.00	276601.68	0.00	0.00	0.00	0.00	5883.00	5883.00	270718.68		



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 3(A)- (Continued)		(Amount in ₹)													
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	538659.32	0.00	23977.07	0.00	562636.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	562636.39
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	402984.62	0.00	17937.85	0.00	420922.47	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	420922.47
30	S C Chakraborty Medal Fund	539085.75	0.00	23996.06	0.00	563081.81	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	560131.81
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	556787.30	0.00	24784.00	0.00	581571.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	581571.30
32	S N Sen Lecture Fund	260919.65	0.00	11614.19	0.00	272533.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	272533.84
33	Saratlal Biswas Medal Fund	536185.83	0.00	23866.97	0.00	560052.80	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2714.00	2714.00	557338.80
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	524121.16	0.00	23329.94	0.00	547451.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2596.00	2596.00	544855.10
35	Sir William Jones Medal Fund	393739.13	0.00	17526.31	0.00	411265.44	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5875.00	5875.00	405390.44
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	407415.10	0.00	18135.07	0.00	425550.17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	425550.17
37	Sukumar Sen Medal Fund	547466.43	0.00	24369.10	0.00	571835.53	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5900.00	5900.00	565935.53
38	Surit C Mitra Medal Fund	521080.56	0.00	23194.60	0.00	544275.16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1593.00	1593.00	542682.16
39	Swami Pranabananda Medal Fund	359838.98	0.00	16017.33	0.00	375856.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	375856.31
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	997145.25	0.00	44385.43	0.00	1041530.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2832.00	2832.00	1038698.68
41	Tagore Peace Award Fund	429875.12	0.00	19134.82	0.00	449009.94	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	21240.00	21240.00	427769.94
42	Foreign Donation - Japan	3978721.81	0.00	177102.87	0.00	4155824.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4155824.68
	<b>Total</b>	<b>23709068.74</b>	<b>0.00</b>	<b>1055350.00</b>	<b>0.00</b>	<b>24764418.74</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>427625.00</b>	<b>427625.00</b>	<b>24336793.74</b>



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2023**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(B)- EARMARKED FUNDS - FUND WISE BREAK UP														
Sl. No.	Title of the Earmarked Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end	
		A	B		C	[A+B]	C[i]					C	[A+B-C]	
			Donations/ Grants/ Contributions	Income from Investments made on account of fund			Other additions	Capital Expenditure [i]	Revenue Expenditure [ii]					C [i] + C [ii]
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14			
1	Manuscript Resource Centre (ASK-MRC)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	Bharatiya Rastriya Bigyan Academy (INSA)	229242.60	0.00	0.00	0.00	229242.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	229242.60
3	Indian Council of Social Science Research	220463.00	870000.00	0.00	0.00	1090463.00	0.00	850000.00	0.00	0.00	0.00	850000.00	0.00	240463.00
4	Govt of WB Grant for Publication	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	Gol Grant for Seminar on Ayurvedic Medicine	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	Indira Gandhi Manab Sangrahalaya	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	Indian Council for Philosophical Research	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	Indian Council for Historical Research	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
9	Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA ASK-MCC)		400000.00	0.00	0.00	400000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	400000.00
	<b>Total</b>	<b>1177151.25</b>	<b>1270000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>2447151.25</b>	<b>0.00</b>	<b>850000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>850000.00</b>	<b>0.00</b>	<b>1597151.25</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 4. SECURED LOANS AND BORROWINGS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Others (Specify)		0.00		0.00
<b>Total</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

SCHEDULE 5. UNSECURED LOANS AND BORROWINGS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Fixed Deposits		0.00		0.00
8	Others (Specify)		0.00		0.00
<b>Total</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

SCHEDULE 6. DEFERRED CREDIT LIABILITIES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
a	Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		0.00		0.00
b	Others		0.00		0.00
<b>Total</b>			<b>0.00</b>		<b>0.00</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 7. CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
<b>A</b>	<b>Current Liabilities</b>				
1	Acceptances		0.00		0.00
2	<b>Sundry Creditors</b>				
	i] For Goods	0.00		0.00	
	ii] Others	0.00	0.00	0.00	0.00
3	<b>Advance Received [Subscription]</b>		16100.00		15000.00
4	<b>Interest Accrued but not due on Loans/Borrowings</b>		0.00		0.00
5	<b>Statutory Liabilities</b>				
	i] For Goods	0.00		0.00	
	ii] Others	3088256.00	3088256.00	1326093.20	1326093.20
6	Other Current Liabilities		5378070.39		3776464.35
<b>Total [A]</b>			<b>8482426.39</b>		<b>5117557.55</b>
<b>B</b>	<b>Provisions</b>				
1	For Taxation		0.00		0.00
2	Gratuity		0.00		0.00
3	Superannuation / Pension		0.00		0.00
4	Accumulated Leave Encashment		0.00		0.00
5	Trade Warranties / Claims		0.00		0.00
6	Others		1463946.00		2500520.00
<b>Total [B]</b>			<b>1463946.00</b>		<b>2500520.00</b>
<b>Total [A + B]</b>			<b>9946372.39</b>		<b>7618077.55</b>



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS											
Asset Category	Rate of Depreciation	GROSS BLOCK			DEPRECIATION				NET BLOCK		
		Cost/Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
<b>A. Fixed Assets :</b>											
1. Land :											
a) Freehold	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b) Leasehold	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. Building											
a) on Freehold Land	10%	131124521.05	3163426.00	0.00	134287947.05	41940767.67	9160307.00	0.00	51101074.67	83186872.38	89183753.38
b) on Leasehold Land	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	173598.70	5917.00	0.00	179515.70	53248.30	59165.30
3. Plant & Machinery											
	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Vehicles											
	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2574650.03	161515.00	0.00	2736165.03	915251.97	1076766.97
5. Furniture & Fixture											
	10%	36205069.34	1006047.00	0.00	37211116.34	23266484.83	1379001.00	0.00	24645485.83	12565630.51	12938584.51
6. Office Equipment											
	15%	50450066.66	726703.00	0.00	51176769.66	34071391.27	2561488.00	0.00	36632879.27	14543890.39	16378675.39
7. Computer, Software & Networking											
	40%	22786997.20	142072.00	0.00	22929069.20	21130403.47	719466.00	0.00	21849869.47	1079199.73	1656593.73
8. Electrical Installations											
	10%	14763918.21	1459435.00	459654.00	16683007.21	8682673.50	764029.00	0.00	9446702.50	7236304.71	6081244.71
9. Library Books & Journals											
	0%	118388579.66	197749.00	2341412.97	120927741.63	0.00	0.00	0.00	0.00	120927741.63	118388579.66



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023

(Amount in ₹)

Asset Category	GROSS BLOCK			DEPRECIATION				NET BLOCK			
	Rate of Depreciation	Cost/Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
	[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10	
10. Tubewell & Water Supply		6221925.85	0.00	0.00	6221925.85	3359161.67	286276.00	0.00	3645437.67	2576488.18	2862764.18
11. Other Assets											
a) Microfilm & Documentation	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b) Mss & Art Objects-Museum	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4539450.00
<b>Total of Current Year[A]</b>		<b>399724882.83</b>	<b>6695432.00</b>	<b>2801066.97</b>	<b>409221381.80</b>	<b>141129559.96</b>	<b>15037999.00</b>	<b>0.00</b>	<b>156167558.96</b>	<b>253053822.84</b>	<b>258595322.87</b>
Previous Year		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	
B. Capital Work in Progress :											
Salt Lake Campus		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Park Street Building		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>Total of Current Year [B]</b>		<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>
Previous Year		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
<b>Total [A+B]</b>		<b>399724882.83</b>	<b>6695432.00</b>	<b>2801066.97</b>	<b>409221381.80</b>	<b>141129559.96</b>	<b>15037999.00</b>	<b>0.00</b>	<b>156167558.96</b>	<b>253053822.84</b>	<b>258595322.87</b>
Previous Year		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 9. INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		0.00		0.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 ENDOWMENT FUNDS: TDRs with SBI Park Street		21088423.00		21088423.00
7 EARMARKED FUNDS: "TDRs with SBI Park Street		1000000.00		1000000.00
<b>Total</b>		<b>22088423.00</b>		<b>22088423.00</b>

SCHEDULE 10. INVESTMENTS - OTHERS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		500.00		500.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 Others: TDRs with SBI Park Street		3789000.00		43789000.00
<b>Total</b>		<b>3789500.00</b>		<b>43789500.00</b>





**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>A Current Assets</b>				
<b>1 Inventories</b>				
a Stores & Spares	0.00		0.00	
b Loose Tools	0.00		0.00	
c Stock in Trade				
(i) Finished Goods [Printed Publications]	32374478.00		30531652.00	
(ii) Work in Progress	0.00		0.00	
(iii) Raw Materials [Preservation Materials]	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
<b>2 Sundry Debtors</b>				
a Debts outstanding for a period exceeding six months	35881.22		35881.22	
b Others	0.00	35881.22	0.00	35881.22
<b>3 Cash Balances in Hand</b>		123817.00		151913.00
<b>4 Bank Balances</b>				
<b>a With Scheduled Banks</b>				
(i) On Current Account	8543468.48		4465908.91	
(ii) On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii) On Savings Account	54443181.14	62986649.62	56917858.14	61383767.05
<b>b With Non-Scheduled Banks</b>				
(i) On Current Account	0.00		0.00	
(ii) On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii) On Savings Account	0.00	0.00	0.00	0.00
<b>5 Post Office Savings Account</b>		0.00		0.00
<b>Total [A]</b>		<b>95625616.84</b>		<b>92135660.27</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2023**

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC. (contds...)	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>B Loan, Advances &amp; Other Assets</b>				
<b>1 Loans</b>				
a Employees	170832.00		418748.00	
b Others	0.00	170832.00	0.00	418748.00
<b>2 Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received</b>				
a On Capital Account	50764579.00		51224233.00	
b Adv. Payment to Journal Subscription	2135685.60		2813359.57	
c Security Deposits	1445589.84		1445589.84	
d Earnest Money	0.00		2500.00	
e With Dept. of Income Tax [TDS]	0.00		684.00	
f Others [Employees / Scholars/Suppliers]	11721542.29	66067396.73	12765438.73	68251805.14
<b>3 Income Accrued</b>				
a On Investments from Earmarked/ Endowment Fund	3003258.00		2456678.00	
b On Investments- Others	1284810.00		1085400.00	
c Rent Receivable	3289865.40		5137905.40	
d Subscription Receivable	2599539.80		2296339.80	
e TDS Receivable	489025.00		324895.00	
f Institutional Membership Fee Receivable	2568.00	10669066.20	2568.00	11303786.20
<b>Total [B]</b>		<b>76907294.93</b>		<b>79974339.34</b>
<b>Total [A+B]</b>		<b>172532911.77</b>		<b>172109999.61</b>



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2023**

INCOME	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
Income from Sales / Service	12	0.00	0.00
Grants / Subsidies	13	215056000.00	240205000.00
Fees / Subscriptions	14	921326.00	434226.25
Income from Investments	15	2168796.00	3048208.00
Income from Roylty, Publication, etc.	16	1809245.00	1771091.00
Interest Earned	17	2124660.00	2051316.00
Other Income	18	381236.64	103402.00
Increase / (Decrease) in Stock of Finished Goods & Work-in-Progress	19	1915170.00	1238367.00
<b>Total [A]</b>		<b>224376433.64</b>	<b>248851610.25</b>
<b>EXPENDITURE</b>			
Establishment Expenses	20	178247232.00	197397548.00
Other Administrative Expenses, etc.	21	40807610.43	34428083.51
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0.00	0.00
Interest	23	36471.00	947.00
Depreciation[Net total at the year end corresponding to schedule 8]	8	15037999.00	16356140.00
<b>TOTAL [B]</b>		<b>234129312.43</b>	<b>248182718.51</b>
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		<b>(9752878.79)</b>	668891.74
Prior Period Adjustments		44860.00	0.00
Transfer to Special Reserve		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
<b>Balance being Surplus / (Deficit) Carried forward to Corpus / Capital Funds</b>		<b>(9708018.79)</b>	<b>668891.74</b>
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25		

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

Sd/-  
**[Asok Kanti Sanyal]**  
Treasurer

Sd/-  
**[S.B.Chakrabarti]**  
General Secretary



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 12. INCOME FROM SALES / SERVICES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Income from Sale		0.00		0.00
2 Income from Services		0.00		0.00
<b>Total</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

SCHEDULE 13. GRANTS / SUBSIDIES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>(Irrevocable Grants &amp; Subsidies received)</b>				
1 Central Government		215056000.00		240205000.00
2 State Government (specify)		0.00		0.00
3 Government Agencies		0.00		0.00
4 Institutions / Welfare Bodies		0.00		0.00
5 International Organizations		0.00		0.00
6 Others		0.00		0.00
<b>Total</b>		<b>215056000.00</b>		<b>240205000.00</b>

Sl. No.	Grants-in-Aid received from Ministry of Culture, Government of India	Amount ₹	Remarks
1	Grant-in-Aid : General	25000000.00	Revenue Grants (treated as Income)
2	Grant-in-Aid : Salaries	189906000.00	
3	Grant-in-Aid : Swachhwata Action Plan	150000.00	
<b>Total</b>		<b>215056000.00</b>	

SCHEDULE 14. FEES / SUBSCRIPTIONS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Application Fees for membership		0.00		36450.00
2 Annual Fees / Subscriptions		451900.00		349200.25
3 Life Membership Fees		134626.00		48576.00
4 Seminar / Workshop Fees		15900.00		0.00
5 Admission Fees for membership		294000.00		0.00
6 Application Fees for vacancy Notification		24900.00		0.00
<b>Total</b>		<b>921326.00</b>		<b>434226.25</b>



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 15. INCOME FROM INVESTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>(Income from Investment from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)</b>				
1 Interest on Investments against Endowment Funds		1055350.00		1091272.00
2 Dividend		0.00		0.00
3 Rent		2168796.00		2948796.00
4 Arrear Rent Receipts		0.00		99412.00
<b>Total</b>		<b>3224146.00</b>		<b>4139480.00</b>
<b>Transferred to Endowment Funds</b>		<b>1055350.00</b>		<b>1091272.00</b>
<b>Net Income from Investments</b>		<b>2168796.00</b>		<b>3048208.00</b>

SCHEDULE 16. INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Income from Royalty		163625.00		0.00
2 Income from Publications		1446695.00		1577151.00
3 Others : Sale of Mementos/ Souvenir items/ Photo album		198925.00		193940.00
<b>Total</b>		<b>1809245.00</b>		<b>1771091.00</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 17. INTEREST EARNED	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>1 On Term Deposits</b>				
(a) With Scheduled Banks	227227.00		732719.00	
(b) With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c) With Institutions	0.00	227227.00	0.00	732719.00
<b>2 On Savings Accounts</b>				
(a) With Scheduled Banks	1766822.00		1197134.00	
(b) With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c) With Institutions	0.00	1766822.00	0.00	1197134.00
<b>3 On Loans</b>				
(a) <b>Employees / Staff</b>				
(i) Interest on H.B.Loan	27722.00		0.00	
(ii) Interest on Computer Loan	98809.00		113863.00	
(iii) Interest on Scooter Loan	4080.00		7600.00	
(b) Others	0.00	130611.00	0.00	121463.00
<b>4 "Interest on Debtors and "Other Receivables"</b>				
		0.00		0.00
<b>Total</b>		<b>2124660.00</b>		<b>2051316.00</b>

SCHEDULE 18. OTHER INCOME	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Sale/ Disposal of Assets		0.00		0.00
2 Export Incentives Realized		0.00		0.00
3 Miscellaneous Receipts		381236.64		103402.00
<b>Total</b>		<b>381236.64</b>		<b>103402.00</b>

SN Miscellaneous Receipts [Break-up of Item No.3]	Current Year ₹
a Micro Film / Xerox	37583.00
b Sale of Scrap Materials	33200.00
c Service Charge	0.00
d Others	310453.64
<b>Total</b>	<b>381236.64</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 19. INCREASE / (DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS / WORK-IN-PROGRESS & RAW MATERIALS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>1 Closing Stock</b>				
(a) "Finished Goods"[Printed Publications]"	32374478.00		30531652.00	
(b) "Work-in-Progress""	0.00		0.00	
(c) "Raw Materials"[Preservation Materials]"	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
<b>2 Less: Opening Stock</b>				
(a) "Finished Goods"[Printed Publications]"	30531652.00		29300861.00	
(b) "Work-in-Progress""	0.00		0.00	
(c) "Raw Materials"[Preservation Materials]"	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
<b>Total</b>		<b>1915170.00</b>		<b>1238367.00</b>

SCHEDULE 20. ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Salary & Wages		139901266.00		139915958.00
2 Allowances & Bonus		1069943.00		988335.00
3 Employer's Contribution to EPF		9119351.00		12753046.00
4 Administrative Charges on EPF		469998.00		671571.00
5 Employer's Contribution to NPS		2282678.00		688591.00
6 CRA & Registration charges on NPS		21254.00		2447.00
7 License Fee (Govt. Accommodation)		35634.00		0.00
8 Staff Welfare Expenses		64530.00		44510.00
9 "Expenses on Employees' "Retirement & Terminal Benefits"		18712370.00		38749091.00
10 Leave Travel Concession (LTC)		1500462.00		262236.00
11 Leave Encashment (LTC)		706191.00		502066.00
12 "Reimbursement of Medical Expenses" (Indoor + Outdoor)"		4259087.00		2708297.00
13 Honorarium		19200.00		22900.00
14 "Reimbursement of News Paper & "Telephone Charges"		85268.00		88500.00
<b>Total</b>		<b>178247232.00</b>		<b>197397548.00</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SN	Salary & Wages [Break-up of Item No.1]	₹
a	Salaries & Wages to Regular Employees	137189204.00
b	Salaries & Wages to Contractual Employees	2712062.00
<b>Total</b>		<b>139901266.00</b>

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>A Travelling &amp; Conveyance Expenses:</b>				
1 Travelling Allowance [TA/DA]	155710.60		1635.00	
2 Local Conveyance (staff)	70561.00		21291.00	
3 Local Conveyance (others)	67700.00		2500.00	
4 Transportation Expenses	0.00		17108.00	
5 Traveling Allowance [Transfer]	172750.00	466721.60	0.00	42534.00
<b>B Communication Charges:</b>				
1 Telephone Expenses	73603.00		37661.00	
2 Postage & Communication Charges	259719.00		188942.00	
3 Network & Allied work	7080.00		18290.00	
4 Internet Charges	192080.00	532482.00	278775.00	523668.00
<b>C Repairs &amp; Maintenance:</b>				
1 Repairs & Maintenance- Building	72013.00		143993.00	
2 Repairs & Maintenance- Lift	399616.34		244416.00	
3 Repairs & Maintenance- AC Machine	2516647.17		2879889.00	
4 Repairs & Maintenance- Generator	35991.00		67345.00	
5 Repairs & Maintenance- Furniture	364229.00		31205.00	
6 Repairs & Maintenance- Computer	82899.36		269998.00	
7 Repairs & Maintenance- Electrical	111980.00		69034.00	
8 Repairs & Maintenance- Equipment	342712.01		65104.00	
9 Repairs & Maintenance- CCTV	1060844.00		1591266.00	
10 Repairs & Maintenance- Others	300348.04	5287279.92	362671.00	5724921.00





**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
<b>D</b>	<b>Other Administrative Expenses:</b>				
1	Advertisement & Publicity	148585.00		532794.00	
2	Printing & Stationery	573043.00		647205.00	
3	Rent, Rates & Taxes	117.00		548795.00	
4	Vehicle Running & Maintenance	701165.00		535102.00	
5	Electricity & Power	2888057.00		1754843.00	
6	E-Filing Fees	49200.00		49400.00	
7	Water Charges	5280.00		6610.00	
8	Insurance	126818.61		145202.00	
9	Auditors' Remuneration	703100.00		676180.00	
10	Security & Housekeeping Expenses	9444709.00		8782086.00	
11	Meeting Expenses	782968.00		304165.00	
12	Cleaning & Washing	129072.00		79574.00	
13	Staff Training	25533.00		7700.00	
14	Contingencies	104907.00		79015.00	
15	Legal Expenses	136175.00		108590.00	
16	Awards & Incentives	10000.00		41200.00	
17	Registration Charges and fees for Rent	0.00		109630.00	
18	Office Supplies	4581.00		32541.00	
19	Professional Fees	20038.00		56640.00	
20	Election Expenses	275379.00		110103.00	
21	Bank Charges	25178.76		22892.51	
22	Website Development, Maint & Email Account	180907.00		62660.00	
23	License Fees	3300.00		300.00	
24	Sanitation Expenses	0.00		179752.00	
25	Recruitment Expenses	1328362.54		84266.00	
26	Repographic Expenses	117207.00		83314.00	
27	Horticulture Expenses	7380.00		2100.00	
28	Study Visit - PSC (Rajya Sabha)	0.00		112640.00	
29	Shifting & Rearrangement Works	197488.00		10430.00	
30	Rent receivable written off	1980000.00		0.00	
31	Honorarium (others)	1000.00	19969550.91	0.00	15165729.51
<b>E</b>	<b>Publication &amp; Sales Expenses:</b>				
1	Publication of Books, Journals & Bulletin	5501513.00		4961388.00	
2	Promotion of Publications	64000.00		116440.00	
3	Book Fairs & Book Exhibitions	494386.00	6059899.00	300957.00	5378785.00



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
<b>F Academic Programme Expenses:</b>				
1 Expenses on Seminar / Workshops	349366.00		794865.00	
2 Dr. Raja Rajendralala Mitra M. Lecture	10000.00		17200.00	
3 Documentation of Programmes	16120.00		11428.00	
4 R N Tagore Birth Centenary Plaque	6136.00	381622.00	0.00	823493.00
<b>G Other Programme Expenses:</b>				
1 Celebration of Important Days	156256.00		128383.00	
2 Exhibition	562838.00		94984	
3 Hindi Programme	13278.00		12686.00	
4 Celebration of Foundation Day	270428.00		44700.00	
5 Azadi ka Amrit Mahotsab	1369531.00	2372331.00	0.00	280753.00
<b>H Library &amp; Museum Development:</b>				
1 Consv. & Binding of Books & Mss	91587.00		37938.00	
2 Library Automation Programme	483650.00		10500.00	
3 Digitization of Mss & Rare Books	726088.00		166932.00	
4 Purchase of Preservation Materials	179954.00		67680.00	
5 Purchase of Newspapers & Periodicals	19243.00		14211.00	
6 Institutional Membership Fees	13570.00		0.00	
7 Trans-Col & Conveyance (Vivadarnavasetu)	42023.00	1556115.00	0.00	297261.00
<b>I Academic &amp; Research Expenses:</b>				
1 Post Doctoral Fellowship	360000.00		156774.00	
2 Fellowship to Research Fellows	2021499.00		2289671.00	
3 Contingency to Research Fellows	106510.00		85694.00	
4 Honorarium/Remuneration to PI/RA	819871.00		1160090.00	
5 Contingency to PI/RA	483207.00		165548.00	
6 External Project Work	0.00	3791087.00	1214000.00	5071777.00
<b>J Cost of Replicas (Museum):</b>				
1 Cost of Souvenir (Museum)	116732.00		320618.00	
2 Printing of Posters (Museum)	0.00	116732.00	0.00	320618.00
<b>K Expenses -North Eastern Region:</b>				
1 Seminar, Workshop for NER	110000.00		598544.00	
2 NER- Internal Project Expenses	0.00		0.00	
3 NER- External Project Expenses	0.00	110000.00	0.00	598544.00
<b>L Expenses- Swatchhwata Action Plan</b>	163790.00	163790.00	200000.00	200000.00
<b>Total</b>		<b>40807610.43</b>		<b>34428083.51</b>



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Schedules forming part of Income & Expenditure Account  
for the year ended 31st March 2023**

SCHEDULE 22. EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Grants given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
2 Subsidies given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
<b>Total</b>		<b>0.00</b>		<b>0.00</b>

SCHEDULE 23. INTEREST	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 On Fixed Loans		0.00		0.00
2 On Other Loans		0.00		0.00
3 Others		36471.00		947.00
<b>Total</b>		<b>36471.00</b>		<b>947.00</b>

PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Provisions Written Back (Auditors' remuneration)		44860.00		0.00
<b>Total</b>		<b>44860.00</b>		<b>0.00</b>

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

**Sd/-**  
**[Asok Kanti Sanyal]**  
Treasurer

**Sd/-**  
**[S.B.Chakrabarti]**  
General Secretary



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2023**

RECEIPTS	RECEIPTS		PAYMENTS	PAYMENTS		(Amount in ₹)
	Current Year	Previous Year		Current Year	Previous Year	
<b>Opening Balance</b>						
Cash in Hand	151913.00	36242.00	Expenses			
			Establishment Expenses	177936869.00	196385832.00	
			Expenses on Programmes & Activities	13112000.00	10372095.00	
			Other Administrative Expenses	21234154.51	19674971.51	
Cash at Bank			"Payment against Outstanding Expenses " & Provisions "	2500520.00	1678357.00	
In Current Accounts	4465908.91	5595512.70	Payments made against Funds			
In Deposit Accounts	0.00	0.00	Endowment Funds	343570.00	205851.00	
In Savings Accounts	56917858.14	6350524.86	Earmarked Funds	850000.00	167342.00	
Grants Received			Investments & Deposits made			
From Govt. of India [MoC]	215056000.00	240205000.00	Out of Earmarked/ Endowment Funds			
For External Project	1270000.00	300500.00	[Net]	0.00	300000.00	
			Out of Own Funds [other Investments]	0.00	0.00	
Income on Investments from Earmarked/Endowment Funds	431873.00	505597.00	Expenditure on Fixed Assets & CWIP			
Own Funds [other Investments]	0.00	4453570.00	Purchase of Fixed Assets	6695432.00	4018286.00	
			Expenditure on Capital Work in Progress	0.00	0.00	
Interest received			Finance Charges			
On Savings Account	1766822.00	1197134.00	Interest on Overdraft	0.00	0.00	
On Staff Loan	130611.00	121463.00	Other payments			
Other Income			Statutory Deductions from Employees	32187586.00	35986852.00	
Sale of Publications	1446695.00	1577151.00	"Statutory Deductions from Contractors & "Professionals "	756561.00	462188.00	
Membership Fees	603326.00	204801.00	Refund of Reserve Money	695866.00	370964.00	
Sale of Photo Albums & Mementos	198925.00	193940.00	Refund of Earnest Money Deposit	40000.00	70000.00	
Rent	2036836.00	2576248.00				



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2023**

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Refund of TDS from Income Tax Department	163625.00	780770.00	Advance to Parties & Others	602725.00	394185.00
Others	384241.08	103402.00	Advance to Employees	4229313.00	2082055.00
Encashment of Investments & Deposits			Advance for Creation of Capital Assets	0.00	504782.00
Out of Own Funds [other Investments]	0.00	4000000.00	Refund of Security Deposit	291162.00	2818940.00
Other Receipts			Advance for Journal Subscription	1781086.00	1712354.00
Earnest Money Deposit from Contractors	950000.00	0.00	TDS paid on Term Deposits & Royalties	59416.00	89405.00
Statutory deductions from Employees	34955782.00	34039598.00	Prepaid expenses for Dress Allowances	72604.00	13845.00
"Statutory deductions from Contractors & "Professionals "			Donation to PM CARES Fund/ CM Relief Fund	0.00	22000.00
Security Deposits	781161.00	551912.00	Diposit with Digital Franking Machine	130000.00	0.00
Retension of Reserve Money from Fellowship	424136.00	662315.00	Closing Balance		151913.00
Advance Recovered from Parties	396945.00	407774.00	Cash in Hand	123817.00	
Advance Recovered from Employees	454385.00	436175.00	Cash at Bank		
Recovery against Advance Payment for Journal Subscriptions	3524941.00	1244355.00	In Curent Accounts	8543468.48	4465908.91
Contribution received from Employee for donation to PM CARES Fund/ CM Relief Fund	117347.00	0.00	In Deposit Accounts	0.00	0.00
Total	326629331.13	341565984.56	In Savings Accounts	54443181.14	56917858.14
			Total	326629331.13	341565984.56

Place: Kolkata

Date: 15th May, 2023

Sd/-

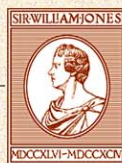
[Asok Kanti Sanyal]

Treasurer

Sd/-

[S.B.Chakrabarti]

General Secretary



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts  
forming part of Accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March 2023**

**SCHEDULE – 24**

**SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES**

**1. Accounting Convention**

The financial statements of accounts are prepared under historical cost convention, in accordance with the applicable Accounting Standards in India and on the accrual method of accounting, unless otherwise stated.

**2. Inventory Valuation**

- a) The closing stock of Publications of the Society has been valued on the basis of print price of the publications, keeping uniformity with that of previous year.
- b) Conservation & Preservation Materials have been valued at cost.

**3. Investments**

Deposits with Banks in the form of TDRs (Fixed deposits) are stated at cost. Interest accrued on such deposits but not due at the year end is shown separately in Balance Sheet under “Loans, Advances & Other Current Assets”.

**4. Fixed Assets**

- a) Fixed Assets have been accounted at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes and incidental & direct expenses related to such acquisitions;
- b) Fixed Assets are stated at written down value after charging for depreciation.

**5. Depreciation**

Depreciation on Fixed Assets have been calculated and provided in the accounts on the basis of written down value of the fixed assets at the rates specified in the Income Tax Act, 1961 and as applicable for the financial year 2022-23.



THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA

**Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts  
forming part of Accounts for the year ended 31st March 2023**

**6. Government Grants**

Grants-in-aid are recognized in accounts as and when the same is realized. A year's unutilized grant due to underutilization is carried forward and adjusted with next year's grants-in-aid. Expenditure in excess of grants-in-aid received under a particular head, wherever the case may be, have been met out of own resources. Grants-in-aid received under the head "Creation of Capital Assets" has been treated as contributions towards Capital Fund while Grants-in-aid received under other heads (viz. General, Salaries & SAP) have been treated as Income, being grants of revenue nature, in consistency with that of previous year.

**7. Accounting for interest on Staff Loan**

Interest on Staff Loan has been considered as earning based on realization during the year.

**8. Accounting for Interest on Investments**

Interest earned on investments has been provided on accrual basis.

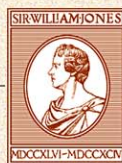
**9. Retirement Benefit**

Payments to the retirees during 2022-23 towards retirement benefits (gratuity & leave encashment) have been accounted for on actual payment basis.

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

Sd/-  
[Asok Kanti Sanyal]  
Treasurer

Sd/-  
[S.B.Chakrabarti]  
General Secretary



**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts  
forming part of Accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March 2023**

**SCHEDULE – 25**

**CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS**

**A. CONTINGENT LIABILITIES**

1. Bank Guarantee given by / on behalf of the Society : Nil (Previous Year: Nil)
2. Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

**B. NOTES ON ACCOUNTS**

1. The Society has been set up as an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India and is wholly financed by the Government of India.
2. The Annual Accounts for 2022-23 have been prepared in the Uniform Format of Accounts prescribed for Central Autonomous Bodies in consistency with that of previous years.
3. The Society has been registered u / s 12 AA of the Income Tax Act, 1961 and hence its entire income is exempt from Income Tax.
4. The property at 91, Ballygunge Place, Kolkata – 700019, gifted by Late Professor S.D. Chatterjee in 1995 is being used by the Society. A litigation pertaining to the property (Title Suit) was filed by S.D.Chatterjee Research Foundation Trust. The matter has since been settled, a proposal from the Secretary of the Trust has been received for transfer of the title of the property in favour of The Asiatic Society, Kolkata solely and absolutely. The proposal has been accepted by the Council of the Society in its meeting held on 31.01.2023. The legal process for the transfer has been initiated by the Society. Pending completion of the transfer of the property, the value of the property has not been included in Fixed Assets.
5. Investments in the form of Fixed Deposits against Endowment Funds of Rs.79,51,408.00 have been kept with State Bank of India, Park Street Branch as collateral security to avail overdraft facility as and when required.
6. Pending the audit for the year 2022-23, the claim for audit fees for the year 2022-23 is yet to be received from the office of the Director General of Audit (central), Kolkata.





**THE ASIATIC SOCIETY  
KOLKATA**

**Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts  
forming part of Accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March 2023**

Under such circumstances, an amount of Rs.6,50,000.00 in lump sum (estimated on the basis of last year's audit fees) has been provided for in the accounts for the year 2022-23.

7. Accrued Interest on Fixed Deposits against Endowment Funds & Others as on 31.03.2023 have been accounted for in 2022-23 after reconciliation with FDR statements.
8. No provisions have been made in respect of employer's contribution to the Employees Provident Fund (EPF) for the months of February & March 2023 following a decision of the Council of the Society to keep the payment of employer's contribution to EPF on hold since the matter has become sub-judice arising out of a writ petition (WPA No. 6229 dated 14.03.2023) filed by the Asiatic Society's Employees' Union before the Hon'ble High Court at Calcutta against implementation of the Society's Office Order No. 38 dated 06.02.2023 on EPF contributions.
9. Corresponding figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

**Sd/-**  
**[Asok Kanti Sanyal]**  
Treasurer

**Sd/-**  
**[S.B.Chakrabarti]**  
General Secretary



# GFR 12-A

[(See Rule 238 (1))]

## FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2022-23

In respect of recurring / non-recurring

GRANTS-IN-AID / SALARIES / CREATION OF CAPITAL ASSETS

1. Name of the Scheme : **Grants-in-aid under Revenue for The Asiatic Society, Kolkata**
2. Whether recurring or non-recurring grants : Recurring Grants
3. Grants position at the beginning of the Financial Year 2022-23 (i.e. 01.04.2022)
  - (i) Cash in Hand / Bank : **Rs.2,17,31,197**
  - (ii) Unadjusted advances : **Rs. NIL**
  - (iii) Total : **Rs.2,17,31,197**
4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actual)

[Amount in Rupees]

Unspent Balances of Grants received Years [figure as at Sl.No.3 (iii)]	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Government	Grants received during the year			Total Available funds [(1+2)-3]+4	Expenditure incurred	Closing Balances (5-6)
			Sanction No.(i)	Date (ii)	Amt. in Rs.(iii)			
1	2	3	4			5	6	7
<b>Grants-in-Aid : General (31) : 2205.00.105.19.01</b>								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-6/ 2022- A &A (General)	06.05.2022	42,00,000	2,50,00,000	2,50,00,000	NIL
				01.06.2022	20,50,000			
				20.07.2022	21,00,000			
				10.08.2022	21,00,000			
				13.09.2022	20,50,000			
				13.10.2022	21,00,000			
				07.11.2022	21,00,000			
				13.12.2022	20,50,000			
				15.03.2023	62,50,000			
				<b>Total</b>				



<b>Grants-in-Aid : Salaries (36) : 2205.00.105.19.01</b>								
1,00,93,631	NIL	NIL	F.No.20-6/ 2022- A & A (Salaries)	06.05.2022	2,79,45,000	19,99,99,631	17,87,22,536	2,12,77,095
				01.06.2022	1,90,00,000			
				20.07.2022	1,89,61,000			
				10.08.2022	1,90,00,000			
				13.09.2022	1,90,00,000			
				13.10.2022	1,90,00,000			
				07.11.2022	1,90,00,000			
				13.12.2022	1,90,00,000			
				15.03.2023	2,90,00,000			
			<b>Total</b>		<b>18,99,06,000</b>			
<b>Creation of Capital Assets (35) : 2205.00.105.19.01</b>								
1,16,37,566	NIL	NIL	NIL			1,16,37,566	63,55,611	52,81,955
<b>Grants-in-Aid : - General – Swachhwata Action Plan (96-31) : 2205.00.105.19.01</b>								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-6/ 2022- A&A (SAP- General)	06.05.2022	25,000	1,50,000	1,50,000	NIL
				01.06.2022	13,000			
				20.07.2022	12,000			
				10.08.2022	12,000			
				13.09.2022	13,000			
				13.10.2022	13,000			
				07.11.2022	13,000			
				13.12.2022	12,000			
				15.03.2023	37,000			
			<b>Total</b>		<b>1,50,000</b>			
<b>2,17,31,197</b>	NIL	NIL			<b>21,50,56,000</b>	<b>23,67,87,197</b>	<b>21,02,28,147</b>	<b>2,65,59,050</b>

## 5. Component wise utilization of grants:

[Amount in Rupees]

Grant-in-aid- General	Grant-in-aid- Salaries	Grant-in-aid- Creation of Capital Assets	Grant-in-aid- General-Swachhwata Action Plan (SAP)	Total
2,50,00,000	17,87,22,536	63,55,611	1,50,000	<b>21,02,28,147</b>



6. Details of grants position at the end the Financial Year 2022-23 (i.e., 31.03.2023)

(i) Cash in Hand / Bank	: Rs. 2,65,59,050
(ii) Unadjusted Advances	: Rs.NIL
(iii) Total	: <b>Rs. 2,65,59,050</b>

7. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled / are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

- (i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/ Rules / Standing instructions (mention the Act/ Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements / accounts.
- (ii) There exist internal controls for safeguarding public funds / assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. and the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.
- (iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/ Rules/ Standing instructions and scheme guidelines.
- (iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.
- (v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas / districts were covered where the scheme was intended to operate.
- (vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.
- (vii) It has been ensured that the physical and financial performance under **Grants-in-aid under revenue for The Asiatic Society, Kolkata** (name of the scheme) has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance / targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.
- (viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure- II duly enclosed (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).
- (ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure-II (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).

Place: Kolkata  
Date: 15th May, 2023

Sd/-  
[Asok Kanti Sanyal]  
Treasurer

Sd/-  
[S.B.Chakrabarti]  
General Secretary



# Visuals

(दृश्य-सामग्री)



Shri Jagdeep Dhankar, Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society is delivering his speech during the Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony 2022 held on 2<sup>nd</sup> May 2022. Smt. Sudesh Dhankar, First lady, Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick, President and Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer were present on the dias.



Professor Chinmay Guha, former Head of the Department of English, University of Calcutta receiving the *Dr. Bimala Churn Law Gold Medal* from Shri Jagdeep Dhankar, Hon'ble Governor of West Bengal on this occasion.



Professor Swapan Kumar Pramanick, President of the Asiatic Society inaugurating the exhibition as a part of Azadi Ka Amrit Mahotsav Celebration on the 75<sup>th</sup> Independence Day of India held on 15<sup>th</sup> August 2022.



16 ASSAM Regiment playing band during the Flag Hosting Ceremony on the occasion of 75<sup>th</sup> Independence Day at the Society premises on 15<sup>th</sup> August 2022.



Observance of National Survey Day on 10<sup>th</sup> April 2022. Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Joydeb Kumar Mondal, Secretary, National Survey Day Committee, Dr. Shankar Kumar Nath, Medical Science Secretary and Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer were present on the dias.



Observance of World Heritage Day on 18<sup>th</sup> April 2022 at the Vidyasagar Hall of the Society. Professor Arun Kumar Bandyopadhyay, Historical and Archaeological Secretary is delivering his speech on the occasion. Shri Amar Modi, former Consultant Director at National Monuments Authority of India, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer and Professor Ashok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary were present on the dias.





Professor Malini Bhattacharya, Eminent Academician and an awardee of Abha Maiti Annual Memorial Lectureship 2020 is being felicitated by Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary on 18<sup>th</sup> May, 2022. She delivered lecture on ‘*The Secularism of Folk Culture*’.



Observance of International Day for Biological Diversity on 24<sup>th</sup> May, 2022. Professor Swapan Kumar Pramanick, President is delivering his speech during the inaugural session. Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary, Professor (Dr.) Nimai Chandra Saha, [Dr. J.R.B. Alfred](#), Professor Tapan Kumar Mishra, Professor Ashok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary and Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer were present on the dias.



Observance of International Museum Day on 18<sup>th</sup> May 2022. Dr. Keka Adhikari (Banerjee), Curator is talking to the students on occasion of their visit to the Society's Museum.



Observance of Birth Anniversary of Sir Asutosh Mukhopadhyay, Former Vice-Chancellor of University of Calcutta and Former President of The Asiatic Society on 29<sup>th</sup> June 2022. Professor Biplab Chakrabarti, Library Secretary, Dr. Pritam Gurey, Librarian and other staff members of the Society were present.



Dr. Kalpana Kannabiran, Sociologist, Human Rights Columnist and Writer delivered Indira Gandhi Memorial Lectureship 2021 on 20<sup>th</sup> July 2022. Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary is welcoming the speaker and the audience. Professor Swapan Kumar Pramanick, President is also present.



Swami Atmapriyanandaji Maharaj, Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute is delivering a special lecture on '*Upanishads: the marvellous exploratory science of Consciousness*' on 4<sup>th</sup> August 2022.



Voluntary Blood Donation Camp is organized at the Asiatic Society, Kolkata on 12<sup>th</sup> August 2022 as part of observance of Azadi Ka Amrit Mahotsav and commemoration of 75 years of India's Independence. Shri Arupratan Bagchi, Administrative Officer is donating blood during the event along with other staff members.



Professor Tapati Mukherjee, Vice-President of the Society is delivering her speech on the occasion of a two-day seminar on 'A tribute to Raja Rajendralala Mitra on his bi-centenary'. Professor Swapan Basu, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Professor Baridbaran Ghosh and Professor Shyamal Kumar Chakraborty, Publication Secretary were present in the program.



Dr. S.B Chakarabarti, General Secretary distributing mementos to the participants of drama organised by the Asiatic Society Recreation Club on 15<sup>th</sup> September 2022.



*Diploma of Honour* presented to Professor (Dr.) Samaresh Bandyopadhyay, an Eminent Scholar in a collaborative program between The Asiatic Society, The San Marcos University, Lima, Peru and North American Institute of Oriental & Classical Studies on 16<sup>th</sup> September 2022.



A lecture on 'Relevance of Fundamental Principles of Ayurveda in Caraka Samhita in the Present Era' is being delivered by Professor Abichal Chattopadhyay on 20<sup>th</sup> September 2022.



Lt. Col. Anant Sinha, Director is delivering a speech in the inaugural program of Vigilance Awareness Week on 31<sup>st</sup> October 2022.



Professor Soumendra Mohan Patnaik, former Vice-Chancellor of Utkal University and an awardee of Panchanan Mitra Memorial Lectureship was felicitated by Professor Swapan Kumar Pramanick, President on 9<sup>th</sup> December 2022. Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary and Professor Ranjana Ray, Anthropological Secretary were also present.



Professor Chandrima Shaha, President of Indian National Science Academy, New-Delhi delivered the 240<sup>th</sup> Foundation Day Oration on 15<sup>th</sup> January 2023. The book entitled '*Global Concept of Cultural Heritage Management and its Significance Across the Ethnic Groups* edited by Ranjana Ray' is being released by her on this occasion.



Celebration of 201<sup>st</sup> Birthday of Raja Rajendralala Mitra at Rajendralala Mitra Bhavan (Saltlake Campus) on 16<sup>th</sup> February 2023. Dr. S.B Chakrabarti, General Secretary, Dr. Sankar Nath, Medical Science Secretary were present along with family members of Raja Rajendralala Mitra.



Professor Tone Bleie, Professor of Public Planning and Cultural Understanding, Department of Sociology, University of Tromsø delivering a special lecture on ‘P.O. Bodding as chief collector and the shifting management of the Bodding Collections in Oslo (1901-2022)’ on 22<sup>nd</sup> March 2023.





**The Asiatic Society  
Kolkata**

1, Park Street, Kolkata - 700016